राष्ट्रपति और राज्यपाल मंत्रिपरिषद की सलाह से बंधे - 12

दरों में बदलाव के अनुरूप एमआरपी में संशोधन करें कंपनियां : जोशी - 12

बेकाबू गुस्सा... ओली के इस्तीफे से भी नहीं संभले हालात - 13

पाकिस्तान के खिलाफ मैदान पर आक्रामकता नहीं छोड़ेंगे सूर्यकुमार यादव- 14

आज का मौसम 34.0^0 अधिकतम तापमान 27.0^0 न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 05.52 सूर्यास्त 06.19

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

| लखनऊ |

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ ▪ बरेली ▪ कानपुर ▪ मुरादाबाद ▪ अयोध्या ▪ हल्द्वानी

आश्विन कृष्ण पक्ष तृतीया 03:38 उपरांत चतुर्थी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 10 सितंबर 2025, वर्ष 35, अंक 223, पृष्ठ 14 ▪ मूल्य 6 रुपये

नेपाल में स्थिति तनावपूर्ण, संसद में आग लगाई मंत्रियों के आवास फूंके, पीएम ओली का इस्तीफा

पूर्व पीएम झलनाथ खनाल की पत्नी राजलक्ष्मी को जिंदा जलाया, युवाओं का हिंसक विरोध प्रदर्शन जारी

काठमांडू, अमृत विचार नेटवर्क/एजेंसी

नेपाल के प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने देश में जारी सरकार विरोधी जबर्दस्त प्रदर्शन के मद्देनजर मंगलवार को इस्तीफा दे दिया। वहीं, प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल सहित कई शीर्ष राजनीतिक नेताओं के निजी आवास पर हमला किया तथा संसद भवन में तोड़फोड़ की। पूर्व पीएम झलनाथ खनाल की पत्नी को राजलक्ष्मी को प्रदर्शनकारियों ने जिंदा जला दिया जिससे उनकी मौत हो गई।

छात्रों के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शनों में राजनीतिक वर्ग के खिलाफ कई कारणों को लेकर आम लोगों का बढ़ता आक्रोश झलक रहा है, जिसमें सोशल मीडिया पर प्रतिबंध और कथित भ्रष्टाचार जैसे कई मुद्दे शामिल हैं। प्रदर्शनकारी कर्फ्यू और सुरक्षा बलों की भारी तैनाती के बावजूद काठमांडू और अन्य स्थानों पर एकत्र हुए। सोमवार को विरोध प्रदर्शनों के दौरान पुलिस कार्रवाई में कम से कम 20 लोगों की मौत के लिए ओली के इस्तीफे की मांग करते हुए सैकड़ों प्रदर्शनकारियों के उनके कार्यालय में घुसने और नारेबाजी करने के तुरंत बाद ओली ने पद छोड़ दिया।

उन्होंने बताया कि राष्ट्रपति पौडेल को लिखे अपने त्यागपत्र में ओली ने नेपाल के समक्ष मौजूद असाधारण परिस्थितियों का हवाला दिया और कहा कि वह मौजूदा स्थिति के संवैधानिक और राजनीतिक समाधान का मार्ग प्रशस्त करने के लिए पद छोड़ रहे हैं। सुरक्षा की खराब स्थिति को देखते हुए काठमांडू के त्रिभुवन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उड़ान सेवाएं स्थगित कर दी गई हैं। हालांकि, नेपाल सरकार ने जेन जी युवाओं के नेतृत्व में हुए विरोध प्रदर्शनों के बाद सोमवार रात सोशल मीडिया वेबसाइटों पर से प्रतिबंध हटा लिया था। 'जेन जी' वे युवा हैं जिनका जन्म 1997 से 2012 के बीच हुआ। ओली के इस्तीफे से कुछ घंटे पहले, प्रदर्शनकारियों ने बालकोट स्थित उनके निजी आवास में आग लगा दी और पूर्व प्रधानमंत्री पुष्प कमल दाहाल 'प्रचंड', संचार मंत्री पृथ्वी सुब्बा गुरुंग, पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक आदि के आवासों पर हमला किया। प्रदर्शनकारियों ने राष्ट्रपति पौडेल के निजी आवास पर भी हमला किया।

जेन जी के बैनर तले प्रदर्शनकारियों ने राजधानी के कई हिस्सों में केपी चोर, देश छोड़ो और भ्रष्ट नेताओं के खिलाफ कार्रवाई करो जैसे नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने काठमांडू के नायकाप स्थित पूर्व गृह मंत्री रमेश लेखक के आवास को भी आग लगा दी। काठमांडू उन्होंने काठमांडू के बूढ़ा नीलकंठ स्थित पूर्व प्रधानमंत्री शेर बहादुर देउबा के आवास में भी तोड़फोड़ की।

नेपाल के काठमांडू में सरकार विरोधी प्रदर्शन के दौरान आग के हवाले की गई सार्वजनिक संपत्ति।

कंट्रोल रूम की स्थापना

एडीजी कानून-व्यवस्था के कार्यालय में विशेष कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। डीजीपी राजीव कृष्ण ने मंगलवार देर शाम को आदेश जारी किया है। जिसमें भारत-नेपाल सीमा पर स्थित सभी जिलों पीलीभीत, लखीमपुर खीरी, बहराइच, श्रावस्ती, बलरामपुर, सिद्धार्थनगर और महाराजगंज के पुलिस अधिकारियों को हाई अलर्ट पर रहने का आदेश दिया है। डीजीपी राजीव कृष्ण के मुताबिक नेपाल में फंसे भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए पुलिस मुख्यालय में स्थित एडीजी कानून-व्यवस्था के नेतृत्व में एक विशेष कंट्रोल रूम स्थापित किया गया है। सहायता के लिए तीन हेल्पलाइन नंबर व एक व्हाट्सएप नंबर जारी किये गये हैं। जो 24 घंटे संचालित रहेगा। इनके माध्यम से नागरिकों को सीधे मदद दी जाएगी। जारी नंबर में 0522-2390257, 0522-2724010 और 9454401674 है। वहीं व्हाट्सएप नंबर 9454401674 दिया याग है। इसके अलावा पुलिस मुख्यालय की सोशल मीडिया इकाई नेपाल से संबंधित किसी भी संवेदनशील सूचना व पोस्ट की लगातार निगरानी कर रही है।

भारत के 3500 से 4000 तक टूरिस्ट नेपाल में फंसे

भारत के 3500 से 4000 तक टूरिस्ट नेपाल में फंसे। ये लोग लुंबिनी, सूपड़ा देवराली,प्रभुनाथ, मुक्तिनाथ, पशुपतिनाथ दर्शन के अलावा पोखरा और काठमांडू घूमने गए थे। नेपाल के हालात खराब होने के बाद किसी भी टूरिस्ट को बाहर निकलने से मना कर दिया गया है। काठमांडू घाटी के बड़े होटलों पर पुलिस का पहरा है। भारत नेपाल सीमा के बार्डर भी बंद कर दिए गए हैं। भारत के अलावा अन्य देशों के करीब 15 हजार टूरिस्ट भी नेपाल के विभिन्न हिस्सों में फंसे हैं।

नेपाल सीमा सील, हर गतिविधि पर नजर

लखनऊ। नेपाल संकट के बीच इण्डो-नेपाल सीमा सील कर दी गई है। नेपाल में फंसे पर्यटकों को सख्त सुरक्षा और चेकिंग के साथ यहां लाया जा रहा है जबकि इधर से नेपाल जा रहे पर्यटकों पर रोक लगा दी गई है। बॉर्डर पर हर गतिविधि पर पैनी नजर रखने को एसएसबी और स्थानीय पुलिस के साथ इंटीलिजेंस भी सक्रिय है। पीलीभीत व लखीमपुर खीरी जिले में भारत-नेपाल सीमा पर एसएसबी के जवान लगातार गश्त कर रहे हैं। लखीमपुर खीरी के पलियाकला में भारत-नेपाल के गौरीफंटा बॉर्डर पर भी सुरक्षा एजेंसियों ने सतर्कता बरतनी शुरू कर दी है। सोनौली कस्बे में डॉग स्क्वायड टीमें बस स्टैंड, टैक्सी स्टैंड, होटल और लावारिस वाहनों की जांच में जुटी हैं। सोमवार शाम 4 बजे के बाद करीब 700 पर्यटकों को वापस लौटा दिया गया।

काठमांडू जा रहे तीन विमानों की लखनऊ में आपात लैंडिंग

सरोजनीनगर। नेपाल में हालात खराब होने के चलते तीन विमानों की मंगलवार को लखनऊ में लैंडिंग कराई गई। इसमें एक विमान दिल्ली, दूसरा मुंबई और तीसरा बैंकाक से काठमांडू जा रहा था। इंडिगो के विमान संख्या 6 ई-1153 दोपहर 2:30 बजे काठमांडू एयरपोर्ट पर उतरना था। काठमांडू एयरपोर्ट पर हवा में चक्कर लगाने के बाद विमान लखनऊ में उतरा। विमान में 160 यात्री और छह चालक दल के सदस्य सवार थे। मुंबई से काठमांडू जा रहे इंडिगो के विमान 6 ई-1157 को पहले लखनऊ में उतारा गया, फिर दिल्ली भेज दिया गया।

घटनाक्रम पर भारत की नजर, नागरिकों के लिए एडवाइजरी जारी

नई दिल्ली। विदेश मंत्रालय ने मंगलवार को कहा कि भारत, नेपाल में विरोध-प्रदर्शनों के दौरान कई नौजवानों की मौत से बेहद दुखी है और उसे उम्मीद है कि शांतिपूर्ण तरीके से मुद्दों का समाधान हो जाएगा। मंत्रालय ने यह भी कहा कि नई दिल्ली पड़ोसी देश के घटनाक्रम पर करीब से नजर रख रही है। अशांति को देखते हुए, भारत ने अपने नागरिकों से वहां की स्थिति सामान्य होने तक पड़ोसी देश की यात्रा स्थगित करने को कहा।

सीपी राधाकृष्णन होंगे देश के उपराष्ट्रपति, रेड्डी को 152 वोट से हराया

- राधाकृष्णन को 452 वोट तो सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट मिले
- कुल 98.2 प्रतिशत हुआ मतदान, 15 वोट अवैध करार दिए गए

नई दिल्ली, एजेंसी

उपराष्ट्रपति पद के लिए मंगलवार को हुए चुनाव में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन ने विपक्ष के प्रत्याशी बी सुदर्शन रेड्डी को 152 मतों के भारी अंतर से पराजित किया। राधाकृष्णन को प्रथम वरीयता के 452 तथा विपक्ष के प्रत्याशी बी. सुदर्शन रेड्डी को 300 वोट हासिल हुए। राज्यसभा के महासचिव और निर्वाचन अधिकारी पीसी मोदी ने नतीजों की घोषणा की और कहा कि कुल 98.2 प्रतिशत मतदान हुआ।

उन्होंने बताया कि इस मतदान में निर्वाचक मंडल के कुल 781 सदस्यों में से 767 (एक डाक मतपत्र समेत) ने मतदान किया था, जिसमें 15 वोट अवैध करार दिए गए। पीसी मोदी ने कहा, मैं राधाकृष्णन को उपराष्ट्रपति पद के लिए निर्वाचित घोषित करता हूं। परिणाम के बारे में निर्वाचन आयोग को सूचित किया जाएगा। उपराष्ट्रपति के चुनाव में मतदान सुबह 10 बजे शुरू होकर शाम 5 बजे समाप्त हुआ। प्रधानमंत्री मोदी, गृहमंत्री शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ, कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, पार्टी अध्यक्ष खरगे और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल समेत प्रमुख नेताओं ने मतदान किया। लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य इस चुनाव में हिस्सा लेते हैं तथा इसमें व्हिप जारी नहीं होता है।

उपराष्ट्रपति के चुनाव के लिए, निर्वाचक मंडल में राज्यसभा के 233 निर्वाचित सदस्य (वर्तमान में पांच सीटें रिक्त हैं) एवं 12 मनोनीत सदस्य तथा लोकसभा के 543 निर्वाचित सदस्य (वर्तमान में एक सीट रिक्त है) शामिल थे। निर्वाचक मंडल में कुल 788 सदस्य (वर्तमान में 781) हैं। बीजद, बीआरएस और शिअद ने चुनाव से दूर रहने का फैसला किया था। मोदी ने सबसे पहले मतदान किया। पूर्व पीएम, 92 वर्षीय देवेगौड़ा व्हीलचेयर पर मतदान केंद्र पहुंचे।

राष्ट्रपति व प्रधानमंत्री ने सीपी को दी बधाई

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और प्रधानमंत्री मोदी ने उपराष्ट्रपति चुनाव में के उम्मीदवार सीपी राधाकृष्णन को जीत हासिल करने पर बधाई दी और विश्वास व्यक्त किया कि वह एक उत्कृष्ट उपराष्ट्रपति होंगे। मोदी ने एक्स पर कहा कि मुझे विश्वास है कि वह एक उत्कृष्ट उपराष्ट्रपति होंगे और हमारे संवैधानिक मूल्यों को मजबूत बनाने के साथ साथ संसदीय संवाद को आगे बढ़ाएंगे।

ब्रीफ न्यूज

लद्दाख के सियाचिन में हिमस्खलन, तीन सैनिकों की जान गई

लेह। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख में दुनिया के सबसे ऊंचे युद्धक्षेत्र सियाचिन में हिमस्खलन होने के कारण तीन सैनिकों की जान चली गई। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि रविवार को 12,000 फुट की ऊंचाई पर स्थित सियाचिन आधार शिविर क्षेत्र में हिमस्खलन हुआ, जिसमें दो अग्निवीर सहित तीन सैनिक फंस गए। अधिकारियों ने बताया कि तुरंत बचाव अभियान शुरू किया गया और फंसे हुए सैनिकों के शव निकाल लिए गए।

183 करोड़ की धोखाधड़ी में एमडी गिरफ्तार

नई दिल्ली। सीबीआई ने मध्य प्रदेश जल निगम लिमिटेड (एमपीजेएनएल) को फर्जी बैंक गारंटी जमा करके सिंचाई परियोजनाएं हासिल करने के लिए कथित तौर पर 183 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी के सिलसिले में इंदौर स्थित तीर्थ गोपीकॉन के प्रबंध निदेशक को गिरफ्तार किया है। जांच एजेंसी ने कहा कि सीबीआई ने कंपनी के प्रबंध निदेशक महेश कुंभानी और एक व्यक्ति गौरव धाकड़ को मध्य प्रदेश के छतरपुर, सागर और डिंडोरी जिलों में तीन सिंचाई परियोजनाओं को 2023 में 974 करोड़ रुपये में हासिल करने के लिए धोखाधड़ी करने के आरोप में गिरफ्तार किया है।

एनआईए ने कई राज्यों में ली तलाशी

नई दिल्ली। एनआईए ने इस्लामिक स्टेट और अन्य आतंकवादी संगठनों से जुड़े साजिश की जांच के तहत पांच राज्यों और केंद्र शासित प्रदेश जम्मू कश्मीर में 21 स्थानों पर तलाशी ली है। अधिकारियों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि सोमवार को बिहार, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक और तमिलनाडु के साथ-साथ जम्मू कश्मीर में भी तलाशी ली गई।

दिल्ली सचिवालय और आजाद मेडिकल कॉलेज को बम से उड़ाने की धमकी

नई दिल्ली। दिल्ली के मुख्यमंत्री सचिवालय, मौलाना आजाद मेडिकल कॉलेज (एमएएमसी) और विश्वविद्यालय चिकित्सा विज्ञान महाविद्यालय (यूसीएमएस) को मंगलवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जिसे बाद में अफवाह करार दिया गया। पुलिस ने कहा कि धमकी भरे संदेश में कहा गया कि तीनों स्थलों पर एक किलोमीटर के दायरे में आरडीएक्स लगाया गया है।

अधिकारियों ने बताया कि मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) के तहत तुरंत समन्वित कार्रवाई की गई और बम निरोधक एवं निस्तारण टीम (बीडीडीटी) को उक्त तीनों स्थानों तैनात किया गया। पुलिस उपायुक्त (शाहदरा) प्रशांत गौतम ने कहा, पूर्वाह्न करीब 11 बजे जीटीबी अस्पताल के यूसीएमएस से सूचना मिली कि उन्हें कॉलेज परिसर में बम होने के संबंध में एक ईमेल मिला है। एसओपी के अनुसार, कोई अफरा-तफरी मचाये कॉलेज को तुरंत खाली करा दिया गया।

प्रधानमंत्री मोदी ने बाढ़ग्रस्त इलाकों का किया हवाई सर्वे

पंजाब को 1600 करोड़ और हिमाचल को 1500 करोड़ रुपये वित्तीय सहायता की घोषणा

चंडीगढ़/शिमला, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने मंगलवार को पंजाब और हिमाचल प्रदेश के बाढ़ प्रभावित इलाकों का हवाई सर्वे किया। मोदी ने बाढ़ प्रभावित पंजाब के लिए 1,600 करोड़ और हिमाचल को 1500 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता की घोषणा की।

प्रधानमंत्री ने बाढ़ प्रभावित पंजाब में प्रत्येक मृतकों के परिजनों को 2 लाख रुपये और गंभीर रूप से घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की। पंजाब में 1988 के बाद से सबसे भीषण बाढ़ से जूझ रहा है। पंजाब और उसके पड़ोसी हिमाचल प्रदेश में बाढ़ की स्थिति की समीक्षा करने के लिए एक दिवसीय दौरे पर आए मोदी हवाई सर्वेक्षण करने के बाद राज्य के सबसे बुरी तरह प्रभावित जिलों में से एक गुरदासपुर पहुंचे। यहां मोदी ने बाढ़ प्रभावित लोगों के साथ-साथ राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) की टीम से भी मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी ने स्थिति की समीक्षा के लिए गुरदासपुर में एक आधिकारिक बैठक की अध्यक्षता की। बाढ़ और भूस्खलन के बाद स्थिति की समीक्षा के लिए दिल्ली से हिमाचल प्रदेश और पंजाब के लिए रवाना होते समय प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, भारत सरकार आपदा की इस घड़ी में प्रभावित लोगों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है।

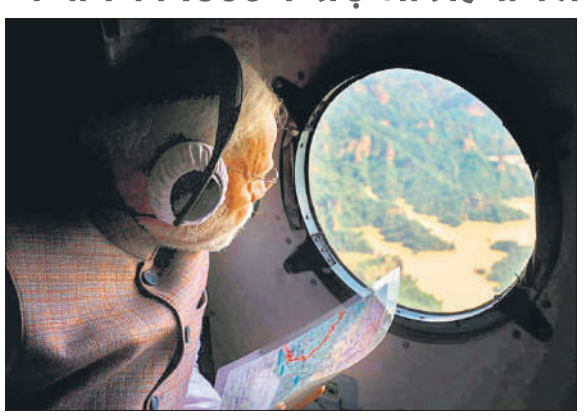

हिमाचल में बाढ़ और भूस्खलन प्रभावित क्षेत्रों का हवाई सर्वेक्षण करते प्रधानमंत्री।

मृतकों के परिजनों को दो लाख व घायलों के लिए 50,000 रुपये

प्रधानमंत्री मोदी ने हिमाचल प्रदेश में बाढ़ और भूस्खलन की स्थिति का जायजा लेने के बाद मृतकों के परिजनों के लिए दो लाख रुपये और घायलों के लिए 50,000 रुपये की सहायता राशि की भी घोषणा की। यहां उन्होंने राहत एवं पुनर्वास उपायों की समीक्षा तथा क्षति का आकलन करने के लिए कांगड़ा में एक बैठक की। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल, भाजपा नेताओं, प्रभावित परिवारों और कांगड़ा में बचाव सेवाओं में लगे लोगों के साथ बैठक में मोदी ने प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे को बहाल करने और पुनर्निर्माण के लिए हर संभव मदद का आश्वासन दिया।

शीर्ष कोर्ट के जज 25-25 हजार का देंगे स्वैच्छिक योगदान

नई दिल्ली। सीजेआई एवं शीर्ष अदालत के अन्य न्यायाधीशों ने प्रधानमंत्री बाढ़ राहत कोष में 25-25 हजार रुपये का स्वैच्छिक योगदान देने का निर्णय लिया है। यह पहल देशभर में बाढ़ की गंभीर स्थिति को लेकर न्यायपालिका की गंभीर चिंता को दर्शाती है और मानवीय मूल्यों तथा राष्ट्रीय सेवा के प्रति उसकी अटूट प्रतिबद्धता को दोहराती है। प्रधान न्यायाधीश और अन्य न्यायाधीशों ने बाढ़ प्रभावित परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की है और राहत, पुनर्वास और सामान्य स्थिति बहाली की कामना की है।

रैंकिंग

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) ने शीर्ष प्रदर्शन करने वाले शहरों की सूची की जारी

इंदौर की वायु सबसे स्वच्छ, आगरा तीसरे स्थान पर

नई दिल्ली, एजेंसी

- 3 से 10 लाख तक की आबादी में अमरावती प्रथम, झांसी और मुरादाबाद संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे, बरेली सातवें स्थान पर

राष्ट्रीय स्वच्छ वायु कार्यक्रम (एनसीएपी) के तहत वायु प्रदूषण को नियंत्रित करने में इंदौर, अमरावती और देवास मंगलवार को शीर्ष प्रदर्शन करने वाले शहर बनकर उभरे। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने यहां एक पुरस्कार समारोह में कहा कि कई शहरों ने औद्योगिक केंद्र होने या कोयला खदानें होने के बावजूद उल्लेखनीय प्रगति की है।

उन्होंने घोषणा की कि अगले वर्ष से शहरों में स्थित वार्ड का भी वायु प्रदूषण नियंत्रण प्रयासों के लिए मूल्यांकन किया जाएगा तथा इसके लिए दिशानिर्देश जारी किए जाएंगे। दस लाख से अधिक आबादी वाले शहरों में इंदौर पहले स्थान पर रहा, उसके बाद जबलपुर (मध्यप्रदेश) का स्थान रहा। आगरा (उप्र) और सूरत (गुजरात) संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर रहे। तीन से 10 लाख जनसंख्या श्रेणी में अमरावती (महाराष्ट्र) प्रथम, झांसी (उप्र) और मुरादाबाद (उप्र) संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे, जबकि अलवर (राजस्थान) तीसरे स्थान पर रहा, वहीं बरेली (उप्र) ने ग्यारह पायदान की छलांग लगाते हुए सातवां स्थान हासिल किया। तीन लाख से कम आबादी वाले छोटे शहरों में देवास (मप्र) शीर्ष स्थान पर रहा, उसके बाद परवाणू (हिप्र) और अंगुल (ओडिशा) ने जगह बनाई। यादव ने कोयला खदानों की मौजूदगी के बावजूद वायु गुणवत्ता मानकों को बनाए रखने के लिए अंगुल को विशेष रूप से बधाई दी। उन्होंने 'रामसर संधि' के तहत आर्द्रभूमि शहरों के रूप में अंतर्राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त करने के लिए इंदौर और उदयपुर को भी पुरस्कृत किया। यादव ने कहा कि भारत में रामसर स्थलों की संख्या 2014 में 25 से बढ़कर 2025 में 91 हो गई है। उन्होंने कहा, अगर जंगल फेफड़े हैं, तो झीलें गुर्दे का काम करती हैं। यादव ने कहा, वायु प्रदूषण से मुकाबले के लिए एक समग्र और एकीकृत दृष्टिकोण की आवश्यकता है। हमें पुनर्चक्रण, पुनः उपयोग और चक्रीय अर्थव्यवस्था को अपनाना होगा।

2 अक्टूबर तक 75 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य

मंत्री ने 17 सितंबर से दो अक्टूबर के बीच 75 करोड़ पौधे लगाने का लक्ष्य घोषित किया। पर्यावरण सचिव तन्मय कुमार ने कहा कि एनसीएपी के तहत शामिल 130 शहरों में से 64 ने 2017-18 की तुलना में पीएम10 के स्तर में 20 प्रतिशत या उससे अधिक की कमी की है, जबकि 25 शहरों ने 40 प्रतिशत या उससे अधिक की कमी हासिल की है। वर्ष 2019 में शुरू एनसीएपी स्वच्छ वायु लक्ष्य निर्धारित करने वाली देश की पहली राष्ट्रीय पहल है, जिसका लक्ष्य 2017-18 को आधार वर्ष मानकर 2026 तक अति सूक्ष्म कण प्रदूषण में 40 प्रतिशत की कटौती करना है।

नए शिखर पर पहुंचा सोना 5,080 रुपये की छलांग

नई दिल्ली, एजेंसी

- अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मजबूती के बीच 1.12 लाख प्रति 10 ग्राम पहुंचा

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में मजबूती के बीच दिल्ली सर्राफा बाजार में मंगलवार को सोने की कीमत 5,080 रुपये की छलांग के साथ अबतक के उच्चतम स्तर 1,12,750 रुपये प्रति 10 ग्राम पर पहुंच गई। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने यह जानकारी दी।

99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना सोमवार को 1,07,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के भाव पर बंद हुआ था। चांदी की कीमत भी 2,800 उछलकर रिकॉर्ड 1,28,800 रुपये प्रति किग्रा (सभी करों सहित) हो गई। पिछली कारोबारी सत्र में यह 1,26,000 प्रति किग्रा पर बंद हुई थी। मंगलवार को सोना उछलकर 3,659.27 डॉलर प्रति औंस के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गया। इसके बाद यह 3,652.72 डॉलर प्रति औंस पर कारोबार कर रहा था, जो 16.81 डॉलर यानी 0.46 प्रतिशत की बढ़त दर्शाता है। सर्राफा कारोबारियों ने कहा, अमेरिका में पिछले सप्ताह आए कमजोर रोजगार आंकड़ों से मौद्रिक नीति में नरमी की संभावना बढ़ी है, जिससे निवेशकों का रुझान सोने की तरफ बढ़ा है।

विदेशी कंपनियों का मुनाफा आतंक का ईंधन : योगी

मुख्यमंत्री ने बस्ती में किया सरस्वती विद्या मंदिर का भूमि पूजन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/बस्ती

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब पैसा विदेशी कंपनियों के पास जाता है तो उसका मुनाफा भारत में नहीं, बल्कि आतंकवाद में खपता है। पहलगाम जैसी आतंकी वारदातों के पीछे वही पूंजी काम करती है। ऐसे में ''वोकल फॉर लोकल'' और ''मेड इन इंडिया'' अब केवल अभियान नहीं, बल्कि राष्ट्र की सुरक्षा और समृद्धि का संकल्प हैं। उन्होंने कांग्रेस पार्टी की आलोचना करते हुए कहा कि आजादी के बाद जो कार्य सरकार को करना चाहिए था, उस दायित्व को आरएसएस ने स्वीकारा।

बस्ती में सरस्वती शिशु मंदिर का भूमि पूजन करते सीएम योगी आदित्यनाथ।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को बस्ती के बसहवा में सरस्वती विद्या मंदिर वरिष्ठ माध्यमिक विद्यालय के भूमि पूजन और शिलान्यास करने के बाद बोल रहे थे। सीएम ने कहा कि स्वतंत्रता के बाद जब सरकारें भारतीय शिक्षा मॉडल विकसित करने में विफल रहीं, तब नानाजी देशमुख ने गोरखपुर से सरस्वती शिशु मंदिर की नींव रखी। आज बिना सरकारी सहयोग के 12 हजार से अधिक विद्यालय विद्या भारती के माध्यम से राष्ट्र निर्माण में जुटे हैं।

बकरी पकड़ते समय कुएं में गिरा दिव्यांग युवक, मौत

कोहड़ौर, प्रतापगढ़ : कोहड़ौर के कांधरपुर चौकी अंतर्गत कांधरपुर गांव निवासी 45 वर्षीय ओम प्रकाश पुत्र हुबराज पैर से दिव्यांग था। मंगलवार सुबह करीब सात बजे कुएं की जगत पर बकरी चली गई। उसे पकड़ने के लिए ओम प्रकाश जगत पर चढ़ा था। इस दौरान पैर फिसलने से कुंए में गिर गया। सूचना पर पहुंची पुलिस और ग्रामीणों के सहयोग से कुएं से बाहर निकाला गया तो ओम प्रकाश की सांसे थम चुकी थी।

उत्तर रेलवे

निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबंधक (संकेत एवं दूरसंचार) उत्तर रेलवे, लखनऊ मंडल, लखनऊ द्वारा निर्धारित निविदा प्रपत्रो पर निम्नलिखित कार्य हेतु अनुभवी एवं स्थापित सक्षम ठेकेदारों द्वारा ई–निविदायें सिंगिल पैकेट सिस्टम द्वारा आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं.	106-टेली / टेंडर / 08/2025-26
कार्य का नाम	लखनऊ मंडल के उत्तर रेलवे के जंघई स्टेशन पर जी.पी.एस घड़ियों के साथ आई.पी.आई.एस (ट्रेन डिस्प्ले बोर्ड, यात्री सुविधाएं उपकरण) का विस्तार और प्रावधान का कार्य।
अनुमानित लागत	रु.1,55,00,745.62 / –
निविदा प्रपत्र की कीमत	शून्य
धरोहर राशि	रु.2,27,500.00 / –
कार्य पूरा करने की अवधि	270 दिन
निविदा दस्तावेज जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	29.09.2025 15:30 Hrs
वेबसाइट विवरण एवं नोटिस बोर्ड का स्थान जहाँ निविदा दस्तावेजों को देखा जा सकता है।	www.ireps.gov.in वरिष्ठ सिगनल एवं दूरसंचार अभियंता कार्यालय / मं.रे.प्र. कार्यालय परिसर / उत्तर रेलवे / लखनऊ

• ठेकेदारों को ई–निविदा सिस्टम में भाग लेने के लिए भारतीय रेलवे की वेबसाइट **www.ireps.gov.in** के अंतर्गत पंजीकृत होना अनिवार्य हैं।
• समस्त नियम एवं शर्तों निविदा प्रपत्र में देखी जा सकती है।
• मैनुउल निविदायें स्वीकृत नहीं की जायेगी।
• निविदा प्रपत्र एवं बयाना धनराशि का भुगतान सिर्फ नेट बैंकिग या पेंमेंट गेटवे द्वारा स्वीकृत की जायेंगी।

निविदा सू. सं. 106–टेली / टेंडर / 08 / 2025–26 दिनांक : 06.09.2025 2729/2025

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

रूस देगा बैंकिंग ऊर्जा, स्किलिंग में सहयोग

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : ग्रेटर नोएडा के इंडिया एक्सपो मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने जा रहे उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो 2025 में इस बार रूस को पार्टनर कंट्री के रूप में शामिल किया गया है। रूस सरकार ने प्रदेश सरकार के आमंत्रण को स्वीकार करते हुए इस भव्य आयोजन में भागीदारी की आधिकारिक पुष्टि कर दी है। रूस की भागीदारी से बैंकिंग, ऊर्जा, स्किलिंग, शिक्षा और तकनीकी क्षेत्र में यूपी को नए अवसर मिलने की उम्मीद है।

रूस से आने वाला उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल इन क्षेत्रों से जुड़े विशेषज्ञों, उद्यमियों और अधिकारियों का होगा, जो यूपी सरकार के मंत्री स्तरीय अधिकारियों से भी संवाद करेंगे। इस ट्रेड शो में 'डूइंग बिजनेस इन रूस' पर एक विशेष नॉलेज सेशन भी आयोजित किया जाएगा। इसमें उत्तर प्रदेश और भारत के उद्योगपतियों को रूस में व्यापार व निवेश के अवसरों के बारे में विस्तार से जानकारी दी जाएगी। रूस का 9 सदस्यीय सांस्कृतिक दल ट्रेड शो में रूसी लोक कला, नृत्य और संगीत की प्रस्तुति देगा। इससे सांस्कृतिक संबंध और मजबूत होंगे। पिछले वर्ष यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो में वियतनाम को पार्टनर कंट्री बनाया गया था, जिससे दोनों देशों के बीच व्यापार और पर्यटन में उल्लेखनीय वृद्धि हुई थी। अब रूस की भागीदारी से इस साल के आयोजन को वैश्विक स्तर पर और अधिक प्रतिष्ठा मिलने की संभावना है।

अमृत विचार

क्लासीफाइड

विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें

मो0–9696715133

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–टेंडरिंग निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से एवं उनके लिए मंडल रेल प्रबंधक (इंजी.) / वाराणसी निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन (ई–टेंडरिंग) के माध्यम से "खुली" निविदा आमंत्रित करते हैं। **कार्य का नामः** हथुआ स्टेशन पर ई०आई० के तहत स्टेशन सर्विस भवन (भूतल) का प्रावधान।; **ई–निविदा सूचना सं.:** एनईआर–बीएसबी– 2025–94; **अनुमानित लागत(₹):** ₹2,66,97,804/-; **अमानत राशि (बिड सिक्योरिटी)(₹):** ₹2,83,500/-; **निविदा बंद होने की तिथिः** 07.10.2025; **स्वीकृत पत्र जारी होने के समय से कार्य समापन / अवधि की तिथिः** 06 माह; • निविदा सूचना संख्या एनईआर– बीएसबी–2025–94 दिनांक 07.10.2025 को 14:30 बजे तक ऑनलाईन जमा कर सकेंगे। • पूर्ण विवरण एवं निविदा को प्रस्तुति करने के लिए भारतीय रेल के वेबसाइट **www.ireps.gov.in** पर देखें। • यदि निविदा सूचना में हिन्दी एवं अंग्रेजी में अंतर होता है तो निविदा सूचना में अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

मंडल रेल प्रबंधक / (इंजी०)
मुजाधि / डब्ल्यू–252 वाराणसी

ट्रेनों में बीड़ी / सिगरेट न पियें

सशक्त नागरिक बनाने का दायित्व निभाते हैं शिक्षक : प्रो. अमित

मुख्य कुलानुशासक डॉ. राजीव कुमार सिंह का स्वागत करते डीएलएड प्रशिक्षु। अमृत विचार

प्रतापगढ़, अमृत विचार : पीबीपीजी कॉलेज सिटी में डीएलएड विभाग में वर्तमान परिदृश्य में शिक्षकों की भूमिका विषय पर संगोष्ठी आयोजित की गई। मां सरस्वती की प्रतिमा एवं डॉ.सर्वपल्ली राधाकृष्णन के चित्र पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर मुख्य अतिथि प्राचार्य प्रो. अमित कुमार श्रीवास्तव ने किया।

- **पीबीपीजी कॉलेज सिटी में वर्तमान परिदृश्य में शिक्षकों की भूमिका विषय पर आयोजित हुई संगोष्ठी**

उन्होंने कहा कि छात्र शिक्षक हो जाते हैं लेकिन शिक्षक आजीवन छात्र रहते हैं। वह राष्ट्र के विकास में योगदान देने वाले सशक्त नागरिक बनाने का महत्वपूर्ण दायित्व निभाता है। ज्ञान देने के साथ छात्रों के बौद्धिक,शारीरिक, भावनात्मक व सामाजिक विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।प्रो. ब्रम्हानंद प्रताप सिंह ने शिक्षा के साथ अपनी परंपराओं,संस्कृतियों को समझने की आवश्यकता की बात कही। मुख्य कुलानुशासक डॉ. राजीव कुमार सिंह ने किताबी के साथ व्यवहारिक ज्ञान की बात कही। बीएड विभागाध्यक्ष डॉ. भूपाल सिंह ने भी विचार व्यक्त किया।

विभागाध्यक्ष अजीत प्रताप सिंह ने विभागीय गतिविधियों को साझा किया। तनु श्री गुप्ता, क्षमा तिवारी, शाहीन, सौम्या मिश्रा, सिमरन, शिखा, सुमन, जागृत, आकाश आदि ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। संचालन सिदरा फातिमा एवं शिक्षक सुनीत सिंह ने आभार ने व्यक्त किया। इस दौरान प्रिया सिंह,अवनीश कुमार सिंह, कृष्ण कुमार शर्मा, रवि प्रकाश सिंह, सहदेव सिंह आदि मौजूद रहे।

कार्यालय अधीक्षण अभियन्ता
अयो0अम्बे0वृत्त, लो0नि0वि0, अयोध्या

पत्रांक 5554 / 2काम अयो0अम्बे0वृत्त / 25 ई–निविदा सूचना दिनांक 01.09.2025

इस कार्यालय के पत्रांक 5554 / 2काम अयो0अम्बे0वृत्त / 25 दिनांक 01.09.2025 के द्वारा निम्न विवरण के अनुसार ई–टेण्डरिंग के माध्यम से निविदा आमंत्रित की गयी है, निविदा दिनांक 11.09.2025 से 25.09.2025 को अपरान्ह 12:00 बजे तक आनलाईन अपलोड की जा सकती है। उक्त निविदा दिनांक 25.09.2025 को अपरान्ह 12:30 बजे आनलाईन खोली जायेगी। सम्बन्धित निविदा वेबसाइट https://etender.up.nic.in एवं प्रहरी साफटवेयर से आमंत्रित की जाती है।

क्रम सं0	जनपद	कार्य का नाम	अंकलित धनराशि रू0 लाख में (जी0एस0टी0 छोड़ते हुये)	धरोहर राशि (रू0 लाख में)	निविदा शुल्क	कार्य पूर्ण करने की अवधि वर्षा ऋतु सहित	कार्य सम्पादन करने हेतु अधिशासी अभियन्ता का पता	अधीक्षण अभियन्ता का पता	मुख्य अभियन्ता का पता
1	2	3	4	5	6	7	8	9	10
स्वीकृति की प्रत्याशा मे									
विधानसभा क्षेत्रः– अयोध्या									
1	अयोध्या	फिरोजपुर पी0एम0 जी0एस0 वाई0 मार्ग से कुशमहा गांव के कुटिया पुरवा होते हुये दर्शननगर भरतकुण्ड मार्ग तक दो लेन मार्ग का निर्माण कार्य।	490.00	26.50	2714.00	12 माह	अधिशासी अभियन्ता, प्रा0 खण्ड, लो0नि0वि0, अयोध्या	अधीक्षण अभियन्ता, अयो0अम्बे0वृत्त, लो0नि0वि0, अयोध्या	मुख्य अभियन्ता, अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0, अयोध्या
2	अयोध्या	पाठक का पुरवा (पावर हाउस) से मेडिकल कालेज तक दो लेन मार्ग का निर्माण कार्य।	450.00	24.50	2714.00	12 माह	अधिशासी अभियन्ता, प्रा0 खण्ड, लो0नि0वि0, अयोध्या	अधीक्षण अभियन्ता, अयो0अम्बे0वृत्त, लो0नि0वि0, अयोध्या	मुख्य अभियन्ता, अयोध्या क्षेत्र, लो0नि0वि0, अयोध्या

बिल ऑफ क्वान्टिटी में लगायी दरें जी0एस0टी0 को छोड़ते हुये लगायी गयी है।
बिड डाक्यूमेन्ट की धनराशि (निविदा शुल्क) कालम 6 के अनुसार केवल नेट बैंकिग के माध्यम से ऑन लाईन यू0पी0 ई–टेण्डर पोर्टल खाता में देय होगा।
निविदा शुल्क की धनराशि की वापसी नहीं की जायेगी।
बिड डाक्यूमेन्ट से सम्बन्धित धरोहर धनराशि कालम 5 के अनुसार केवल नेट बैकिंग के माध्यम से आनलाईन यू0पी0 ई–टेण्डर पोर्टल खाता में देय होगा।
निविदा आनलाईन दिनांक 11.09.2025 से डाउनलोड की जा सकती है एवं दिनांक 25.09.2025 के अपरान्ह 12:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है।
उक्त निविदा की तकनीकी बिड दिनांक 25.09.2025 को अपरान्ह 12:30 बजे खोली जायेगी। शासनादेश सं0 1 / 2018 / 3070 / 78–2 –2018 / 42आई0टी0 / 2017(22) दिनांक 03.01.2018 में निहित व्यवस्थानुसार निविदा की तकनीकी बिड खोले जाने के उपरान्त निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख व्यक्तिगत रूप से विभाग / कार्यालय में प्रस्तुत किये जाने है। निविदादाता द्वारा मूल अभिलेख प्रस्तुत न किये जाने की दशा में शासनादेश में निहित प्राविधानो के अनुरूप कार्यवाही की जायेगी।
निविदादाता सम्बन्धी शेष सभी शर्तें https://etender.up.nic.in पर देखी जा सकती है।

UP – 237606 दिनांक: 09/09/2025
विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in **पर उपलब्ध है।**

अधीक्षण अभियन्ता,
अयो0अम्बे0वृत्त, लो0नि0वि0,
अयोध्या

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई–निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मंडल रेल प्रबन्धक / इंजीनियरिंग / पूर्वोत्तर रेलवे / लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्यो हेतु आनलाईन 'खुली' ई–निविदायें आमंत्रित की जाती है जिसका विवरण नीचे निम्नवत हैः–

क्रम सं.-01, ई-निविदा संख्याः-NER-LJN-2025-155 (Two Packet System), कार्य का नामः- गोण्डा–आनन्दनगर अनुभागः– (लखनऊ मंडल में समपार सं. 157 / सी, 158 / सी एवं 159 / सी के बदले सबवे का निर्माण कार्य। कुल 3 नग तथा समपार सं. 42 / सी, 72 / सी एवं 98 / सी के बदले सबवे का निर्माण कार्य। कुल 3 नग) स्वीकृत कार्यो के तहत समपार सं. 157 / सी, 159 / सी पर एप्रोच रोड, शेड कार्य एवं अन्य अवशेष कार्यो के शेष कार्य तथा समपार सं. 42 / सी एवं 98 / सी पर एयर पुशिंग तकनीक द्वारा सबवे निर्माण कार्य। अनुमानित लागत (रू०): ₹ 21,97,72,976.10, अग्रिम धन (रू०): ₹ 12,48,900/-, समापन अवधिः 08 माह।

(1) उपरोक्त ई–निविदा संख्या NER-LJN-2025-155 के लिये ई-निविदा दिनांक 30-09-2025 को 15:00 बजे तक अपलोड की जा सकती है तथा उसी दिन समय 15:00 बजे के बाद ई-निविदा खोली जायेंगी।
(2) उपरोक्त ई-निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तो का पूर्ण विवरण पूर्वोत्तर रेलवे के वेबसाइट *www.ireps.gov.in* पर उपलब्ध है। निविदाकार ई-निविदा प्रपत्र को अपलोड करने से पूर्व इस ई-निविदा सूचना से सम्बन्धित वेबसाइट पर उपलब्ध शुद्धि पत्र (यदि, कोई हो तो) को भी संज्ञान में लेना सुनिश्चित करें।

मण्डल रेल प्रबन्धक / इंजीनियरिंग,
मुजाधि / डब्लू-253 **लखनऊ**

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

तमंचा खोलने के प्रयास में गोली से घायल हुआ था युवक

प्रतापगढ़, अमृत विचार : मानधाता थाने के पितईपुर में बकुलाही नदी किनारे तमंचा खोलने के प्रयास में चली गोली युवक खुद ही घायल हो गया था। उसके परिजनों की ओर से अज्ञात हमलावरों पर दर्ज कराई गई गोली मारने की रिपोर्ट फर्जी निकली। पुलिस ने पूछताछ के बाद घायल की निशानदेही पर तमंचा बरामद करने के बाद उसे जेल भेज दिया।

- **पूछताछ के बाद घायल की निशानदेही पर तमंचा बरामद कर पुलिस ने भेजा जेल**

पितईपुर निवासी 25 वर्षीय साहिल पुत्र मोहम्मद गुलशाद 4 सितंबर की रात करीब साढ़े आठ बजे गांव के पास से गुजरी बकुलाही नदी किनारे गया था। वहां वह जांघ में गोली लगने से घायल हो गया। परिजनों को बताया कि बाइक से आए दो लोग उसे गोली मारकर भाग निकले। साहिल के चाचा ने मामले में अज्ञात के खिलाफ जानलेवा हमले का केस दर्ज कराया था। एएसपी पूर्वी शैलेंद्र लाल ने मंगलवार को पुलिस लाइन के सई कॉम्पलेक्स में पत्रकार वार्ता में बताया कि मामले की जांच कर रहे थाने के एसआई मृत्युंजय पांडेय को गोली मारने के कोई साक्ष्य नहीं मिले। घायल के हॉस्पिटल से डिस्चार्ज होने के बाद पूछताछ की तो वह सवालों में फंस गया।

बताया कि वह अपने पास मौजूद 315 बोर का तमंचा खोलने का प्रयास कर रहा था। तभी गोली चली और उसकी जांघ में लग गई। घटना के बाद उसने तमंचा झाड़ियों में फेंक दिया और झूठी कहानी बनाकर पुलिस को गुमराह किया। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर तमंचा बरामद कर उसे जेल भेज दिया।

चोरी करते धरा गया युवक

कुंडा, प्रतापगढ़ अमृत विचार : नगर पंचायत कुंडा के शांतीनगर मोहल्ला निवासी संतोष कुमार पंचायती राज विभाग में सफाई कर्मचारी हैं। संतोष राजस्व गांव चकादिल अली में कार्यरत है। 8 सितंबर को करीब ढाई बजे वह अपनी ड्यूटी पर था, बच्चे विद्यालय गए थे। घर पर कोई नहीं था। इसी बीच पुराना कुंडा निवासी रुस्तम गेट के सहारे घर की छत के रास्ते घर में घुस गया।

घर में रखा मोबाइल उठा लिया। कमरे के दरवाजे का ताला तोड़ने लगा। आवाज सुनकर आसपास के लोग आए तो वह छत से कूद गया। भीड़ ने दौड़ाकर मोबाइल के साथ उसे पकड़ लिया। आरोप है कि 10 मार्च की रात को उसके घर में चोरी हुई थी, जिसमें 15 हजार रुपये नकद, सोने चांदी के जेवरात समेत हजारों का सामान चोर समेट ले गए थे। पीड़ित संतोष की तहरीर पर पुलिस ने रुस्तम के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

रेलयात्री कृपया ध्यान दें!

महत्वपूर्ण जानकारी

रेलगाड़ियों के ठहराव की बहाली

रेलयात्रियों की सुविधा के लिए रेलवे द्वारा निम्नलिखित रेलगाड़ियों को उनके समक्ष दर्शाये गये स्टेशनों पर ठहराव को निम्नानुसार पुनः बहाल करने का निर्णय लिया गया हैः–

रेलगाड़ी संख्या	स्टेशन से	स्टेशन तक	स्टेशन का नाम	समय–सारणी आगमन	समय–सारणी प्रस्थान	तिथि (आरभिक स्टेशन से)
12590	चर्लपल्ली	गोरखपुर	बेल्लमपल्ली	01:09	01.10	11.09.2025
12591	गोरखपुर	यशवंतपुर	सिरपूर कागजनगर	08:29	08:30	13.09.2025
12592	यशवंतपुर	गोरखपुर	सिरपूर कागजनगर	10:54	10:55	15.09.2025
12721	हैदराबाद	हजरत निजामुद्दीन	जम्मीकुंटा	01:34	01:35	10.09.2025
12721	हैदराबाद	हजरत निजामुद्दीन	रामगुंडम	02:24	02:25	10.09.2025
12721	हैदराबाद	हजरत निजामुद्दीन	बेल्लमपल्ली	03:05	03:06	10.09.2025
12722	हजरत निजामुद्दीन	हैदराबाद	पेद्दपल्ली जं.	22:54	22:55	10.09.2025
12722	हजरत निजामुद्दीन	हैदराबाद	जम्मीकुंटा	23:19	23:20	10.09.2025
12751	हजूर साहिब नांदेड	जम्मू तवी	बसमत	12:19	12:20	12.09.2025
12752	जम्मू तवी	हजूर साहिब नांदेड	बसमत	13:44	13:45	14.09.2025
16031	चेन्नै सेंट्रल	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	बिट्रगुंटा	08:13	08:15	11.09.2025
16032	श्री माता वैष्णो देवी कटड़ा	चेन्नै सेंट्रल	बिट्रगुंटा	02:13	02:15	12.09.2025
16093	चेन्नै सेंट्रल	लखनऊ जं.	बिट्रगुंटा	08:13	08:15	13.09.2025
16094	लखनऊ जं.	चेन्नै सेंट्रल	बिट्रगुंटा	02:13	02:15	11.09.2025
22669	एरणाकुलम जं.	पटना जं.	रामगुंडम	00:49	00:50	13.09.2025
22669	एरणाकुलम जं.	पटना जं.	बेल्लमपल्ली	01:19	01:20	13.09.2025
22683	यशवंतपुर	लखनऊ	मलकाजगिरी	11:05	11:06	15.09.2025
22684	लखनऊ	यशवंतपुर	मलकाजगिरी	00:39	00:40	18.09.2025

विस्तृत जानकारी के लिए रेलयात्री कृपया रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139 डायल करें अथवा रेलगाड़ी पूछताछ वेबसाइट www.enquiry.indianrail.gov.in देखें।

2745/25

रेलमदद हेल्पलाइन नं. 139

रेलमदद वेबसाइट देखें:– www.railmadad.indianrailways.gov.in रेलमदद ऐप डाउनलोड करें

पर हमें फॉलो करें

उत्तर रेलवे सदैव आपकी सेवा में
हमें www.nr.indianrailways.gov.in पर मिलें

ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

नोटिस नमूना आम
न्यायालय न्यायिक तहसीलदार महोदय सलोन रायबरेली

वाद ....सन.......ई..............
गौरी
बनाम
भभूती........ प्रतिवादी

राजकुमार पुत्र भभूती प्रसाद नि. खेतौधन त. सलोन वर्तमान नि. बड़हुआ दौलतपुर तह. लालगंज अझारा जिला प्रतापगढ़

चूंकि उपरिनामा.... वादिनी ने इस न्यायालय में आवेदन किया है कि ....वादिनि .... अतएव आपको एतदद्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्भित करने के लिए.......के तारीख 18 माह 09 सन 2025.... बजे पूर्वान्ह में स्वयं सम्यक रूपेण अनुर्दिट अपने अधिवक्ता द्वारा उपस्थित हो और ऐसा करने पर असफल रहने पर उक्त, आवेदन एक पक्षीय सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा।
मेरे हस्ताक्षर और न्यायालय की मुद्रा सहित आज तारीख 04/09/25 के आज को निकाली गयी है।

न्यायालय
हस्ताक्षर

हेतु संदर्शित करने की सूचना (साधारण प्रारूप)
न्यायालय श्रीमान बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी महोदय सीतापुर
अपील सं0– 2024541064000000270
अंतर्गत धारा 11 जो0च0अ0 ग्राम भटपुरवा परगना हरगांव तहसील व जिला सीतापुर
जहीर खां आदि ...अपीलकर्तागण
बनाम

1– मुईन खां पुत्र स्व करमुल्ला खां, 2– जसीन, 3– महताब, 4– फिरोज, व 5– सुहेल पुत्रगण स्व नईम खां, 6– कु0 नगमा नाबालिग पुत्री स्व नईम खां संरक्षिका सगी माता श्रीमती वजीरा, 7– श्रीमती वजीरा पत्नी स्व नईम खां सर्व निवासी ग्राम भटपुरवा परगना हरगांव तहसील व जिला सीतापुर

.. विपक्षीगण

चूँकि उपरिनामंकित जहीर खां आदि ने इस न्यायालय में उक्त अपील प्रस्तुत की है अतएव आपको एतद द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप उक्त आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्शित करने के लिए दिनांक 23.09.2025 को 10 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या अपने अधिवक्ता द्वारा इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत करें और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एकपक्षीय रूप से सुना जाएगा व अवधारित किया जाएगा।

दिनांक 09.09.2025
न्यायालय की आज्ञा से
पेशकार
न्यायालय श्रीमान
बन्दोबस्त अधिकारी चकबन्दी सीतापुर

सूचना

मैं **विवेक कुमार त्रिवेदी पुत्र देव नारायन त्रिवेदी निवासी बडेल –8 लखपेड़ाबाग तहसील नवाबगंज जिला बाराबंकी** मेरा पुराना नाम विवेक कुमार तथा जन्मतिथि 10–11–1981 है। मेरे पासपोर्ट में पुराना अंकित नाम विवेक कुमार है जो कि गलत है। मेरा सही नाम विवेक कुमार त्रिवेदी पुत्र देव नारायण त्रिवेदी है जो कि हाई स्कूल प्रमाण पत्र व आधार कार्ड व अन्य दस्तावेजों में दर्ज है। यही नाम सही है।

सूचना

मै राजीव सिंह पुत्र शिव पूजन सिंह नि. रघुकुल जेल रोड आचार्य द्विवेदी नगर रायबरेली मेरे शैक्षिक अभिलेखों में मेरा नाम राजीव कुमार सिंह है, जिसे बदल कर राजीव सिंह कर लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाए।

सूचना

मेरी पुत्री सान्या कश्यप का नाम आधार कार्ड में मिष्ठी कश्यप अंकित है अतः उसे मिष्ठी कश्यप के नाम से ही जाना जायें। **श्री अजीत कश्यप पुत्र स्व. लक्ष्मी नारायण, निवासी – 67/52 दौलतगंज कानपुर नगर**

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, की मेरा नाम अंजनी पुत्र पवन कुमार था, मैने अपना नाम बदलकर आशुतोष कुमार सोनी पुत्र पवन कुमार सोनी निवासी ग्राम बराँव वि.खं. हलधरमऊ जिला गोंडा रख लिया है। अब मुझे इसी नाम से जाना पहचाना जाय।

सूचना

मैं **अखिलेश जायसवाल पुत्र स्व0 श्रीराम जायसवाल निवासी ग्राम तवक्कलपुर नगरा पर0 अल्देमऊ, तह0 कादीपुर जन0 सुल्तानपुर।** मेरा बुलाने का नाम सुरेन्द्र प्रसाद जायसवाल है। जबकि लिखा–पढी, विद्यालय में व आधार कार्ड में मेरा नाम अखिलेश जायसवाल है। उक्त दोनों नाम मेरे ही है। यहकि उक्त नाम अखिलेश जायसवाल उर्फ सुरेन्द्र प्रसाद जायसवाल अंकित किया जाय।

सूचना

मैंने अपना नाम HAKIM से बदल कर HAKIM CHAUDHARI SIDDIQUE रख लिया है अब भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना वा पहचाना जाए। S/O CHAUDHRI Resident:- VILL AND POST - LAUKAHI BAHRAICH 271871

सूचना

सुचित् किया जाता है कि RAM SEVAK s/o MEDHAI निवासी ग्राम खजूरी पोस्ट चिरा जनपद बाराबंकी का रहने वाला हूं अब मैं अपना नाम बदलकर RAMSEWAK रख लिया है अब मुझे मेरे बदले हुए नाम से जाना व पहचाना जाए।

सूचना

मै **सृष्टि गुप्ता उर्फ महक पुत्री राजेंद्र कुमार निवासी विशुन खेड़ा अंबारा पश्चिम लालगंज रायबरेली** मेरी एल आईसी की पालिसी संख्या 215 501053 में मेरा बचपन का नाम महक दर्ज है जबकि मेरे समस्त प्रपत्र (अभिलेख) सृष्टि गुप्ता के नाम से हैं। मैं सृष्टि गुप्ता और महक दोनों नाम से जानी जाती हूं।

सूचना

मैं **शैलेश चन्द दीक्षित पुत्र आनंद स्वरूप दीक्षित निवासी ग्राम ठकुराइन खेड़ा मजरे व पोस्ट रहवा पर. व तह. सदर जिला रायबरेली** का निवासी हूं। गाटा संख्या 890/1.310हेक्टेयर से 30 वर्ग मीटर भूमि रहवां में खरीदा था जिसका मूल बैनामा समेत अन्य जमीन संबंधित दस्तावेज कहीं गिर गया है।

सूचना

मैं ने अपना नाम MOHAMMAD FAHEEM से बदलकर FAHEEM रख लिया है भविष्य में मुझे FAHEEM के नाम से जाना व पहचाना जाये। S/O MOHAMMAD SHAMIM R/O 461/112, MURG KHANA NEAR BARGAD TREE HUSAINABAD, LUCKNOW

सूचना

सूचित करना है कि मेरे पुत्र श्याम सुंदर उर्फ ननके, निवासी– मोहल्ला पड़ाव, नवाबगंज गोंडा दिनांक 21/04/2018 को अयोध्या में सरयू नदी में स्नान करते समय डूबकर लापता हो गए थे। आज तक कोई पता नहीं चल सका है। मृत्यु प्रमाणपत्र निर्गत हेतु यह सूचना प्रकाशित की जाती है। **राममूरत पुत्र रामफेर मोहल्ला पड़ाव, नवाबगंज (गोंडा)**

सूचना

सूचित हो कि **सुनील गुप्ता पुत्र श्री राम किशोर गुप्ता, निवासी– म.नं.– 38 बहरा सौदागर पश्चिमी थाना – कोतवाली शहर जनपद – हरदोई,** मेरी पुत्री आराध्या गुप्ता का नाम विद्यालय में दर्ज है जो गलत है। पुत्री का आधार कार्ड में नाम वरतिका गुप्ता है जो सही हैं। अतः मेरी पुत्री का नाम विद्यालय के अभिलेखो में आराध्या गुप्ता के स्थान पर वरतिका गुप्ता दर्ज किया जाये।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरे पति स्व. अनिल कुमार भारती, निवासी मोहल्ला पड़ाव, नवाबगंज, गोंडा, दिनांक 21/04/2018 को अयोध्या में सरयू नदी में स्नान करते समय डूबकर लापता हो गए थे, जिनका आज तक कोई पता नहीं चल सका है। मृत्यु प्रमाणपत्र निर्गत कराने हेतु यह सूचना प्रकाशित की जा रही है। **पूनम देवी पत्नी स्व. अनिल कुमार भारती, निवासी मोहल्ला पड़ाव, नवाबगंज, गोंडा।**

सूचना

सूच्य हो कि पत्राचार संस्थान इलाहाबाद विश्वविद्यालय इलाहाबाद की मेरी बी ए प्रथम वर्ष सन 1996 और बी ए द्वितीय वर्ष सन 1997 इनरोलमेंट नंबर – सी 9525719 के दोनों अंकपत्र कहीं खो गए है। **विमलेश कुमारी पुत्री श्री शारदा प्रसाद शुक्ल ग्राम – भिटारी, पोस्ट – धनगढ़ जिला – प्रतापगढ़ वर्तमान पता – गायत्री नगर ऊंचाहार – रायबरेली**

सूचना

मैं गुंजन पाहूजा पुत्र मोहन लाल पाहूजा निवासी फ्लैट नं० 402, लंबा अपार्टमेन्ट, सिंगार नगर, आलमबाग, लखनऊ, यू०पी०। मेरे पुत्र के हाई स्कूल मार्कसीट व सार्टिफिकेट में त्रुटिवश से वास्तविक नाम KARTHIK PAHUJA अंकित है। जबकि सही व वास्तविक नाम KARTIK PAHUJA है। मार्कसीट व सार्टिफिकेट में सही नाम अंकित किया जाए।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरे पालिसी नंबर 219297769 में मेरा नाम विटाना पत्नी शमी अहमद दर्ज है जबकि अन्य अभिलेखों में मेरा नाम जुबेदा बानो पत्नी शमी अहमद है दोनों मेरे ही नाम हैं तथा दोनों नामों से मुझे जाना पहचाना जाता है। यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो एक माह में आपत्ति दर्ज करा सकता है। **विटाना उर्फ जुबेदा बानो पत्नी शमी अहमद निवासी भोंका करनैलगंज गोंडा यूपी, पिन 271502 मो. 9792375513**

सूचना

मैं **शब्बीर हसन पुत्र वजीर हसन निवासी–91, चौधरी मोहल्ला, कस्बा काकोरी, लखनऊ** का हूँ मेरे आधार कार्ड में दर्शित नाम मोहम्मद दाबू (MOHA IMAD DABU) मेरा उपनाम है, जो आधार कार्ड में त्रुटिवश अंकित हो गया है। मेरे पहचान पत्र में दर्शित नाम शब्बीर हसन (SHABEER HASAN) मेरा वास्तविक नाम है। इस प्रकार उपरोक्त वर्णित दोनों ही नाम एक ही व्यक्ति अर्थात् मेरे ही है। अतः मेरे आधार कार्ड में दर्शित त्रुटिवश नाम मोहम्मद दाबू को संशोधित कर मेरा वास्तविक नाम शब्बीर हसन दर्ज किया जाय।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं, अलोक तिवारी निवासी – प्लाट न. 2, अपोजिट सेंट मेरी हॉस्पिटल थाना– गुडम्बा, पोस्ट– स्पोर्ट कालेज, गौराबाग, कुर्सीरोड, लखनऊ, मेरी पुत्री मेघना तिवारी, कक्षा 9 'F', Sr.No-90-49, लखनऊ पब्लिक कॉलेज, सहारा स्टेट्स की विद्यालय अभिलेख में दर्ज जन्मतिथि 20/05/2010 त्रुटिवश अंकित हो गई थी। मेरी पुत्री की सही जन्मतिथि 20/05/2012 है। जो कि मेघना तिवारी के आधार व नगरनिगम जन्मतिथि प्रमाण पत्र में अंकित हैं, भविष्य में सभी अभिलेखों एवं दस्तावेजों में यही जन्मतिथि मान्य होगी।

सूचना

मैं **जीतेन्द्र कुमार पुत्र ज्योतिभान सिंह निवासी चक मालिक भीटी, चिलौला, रायबरेली उत्तर प्रदेश 229203** का हूँ, मेरी माता रामकुमारी की मृत्यु दिनांक– 25/11/2020 को हो चुकी है।
मृतक का विवरण– नाम– रामकुमारी, पति का नाम– ज्योतिभान सिंह, उम्र– 72 वर्ष, मृत्यु तिथि–25/11/2020, मृत्यु स्थान– चक मालिक भीटी, चिलौला, रायबरेली उत्तर प्रदेश 229203, उपरोक्त मृत्यु प्रमाण पत्र के सम्बन्ध में संलग्न अभिलेखों एवं उल्लिखित तथ्यों के संबंध में कोई, भी त्रुटि पाए जाने अथवा कोई भी तथ्य छुपाई जाने की स्थिति में समस्त उत्तरदायित्व मेरा होगा, और उसके आधार पर मृत्यु प्रमाण पत्र निरस्त कर मेरे विरुद्ध वैधानिक कार्यवाही किए जाने पर, कोई आपत्ति नहीं होगी।

सूचना

मैं SAMBHA MUTRTY POTHANPALLI पुत्र GANGAYYA निवासी–1–61 SEGIDI STREET GARUDABHADRA POST RAJAM GARUDABHADRA SRIKAKULAM ANDRA PRADESH 532222 का हूँ मेरा वास्तविक नाम SAMBHA MUTRTY POTHANPALLI है। जबकि मेरे आधार कार्ड पर POTHANAPALLI SAMBHAMURTHY नाम अंकित हो गया है। मुझे मेरे वास्तविक नाम SAMBHA MUTRTY POTHANPALLI से जाना पहचाना जाये। मेरी वास्तविक उम्र 01/07/1980 है। त्रुटिवश आधार कार्ड में 15/08/1977 हो गयी है।

न्यूज ब्रीफ

24 दोपहिया वाहनों के काटे गये चालान

बाराबंकी, अमृत विचार : जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी के निर्देश पर 1 से 30 सितंबर तक चल रहे नो हेलमेट-नो फ्यूल अभियान के तहत मंगलवार को यात्री/मालकर अधिकारी रवि चंद्र त्यागी ने जनपद के विभिन्न पेट्रोल पंपों पर हेलमेट जांच अभियान चलाया। इस दौरान बिना हेलमेट पाए गए 24 दोपहिया वाहन चालकों के चालान किए गए और उन्हें सड़क सुरक्षा के प्रति जागरूक भी किया गया। एआरटीओ प्रशासन अंकिता शुक्ला ने बताया कि यह अभियान लोगों में हेलमेट पहनने की आदत विकसित कर सड़क दुर्घटनाओं में होने वाली मौतों को रोकने के लिए चलाया जा रहा है।

जल निकाय संगणना को लेकर हुई ट्रेनिंग

मसौली, बाराबंकी : विकासखंड मसौली के सभागार में मंगलवार को खण्ड विकास अधिकारी संदीप श्रीवास्तव की अध्यक्षता में लघु सिंचाई कार्यों की सातवीं संगणना एवं जल निकायों की द्वितीय संगणना हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित हुआ। प्रशिक्षण में अवर अभियंता मोहम्मद मेराज ने परियोजनाओं का विस्तृत व्याख्यान करते हुए फील्ड में आने वाली समस्याओं के त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। खंड विकास अधिकारी ने सभी संगणना कर्मचारियों को समयबद्ध ढंग से कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। शिक्षण में एडीओ आईएसबी मदन लाल कनौजिया, एडीओ पंचायत जानकीराम, सहित कई कर्मचारी उपस्थित रहे।

किसान के खाते से निकल गए एक लाख

सफदरगंज, बाराबंकी : न कोई काल आई और न जानकारी किसी को दी फिर भी एक किसान के खाते से एक लाख रुपये निकल गए। मोबाइल पर मैसेज देख दंग रह गए किसान ने सीएम पोर्टल व एसपी से मामले की शिकायत की है। थाना क्षेत्र के कस्बा रसौली निवासी मो0 इमरान पुत्र निजामुद्दीन पेशे से किसान हैं तथा बैंक आफ बदौड़ा शाखा बाराबंकी मे उनका खाता संचालित है। गत 5 सितंबर को रबी उल अव्वल की छुट्टी होने के बाद भी पीड़ित के खाता संख्या से तीन बार में 50 हजार, 48 हजार व दो हजार कुल एक लाख रुपये निकल गये। मोबाइल पर आये मैसेज को देख पीड़ित के पैरों तले से जमीन खिसक गयी। इसकी सूचना पीड़ित ने तत्काल बैंक प्रबंधक और सफदरगंज पुलिस को दी। बताया कि उसके मोबाइल में किसी प्रकार की कोई कॉल नहीं आई और न ही उसने किसी को खाते से संबंधित जानकारी दी।

ग्राम प्रधान ने परिजनों को दिलाया लाभ

रामसनेहीघाट, बाराबंकी : ब्लॉक बनीकोडर की ग्राम पंचायत दुल्लापुर में प्रधान अनीता देवी द्वारा मनरेगा योजनांतर्गत भ्रष्टाचार का मामला सामने आया है। आरोप है कि उन्होंने पति हरिश्चंद्र के खेत में वृक्षारोपण कार्य करवाया और पुत्र उमेश कुमार को मजदूर दिखाकर 1020 रुपये का भुगतान कराया। इतना ही नहीं, पुत्री आरती देवी को महिला मेट नियुक्त कर खेत समतलीकरण में 5712 रुपये की फर्जी मजदूरी भी दर्शाई गई। मामले की शिकायत पर जांच अधिकारी ने मात्र राशि की वसूली कर खानापूर्ति की और जिम्मेदारों को बचाने का प्रयास किया। किसान नेता दिनेश कुमार यादव ने इस घोटाले की जांच कर दोषियों पर कार्रवाई की मांग जिलाधिकारी से की है।

हाईवे पर आवारा गोवंश बने खतरा

हैदरगढ़, बाराबंकी : लोक निर्माण विभाग के निरीक्षण भवन में आयोजित जनता दर्शन में भाजपा कार्यकर्ता नवनीत मिश्रा नीलू ने विधायक दिनेश रावत को प्रार्थनापत्र सौंपते हुए लखनऊ-सुल्तानपुर हाईवे पर घूम रहे आवारा गौवंश को गौ आश्रय स्थल भेजने की मांग की। उन्होंने बताया कि नहर कॉलोनी से नवीन सब्जी मंडी तक बड़ी संख्या में गौवंश सड़कों पर टहलते और रात्रि विश्राम करते हैं, जिससे आए दिन हादसे हो रहे हैं। विधायक ने मामले को गंभीरता से लेते हुए बीडीओ को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

हुकुम सिंह यादव की मनाई गयी पुण्यतिथि

सफदरगंज, बाराबंकी : सफदरगंज चौराहे पर समाजवादी नेता स्व. हुकुम सिंह यादव की पुण्यतिथि श्रद्धापूर्वक मनाई गई। श्रद्धांजलि सभा में स्व. हुकुम सिंह के छोटे भाई व सपा नेता ज्ञान सिंह यादव ने कहा कि भैया गरीबों और वंचितों के मसीहा थे, उन्होंने हमेशा उनके अधिकारों के लिए संघर्ष किया। जनपद के विभिन्न हिस्सों से आए लोगों ने श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर हुकुम सिंह हेल्प फाउंडेशन ने पौधे भी रोपे।

एसोसिएट प्रो. के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी

आपराधिक वाद छिपा ले लिया था प्रमोशन, पुलिस कर रही तलाश

संवाददाता, रामनगर, बाराबंकी

डॉ. अखिलेश वर्मा। अमृत विचार

पीजी कॉलेज रामनगर। अमृत विचार

अमृत विचार: 18 साल पहले अपहरण के मामले में आरोपी रामनगर परास्नातक महाविद्यालय के प्रवक्ता के खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी है और वह पुलिस के लिए वांछित हैं। उधर एसोसिएट प्रोफेसर कालेज से करीब दो सप्ताह से भी अधिक समय से गायब चल रहे हैं। इस मामले का सबसे अहम पहलू यह कि प्रवक्ता ने उनके खिलाफ दर्ज आपराधिक वाद छिपाकर पदोन्नति भी हासिल कर ली, जिसको लेकर न सिर्फ गायब प्रवक्ता बल्कि कालेज प्रशासन भी संदेह के घेरे में आ गया है।

बताते चलें कि रामनगर पीजी कालेज में बतौर हिन्दी विभागाध्यक्ष तैनात डा. अखिलेश वर्मा के खिलाफ हरदोई जिले के माधोगंज थाने में वर्ष 2007 में युवक के अपहरण का मामला 218/2013 अपराध संख्या के तहत दर्ज हुआ था। जिसके वादी पीड़ित भगवानदीन निवासी ग्राम थमरवा हरदोई थे। इस मामले में प्राध्यापक ने बचाव की हरसंभव कोशिश की पर अदालत की अवमानना में उनके खिलाफ गैर जमानती वारंट जारी हो गया। कोर्ट के आदेश पर भगोड़ा घोषित प्रवक्ता को पुलिस सिरे से तलाश रही है। इस बीच बहराइच जिले के रिसिया में अध्यापन कार्य कर रामनगर पीजी कालेज में तैनाती पाने के बाद प्रवक्ता डां अखिलेश कुमार वर्मा ने वर्ष 2010 में खुद पर चल रहे आपराधिक वाद को छिपाते हुए एसोसिएट प्रोफेसर के पद पर पदोन्नति प्राप्त कर ली। इस पूरे घटनाक्रम की शिकायत लिखित पीड़ित राजेन्द्र कुमार ने जिला प्रशासन से लेकर शासन और उच्च शिक्षा विभाग तक कर रखी है। वहीं सवाल भी उठाया है कि आपराधिक वाद दर्ज होने के बावजूद उन्हे पदोन्नति किस आधार पर दे दी गई। पुलिस द्वारा संपूर्ण विवेचना के उपरांत केस में डां अखिलेश कुमार वर्मा के विरुद्ध चार्जशीट न्यायालय में दाखिल कर रखी है। इस बीच भनक लगते ही कालेज के प्रवक्ता डा अखिलेश छुट्टी पर चले गए पर वह दो सप्ताह से भी अधिक समय से गायब चल रहे हैं। इस सम्बंध में कालेज के प्राचार्य डा. कौशलेन्द्र विक्रम मिश्र से बात की गई तो उनका कहना था कि वर्ष 2007 में अपहरण के केस से संबंधित गैरजमानती वारंट एवं तत्थ छुपाकर नौकरी करने के संबंध में एक शिकायती पत्र प्रबंध सचिव/ उपजिलाधिकारी गुंजिता अग्रवाल के द्वारा प्राप्त हुआ है, जिसकी जांच चल रही है।

उधर, इस संबंध में उपजिलाधिकारी रामनगर व पीजी कालेज की सचिव गुंजिता अग्रवाल ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में है। प्रवक्ता ने अवकाश का प्रार्थना पत्र दे रखा है। जिला स्तरीय जांच टीम का गठन कर तहकीकात कराई जायेगी। जो भी तथ्य सामने आएंगे उसके मुताबिक कार्रवाई की जाएगी।

युवक ने खाया जहर हालत हुई गंभीर

त्रिवेदीगंज, बाराबंकी, अमृत विचार: लोनीकटरा थाना क्षेत्र में एक युवक ने संदिग्ध हालात में घर में रखी विषाक्त दवा पी ली। परिजन युवक को गंभीर दशा में सीएचसी लेकर गए जहां से उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। जानकारी के अनुसार ग्राम रामपुर निवासी विशाल 28 ने संदिग्ध परिस्थितियों में पशुओं के लिए इस्तेमाल में आने वाली दवा पी ली। हालत गंभीर होने पर परिजनों ने उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र त्रिवेदीगंज पहुंचाया। जहां हालत बिगड़ते देख चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार के बाद जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया।

कार्यक्रम में मौजूद समिति के पदाधिकारी। अमृत विचार

पद्मश्री श्यामलाल गुप्ता 'पार्षद' की मनाई जयंती

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी, अमृत विचार : शहर की विश्राम सदन धर्मशाला में श्री दोसर वैश्य महासमिति, शाखा बाराबंकी द्वारा झंडागीत "विजयी विश्व तिरंगा प्यारा" के रचयिता पद्मश्री श्यामलाल गुप्ता 'पार्षद' की जयंती श्रद्धापूर्वक मनाई गई। इस अवसर पर समाज के प्रमुख लोगों चंद्र प्रकाश गुप्ता, अमित कुमार गुप्ता, रविनन खजांची, ब्रजेश वैश्य, बीना गुप्ता, डॉ. मंजू लता गुप्ता, ममता गुप्ता समेत अनेक दोसर वैश्य बंधुओं ने भाग लिया। जयंती कार्यक्रम में वक्ताओं ने श्यामलाल गुप्ता के योगदान को याद करते हुए उनके राष्ट्रप्रेम और साहित्यिक योगदान को प्रेरणास्रोत बताया।

भजन संध्या का किया आयोजन

मसौली, बाराबंकी: बाबा रामशरण दास भागवत दास कुटी हनुमान मंदिर, मसौली में मंगलवार को साप्ताहिक सुंदरकांड पाठ एवं भजन संध्या का आयोजन भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत मंदिर के पुजारी बाबा रामलाल दास द्वारा श्रीराम स्तुति से की गई। इसके बाद अंकित वर्मा, अर्जुन, रजत वर्मा सहित कई भक्तों ने राम व हनुमान जी के भजन प्रस्तुत कर माहौल भक्तिमय कर दिया। कार्यक्रम के अंत में आरती व प्रसाद वितरण हुआ। इस अवसर पर मंदिर समिति अध्यक्ष मोहित वर्मा, श्रषि सैनी, डॉ. सत्रोहन लाल, अशोक कश्यप आदि मौजूद रहे।

फर्जीवाड़े के खुलासे से बची किसान की जमीन

फतेहपुर, बाराबंकी, अमृत विचार: कुर्सी थाना क्षेत्र के ग्राम लिखना निवासी किसान रामसागर की करोड़ों की जमीन एक बड़े फर्जीवाड़े का शिकार होने से बच गई। किसान ने तहसील फतेहपुर में अपनी ओदरिया की कृषि भूमि बेचने का सौदा किया था, लेकिन रजिस्ट्री के समय अनवारी की कीमती जमीन का बैनामा पेश कर दिया गया, जिसकी कीमत करीब तीन करोड़ रुपये आंकी गई है। फर्जीवाड़े का खुलासा तब हुआ जब रजिस्ट्री के दौरान किसान ने बयान में स्पष्ट किया कि उसने केवल 32 लाख में ओदरिया की जमीन बेची है, जबकि उसके खाते में अब तक महज 18 लाख रुपये ही पहुंचे हैं। आरोप नरेन्द्र रावत निवासी लखनऊ और उसके सहयोगियों पर है, जिन्होंने दोहरी रजिस्ट्री की साजिश रची। पीड़ित किसान ने मुख्यमंत्री को शिकायत भेजकर बकाया धनराशि दिलाने और आरोपियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

बैठक करते समिति के लोग। अमृत विचार

साक्षरता से ही समाज का उत्थान संभव

बाराबंकी, अमृत विचार : अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर शांति पुरम सेवा समिति की बैठक लक्ष्मण पुरी कॉलोनी स्थित उदयशंकर वर्मा के आवास पर हुई। अध्यक्षता सुरेश चन्द्र बैसवार व संचालन डॉ. नन्हे सिंह ने किया। समिति संयोजक डॉ. वीरेंद्र श्रीवास्तव ने साक्षरता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए इसे समाज की मूल पहचान बताया। रामचन्द्र वर्मा, रज्जन लाल श्रीवास्तव, डॉ. दिनेश सिंह, अनिल श्रीवास्तव लल्लू, राधेश दीक्षित, शत्रोहन लाल वर्मा व अन्य वक्ताओं ने काव्य प्रस्तुतियां दीं। लल्लू ने कहा कि साक्षरता हमारे समाज को स्वतन्त्र एवं सशक्त बनाती है। साक्षरता से हमारा समाज विकास की ओर अग्रसर होता है। अध्यक्षीय संबोधन में बैसवार ने कहा कि साक्षरता हमारी इच्छाओं को ऊंची उड़ान देती है, अतः सभी का दायित्व है कि समाज को साक्षर बनाएं। आयोजन में पौधरोपण, लोककथा व चेतना गीतों से वातावरण जागरूकता पूर्ण रहा। आयोजक उदयशंकर वर्मा ने सभी अतिथियों का स्वागत व आभार प्रकट किया।

कैंप में मौजूद फूड इंस्पेक्टर, व्यापार मंडल अध्यक्ष व अन्य व्यापारी। अमृत विचार

98 व्यापारियों ने बनवाए लाइसेंस

टिकैतनगर, बाराबंकी : कस्बा टिकैतनगर में मंगलवार को अखिल भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के बैनर तले जिला खाद्य विभाग द्वारा एक फूड लाइसेंस कैंप का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य खाद्य पदार्थों से जुड़े व्यापारियों को पुराने लाइसेंस के नवीनीकरण और नए लाइसेंस प्राप्ति में सहायता प्रदान करना था। कैंप में कस्बा टिकैतनगर के साथ-साथ नियामतगंज, बारिनबाग, कस्बाइचौली और दुल्हादेपुर सहित अन्य क्षेत्रों से आए व्यापारियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में मौजूद फूड इंस्पेक्टर सिरौलीगौसपुर डॉ. अर्शी फारुकी और नवाबगंज डॉ. पल्लवी तिवारी ने व्यापारियों की समस्याएं सुनीं और समाधान प्रदान करते हुए फूड लाइसेंस के फायदे भी बताए। कैंप के माध्यम से 52 व्यापारियों ने अपने फूड लाइसेंस का नवीनीकरण कराया, जबकि 98 व्यापारियों ने नए लाइसेंस बनवाए। कार्यक्रम की अध्यक्षता टिकैतनगर व्यापार मंडल अध्यक्ष सूरज शाह ने की।

पांच वकीलों को दी गयी नोटिस

फतेहपुर, बाराबंकी: तहसील फतेहपुर बार एसोसिएशन की एक माह से जारी हड़ताल को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट ने कड़ा रुख अपनाते हुए बार एसोसिएशन और पांच वरिष्ठ अधिवक्ताओं को कारण बताओ नोटिस जारी किया है। जस्टिस राजन रॉय और जस्टिस मंजीव शुक्ला की खंडपीठ ने पूछा कि सुप्रीम कोर्ट द्वारा हड़ताल पर रोक के स्पष्ट निर्देश के बावजूद यह कदम क्यों उठाया गया। कोर्ट ने नोटिस रजिस्ट्री, दस्ती और रजिस्टर्ड माध्यम से जिलाधिकारी के जरिए तामील कराने का निर्देश भी दिया है। याची अधिवक्ता राज करण सिंह ने बताया कि हड़ताल के चलते सरकार को प्रतिदिन 20-25 लाख रुपये का राजस्व नुकसान हुआ।

राज्यस्तरीय स्पर्धा में प्रहलाद को तीसरा स्थान

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार: लखनऊ स्थित गौरव खन्ना एक्सीलेंस हाई परफॉर्मेंस अकादमी में 30 अगस्त को आयोजित राज्य स्तरीय बैडमिंटन चैंपियनशिप में जनपद के दिव्यांग आइकॉन खिलाड़ी प्रहलाद ने शानदार प्रदर्शन करते हुए तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस प्रतियोगिता में प्रदेशभर से करीब 150 खिलाड़ियों ने भाग लिया, जिसमें जमपद से प्रहलाद ने प्रतिनिधित्व किया।

ग्रामीण क्षेत्र ग्राम तुलसीपुर, पर्वतपुर, सूरतगंज के निवासी प्रहलाद ने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने कोच इरशाद अहमद, विकलांग सहायता संस्था मथुरा के सचिव वीरेंद्र कुमार गुप्ता, एडीपी फाउंडेशन, इंडियन ऑयल और जिले के प्रशासनिक अधिकारियों को दिया। प्रहलाद राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा चुके हैं और अब उनका सपना है कि वे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत का प्रतिनिधित्व करें। प्रहलाद ने बताया कि उचित गुणवत्ता की व्हीलचेयर की कमी के चलते वे आगे नहीं बढ़ पा रहे हैं। राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भी उन्हें एशियाई खिलाड़ी शशांक कुमार से हार का सामना करना पड़ा, जिसका एक बड़ा कारण कमजोर व्हीलचेयर रहा। उनकी आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं है, लेकिन हौसले बुलंद हैं। वे मजदूरी करके केडी सिंह बाबू स्टेडियम लखनऊ में नियमित अभ्यास कर रहे हैं। अपने प्रदर्शन के चलते वे वर्तमान में जिले के दिव्यांग आइकॉन भी हैं। प्रहलाद का कहना है कि अगर उन्हें एक अच्छी स्पोर्ट्स व्हीलचेयर मिल जाए, तो वह न सिर्फ अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश का प्रतिनिधित्व करेंगे, बल्कि ओलंपिक में भी भारत के लिए पदक जीतने का सपना साकार करेंगे।

मेडल के साथ दिव्यांग आइकॉन खिलाड़ी प्रहलाद। अमृत विचार

भूमि पंजीयन दरों में आंशिक राहत

फतेहपुर, बाराबंकी: क्षेत्र के विभिन्न राजस्व गांवों में जमीन की पंजीयन दरों में डीएम के निर्देश पर आंशिक संशोधन किया गया है। विकासशील गांवों में कृषक भूमि की दरें 10 से 15% बढ़ाई गई हैं, वहीं राज्य व राष्ट्रीय राजमार्गों से लगे क्षेत्रों में अकृषक दरों में 15 से 20% तक वृद्धि की गई है। फतेहपुर कस्बे में बेसिक वैल्यू 0.100 हेक्टेयर से घटाकर 0.050 हेक्टेयर कर दी गई है। बार एसो. की आपत्तियों व सुझावों के आधार पर यह संशोधन किया गया। उपनिबंधक अवधेश कुमार मिश्रा ने बताया कच्चे मार्ग या चकमार्ग वाले स्थानों पर दरें यथावत हैं। मोहम्मदपुर परगना के कई गांवों में दरें 4000 से घटाकर 3800 रुपये/वर्गमीटर कर दी गई हैं।

संजय सेतु पर फिर उखड़े ज्वाइंटर

रामनगर, बाराबंकी, अमृत विचार : सरयू नदी पर बने संजय सेतु पुल के ज्वाइंटर एक बार फिर उखड़ने लगे हैं, जिससे यातायात में बाधा और हादसे की आशंका बढ़ गई है। बीते सप्ताह हुई मरम्मत के बाद पुल को वन वे ट्रैफिक कर चालू किया गया था, लेकिन मंगलवार को एक बार फिर गाटर टूटने और गहरे गड्ढे बनने से स्थिति गंभीर हो गई। वाहन चालक रुक-रुक कर किनारे से गुजरने को मजबूर रहे, जिससे पुल पर कई घंटे जाम की स्थिति बनी रही। मौके पर पहुंचे इंस्पेक्टर सुभाष चंद्र यादव और उप निरीक्षक वीरपाल सिंह ने पुलिस बल के साथ यातायात को नियंत्रित किया और जाम खुलवाया। स्थानीय लोगों और वाहन चालकों ने स्थायी मरम्मत की मांग की है। विशेषज्ञों का मानना है कि अगर समय रहते पुल के अप्रोच और ज्वाइंटरों की समुचित मरम्मत नहीं की गई, तो किसी बड़े हादसे से इनकार नहीं किया जा सकता।

लेन-देन के विवाद में खूनी संघर्ष, 6 घायल

बाराबंकी, अमृत विचार: घुंघटेर क्षेत्र के ग्राम नरायनपुर मजरे सरैय शाहबाज में रविवार देर रात उधार के पैसों के विवाद को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया। मारपीट में आधा दर्जन से अधिक लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, जिन्हें पुलिस की मदद से अस्पताल भेजा गया।

ग्राम निवासी पंकज पुत्र रामनरेश अपने दिए गए उधार के पैसे मांगने बब्लू उर्फ रामउजागर पुत्र सोनेलाल के पास गए थे। इसी दौरान कहासुनी शुरू हो गई। आरोप है कि बब्लू ने अपने परिजनों रामउजागर पुत्र सोनेलाल, अखिलेश पुत्र सतनाम, कमलेश पुत्र जियालाल, सत्यम पुत्र चन्द्र सिंह और पत्नी किरन के साथ मिलकर लाठी-डंडों से पंकज पर हमला कर दिया। चीख-पुकार सुनकर बीच-बचाव करने पहुंचे पंकज के पिता रामनरेश, भाई मुकेश, भाभी कुमकुम और मां उर्मिला पर भी आरोपियों ने जानलेवा हमला कर दिया। मारपीट में सभी के सिर फट गए और गंभीर चोटें आईं। परिजनों के मुताबिक, हमले में अंकित नामक युवक को भी चोटें आईं, जिसने पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची 112 नंबर पुलिस ने घायलों को प्राथमिक उपचार के लिए सरकारी अस्पताल घुंघटेर भेजवाया। रामनरेश, मुकेश, उर्मिला और कुमकुम की हालत नाजुक बताई जा रही है।

सो रही महिला के साथ छेड़खानी, दी धमकी

बाराबंकी, अमृत विचार : थाना सफदरगंज क्षेत्र के एक गांव में सो रही महिला के साथ छेड़खानी की गई। महिला के शोर मचाने पर आरोपी धमकी देते हुए फरार हो गया। महिला ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि 24 अगस्त की रात वह अपने घर के दरवाजे पर टीन शेड के नीचे चारपाई पर सो रही थी। उसी दौरान पड़ोसी परशुराम पुत्र बलदेव अपने रिश्तेदार अमित पुत्र विश्राम निवासी अजपुरा थाना जैदपुर के साथ पास में ही चारपाई पर लेटा था। आरोप है कि रात लगभग 12 बजे परशुराम का रिश्तेदार अमित उठकर पीड़िता की चारपाई पर आ लेटा और छेड़खानी करने लगा। शोर मचाने पर जब महिला की नींद खुली तो आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी और मौके से फरार हो गया। महिला के शोर मचाने पर उसके सास-ससुर और अन्य परिजन भी मौके पर पहुंच गए। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

खंड विकास अधिकारी को ज्ञापन देते संघ के पदाधिकारी। अमृत विचार

किसान संघ ने मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

मसौली, बाराबंकी, अमृत विचार : भारतीय किसान संघ उत्तर प्रदेश के प्रांतीय आह्वान पर मंगलवार को ब्लॉक अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार और मंत्री उत्तम वर्मा की अगुवाई में संगठन के पदाधिकारियों ने खंड विकास अधिकारी संदीप कुमार श्रीवास्तव को मुख्यमंत्री के नाम 7 सूत्रीय ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में किसानों को गुणवत्तापूर्ण खाद, बीज व दवाएं समय से उपलब्ध कराने, मिलावटखोरों पर कार्रवाई, राजकीय नलकूपों की मरम्मत, नहरों की सफाई मनरेगा से कराने तथा दिन में बिजली आपूर्ति सुनिश्चित किए जाने की मांग की गई। इस अवसर पर राम शंकर मिश्रा, राम कैलाश वर्मा बीडीसी, दीनबंधु वर्मा, विशेष कुमार, रामानंद रावत सहित कई कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जमीनी विवाद से आहत युवक ने की आत्मदाह की कोशिश

कोठी, बाराबंकी: निर्माण न होना तय होने के बावजूद अपनी जमीन पर कब्जा पाकर आहत युवक ने मंगलवार को पेट्रोल डालकर आत्मदाह की कोशिश की। हालांकि ग्रामीणों ने आग लगाने से रोक लिया लेकिन तब तक युवक ने काफी पेट्रोल पी लिया था। उसे सीएचसी से जिला अस्पताल रेफर किया गया है। जानकारी के अनुसार यह घटना कोठी थाना क्षेत्र के अजौवा में मंगलवार की सुबह हुई। यहां के रहने वाले रामविनय का आरोप है कि गांव में उसकी जमीन पर कब्जा कर लिया गया है जबकि पहले यह तय हुआ था कि राजस्व विभाग की पैमाइश होने तक कोई निर्माण कार्य नहीं होगा। रामविनय का कहना है कि उसने इस बाबत कई बार पुलिस से शिकायत की, लेकिन सुनवाई नहीं हुई। उसने राजस्व विभाग से जुड़े कर्मचारियों पर भी मिलीभगत कर कब्जा कराने का आरोप लगाया है। घर लौटने के बाद जब रामविनय ने अपनी जमीन पर कब्जा देखा तो आक्रोश में आकर उसने पेट्रोल डालकर आत्मदाह का प्रयास किया। ग्रामीणों ने किसी तरह उसे पकड़कर आग लगाने से रोक लिया, लेकिन उसने काफी मात्रा में पेट्रोल पी लिया। ग्राम प्रधान ने तत्काल पुलिस को सूचना दी और ग्रामीणों की मदद से उसे अस्पताल पहुंचाया। इस संबंध में एसडीएम हैदरगढ़ राजेश विश्वकर्मा ने मामले की जानकारी से इंकार किया पर शिकायत मिलते ही कड़ी कार्रवाई करने की बात कही।

बाराबंकी डायरी

सरकारी जमीन से हटा अतिक्रमण

रामनगर, बाराबंकी : तहसील क्षेत्र के ग्राम बिलखिया में वर्षों से अवैध रूप से कब्जाई गई ग्राम समाज की करोड़ों रुपये मूल्य की जमीन को मंगलवार को प्रशासन ने खाली करवाया। यह कार्रवाई उप जिलाधिकारी/ज्वाइंट मजिस्ट्रेट गुंजीता अग्रवाल एवं तहसीलदार विपुल सिंह के निर्देशन में की गई। प्रशासन को सूचना मिली थी कि ग्राम समाज बंजर भूमि पर कुछ स्थानीय लोगों द्वारा लंबे समय से अवैध कब्जा किया गया है, जिसको लेकर विवाद की स्थिति बनी हुई थी। जिसपर राजस्व निरीक्षक जयशंकर उपाध्याय, लेखपाल राजेंद्र यादव और सुधियांमऊ चौकी प्रभारी की टीम ने पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचकर अतिक्रमण हटवाया। कार्रवाई से क्षेत्र में हड़कंप मचा है।

हादसे में घायल युवक ने तोड़ा दम

रामनगर, बाराबंकी : कार की टक्कर से घायल बाइक सवार युवक की इलाज के दौरान मौत हो गई। कस्बा महादेवा निवासी 28 वर्षीय सागर गुप्ता रविवार को गर्री कड़ाकापुर मार्ग पर बाइक से घर जा रहा था। लोधौरा चौराहे पर उसे कार ने जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी तेज थी कि युवक बाइक समेत सड़क मार्ग पर रगड़ता चला गया। हादसे के बाद चालक कार लेकर मौके से फरार हो गया, वहीं बाइक सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मौजूद लोगों ने उसे इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रामनगर भिजवाया। जहां पर उसकी हालत गंभीर होने के चलते जिला अस्पताल रेफर किया गया। हालत चिंताजनक होने के चलते डॉक्टरों ने लखनऊ भेज दिया, जहां पर इलाज के दौरान आज मंगलवार को उसकी मौत हो गई।

पांच अभियुक्तों को मिली सजा

बाराबंकी, अमृत विचार : थाना कोतवाली नगर क्षेत्र में हुई छेड़छाड़ की घटना में न्यायालय ने पांच अभियुक्तों को दोषी करार देते हुए सजा सुनाई है। मामले में अदालत ने अभियुक्त वंदना सिंह, दीपाली सिंह, कपिल सिंह और विशाल सिंह को पाँच-पाँच वर्ष के कारावास एवं 21-21 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई। वहीं अभियुक्त हरीश प्रताप सिंह उर्फ राकेश सिंह को पाँच वर्ष का कारावास एवं 31 हजार रुपये जुर्माने से दण्डित किया गया। यह मामला वर्ष 2021 का है, जब थाना कोतवाली नगर में पीड़िता द्वारा अभियुक्तों पर घर में घुसकर मारपीट, धमकी और छेड़छाड़ के आरोप में मुकदमा दर्ज कराया गया था। पुलिस ने वैज्ञानिक तरीक़े से साक्ष्य संकलित कर कोर्ट में पैरवी की जिसके परिणामस्वरूप न्यूनतम समय में दोषियों को सजा दिलाई गई।

बहनों को पीटा, तालाब में दिया धक्का

बाराबंकी, अमृत विचार : घरेलू विवाद में एक विवाहिता की ससुरालियों ने पिटाई कर दी। इस पर भी जी नहीं भरा तो विवाहिता को उसकी बहन समेत तालाब में धक्का दे दिया। किसी तरह दोनों जान बचाकर बाहर निकलीं। घटना बड़ूपुर थाना क्षेत्र के ग्राम इंटौजा में रविवार की शाम हुई। इस गांव स्थित ससुराल में रह रही निहारिका वर्मा पत्नी धर्मेन्द्र कुमार ने थाना पुलिस को दी गई तहरीर में आरोप लगाया है कि रविवार शाम लगभग पांच बजे वह घर पर खाना बना रही थी। तभी उसके पति धर्मेन्द्र, जेठ दिनेश, जेठानी ममता, सास ललिता देवी, सुरेन्द्र उर्फ नन्हू व लवकुश ने एक राय होकर गाली-गलौज व मारपीट शुरू कर दी। विरोध करने पर उसे जान से मारने की धमकी दी गई। पीड़िता के मुताबिक जब उसने मायके में सूचना दी तो भाई अर्पित व बहन जूही मौके पर पहुंचे। आरोप है कि विपक्षियों ने उसकी बहन को भी पीटकर, दोनों को तालाब में धक्का दे दिया।

पेड़ से लटका मिला युवक का शव

त्रिवेदीगंज, बाराबंकी : जिगरी दोस्त से शादी कर चुकी पत्नी से मिलने आए मिर्जापुर के युवक का शव मंगलवार सुबह आम के पेड़ से रस्सी के सहारे लटकता मिला। रात भर में ऐसा क्या हुआ कि युवक को यह कदम उठाना पड़ गया, यह चर्चा का विषय है। बहरहाल घटना संदिग्ध है और पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। जानकारी के अनुसार मिर्जापुर जिला के रहने वाले 35 वर्षीय जीतू का शव मंगलवार की सुबह लोनीकटरा थाना क्षेत्र के ग्राम हुसैनाबाद में एक पेड़ से फांसी के फंदे से लटका देखा गया। बताया जा रहा कि लगभग एक वर्ष पूर्व जीतू की दोस्ती लोनीकटरा थाना क्षेत्र के ही ग्राम तहवापुर निवासी सियाराम यादव से लखनऊ में हुई थी। उस दौरान जीतू की पत्नी भी उनके साथ लखनऊ में रह रही थी। बाद में जीतू की पत्नी का झुकाव सियाराम की ओर हो गया और प्यार इस कदर गहराया कि सियाराम से ही शादी कर ली। जीवनसाथी के इस कदम से आहत जीतू सोमवार को पत्नी से मिलने तहवापुर आया था।

अवैध प्लाटिंग का गोरखधंधा तेज

रामनगर, बाराबंकी : कस्बा रामनगर में कृषि योग्य भूमि की अवैध प्लाटिंग और बिना डायवर्जन के खरीद-बिक्री का धंधा तेजी से फल-फूल रहा है। क्षेत्र में सक्रिय नामचीन भू-माफिया और बिना पंजीयन के जमीन दलाल मिलकर न केवल भोले-भाले खरीदारों को गुमराह कर रहे हैं, बल्कि शासन को भी करोड़ों रुपये के राजस्व नुकसान पहुंचा रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, कुछ दलाल राजस्व विभाग की परती भूमि तक को नहीं बख्श रहे हैं। कृषि भूमि को बिना डायवर्जन टुकड़ों में बांटकर प्लॉटिंग की जा रही है और इन्हें निजी प्रोजेक्ट बताकर खुलेआम बेचा जा रहा है। दलाल असली भूस्वामियों से एकड़ में सौदा कर प्लॉट वर्गफीट में बेचते हैं और मोटा मुनाफा कमा रहे हैं। वहीं, खरीदारों को धोखा और सरकार को राजस्व का नुकसान हो रहा है। इस गोरखधंधे में कुछ राजस्व कर्मियों की भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है। यदि पूर्व से अब तक की जमीन खरीद-फरोख्त की उच्चस्तरीय जांच कराई जाए, तो कई चौंकाने वाले खुलासे सामने आ सकते हैं। क्षेत्रीय लोगों ने इस पर तत्काल कार्रवाई की मांग की है।

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 10 सितंबर 2025

न्यूज ब्रीफ

नैमिषारण्य में होगा ऐपजा का राष्ट्रीय अधिवेशन

सीतापुर, अमृत विचार : महोली कस्बे के एक गेस्ट हाउस में मंगलवार को ऑल इंडिया प्रेस जर्नलिस्ट एसोसिएशन (ऐपजा) की बैठक हुई। मुख्य अतिथि चीफ कोऑर्डिनेटर अनुराग एम सारथी ने कहा कि पत्रकारों के हित में संगठन लगातार संघर्ष करता रहा है और इसमें कार्यकर्ता ही सबसे बड़ी ताकत हैं। उन्होंने बताया कि अब तक ऐपजा का राष्ट्रीय अधिवेशन लखनऊ में होता आया है, लेकिन इस बार राष्ट्रीय अध्यक्ष रविंद्र मिश्रा के निर्देशन में 26 सितंबर को नैमिषारण्य में आयोजित किया जाएगा। बैठक में कार्यकर्ताओं ने अधिवेशन को सफल बनाने का संकल्प लिया। इस दौरान तहसील स्तर के पदाधिकारियों व सदस्यों को परिचय पत्र भी वितरित किए गए। बैठक में संजीव पांडे, रहीम खान, राजेश तिवारी, अनूप मिश्रा समेत बड़ी संख्या में पदाधिकारी और सदस्य मौजूद रहे।

कोर्ट के फैसले से नाराज शिक्षक 11 को देंगे ज्ञापन

सीतापुर, अमृत विचार : सुप्रीम कोर्ट के हालिया फैसले में नए और पुराने सभी शिक्षकों के लिए टीईटी पास करना अनिवार्य कर दिया गया। इससे साल 2010 से पहले नियुक्त लाखों शिक्षक हताश हैं। उत्तर प्रदेश जूनियर हाई स्कूल शिक्षक संघ के नेतृत्व में 11 सितंबर को प्रदेश के सभी 75 जिलों में शिक्षक जिलाधिकारी के माध्यम से प्रधानमंत्री और शिक्षा मंत्री को विरोध ज्ञापन भेजेंगे।

कार बैक करने को लेकर मारपीट, कई घायल

तालगांव, कोतवाली, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के मोहरैया कला गांव में सोमवार देर रात कार बैक करने के दौरान पूर्व प्रधान सतीश सिंह और वर्तमान प्रधान मोहम्मद नूर के बीच विवाद भड़क गया। टकराव के बाद दोनों पक्षों के लोग लाठी-डंडों से आपस में भिड़ गए। इस दौरान पूर्व प्रधान पक्ष के अजीत सिंह, वीरेंद्र सिंह, सतीश सिंह और सत्येन्द्र सिंह घायल हो गए। गंभीर रूप से घायल वीरेंद्र को लखनऊ ट्रामा सेंटर रेफर किया गया। वर्तमान प्रधान के पक्ष के हीरा लाल रैदास को भी चोटें आईं। कोतवाल दीपक कुमार राय ने बताया कि अभी तक कोई लिखित शिकायत नहीं मिली है, लेकिन मामले की हर पहलू से सघन जांच की जा रही ह, आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

रहमत बनाकर भेजे गए पैगंबरे इस्लाम : जमीर

बिसवां, अमृत विचार : रबीउल अव्वल के मौके पर मोहल्ला शेख सराय स्थित बड़ी जामा मस्जिद में जश्ने ईद मिलादुन नबी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हाफिज मोहम्मद अय्यूब खां ने की। जलसे को संबोधित करते हुए हाफिज व कारी मोहम्मद जमीर हसन ने कहा कि हमारे नबी सारे जहां के लिए रहमत बनाकर भेजे गए हैं। जलसे में बच्चों ने नात पाक पढ़ी। मुल्क में अमन व चैन की दुआ मांगी गई। इस मौके पर हाफिज सूफियान, शम्मू निजामी, मोहम्मद यूसुफ खान, शाहिद, मुन्ना आरिफ खान, आमिर खान, फय्याज खान, अय्यूब खान, रईस मास्टर, मुजीब सिराज, इकलाख खान आदि मौजूद रहे।

लोक अदालत के प्रचार के लिए निकाली रैली

लहरपुर, सीतापुर, अमृत विचार : जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के तहत आगामी 13 सितंबर को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रचार के लिए मंगलवार को लहरपुर में वाहन रैली का आयोजन किया गया। रैली में लोगों को लोक अदालत के लाभ, उपयोगिता और प्रक्रिया के बारे में जानकारी साझा की गई। इस अवसर पर क्षेत्राधिकारी विशाल गुप्ता, तहसीलदार मनीष त्रिपाठी, खंड विकास अधिकारी शैलेंद्र कुमार ने लोगों से अपील की कि वे अपने वादों का निस्तारण लोक अदालत के माध्यम से कर समय, धन और ऊर्जा की बचत करें। प्रचार अधिकारी डॉ. भानु मिश्रा, समीर अहमद और अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

रक्षा कवच से बच्चों को मिला संस्कार का सुरक्षा कवच

गुरुकुल विद्यापीठ में रक्षा कवच को लेकर चलाई गई विशेष पहल। अमृत विचार

सीतापुर, अमृत विचार : शहर के गुरुकुल विद्या पब्लिक स्कूल ने लड़कियों के सम्मान और सुरक्षा को लेकर रक्षा कवच नामक विशेष पहल शुरू की है। विद्यालय में हर माह की 9 तारीख को यह कार्यक्रम आयोजित किया जाता है, जिसमें विद्यार्थी भाई-बहन के पवित्र रिश्ते को आत्मसात करते हैं। यही नहीं, रोजाना बच्चों को शपथ दिलाई जाती है कि वे हर लड़की को अपनी बहन मानकर उसकी गरिमा और सुरक्षा का संकल्प निभाएंगे।

ट्रक ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को मारी टक्कर, तीन की मौत

घटना के बाद ट्रक चालक फरार, वाहन को कब्जे में लेकर पुलिस ने शुरू की तलाश

- कोतवाली इलाके के नेशनल हाईवे पर आवास विकास के पास हुआ हादसा

संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार : शहर कोतवाली क्षेत्र के आवास विकास के पास नेशनल हाईवे पर मंगलवार दोपहर एक तेज रफ्तार ट्रक ने ट्रैक्टर ट्रॉली को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में ट्रॉली पर सवार तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। इनमें भाजपा नेता मनोज तिवारी के बहनोई सुधाकर मिश्र भी शामिल हैं। घटना के बाद ट्रक चालक फरार हो गया।

हादसा आवास विकास के पास हुआ। ट्रॉली में शहर के नारायण नगर हेमपुरवा निवासी सुधाकर मिश्र (42), शहर सीमा से सटे रामकोट थाना क्षेत्र के मजदूर रामगोपाल (38) और रामकोट के बंदीपुर गांव निवासी रामसहाय (52) सवार थे। ट्रक की तेज टक्कर के कारण तीनों सड़क पर गिर गए और ट्रक ने उन्हें रौंद दिया।

हादसे में तीनों में मौके पर ही दम तोड़ दिया। घटना की जानकारी मिलने पर एएसपी नॉर्थ आलोक सिंह, सीओ सिटी विनायक गोपाल भोसले और शहर कोतवाल अनूप शुक्ला भारी पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा और हाईवे पर दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को क्रेन के सहारे हटाकर यातायात बहाल किया। हादसे की जानकारी मिलते ही भाजपा नेता मनोज तिवारी भी मौके पर पहुंचे और अपने बहनोई की पहचान की। शहर कोतवाल अनूप शुक्ला का कहना है कि वाहन को कब्जे में लेकर ट्रक चालक की तलाश की जा रही है। विधिक कार्रवाई की जा रही है।

ट्रैफिक दरोगा को ई-रिक्शा ने मारी टक्कर, घायल

जिला अस्पताल में इलाज करते हुए दरोगा।

सीतापुर, अमृत विचार : नगर कोतवाली क्षेत्र में ट्रैफिक दरोगा प्रेमचंद हादसे का शिकार हो गए। जीआईसी स्कूल के पास जाम हटवाते समय तेज रफ्तार और ओवरलोड ई-रिक्शा ने उन्हें टक्कर मार दी। दरोगा गंभीर रूप से घायल होकर जिला अस्पताल में भर्ती कराए गए। हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। नगर कोतवाली क्षेत्र के जीआईसी स्कूल के पास सोमवार देर शाम सड़क पर जाम की स्थिति बनी हुई थी। ट्रैफिक दरोगा प्रेमचंद वाहन चालकों को हिदायत देकर जाम खुलवा रहे थे। तभी अचानक तेज रफ्तार से आ रहा सामान से लदा ई-रिक्शा अनियंत्रित होकर सीधे दरोगा से टकरा गया। हादसे में दरोगा के हाथ में गंभीर चोट आई। तुरंत उन्हें जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका उपचार हुआ। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, ई-रिक्शा चालक लापरवाही से गाड़ी चला रहा था। पुलिस ने ई-रिक्शा को कब्जे में लेकर चालक की तलाश शुरू करी।

पंचायत सहायक को सरेराह पीटा, केस दर्ज

रामपुर मथुरा, सीतापुर, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के ग्राम पंचायत उमरी गणेशपुर में क्रॉप सर्वे करने गए पंचायत सहायक नीरज कुमार को फोटो खींचना भारी पड़ गया। दरअसल क्रॉप सर्वे के दौरान पंचायत सहायक नीरज कुमार फसलों की फोटो खींच रहे थे। पड़ोस में लगी आरा मशीन स्थापित है। नीरज के मुताबिक आरा मशीन संचालक को लगा कि वे उनकी फोटो खींच रहे हैं। बस इसी बात को लेकर दोनों कहासुनी हो गई। बढ़ते बवाल के बीच आरोपी आरा मशीन पर मौजूद लोगों ने पंचायत सहायक नीरज को पीटना शुरू कर दिया। जानलेवा हमले में उन्हें गंभीर चोटें आईं। गंभीर अवस्था में उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। प्रभारी निरीक्षक संजय पांडेय ने बताया कि दो नामजद अभियुक्तों के खिलाफ सुसंगत धाराओं में केस दर्ज कर जांच की जा रही है। निष्कर्षों के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

बढ़ा संक्रमण का प्रकोप, चिल्ड्रेन वार्ड फुल

- पैथोलॉजी में 3759 मरीजों की हुई रक्त जांच, मिले 7 मलेरिया मरीज

संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार : जिले में इन दिनों संक्रमण का प्रकोप तेजी से बढ़ चला है। जिला अस्पताल की पैथोलॉजी में 3759 टेस्ट हुए, जिनमें 7 मलेरिया मरीज सामने आए। चिल्ड्रेन वार्ड पूरी तरह भरा है, जहां 81 बच्चे खांसी-जुकाम और तेज बुखार से जूझ रहे हैं।

अस्पताल में दवाओं की सप्लाई बनी हुई है, लेकिन भीड़ इतनी ज्यादा है कि मरीजों को इलाज में कठिनाई हो रही है। जिला अस्पताल के चिल्ड्रेन वार्ड में 81 बच्चे भर्ती मिले, जिनमें ज्यादातर वायरल फीवर, खांसी और जुकाम से पीड़ित हैं। मरीजों और तीमारदारों की भीड़ से वार्ड में बेड भी कम पड़ रहे हैं।

रामकोट निवासी राकेश ने बताया कि उनके भतीजे का दो दिनों से इलाज चल रहा है, लेकिन दवाओं का असर न के बराबर दिख रहा है। उन्होंने कहा कि अगर जल्द फायदा न हुआ तो मजबूरी में उन्हें बच्चे को प्राइवेट अस्पताल में ले जाना पड़ेगा। पैथोलॉजी प्रभारी डॉ. इंद्रेश्वर के मुताबिक मंगलवार को 3759 मरीजों की ब्लड जांच हुई, जिनमें 7 मलेरिया पॉजिटिव मरीज मिले। इसके अलावा डेंगू और टाइफाइड की भी जांच की गई। कमोबेश यही स्थिति इनकी भी थी।

जिला अस्पताल के चिल्ड्रेन वार्ड में भर्ती बच्चे। अमृत विचार

इंजेक्शन से बालक की हालत बिगड़ी, हंगामा

अमृत विचार : शहर के बटसगंज मोहल्ला निवासी अश्वनी कुमार ने अपने तीन वर्षीय बेटे सारांश को बुखार की हालत में अस्पताल लाए थे। आरोप है कि इमरजेंसी विभाग में ट्रेनी स्टूडेंट ऋषभ ने मोटी सुई से दो बार इंजेक्शन लगाया, जिससे बच्चे के हाथ से खून बहने लगा। बालक की बिगड़ती तबियत देख परिजन घबरा गए और हंगामा करने लगे। उन्होंने घटना का वीडियो भी बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल किया। बढ़ते बवाल के बीच जिला अस्पताल चौकी प्रभारी ने मोर्चा संभाला। परिजनों को समझने के बाद मामला शांत हुआ। तीमारदारों का आरोप था कि जिला अस्पताल में अनुभवहीन छात्रों से बच्चों का इलाज हो रहा है, जो लापरवाही है। उन्होंने सीएमएस को लिखित शिकायत देकर कार्रवाई की मांग की। उधर, चिकित्सकों ने कहा कि बच्चे की हालत सामान्य है।

> अस्पताल में दवाओं की कोई कमी नहीं है। हर मरीज को जरूरत के अनुसार दवा और उपचार उपलब्ध कराया जा रहा है। इस समय वायरल फीवर और मौसमी बीमारियों के मरीज अधिक आ रहे हैं। हमारी मेडिकल टीम चौबीसों घंटे ड्यूटी पर है और हालात पर लगातार नजर रखी जा रही है। – डॉ. इंद्र सिंह, मुख्य चिकित्साधीक्षक।

संक्रमण से बचाव के बताए उपाय

फिजिशियन डॉ. अनुपम मिश्र ने संक्रामक बीमारियों से बचाव के उपाय बताए कि लोग साफ पानी पिएं, मच्छरों से बचाव करें और लक्षण दिखते ही तुरंत अस्पताल आएं। भीड़भाड़ वाली जगहों पर जाने से बचें और बच्चों को हल्की खांसी-बुखार को नजरअंदाज न करें।

गन्ने के खेत में नवजात का क्षत-विक्षत शव मिला

रेउसा, सीतापुर, अमृत विचार: इलाके के खरौहां गांव में मंगलवार सुबह हबीब के गन्ने के खेत में सात माह के नवजात का क्षत-विक्षत शव मिलने से दहशत फैल गई। लोगों ने जंगली जानवर द्वारा बच्चे पर हमले की आशंका जताई। ग्रामीणों ने घटना की सूचना तुरंत पुलिस को दी। थाना अध्यक्ष हनुमंत लाल तिवारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और पंचनामा किया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया।

कस्बे से गांवों तक फैला है मौत का कारोबार

- कार्रवाई के नाम पर खानापूर्ति, सेहत महकमे के जिम्मेदारों की भूमिका पर संदेह

मछरेहटा, सीतापुर, अमृत विचार : मछरेहटा क्षेत्र में झोलाछाप का धंधा धड़ल्ले से फल फूल रहा है। अवैध क्लीनिकों में इलाज के दौरान कई लोगों की हो चुकी मौतों के बावजूद सेहत महकमा महज कागजी कार्रवाई तक ही सीमित है। अलबत्ता मौत की दुकाने खोले इन झोलाछाप की संख्या में इजाफा होता जा रहा है। मछरेहटा ब्लॉक इलाके में गांव-गांव फैले झोलाछाप लोगों की जान से खिलवाड़ करने में गुरेज नहीं कर रहे। कस्बे से लेकर मिर्जापुर मोड़, बीहट-बीरम, आदिलपुर, गौरिया, सूरजपुर, भिठौरा, पहाड़पुर और कल्ली मार्ग तक मेडिकल दुकानों के नाम पर झोलाछाप इलाज कर रहे हैं। यह लोग न तो योग्य हैं और न ही इनके पास लाइसेंस, बावजूद इसके बेखौफ मरीजों का आर्थिक शोषण कर रहे हैं। गौरतलब है कि बीते वर्ष सूरजपुर में एक बंगाली डॉक्टर के क्लीनिक पर इलाज के दौरान मरीज की मौत हो गई थी। हाल ही में उपरहितापुर निवासी नाबालिग नवीन कुमार की जान भी झोलाछाप के गलत इलाज से चली गई। इन घटनाओं के बावजूद स्वास्थ्य विभाग सिर्फ खानापूरी कर रह गया। जानकार सूत्र बताते हैं कि ऊपर तक सेटिंग होने से झोलाछापों पर शिकंजा नहीं कस पाता।

> जिले स्तर पर टीम बनाई गई है। जल्द ही अभियान चलाकर अवैध क्लीनिक बंद कराए जाएंगे और दोषियों पर एफआईआर दर्ज होगी। – डॉ. सुरेश कुमार, मुख्य चिकित्साधिकारी।

...सुंदर सजाया तेरा दरबार मैया

संवाददाता, लहरपुर

अमृत विचार : मोहल्ला टांडा सालार में जल विहार कमेटी द्वारा भजन संध्या आयोजित की गयी। कार्यक्रम में भगवान के विभिन्न स्वरूपों की भव्य सजीव झांकियां का चित्रण किया गया। जल विहार कमेटी टांडा सालार द्वारा शिव मंदिर पर भजन संध्या का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा जिलाध्यक्ष राजेश शुक्ला ने कार्यक्रम का शुभारंभ विघ्नहर्ता भगवान श्री गणेश की पूजा अर्चना और आरती करके किया। कलाकारों ने भगवान के विभिन्न स्वरूपों की भव्य झांकियों का सजीव मंचन किया। जिसे देखकर उपस्थित श्रद्धालु भावविभोर हो उठे। लखीमपुर जनपद से आई भजन मंडली ने गया कि किस पे भरोसा करूं बाबा मेरे पांव के निचे अंगारे कब आएंगे मेरे खाटू वाले श्याम, वहीं सजाया तेरा दरबार मैया, चरणों में बैठे हैं हम करू प्रणाम.. आदि भजनों पर तालियां की गड़गड़ाहट गूंजती रहीं। कार्यक्रम में नगर अध्यक्ष भाजपा विनीत जायसवाल, महामंत्री देवेश अवस्थी, धर्मेंद्र पांडे, जिला महामंत्री विश्राम सागर राठौर, जिला उपाध्यक्ष राजेश्वर रस्तोगी, वीरेंद्र पुरी, जिला मंत्री उदित बाजपेई, मनोज गुप्ता, बंशीधर पाठक, अंकित अवस्थी, सियाराम जायसवाल, रमेश द्विवेदी, नीरज द्विवेदी, विशाल द्विवेदी, शिवम मिश्रा, संदीप पांडे, अनिल द्विवेदी, रामू द्विवेदी, दीपक द्विवेदी सहित भारी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।

भगवान के विभिन्न रूपों में कलाकार। अमृत विचार

~~कमेटी के लोगों के लिए गया सुंदर~~

- मोहल्ला टांडा सालार में जल विहार कमेटी द्वारा भजन संध्या का आयोजन

पेड़ गिरने से टूटी बाउंड्रीवॉल और बेंच की अब तक मरम्मत नहीं

संवाददाता, रामपुर मथुरा, सीतापुर

- नीलामी प्रक्रिया के बाद ठेकेदार की लापरवाही से पेड़ गिरने से हुआ था हादसा

अमृत विचार : रामपुर मथुरा ब्लॉक परिसर में नीलामी के बाद लापरवाही से काटे गए पेड़ों से ब्लॉक की बाउंड्रीवाल और बेंच क्षतिग्रस्त हो गई थी। नीलामी के दौरान टूटी बाउंड्री और सीमेंट की बेंच अब तक ठीक नहीं की गई है। जिससे लोग और पशु परिसर में आसानी से प्रवेश कर रहे हैं। सुरक्षा के लिए खतरा और आगंतुकों की परेशानियां बढ़ चली हैं। मगर जिम्मेदार इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। दरअसल कुछ माह पूर्व ब्लॉक परिसर के पेड़ों की नीलामी विभागीय प्रक्रिया के तहत कई लाख रुपए में हुई थी। कटाई के दौरान बरती गई लापरवाही से एक पेड़ गिरने से ब्लॉक परिसर की सुरक्षा के लिए बनी दीवार तीन स्थानों पर टूट गई और सीमेंट की बेंच भी क्षतिग्रस्त हो गई थी। टूटी हुई दीवार से अब लोग और पशु आसानी से परिसर में घुसपैठ कर रहे हैं। इससे न केवल परिसर में रहने वाले कर्मचारियों और उनके परिवारों की सुरक्षा खतरे में है, बल्कि करोड़ों रुपए के सरकारी कंप्यूटर, लैपटॉप और अभिलेख भी असुरक्षित हैं। कस्बे के लोगों और आगंतुकों का कहना है कि कभी भी कोई बड़ी घटना घट सकती है। बावजूद इसके न तो ठेकेदार ने मरम्मत शुरू की और न ही ब्लॉक से जुड़े जिम्मेदारों ने कदम उठाए। बेंच टूटी होने के कारण आगंतुकों को बैठने और इंतजार करने में भी परेशानी हो रही है। बीडीओ प्रतिभा जायसवाल ने बताया कि विभागीय प्रक्रिया के तहत टेंडर हो गया है। जल्द ही काम शुरू कराया जाएगा।

पुलिस कर्मियों को पीटा, तीन पर केस

लहरपुर, सीतापुर, अमृत विचार : नगर के गेट के पास सीतापुर मार्ग पर सोमवार रात होटल के पास दंबगई हुई। तीन युवकों ने सरेराह पुलिसकर्मियों से मारपीट की। पुलिस ने तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर मुकदमा दर्ज किया है। लहरपुर कोतवाली में तैनात हेड कांस्टेबल विष्णु कुमार सिंह के मुताबिक उन्हें सूचना मिली थी कि तीन युवक खुद को पुलिस बताकर गाड़ियों की चेकिंग कर रहे हैं। मौके पर पहुंचकर पूछताछ करने पर रुढ़ा भवनाथपुर निवासी विनोद, ज्ञानेंद्र और प्रिंस वर्मा भड़क गए और अभद्रता करने लगे। विरोध करने पर लात-घूंसों से मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान मौके पर पहुंचे हेड कांस्टेबल मनोज कुमार और कांस्टेबल अजीत प्रताप के साथ भी दबंगों ने हाथापाई की। बढ़ते विवाद के बीच पुलिस बल मौके पर पहुंचा और तीनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया। कोतवाली प्रभारी विजयेंद्र सिंह ने बताया कि आरोपियों के विरुद्ध सुसंगत धाराओं में अपराध दर्ज कर न्यायालय भेजा गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

सरकारी नल को लेकर दो पक्ष भिड़े, युवती गंभीर

मानपुर, सीतापुर, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के पकड़िया ग्राम पंचायत के पड़ावपुर गांव में मंगलवार सुबह सरकारी नल के जल निकासी को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। मामला बढ़ने पर मारपीट हुई, जिसमें एक युवती घायल हो गई। गांव निवासी अमित कुमार के मुताबिक घर के पास लगे पुराने सरकारी नल की जल निकासी की व्यवस्था नहीं है। सुबह गांव के ही हरिलाल उर्फ पुल्लू ने नल के पास कचरा डालना शुरू किया। विरोध करने पर उनकी बहन सुमन (18) से आरोपी ने गाली-गलौज कर मारपीट की, जिससे वह बेहोश हो गई। परिजनों ने थाने में तहरीर दी। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विकसित यूपी की राह में प्रबुद्धजनों छात्रों और किसानों ने रखे विचार

सीतापुर, अमृत विचार : शताब्दी संकल्प 2047 को साकार करने के लिए जिले में प्रबुद्धजन विशेषज्ञ समिति ने सीतापुर शिक्षण संस्थान में संवाद किया। कार्यक्रम की शुरुआत दीप प्रज्वलन से हुई। छात्रों, शिक्षकों और शिक्षाविदों ने खुलकर अपने विचार साझा किए। पं. दीनदयाल उपाध्याय राजकीय डिग्री कॉलेज के प्राचार्य डॉ. राजीव द्विवेदी, आरएमपी डिग्री कॉलेज के प्राचार्य डॉ. रजनीकांत श्रीवास्तव, राज्य पुरस्कार प्राप्त शिक्षिकाएं ममता और नीलम सहित शोधार्थियों ने कहा कि शिक्षा और तकनीक की मजबूती से ही उत्तर प्रदेश विकास के नए आयाम गढ़ सकता है। संवाद के बाद समिति ने ओजोन फार्मर प्रोड्यूसर कंपनी लिमिटेड का दौरा किया। पराली प्रबंधन और आधुनिक खेती पर विस्तार से जानकारी ली। एफपीओ का टर्नओवर 2024-25 में 9.30 करोड़ रहा, जिसमें 1500 किसान जुड़े हैं। समिति ने एफपीओ की सराहना करते हुए किसानों को उद्यान विभाग की योजनाओं का लाभ लेने और जैविक खेती की ओर प्रेरित करने पर जोर दिया। इस मौके पर जिलाधिकारी अभिषेक आनंद, सीडीओ प्रणता ऐश्वर्या, एडीएम नितीश कुमार सिंह और अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

खेत से निकला बाघ, युवक को घसीटा ग्रामीणों ने बचाई जान

इमलिया सुल्तानपुर, सीतापुर

- ग्रामीणों के शोर मचाने पर छोड़ा, सीएचसी में भर्ती
- वन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंच कर शुरू की कांबिंग

अमृत विचार : हरगांव रेंज के भगवंतपुर गांव में मंगलवार रात बाघ ने पुलिया पर बैठे एक युवक पर हमला कर दिया। बाघ युवक को खेत की ओर घसीट ले गया। शोरगुल सुनकर दौड़े ग्रामीणों को देख बाघ युवक को छोड़कर भाग गया। घायल युवक को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ऐलिया में भर्ती कराया गया है।

भगवन्तपुर गांव निवासी प्रेम (29) पुलिया पर लेटा हुआ था। तभी धान के खेत से अचानक बाघ निकल आया और उस पर झपट पड़ा। बाघ ने युवक की कमर पर बंधी तौलिया पकड़ ली और उसे खेत में खींच ले गया। युवक की चीख-पुकार पर परिजन व ग्रामीण मौके पर पहुंच गए। भीड़ का शोर सुनकर बाघ युवक को छोड़कर खेतों में चला गया। हमले से सहमे युवक की हालत बिगड़ गई और उसे डायल 112 की मदद से अस्पताल लाया गया। सूचना पाकर हरगांव व महोली रेंज की वन विभाग की टीम गांव पहुंची। वन दरोगा मुकेश वर्मा सहित अन्य कर्मचारियों ने गांव और अस्पताल में जाकर हालात का जायजा लिया। घटना के बाद से पूरे क्षेत्र में दहशत का माहौल है।

जलभराव बनीं परेशानी

सदर तहसील परिसर में मंगलवार की बारिश के बाद जलभराव हो गया। पानी जमा होने से कर्मचारियों और आम लोगों को आवागमन में कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। मोटरसाइकिल और पैदल चलने वालों को सुरक्षित स्थान खोजने में मुश्किलें आईं, जबकि परिसर की स्थिति की तस्वीरों में साफ देखी जा सकती है। ● अमृत विचार

निरीक्षण

तहसील प्रशासन ने राहत और बचाव कार्य तेज किया, बांटे लंच पैकेट

शारदा का जलस्तर स्थिर, तंबौर-लखनीपुर में कटान तेज

संवाददाता, तंबौर, सीतापुर

- खेत और बाग नदी के बहाव में समाने लगे

अमृत विचार : लहरपुर तहसील इलाके के बाढ़ और कटान प्रभावित तंबौर और आसपास के गांवों में शारदा नदी में जलस्तर स्थिर होने के बाद कटान तेज हो चला है। ऐसे में ग्रामीणों की मुश्किलें बढ़ गई हैं। लखनीपुर, बसंतापुर और आसपास के गांवों में खेत, बाग और सड़क नदी की चपेट में आ रहे हैं। तहसील प्रशासन द्वारा बचाव और राहत कार्यों के साथ-साथ स्वास्थ्य शिविर लगाकर दवाएं वितरित की जा रही हैं। लखनीपुर गांव में शारदा नदी का जलस्तर स्थिर होने से खेत और बाग कटान की जद में हैं। इसके अलावा पक्की सड़के और आबादी क्षेत्र भी कटान के मुहाने पर हैं। बसंतापुर गांव में सिंचाई विभाग द्वारा बनाए गए बम्बू कैरेट के उत्तर क्षेत्र में खेतों में आंशिक कटान हो रहा है। विभाग द्वारा बंबू क्रेट लगाकर बचाव कार्य न काफी साबित हो रहे हैं। मंगलवार को तंबौर कस्बे के अहमदाबाद वार्ड में बाढ़ का पानी सिमट गया, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में फैली गंदगी से संक्रमण फैलने का खतरा बढ़ चला है। बीडीओ बेहटा अरुण वर्मा ने बताया कि एंटी लार्वा छिड़काव और फागिंग की जा रही है। उप जिलाधिकारी लहरपुर आकांक्षा गौतम ने बताया कि प्रभावित ग्रामों में कुल 4200 फूड पैकेट और बच्चों के लिए दूध, बिस्किट, केला आदि वितरित किए गए हैं। लोहिया इंटर कॉलेज में बाढ़ चौकी बनाई गई है। यहां रोजाना प्रभावित लोगों के लिए भोजन वितरण किया जा रहा है।

कटान प्रभावित गांवों का हाल जानते तहसीलदार लहरपुर मनीष कुमार व अन्य अधिकारी। अमृत विचार

लोकतंत्र सेनानी को समझा अपहरणकर्ता, मारपीट

कमलापुर, सीतापुर, अमृत विचार: मनिका सुल्तानपुर मारूफ गांव में उस समय हड़कंप मच गया। जब ग्रामीणों ने लोकतंत्र सेनानी और राधाकृष्ण मंदिर के पुजारी रमेश चंद्र द्विवेदी को संदिग्ध मानते हुए पकड़ लिया। घटना के समय वो गनेशपुर गांव जा रहे थे। बताते हैं कि रमेश चंद्र द्विवेदी रास्ते में अगारहार गांव के नजदीक साइकिल खड़ी कर नित्य क्रिया से निवृत्त होने लगे। इसी बीच ग्रामीणों ने अपहरकर्ता की अफवाह फैला दी। बड़ी संख्या में जमा लोगों ने उनको बंधक बनाकर मारा-पीटा। घटना के दौरान उनकी साइकिल और उसमें रखा झोला, जिसमें राधाकृष्ण मंदिर की चाबियां भी गायब कर दी गईं। इसी बीच सूचना पाकर जब ग्राम प्रधान विनोद मौर्य पहुंचे, तो उनकी पहचान हो सकी।

क्रॉप सर्वे में अतिरिक्त ड्यूटी पर बिफरे पंचायत सहायक

संवाददाता, सीतापुर

अमृत विचार : परसेंडी ब्लॉक के पंचायत सहायकों ने क्रॉप सर्वे में लगाई गई अतिरिक्त ड्यूटी को लेकर विरोध दर्ज कराया। उनका कहना था कि जिला पंचायत राज अधिकारी ने सर्वे का कार्य सौंपा जरूर, लेकिन इसके लिए मोबाइल, रिचार्ज और सुरक्षा उपकरण उपलब्ध नहीं कराए गए। पंचायत सहायक लवकुश ने बताया कि खेतों में जाकर सर्वे करने को कहा गया है, जबकि इसके लिए आवश्यक साधन तक नहीं दिए गए। संजय कुमार धीमौरा ने कहा कि छोटे कर्मचारियों को केवल आदेश दे दिया जाता है, लेकिन उनकी कठिनाइयों पर कोई ध्यान नहीं दिया जाता। महिला पंचायत सहायक आरती गौतम और अन्य ने मांग की कि उन्हें खेतों में जाकर सर्वे का कार्य न सौंपा जाए, क्योंकि उनकी नियुक्ति ग्राम पंचायत से जुड़े ऑनलाइन कार्यों के लिए हुई थी। ग्राम भवाना की पूजा देवी ने भी कहा कि पंचायत सहायकों को सभी जरूरी संसाधन उपलब्ध कराए जाएं और उन्हें केवल उनके मूल कार्य करने दिए जाएं। रेनू, मोहिनी, शोभा, सुमन, कीर्ति, सरिता, लक्ष्मी, धर्मेंद्र, संजय, सुनील और नैमिष समेत अन्य सहायकों ने एडीओ पंचायत हरिशंकर शुक्ल के सामने अपनी समस्याएं रखीं और विरोध जताया। जिसके बाद एडीओ पंचायत के मौखिक आश्वासन पर प्रदर्शन समाप्त किया।

न्यूज ब्रीफ

कोर्ट के आदेश पर मामला दर्ज

लालगंज, रायबरेली : क्षेत्र के बाल्हेमऊ गांव निवासी रोहित कुमार पुत्र राकेश कुमार ने पुलिस को तहरीर दी है। तहरीर में कहा है कि पूरे कालिका बक्स मजरे ऐहार गांव निवासी सतीश पाल, प्रांशु पाल, सुधांशु पाल और कमलेश यादव पर घर में घुसकर मारपीट करने, जाति सूचक गाली देने सहित तोड़फोड़ कर नुकसान कर देने के आरोप लगाया है। पीड़ित की तहरीर पर कोतवाली पुलिस ने केस दर्ज नहीं किया था। जिससे परेशान होकर पीड़ित रोहित ने कोर्ट की शरण ली। जिसके बाद पुलिस ने कोर्ट के आदेश पर हरिजन एक्ट सहित अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कर लिया है। मामले की विवेचना क्षेत्राधिकारी गिरिजा शंकर त्रिपाठी कर रहे हैं।

चोरी करते पकड़ा गया चोर

परशदेपुर, रायबरेली : नगर पंचायत परशदेपुर के वार्ड नंबर नौ जिल्ला बाजार निवासी दीपक सिंगरौर उर्फ विपिन के घर में बीती रात हुई चोरी की घटना से लोगों में हड़कंप मचा हुआ है। सोमवार की रात चोर घर में घुसकर आलमारी तोड़ने का प्रयास कर रहा था, तभी खटपट की आवाज से लोग जग गए। नींद से जागे परिजन ने जब दरवाजा खोला तो आलमारी तोड़ते हुए चोर को मौके पर ही पकड़ लिया। ग्रामीणों ने पकड़े गये चोर को पुलिस को सौंप दिया। परशदेपुर चौकी इंचार्ज मोहित शर्मा ने बताया कि पूछताछ में चोर ने अपना नाम अल्ताब पुत्र मोहम्मद लतीफ नगर पंचायत परशदेपुर वार्ड नंबर नौ का निवासी बताया है।

प्रेमी संग महिला फरार

महराजगंज, रायबरेली : कोतवाली क्षेत्र के एक गांव की महिला दो बच्चों को छोड़कर अपनी प्रेमी संग फुर्र हो गई। पीड़ित पति ने पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। वहीं कोतवाल जगदीश यादव ने बताया कि पीड़ित की तहरीर से मामला संज्ञान में आया है, पुलिस छानबीन कर रही है।

फैन्सी डेस प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

रायबरेली : मंगलवार को जेसीआई की ओर से 'प्रिज्म जेसी वीक 2025' प्रायोजक पुरूषोत्तम जेम्स एंड ज्वेलर्स का शुभारंभ किया गया। इस दौरान फैन्सी डेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। जिसमें छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग किया। सप्ताह के प्रथम दिवस पर आयोजित भव्य उद्घाटन समारोह में संस्था के पूर्व अध्यक्ष जेसी पवन कुमार गुप्ता को 'कमल पत्र सम्मान' व जेसी कंचन श्रीवास्तव को इंजी. विजय सिंह सम्मान देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान महेंद्र अग्रवाल, प्रभु अग्रवाल, आदित्य श्रीवास्तव ने जेसी सप्ताह के उद्देश्य एवं पूरे सप्ताह चलने वाली गतिविधियों पर प्रकाश डाला। समारोह के पश्चात आयोजित फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में विभिन्न विद्यालयों के छात्र-छात्राओं ने शानदान अपनी प्रस्तुति देकर सभी का मन मोह लिया। बच्चों ने देशभक्ति, सामाजिक जागरूकता एवं सांस्कृतिक विविधता, राजनीतिक जैसे विषयों को रचनात्मकता के साथ प्रस्तुत किया। प्रतियोगिता में निर्णायक मंडल में रेखा जीवनानी, संगीता थपड़ियाल व हीना तलरेजा रही। कार्यक्रम में डॉ. मनीष चौहान द्वारा प्रतिभागियों को पुरस्कार व प्रमाणपत्र वितरित कर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन जेसी देवांग सिकरिया ने किया। ऋषि अग्रवाल, प्रभात श्रीवास्तव, संजय श्रीवास्तव, रजत गुप्ता, रचित मुरारका, सुयश जीवनानी, निलेश गुप्ता, किशन गुप्ता, संस्कार जायसवाल, अभिनव वर्मा, अनुज अग्रवाल, प्रियंका अग्रवाल, शालिनी श्रीवास्तव, ज्योति अग्रवाल, काशवी जीवनानी, साक्षी मुरारका, गरिमा वर्मा आदि रहीं।

नाराज ग्रामीणों ने पॉवर हाउस का किया घेराव

बिजली कटौती से नाराज होकर किया प्रदर्शन, त्वरित निदान न होने पर आंदोलन करने की दी चेतावनी

संवाददाता, सलोन (रायबरेली)

सूची पॉवर हाउस पर प्रदर्शन करते नाराज विद्युत उपभोक्ता। अमृत विचार

अमृत विचार। तीन माह से लगातार बिजली कटौती से आक्रोशित हुए ग्रामीणों ने मंगलवार को सूची पॉवर हाउस का घेराव कर जोरदार नारेबाजी की। पॉवर हाउस पर ग्रामीणों का आक्रोश बढ़ता देख विद्युत कर्मियों के होश उड़ गये। नारेबाजी करते हुए ग्रामीणों ने कहा कि यदि उनकी समस्या का त्वरित निदान न कराया गया तो वह आंदोलन के लिए बाध्य होंगे।

सलोन विकास खंड की सूची ग्राम पंचायत के खौसनहा गांव में पिछले तीन माह से विद्युत सप्लाई कटौती करके दी जा रही है। इतना ही नहीं विद्युत कर्मियों की कार्यशैली तथा लाइनमैन व उसके अनाधिकृत सहयोगियों द्वारा लाइन फाल्ट के नाम पर की जा रही अवैध वसूली को लेकर ग्रामीणों में आक्रोश पनप रहा था। बिना रीडिंग लिए अनुमानित बिल भेजे जाने से नाराज होकर मंगलवार को ग्रामीणों ने सूची पॉवर हाउस का घेराव कर जमकर विद्युत विभाग के खिलाफ नारेबाजी की। ग्रामीणों के आह्वान पर उनके समर्थन में पहुंचे राष्ट्रीय सवर्ण परिषद के जिला संगठन मंत्री योगेन्द्र प्रताप सिंह ने 24 घंटे में गांव की विद्युत सप्लाई की समस्या का समाधान न होने पर बड़े आंदोलन तथा विद्युत विभाग के जनपद स्तरीय अधिकारियों का घेराव करने की चेतावनी दी है। इस मौके पर बीरेंद्र यादव, राजू सिंह, कुलदीप कुमार, बृजेन्द्र बहादुर सिंह, राम संजीवन, रामराज, बच्चू, इंदल सहित सैकड़ों की संख्या में महिला और पुरुष मौजूद रहे।

बाईपास की बदहाल साइड लेन बनवाने की मांग

संवाददाता, लालगंज (रायबरेली), अमृत विचार। लालगंज के नये बाईपास की साइड लेन की तीनों तरफ की सड़क ध्वस्त होने से भाजपा वरिष्ठ नेता अनूप पांडे में नाराजगी है। इसको लेकर उन्होंने नेशनल हाईवे के अधिकारियों से साइड लेन को अविलंब दुरुस्त कराने की मांग की है। भाजपा नेता का कहना है कि गेगासो का गंगा पुल बंद होने के चलते अधिकांश भारी वाहन डलमऊ से होकर लालगंज होते हुए अपने गंतव्य को जाते हैं। वहीं बक्सर के रास्ते भोजपुर सरेनी होकर आने वाले भारी वाहन भी लालगंज के अंदर से निकल रहे हैं। इसी वजह से साइड लेन मे गड्ढे हो गए हैं। एक साइड लेन को तो नेशनल हाईवे के अधिकारियों ने पत्थर लगाकर बंद कर रखा है। दो साइड लाइन चालू तो है लेकिन केवल बाइक और छोटे वाहन ही निकलते हैं। मार्ग खराब होने से आवागमन को लेकर वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। नाराजगी जाहिर करते हुए उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधिमंडल के नगर अध्यक्ष विवेक शर्मा, जिलाध्यक्ष रोहित सोनी, मृत्युंजय वाजपेई, अप्पू शर्मा, शिवम गुप्ता, कौशलेंद्र कंचन ने भी जिला प्रशासन से बाईपास की साइड लेन को ठीक कराए जाने की मांग की है।

बाईपास की बदहाल सर्विस रोड पर बने गड्ढे में भरे पानी के बीच से निकलता युवक। अमृत विचार

दो दिन के दौरे पर आज रायबरेली पहुंचेंगे सांसद राहुल गांधी

संवाददाता, रायबरेली

- 11 को विकास योजनाओं की समीक्षा बैठक की करेंगे अध्यक्षता

राहुल गांधी।

अमृत विचार। नेता प्रतिपक्ष और रायबरेली सांसद राहुल गांधी अपने दो दिवसीय दौरे पर बुधवार को जिले में पहुंच रहे हैं। राहुल गांधी दौरे के पहले दिन जहां पार्टी कार्यकर्ताओं से मिलेंगे। वहीं गोरा बाजार चौराहे पर लगे नवनिर्मित अशोक स्तम्भ का लोकार्पण भी करेंगे।

अमेठी सांसद किशोरी लाल शर्मा ने बताया कि 10 सितंबर को राहुल गांधी हरचंदपुर विधानसभा क्षेत्र में बूथ स्तरीय कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर संगठन को मजबूत करने की रणनीति पर चर्चा करेंगे। इसके बाद वह प्रजापति समाज के लोगों से संवाद करेंगे और उनकी समस्याएं जानेंगे। दोपहर में राहुल गांधी गोरा बाजार चौराहे पर नव निर्मित अशोक स्तंभ का लोकार्पण करेंगे। इसके पश्चात राहुल गांधी मुलिहामऊ गांव में स्थित वीरा पासी ग्राम वन में पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश देंगे। दौरे के दूसरे दिन 11 सितंबर को राहुल गांधी जिले में विकास योजनाओं की समीक्षा के लिए होने वाली 'दिशा' (जिला विकास समन्वय और निगरानी समिति) की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। बैठक के बाद राहुल लखनऊ होते हुए दिल्ली के लिए रवाना होंगे।

कांग्रेस के योद्धाओं को नई ऊर्जा देंगे राहुल: अतुल

ऊंचाहार, रायबरेली। बुधवार से सांसद व नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का रायबरेली में दो दिवसीय दौरा शुरू हो रहा है। इससे एक दिन पूर्व कांग्रेस के प्रदेश सचिव अतुल सिंह ने इस बारे में पत्रकारों को जानकारी देते हुए बताया कि राहुल गांधी के कार्यक्रम को लेकर कार्यकर्ताओं में खासा उत्साह है और बूथ स्तर पर काम करने वाले कांग्रेस के योद्धाओं को राहुल गांधी सम्मानित करके उनमें नई ऊर्जा का संचार करेंगे। उन्होंने बताया कि क्षेत्र के एक रेस्टोरेंट के मौदान में पार्टी के बूथ अध्यक्षों का सम्मेलन होगा। जिसमें वह बूथ अध्यक्षों को सम्मानित करेंगे। अपने नेता के हाथों सम्मानित होने को लेकर कांग्रेस के योद्धा काफी उत्साहित है। बताया कि इसके अलावा राहुल एनटीपीसी के अतिथि ग्रह में रात्रि विश्राम करेंगे। अगले दिन गुरुवार को वह ऊंचाहार के लोगों की समस्याओं को भी सुनेंगे। जिला कांग्रेस सचिव शैलेंद्र सिंह, पीसीसी सदस्य मेंहदी हसन, मो इदरीश, रेखा गुप्ता, प्रशांत सिंह, प्रधान आनंद तिवारी आदि रहे।

राजेंद्र नाथ अध्यक्ष व सुरेश निगम बने महामंत्री

संवाददाता, लालगंज (रायबरेली)

- बैसवारा अधिवक्ता एसोसिएशन का वार्षिक चुनाव संपन्न

अमृत विचार। तहसील लालगंज में बैसवारा अधिवक्ता एसोसिएशन का वार्षिक चुनाव संपन्न हुआ। जिसमें अध्यक्ष पद पर राजेन्द्र नाथ चौधरी ने तथा महामंत्री पद पर सुरेश कुमार निगम ने जीत दर्ज किया।

चुनाव संपन्न कराने का कार्य संभाल रहे चुनाव अधिकारी दुर्गाशंकर गुप्ता ने बताया कि मतदान मंगलवार को सुबह 10 से शुरू होकर अपराह्न 2 बजे तक चला। जिसमें 104 अधिवक्ताओं ने मतदान किया। मतदान पश्चात मतगणना हुई जिसमें चुनाव परिणाम घोषित किया गया। जिसमें अध्यक्ष पद पर राजेंद्र नाथ चौधरी को 47 मत व राम नारायण श्रीवास्तव को 44 मत एवं सुरेंद्र सिंह को 12 मत मिले। जिसमें राजेंद्र नाथ चौधरी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी रामनारायण श्रीवास्तव को तीन मत से पराजित कर अध्यक्ष पद पर जीत दर्ज कर ली। महामंत्री पद पर हुए मतदान में ओम प्रकाश दीक्षित को 34 मत व सुरेश कुमार निगम को 61 मत एवं योगेन्द्र सिंह को सात मत प्राप्त हुए। जिसमें सुरेश कुमार निगम ने अपने प्रतिद्वंदी ओमप्रकाश दीक्षित को 27 मतों से पराजित कर जीत हासिल कर ली। अध्यक्ष पद पर एक मत व महामंत्री पद पर दो मत अवैध घोषित किए गए। चुनाव संपन्न कराने की टीम में गया प्रसाद यादव, केपी सिंह, लक्ष्मीशंकर यादव, नवल कुमार मौर्या आदि लोग शामिल रहे।

प्रशिक्षण से शिक्षामित्रों को मिल रही सीख

संवाददाता, शिवगढ़ (रायबरेली)

बीआरसी में आयोजित प्रशिक्षण में मौजूद शिक्षामित्र। अमृत विचार

- बच्चों को भाषा और संख्या ज्ञान सरलता से सिखाने की शिक्षामित्रों को बताई गईं विधियां

अमृत विचार: बीआरसी में आयोजित पांच दिवसीय ब्लॉक स्तरीय फाउंडेशनल लिटरेसी एंड न्यूमेरेसी (एफएलएन) शिक्षक प्रशिक्षण में शिक्षामित्रों को बच्चों को भाषा और संख्या ज्ञान सरलता से सिखाने की विधियां बताई जा रही हैं। इस प्रशिक्षण में एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तकों पर आधारित गतिविधियों के माध्यम से बच्चों को पढ़ाने की नई तकनीकियों से परिचित कराया जा रहा है।

मंगलवार को प्रशिक्षण के चौथे दिन एआरपी विनय कुमार मिश्रा ने वेल्डिंग पद्धति की विस्तार से जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस पद्धति से अक्षरों को जोड़कर शब्द बनाने का अभ्यास कराया जाता है, जिससे बच्चों की पढ़ाई आसान हो जाती है। वहीं केआरपी नरेन्द्र कुमार वर्मा ने मौखिक तर्कशीलता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह क्षमता बच्चों को सुनी हुई जानकारी से सोचने, समझने और समाधान निकालने में मदद करती है। इस दौरान केआरपी नीलेश कुमार, शिखा बाजपेई और संदर्भदाता डॉ. चन्द्रप्रकाश ने भी विभिन्न शैक्षिक गतिविधियों के जरिए शिक्षामित्रों को प्रशिक्षित किया। खण्ड शिक्षाधिकारी अनिल कुमार मिश्रा ने बताया कि पहले बैच में सौ शिक्षामित्रों को प्रशिक्षण दिया जा रहा है। आगामी बैच में शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाएगा। प्रशिक्षण में भाग लेने वाले शिक्षामित्रों ने कहा कि यह कार्यक्रम बच्चों को पढ़ाने की दिशा में नई ऊर्जा और सरल तरीके प्रदान कर रहा है।

फंदे से लटकता मिला युवक का शव, हड़कंप

नसीराबाद, रायबरेली, अमृत विचार। थाना क्षेत्र के गांव धरई मजरे सिसनी भुवालपुर में एक युवक का पंखे के हुक से लटकता शव बरामद हुआ है। मंगलवार को दिन में लगभग दो बजे विजय कुमार (22) पुत्र राम लाल कोरी का घर के अन्दर एक कमरे में लगे पंखे के हुक से गले में दुपट्टे के फंदे से लटकता शव बरामद हुआ है। घटना के समय मां सुनीता तेज़ बुखार के कारण अलग कमरे में लेटी हुई थी। पिता रामलाल किसी काम से बाहर गया था।परिजनों और गांव वालों ने आत्महत्या का अंदेशा जताया है। ग्रामीणों के मुताबिक मृतक अविवाहित और गांजा आदि नशे का आदी था वह अकसर घर में लड़ाई झगड़ा करता था। थानाध्यक्ष ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है।

रंजिशन मारपीट कर युवक को किया घायल

लालगंज, रायबरेली, अमृत विचार। कस्बे के महेश नगर निवासी राजन कुमार पुत्र श्यामलाल ने मोहल्ले के ही दिलीप, प्रदीप व गोपाल पुत्रगण बिरजू के खिलाफ मारपीट का मामला दर्ज कराया है। राजन ने पुलिस को शिकायती पत्र देते हुए बताया कि उपरोक्त तीनों प्रतिपक्षियों ने पुरानी रंजिश में उसके छोटे भाई छोटेलाल को लाठी डंडों से मारपीट कर घायल कर दिया है। प्रभारी निरीक्षक प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि राजन की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर जांच की जा रही है। जांच के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ग्रामीणों के विरोध पर हटाया गया मेडिकल कैंप

महराजगंज, रायबरेली, अमृत विचार। क्षेत्र के बावन बुजुर्ग बल्ला गांव स्थित महावीरन मंदिर पर कानपुर के साई आई हॉस्पिटल द्वारा कैंप लगाया गया। जिसका ग्रामीणों ने विरोध किया और किसी प्रकार की कोई परमिशन आदि न दिखा पाने पर उन्हें भगा दिया। मंगलवार को कानपुर से आए पुरवा उन्नाव निवासी राजेंद्र शुक्ला ने साई आई हॉस्पिटल का बोर्ड लगा मंदिर में कैंप लगाकर मरीजों को देखना शुरू कर दिया। गांव के समाजसेवी अहमद सिद्दीकी, मोहम्मद आसिफ व कई ग्रामीण भी मौके पर पहुंच गए और कैंप लगाने का परमीशन दिखाने की बात की। परमीशन न दिखा पाने पर ग्रामीणों ने उन्हें तुरंत कैंप हटा लेने की बात कही। मामला बिगड़ता देख हास्पिटल के कर्मचारी कैंप बंद कर भाग खड़े हुए। मामले में ग्राम प्रधान प्रतिनिधि पंकज गुप्ता ने बताया कि उन्होंने न ही किसी को कोई परमीशन दिया और न ही कैम्प लगाने के लिए अपना कोई स्थान दिया। मंदिर एक सार्वजनिक स्थान है वहां पर किसी ने कैंप लगा लिया हो तो उसकी जानकारी नहीं है।

कार्यों में पारदर्शिता लाना है जनसूचना अधिनियम का उद्देश्य

संवाददाता, रायबरेली

कलेक्टेट स्थित सभागार में समीक्षा बैठक करते राज्य सूचना आयुक्त पदुम नारायण द्विवेदी व मौजूद अन्य अधिकारी। अमृत विचार

- राज्य सूचना आयुक्त ने की लंबित प्रकरणों की समीक्षा

अमृत विचार। जनपद आगमन पर उत्तर प्रदेश के राज्य सूचना आयुक्त पदुम नारायण द्विवेदी को पीडब्ल्यूडी गेस्ट हाउस में गार्ड ऑफ ऑनर प्रदान किया गया। इसके बाद उन्होंने कलेक्टेट स्थित सभागार में अधिकारियों के साथ जन सूचना से संबंधित लंबित अपीलों एवं शिकायत प्रकरणों की समीक्षा बैठक की।

समीक्षा के दौरान उन्होंने निर्देशित किया कि आरटीआई के माध्यम से प्राप्त सभी शिकायतों का निस्तारण समय-सीमा के भीतर अनिवार्य रूप से किया जाए। विलंब की स्थिति में अर्थदंड एवं विभागीय कार्रवाई की संस्तुति भी की जा सकती है। सूचना आयुक्त ने कहा कि जन सूचना अधिनियम का मुख्य उद्देश्य प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता लाना है। सरकार की भी यही मंशा है कि प्रशासन और आम जनमानस के बीच बेहतर सामंजस्य स्थापित हो। उन्होंने जन सूचना अधिकारियों एवं प्रथम अपील अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी प्रकरणों का समय से निस्तारण करें। जिन बिंदुओं पर सूचना नहीं दी जा सकती उसके कारण का भी अवश्य उल्लेख करें। उन्होंने जिला प्रशासन की सराहना करते हुए कहा कि यहां जन सूचना के मामलों का निस्तारण बेहतर ढंग से किया जा रहा है तथा लंबित प्रकरणों की संख्या भी अपेक्षाकृत कम है। बैठक में आरटीआई विशेषज्ञ शैलेंद्र सिंह चौहान ने जन सूचना अधिकार अधिनियम की विस्तार से जानकारी दी। इस अवसर पर जिला प्रशासन की ओर से राज्य सूचना आयुक्त को प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया गया। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी अर्पित उपाध्याय, अपर जिलाधिकारी (प्रशासन) सिद्धार्थ, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. नवीन चंद्रा सहित जनपद के समस्त जिला स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।

मवेशी को बचाने में पलटा ट्रक, लगा जाम

ऊंचाहार, रायबरेली, अमृत विचार। सीमेंट पाऊडर लादकर जा रहा ट्रक मवेशियों को बचाने के चक्कर में अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गया। दुर्घटना में ट्रक चालक बाल-बाल बच गया। हादसे के बाद सड़क पर जाम लग गया। वहीं भीषण जाम लगने से राहगीरों को काफी दिक्कतों का समामना करना पड़ा। जाम लगने की सूचना पर पहुंची पुलिस ने ट्रक हटवाकर आवागमन बहाल कराया।

कौशाम्बी जनपद के सैनी थाना क्षेत्र निवासी अमित कुमार ट्रक चालक मंगलवार की भोर में ट्रक में झारखंड से सीमेंट लादकर बछरावां जा रहा था। लखनऊ-प्रयागराज राजमार्ग पर सवैया हसन गांव में मवेशियों को बचाने के चक्कर में ट्रक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकरा गया। टक्कर इतनी तेज थी कि ट्रक का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। ट्रक सड़क पर होने के कारण लंबा जाम लग गया। कोतवाल सजंय कुमार ने बताया कि दुर्घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है। मार्ग पलटे ट्रक को सड़क मार्ग से हटवाकर आवागमन बहाल कराया गया है।

जीएसटी में छूट से व्यापारियों ने प्रधानमंत्री का जताया आभार

लालगंज में आयोजित बैठक में मौजूद व्यापारी नेता। अमृत विचार

संवाददाता, लालगंज, रायबरेली

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल लालगंज नगर की सितंबर माह की मासिक बैठक संपन्न हुई। जिसमें विभिन्न व्यापारिक विषयों पर चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता व्यापार मंडल के संरक्षक रविंद्र मुरारका ने की। नगर अध्यक्ष विवेक शर्मा ने कहा कि भारत सरकार के द्वारा जीएसटी दरों पर व्यापारियों को दी गई छूट के लिए सभी पदाधिकारियों ने स्वागत कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्र सरकार को बधाई देते हुए आभार जताया है।

बैठक में तय हुआ कि संगठन के विस्तार हेतु जल्द ही सरेनी, भोजपुर, बेनीमाधवगंज जैसी बड़े प्रमुख बाजारों में व्यापार मंडल सदस्य बनाकर मजबूर संगठन तैयार किया जाएगा। वरिष्ठ व्यापारी नेता अनिल गुप्ता ने कहा कि 17 सितंबर 2025 को गुरबक्शगंज चौराहा पुलिस चौकी के बगल में खाद्य विभाग का कैंप लगाया जाएगा। बैठक में संरक्षक किरन सोनी, जिलाध्यक्ष रोहित सोनी, जिला वरिष्ठ उपाध्यक्ष मृत्युंजय बाजपेई, जिला महामंत्री अप्पू शर्मा, नगर वरिष्ठ उपाध्यक्ष महेश सोनी, उद्योग मंच अध्यक्ष हंसराज विश्वकर्मा, नगर महामंत्री शिवम गुप्ता, नगर महामंत्री संगठन कौशलेंद्र कंचन, नगर युवा अध्यक्ष पटेल शर्मा, महामंत्री रौनक भदौरिया, पुष्कर गुप्ता, सुरेश सोनकर, रामबाबू सोनकर, शिवम सोनी, दीपक अवस्थी आदि मौजूद रहे।

आयोजन | स्कूल में गुरु वंदन, छात्र अभिनन्दन कार्यक्रम में शिक्षक व छात्र किए गए सम्मानित

छात्र की सफलता तय करती है शिक्षक का सम्मान

संवाददाता, रायबरेली

एनएसपीएस त्रिपुला में छात्रा को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित करते अतिथि व शिक्षक।

अमृत विचार। न्यू स्टैंडर्ड पब्लिक स्कूल सीनियर सेकेंडरी स्कूल त्रिपुला में भारत विकास परिषद द्वारा छात्र वंदन गुरु अभिनन्दन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। भारत विकास परिषद के अध्यक्ष अरविंद श्रीवास्तव, कार्यक्रम के सह संयोजक देवेंद्र श्रीवास्तव, सदस्य विभा श्रीवास्तव और नागेंद्र श्रीवास्तव के साथ प्रधानाचार्य शिवलखन प्रजापति ने मां सरस्वती की पूजा-अर्चना की।

कार्यक्रम में प्रधानाचार्य और शिक्षक राम किशोर यादव, छात्रा कृतिका, श्रेया एवं उत्कर्ष को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य ने भारत विकास परिषद के अध्यक्ष सहित आये हुए अतिथियों को कार्यक्रम संयोजन के लिए धन्यवाद देते हुए कहा कि गुरु और विद्यार्थी एक दूसरे के पूरक होते है, एक शिक्षक का सम्मान उसके छात्र की सफलता तय करती है। इस अवसर पर उप-प्रधानाचार्य मो. फैज़ान खान, संयोजिका संचिता त्रिवेदी, शिवकरन पाल, शाहीन खान, पिंकी जायसवाल, गिरीश श्रीवास्तव सहित शिक्षक/शिक्षिकाएं, विद्यार्थी एवं शिक्षणेत्तर कर्मचारी उपस्थित रहे।

शिक्षक राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी: अवनीश

रायबरेली, अमृत विचार। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद की ओर से शिक्षक दिवस पर शिक्षक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। समारोह में जिले के विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक उपस्थित रहे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि विधान परिषद सदस्य इंजीनियर अवनीश कुमार पटेल रहे। इंजीनियर अवनीश कुमार पटेल ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र की सबसे बड़ी पूंजी है जो छात्रों को सही और गलत का बोध कराती है। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में अभाविप अवध प्रांत के प्रांत शोध प्रमुख जितेंद्र कुमार शुक्ला ने कहा कि विधार्थी परिषद में एक शिक्षक की भूमिका मार्गदर्शक के रूप में होती है क्योंकि युवा को कोई सही दिशा दे सकता है तो वो शिक्षक है। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित समाजसेविका अंजली मौर्या ने बताया कि गुरु का दर्जा भगवान से बड़ा है। वरिष्ठ समाजसेवी मुकेश श्रीवास्तव ने बताया कि विद्यार्थी परिषद की पहल बहुत अच्छी है। इस मौके पर डॉ. प्रवेश नारायण सिंह, दिव्यांशु तिवारी आदि लोग मौजूद रहे।

समारोह में शिक्षिका को सम्मानित करते अतिथि।

एफजीआईईटी में नवप्रवेशित छात्रों का अनुगम समारोह का हुआ आयोजन

संवाददाता, रायबरेली

एफजीआईईटी में आयोजित समारोह में मंचासीन अतिथि। अमृत विचार

अमृत विचार। फिरोज गांधी इंस्टीट्यूट ऑफ इंजीनियरिंग एंड टेक्नोलॉजी कॉलेज में नवप्रवेशित छात्रों के लिए अनुगम समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रम आयोग सदस्य सुशील गुप्ता व विशिष्ठ अतिथि रायन इंटरनेशनल स्कूल प्रधानाचार्या सदफ खान उपस्थित रहीं। मुख्य अतिथि ने समस्त छात्रों को इंजीनियरिंग तथा इंटरप्रेन्योर के बारे में जानकारी दी।

विशिष्ठ अतिथि ने जीवन की कठिनाइयों का सामना करते हुए सफल होने की राह दिखाई। कार्यक्रम का उद्घाटन पॉलिटेक्निक एसोसिएशन सचिव विनोद कुमार पांडे, समन्यवक डॉ. शालिनी सिंह, संयोजक डॉ. आरती श्रीवास्तव, डॉ. सुनील वर्मा, डॉ. नितिन पांडेय, मो. अनवर, डॉ. विवेक द्विवेदी, राजेश सिंह, प्रवेश नारायण सिंह, सुशील सोनी, अमित सिंह, नीलम यादव, जितेंद्र मिश्रा आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम

न्यूज ब्रीफ

सियार के हमले से अधेड़ घायल

जगतपुर, रायबरेली। थाना क्षेत्र के पूरे पंडित मजरे थुलरई गांव ककोरे पुत्र बदलू (50) गौशाला में मवेशियों को चारा देने जा रहा था। रास्ते में सियार ने उसके ऊपर हमला कर दिया, जिससे अधेड़ गंभीर रूप से घायल हो गया। ग्रामीणों ने आनन-फानन में सीएचसी दीनशाह गौरा में भर्ती कराया, जहां उसका इलाज चल रहा है। सीएचसी अधीक्षक ज्ञान प्रकाश सिसोदिया ने बताया कि एक अधेड़ के ऊपर सियार ने हमला कर दिया था जिसका इलाज किया जा रहा है।

राहुल बने जिलाध्यक्ष

संग्रामपुर अमेठी : माध्यमिक तदर्थ शिक्षक वेलफेयर एसोसिएशन का जिलाध्यक्ष राहुल सिंह को नामित किया गया है। वह भीमसेन इंटर कॉलेज के शिक्षक के पद पर तैनात हैं। जनपद अमेठी का जिलाध्यक्ष बनने पर शिक्षकों ने उनका माल्यार्पण कर स्वागत किया। नवनिर्वाचित जिलाध्यक्ष ने 11 सदस्यीय कार्यकारिणी में अरविंद पाठक जिला महामंत्री, अरविंद शुक्ला जिला कोषाध्यक्ष, अरविंद सिंह चौहान जिला संगठन मंत्री, आशीष तिवारी आय व्यय निरीक्षक नामित किये गये हैं।

कांग्रेस की मासिक बैठक सम्पन्न

संग्रामपुर अमेठी : मंगलवार को संग्रामपुर ब्लॉक मुख्यालय पर ब्लॉक कांग्रेस कमेटी संग्रामपुर की मासिक बैठक किया गया। जिसमें क्षेत्र के विभिन्न मुद्दों की जानकारी व संगठन को मजबूत बनाने के लिए वरिष्ठ कांग्रेस नेता राजीव सिंह कसारा ने सभी कार्यकर्ताओं को संबोधित किया। ब्लॉक अध्यक्ष बृजेश मिश्रा द्वारा सभी से निवेदन किया गया कि अगर क्षेत्र में कोई समस्या हो तो मुझे तुरंत जानकारी दें। बैठक के दौरान में बृजेन्द्र सिंह लोहा शिवेंद्र सिंह बलराम वर्मा राकेश मौर्य राजदेव कश्यप विनोद सिंह पूर्व प्रमुख जियालाल अभिषेक सिंह वीर सिंह यादव ओम प्रकाश पांडे शेर बहादुर सिंह पंकज मिश्रा अशोक मिश्रा अजय गुप्ता राधेश्याम सिंह आदि कांग्रेस के दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

हरे पेड़ों की कटान जारी, जिम्मेदार अंजान

रात के अंधेरे में हाईमास्क लाइट लगाकर हो रही कटान, रोक लगाने की मांग

संवाददाता, जगदीशपुर (अमेठी)

अमृत विचार। सरकार जहां एक ओर हरियाली को बढ़ावा दे रही है, वहीं दबंग ठेकेदार चोरी-छिपे हरे पेड़ों की कटान कर रहे हैं। जबकि विभागीय अधिकारी अंजान बने हुए हैं। बता दें कि अभी हाल में ही एक पेड़ मां के नाम... अभियान के तहत जिले के सभी विकास खण्ड में पौधरोपण किया गया था। अभियान की शुरुआत जिलाधिकारी संजय चौहान ने की थी।

लापरवाही का आलम यह है कि कोतवाली क्षेत्र के पूरे विस्मिल्ला मजरे इटरौर गांव में हरियाली को रातों-रात काटने का खेल खुलेआम चल रहा है। गांव के बाग में आम और महुआ के प्रतिबंधित हरे पेड़ हाईमास्क लाइट लगाकर लगातार काटे जा रहे हैं। ग्रामीणों के मुताबिक इस पूरे खेल के पीछे क्षेत्रीय दबंग ठेकेदारों की शह पर हो रहा है, जो कई हफ्तों से धड़ल्ले से हरे पेड़ों की कटाई करा रहे हैं। गौरतलब है कि पेडों की कटान की लगातार जानकारी दिए जाने के बावजूद पुलिस प्रशासन और वन विभाग इस मामले को गंभीरता से नहीं ले रहा है। वहीं इस संबंध में पुलिस का कहना है कि जांच के बाद उचित कार्यवाही की जाएगी। उधर, ग्रामीणों ने शासन-प्रशासन से मांग की है कि हरे पेड़ों की कटाई पर तत्काल रोक लगाई जाए और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

इस मामले को लेकर जगदीशपुर कोतवाल धीरेन्द्र यादव ने बताया कि जानकारी में आने के बाद वन विभाग एवं पुलिस विभाग की टीम पहुंच कर संबंधित के खिलाफ प्राप्त तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की जा रही है। वहीं वन क्षेत्राधिकारी ज्योतिर्मय शुक्ला ने बताया कि मामला संज्ञान में आने के बाद विभागीय कार्रवाई की गई है। स्थानीय कोतवाली में ठेकेदार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करने के लिए तहरीर दी गई है। फिर भी पेड़ों की कटान की सूचना मिलती है तो आगे भी कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

संग्रामपुर क्षेत्र में भी हरे पेड़ों पर चल रहा आरा

संग्रामपुर (अमेठी) अमृत विचार। थाना संग्रामपुर क्षेत्र में वन माफिया के हौसले बुलंद हो गये हैं। आएदिन हरे पेड़ों पर आरा चल रहा है। कभी महुआ तो कभी आम जैसे प्रतिबंधित पेड़ काटे जा रहे हैं। मंगलवार को क्षेत्र के खौपुर बुजुर्ग में विशालकाय महुए का पेड़ काटा डाला गया। लापरवाह वन विभाग की अधिकारियों के वन माफिया का मनोबल बढ़ गया है। वहीं वन विभाग अधिकारी मोहम्मद इब्राहिम ने बताया कि मामला संज्ञान में आया है, जांच के बाद कड़ी कार्रवाई की जा रही है।

वन विभाग की दो बीटो के इंचार्ज को हटाया गया, जांच जारी

सिंहपुर अमेठी अमृत विचार। विकासखंड सिंहपुर के टिकरी बीट व इन्हौंना बीट की जिम्मेदारी संभाल रहे रामेश्वर यादव को तत्काल प्रभाव से मोहनगंज अटैच कर दिया गया। जिससे मोहनगंज वन विभाग में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब दो बीट के इंचार्ज रामेश्वर यादव को तत्काल प्रभाव से लाइन हाजिर कर दिया गया। यह कार्रवाई प्रतिबंधित लकड़ी के कटान से जुड़ी खबरों और शिकायतों को लेकर हुई है। जानकारी के अनुसार इन्हौना और टिकरी बीट के इंचार्ज रामेश्वर यादव पर कुछ लोगों के साथ गाली-गलौज और अभद्र व्यवहार करने का भी आरोप लगाया था। इन शिकायतों के बाद, वन विभाग और जिला अधिकारी डीएफओ ने इस मामले की उच्च स्तरीय जांच के आदेश दिए थे। जांच के दौरान रामेश्वर यादव को मोहनगंज कार्यालय में अटैच कर दिया गया था, जिससे उनके हाथों से दोनों बीटों का प्रभार छिन गया है। फिलहाल अभी इस मामले की जांच जारी है।

आपूर्ति कर्ताओं को 16 तक होगा बकाया भुगतान

अमेठी। मनरेगा से गांवों में विकास कार्य कराने के लिए तमाम आपूर्ति कर्ताओं ने मैटेरियल दिया था। जिसका भुगतान न होने से दुकानदार परेशान थे। जिनकी परेशानी कुछ हद तक जल्द दूर होगी। भुगतान के लिए समय-सीमा निर्धारित की गई है।

वर्ष 2024-25 में जिले में मनरेगा से गांवों में विकास कार्य कराने के लिए तमाम आपूर्ति कर्ताओं ने मैटेरियल उपलब्ध कराया था। जिसका कुल 3632.16 करोड़ रुपए का भुगतान लंबित है। पैसा न मिलने से आपूर्तिकर्ता दुकानदार परेशान थे। उनको राहत देने के लिए कुल बकाए का 14 प्रतिशत भुगतान 508 करोड़ रुपए आगामी 16 सितंबर को जिलेवार अलग-अलग समय पर उपलब्ध कराया जाएगा। जिसके तहत अमेठी को 16 सितंबर को सुबह 11.15 से 11.30 11 बजे तक की समय-सीमा निर्धारित की गई है। इस संबंध में उपायुक्त श्रम रोजगार शेर बहादुर ने सभी खंड विकास अधिकारियों को पत्र भेजकर नियमानुसार भुगतान कराने का आदेश दिया है।

जेट्रोफा का फल खाने से बेनीपुर गांव के आठ लोग बीमार, भर्ती

संवाददाता, अमेठी

सीएचसी में भर्ती मरीज।

अमृत विचार। स्थानीय कोतवाली के अंतर्गत बेनीपुर गांव में कुछ महिलाएं बच्चे पशु चराने गांव के बाग में गए थे वहां पर जेट्रोफा का फल खाने से आठ लोग बीमार हो गए। उनकी हालत बिगड़ने पर उन्हें अमेठी के अस्पताल में भर्ती कराया गया, जिनका इलाज चल रहा है। हालांकि डॉक्टर ने बताया है कि सभी की हालत खतरे बाहर है।

जानकारी के मुताबिक बेनीपुर गांव के बच्चे-महिलाएं अपने पशु चराने के लिए गांव के पास ही बाग में गईं थीं, जहां पर के पेड़ पर जेट्रोफा के फल लगे हुए थे। फल देखकर महिलाएं व बच्चों ने उसे खा लिया। गांव की साबरी ने बताया कि जब कुछ लोगों को फल का स्वाद ठीक लगा तो कई लोगों ने जेट्रोफा का फल खाया। फल खाने के कुछ समय बाद बच्चों व महिलाओं की हालत बिगड़ने लगी। इसकी जानकारी जब ग्रामीणों को हुई तो वे उनकी ओर दौड़े। ग्रामीणों ने एंबुलेंस की मदद से सभी को सीएचसी पहुंचाया, जहां उनका इलाज जारी है। जेट्रोफा का फल खाने से बीमार होने वालों में शहरूनिशा (32), साबरीन (22), केशरी (16), शहरबानो (15), मुसैरजहां (13), सबाना (14), अरमान(3), अमजश (ढाई वर्ष) आदि लोग शामिल हैं। जिनका इलाज अस्पताल में जारी है। वहीं सीएचसी अधीक्षक डॉक्टर आलोक तिवारी बताया कि जेट्रोफा का फल खाने से आठ लोग अस्पताल में भर्ती हैं। जिनका इलाज चल रहा है, हालांकि सभी खतरे से बाहर हैं।

बैंक संचालक बनाए गए महा अभियान के प्रभारी

संवाददाता, रायबरेली

कार्यशाला

कार्यशाला को संबोधित करते अतिथि।

अमृत विचार। जिला सहकारी बैंक लिमिटेड सभागार में मंगलवार को भाजपा जिलाध्यक्ष बुद्धीलाल पासी की अध्यक्षता में जनपद स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि जिला सहकारी बैंक लि. के अध्यक्ष विवेक विक्रम सिंह थे।

कार्यशाला में विवेक विक्रम सिंह ने कहा कि उप्र सरकार द्वारा सहकार से समृद्धि के अन्तर्गत एम-पैक्स को सुदृढ कराने हेतु समितियों में सदस्यता महा अभियान के अन्तर्गत 45 हजार नये सदस्यों को बनाये जाने का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि सदस्यता महा अभियान 2025 को सफल बनाने हेतु प्राप्त लक्ष्य से अधिक सदस्य बनाये जाने हैं। इस दौरान बैंक संचालकगण को उनके कार्यक्षेत्र में सदस्यता महा अभियान को सफल बनाये जाने के लिए सुशील कुमार शर्मा उपाध्यक्ष को सतांव, हरचन्दपुर, राघवेन्द्र प्रताप सिंह संचालक को लालगंज, सरेनी, खीरों, कुंवर बहादुर सिंह संचालक को डलमऊ, राही, अमांवा, कुंवर हनुमन्त प्रताप सिंह संचालक को शिवगढ, महराजगंज, श्रवण कुमार संचालक को बछरांवा दीपेन्द्र प्रताप सिंह, संचालक सलोन मो. रिजवान संचालक डीह, छतोह, अवनीन्द्र प्रताप सिंह संचालक को तिलोई, फुरसतगंज बहादुरपुर, राकेश प्रताप संचालक ऊंचाहार, रोहनियां एवं अवनीन्द्र प्रताप सिंह संचालक को जगतपुर एवं गदागंज का सदस्यता महा अभियान का प्रभारी बनाया गया है।

उक्त कार्यक्रम में सुशील कुमार शर्मा, राम सागर चौरसिया, अशोक कुमार मौर्या, कुंवर बहादुर सिंह, रामसागर चौरसिय आदि समस्त बैंक कर्मचारी कार्यशाला में उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन रणजय सिंह अनुभाग अधिकारी द्वारा किया गया।

इलाज के दौरान युवक की मौत, परिजनों ने किया हंगामा

संवाददाता, शुकुल बाजार, अमेठी

- **अस्पताल प्रबंधन ने 4 लाख रुपये लेकर इलाज कर ठीक करने का दिया था आश्वासन**

विजय कुमार की फाइल फोटो।

अस्पताल के बाहर हंगामा करते परिजन व ग्रामीण। अमृत विचार

अमृत विचार। शुकुल बाजार में मंगलवार देर शाम को एक युवक की इलाज के दौरान मौत के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया। परिजनों ने डॉक्टर व अस्पताल पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए कहा कि अस्पताल प्रबंधन ने उनसे 4 लाख रुपये लेकर युवक को गारंटी के साथ ठीक करने का आश्वासन दिया था। जिसका इलाज लगभग दो माह तक चला लेकिन मंगलवार को युवक की मौत हो गई तो परिजन हंगामा करने लगे। हंगामे की सूचना पर पहुंची पुलिस ने किसी तरह मामला शांत कराया। मृतक की पहचान बाराबंकी के दुर्जन पुरवा निवासी विजय कुमार पुत्र काशीराम के रूप में हुई है।

विजय के पिता काशीराम ने आरोप लगाया कि उनके बेटे विजय का 20 जुलाई को सुबेहा दुर्जन पुरवा मोड़ के पास एक ट्रक से एक्सीडेंट हो गया था, जिसमें उसे गंभीर चोटें आई थीं। वे उसे इलाज के लिए इंदिरा हॉस्पिटल ईदगाह के बगल शुकुल बाजार लाए थे, जहां अस्पताल ने उनसे इलाज के लिए 4 लाख रुपये की मांग की और गारंटी के साथ ठीक करने का भरोसा दिया था। विजय की मौत के बाद, परिजनों और ग्रामीणों की भीड़ अस्पताल के बाहर जमकर हंगामा किया। उन्होंने अस्पताल प्रबंधन पर धोखाधड़ी और लापरवाही का आरोप लगाया है। बाद में, पुलिस ने हस्तक्षेप कर स्थिति को नियंत्रण में लिया और आगे की कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

विजय की मौत ने छीना परिवार का सहारा: विजय कुमार की मौत से पत्नी सोना और चार वर्षीय बेटा कुणाल अपने पिता की याद में रो-रोकर बेहाल रहे। परिवार के लिए यह दुख और भी बड़ा है क्योंकि विजय कुमार सऊदी अरब में एक स्टोर कीपर के तौर पर कार्यरत थे। विजय की मौत से परिवार का सहारा चला गया।

वहीं इस संबंध में सीएमओ डॉ. अंशुमान सिंह ने बताया कि जांच के लिए दो सदस्यीय टीम गठित कर दी गई है। जांच में दोषी मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

सपा जिलाध्यक्ष ने पीड़ित परिवार को प्रदान की एक लाख रुपए की आर्थिक सहायता

अमेठी, अमृत विचार। तहसील के ग्राम सभा बाहापुर निवासी समाजवादी पार्टी ब्लॉक अध्यक्ष आनंद वर्मा की 22 नवंबर 2024 को सड़क दुर्घटना में दुखद मृत्यु हो गई थी। वे जिला मुख्यालय गौरीगंज से मीटिंग के बाद लौट रहे थे। उनकी आकस्मिक मृत्यु से क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई थी।समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के निर्देश पर 9 सितंबर की दोपहर दिवंगत नेता की पत्नी रानी देवी को एक लाख रुपये का चेक प्रदान किया गया। चेक जिला अध्यक्ष राम उदित यादव ने सौंपा। इस अवसर पर जिला अध्यक्ष ने कहा कि समाजवादी पार्टी अपने कार्यकर्ताओं और उनके परिवार के साथ हमेशा खड़ी रहती है। उन्होंने यह भी कहा कि आनंद वर्मा की सेवाएं और योगदान हमेशा याद किए जाएगा। इस दौरान जिला महासचिव अरशद अहमद ने कहा, समाजवादी पार्टी हमेशा अपने कार्यकर्ताओं और उनके परिवारों के साथ खड़ी रहती है।

ग्रामीणों ने चोर समझकर दो भाइयों पर किया हमला

कमरौली अमेठी अमृत विचार। उत्तर प्रदेश में यूपीएसएससी पीईटी की परीक्षा देकर लौट रहे दो भाई को ग्रामीणों ने चोर समझकर बेरहमी से पीटा। इस घटना में पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर 12 अज्ञात लोगों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। यह घटना बीते शनिवार की रात की है, जब सुलताननपुर के जरईकलां गांव के राहुल अपने भाई के साथ घर लौट रहे थे। पीड़ित राहुल ने पुलिस को बताया कि वह 6 सितंबर को बरेली से पीईटी की परीक्षा देकर लौट रहे थे। रात करीब 10 :30 बजे रोडवेज बस ने उन्हें जगदीशपुर जाने के लिए उतेलवा बाईपास पर उतार दिया। उन्होंने अपने भाई को बुलाया और इंतजार करने के लिए मगरौरा ईदगाह के पास लाइट के पास रुक गए। जैसे ही उनका भाई वहां पहुंचा, दो लोग उनके पास आए और उनसे पूछताछ करने लगे। राहुल ने अपना नाम-पता बताया और परीक्षा का एडमिट कार्ड भी दिखाया, लेकिन उन्होंने चोर-चोर कहकर उसे और उसके भाई को पीटना शुरू कर दिया। वहीं इस मामले में कमरौली के एसओ मुकेश पटेल ने बताया कि पीड़ितों की शिकायत पर एक दर्जन अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है।

कवि सम्मेलन एवं सम्मान का आयोजन कल

अमेठी, अमृत विचार। अवधी साहित्य संस्थान अमेठी की ओर से स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में प्रमोद आलोक इंटरमीडिएट कॉलेज के स्वामी विवेकानंद सभागार में अखिल भारतीय कवि सम्मेलन, विमर्श, विमोचन एवं सम्मान का आयोजन 11-12 सितम्बर को होगा। इस समारोह में देश-विदेश के प्रसिद्ध साहित्यकार सहभागिता करेंगे। 11 सितंबर गुरुवार को अखिल भारतीय कवि सम्मेलन का आयोजन किया जाएगा।

हादसे में घायल छात्रा की इलाज के दौरान मौत

संवाददाता, सिंहपुर (अमेठी), अमृत विचार। विकासखंड के राजा फत्तेपुर स्थित डॉ. प्रताप नारायण मिश्र स्मारक इंटर कॉलेज से घर लौट रही 10वीं की छात्रा शुभी कुमारी अपने गांव पूरे शेरू राजाफत्तेपुर, तिलोई वापस जा रही थीं, तभी कठौरा की तरफ से आ रहे एक ई-रिक्शा ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर से उसके सिर पर गंभीर चोटें आईं। सूचना पर परिजन और विद्यालय प्रबंधक उपेंद्र मिश्रा तुरंत मौके पर पहुंचे। गंभीर हालत में शुभी को जगदीशपुर के सूर्या हॉस्पिटल ले जाया गया, लेकिन हालत डॉक्टरों ने लखनऊ रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि स्वास्थ्य मंत्री मयंकेश्वर शरण सिंह ने भी इस मामले का संज्ञान लिया था और तुरंत इलाज शुरू करने के निर्देश दिए थे। हालांकि बावजूद मंगलवार को सुबह शुभी ने दम तोड़ दिया।

समस्याओं को लेकर किसान संघ ने सौंपा ज्ञापन

संवाददाता, मुसाफिरखाना (अमेठी)

आक्रोश

खंड विकास अधिकारी को सौंपते भारतीय किसान संघ के पदाधिकारी।

अमृत विचार। भारतीय किसान संघ के कार्यकर्ताओं ने सोमवार को जिलाध्यक्ष हारित सिंह के नेतृत्व में मुख्यमंत्री को संबोधित एक ज्ञापन खण्ड विकास अधिकारी मुसाफिरखाना को सौंपा।

ज्ञापन में किसानों की मूलभूत आवश्यकताओं और समस्याओं पर ध्यान आकर्षित करते हुए कई प्रमुख मांगें उठाई हैं। इनमें खाद, बीज व रसायन की समय पर उपलब्धता, इनमें मिलावट करने वालों पर कड़ी कार्रवाई, खराब राजकीय नलकूपों और नहरों की टूटी नालियों की मरम्मत, साथ ही नहरों की समय से सफाई आदि शामिल है। आक्रोशित संगठन ने विशेष रूप से रबी फसलों की सिंचाई के लिए दिन में निर्वाध विद्युत आपूर्ति की मांग की। साथ ही किसानों के प्रति हितैषी व्यवहार के लिए कर्मचारियों के प्रशिक्षण और उनकी समस्याओं के शीघ्र निराकरण हेतु अधिकारियों को निर्देशित करने पर बल दिया गया। वहीं किसान संघ कार्यकर्ताओं ने चेतावनी दी है कि यदि इन मांगों पर शीघ्र कार्रवाई नहीं की गई, तो वे आंदोलन करने को बाध्य होंगे।

किसान नेताओं ने मुख्यमंत्री को संबोधित बीडीओ को सौंपा ज्ञापन, संग्रामपुर (अमेठी): भारतीय किसान संघ, उत्तर प्रदेश की ओर से मंगलवार को मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन खंड विकास अधिकारी संग्रामपुर को सौंपा गया। इसमें किसानों ने खाद, बीज और विद्युत व्यवस्था से जुड़ी समस्याओं पर गंभीर चिंता जताते हुए कहा कि किसानों के हित में तत्काल कदम उठाए जाएं।ज्ञापन में किसानों ने मांग की कि गुणवत्तापूर्ण खाद, बीज और कृषि रसायनों की पर्याप्त मात्रा समय-समय पर उपलब्ध कराई जाए।

मुआवजे को लेकर किसानों ने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन, महराजगंज, रायबरेली: खाद, बिजली व बारिश में बर्बाद हुई फसलों के मुआवजे सहित पांच सूत्रीय मांगों को लेकर किसानों ने उपजिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा। मंगलवार को तहसील पहुंचे किसानों ने उपजिलाधिकारी गौतम सिंह को दिए गए ज्ञापन में बताया कि बारिश से हजारों बीघे फसलें डूब गई है। फसलों के नुकसान का मुआवजा, समितियों में यूरिया की उपलब्धता, पात्रों को आवास व मनमानी तरीके से भेजे जा रहे बिजली बिलों के अलावा विधवा एवं वृद्धा पेंशन सहित कई योजनाओं से लाभार्थी वंचित हो रहे हैं।

कार्यालय डिप्टी रजिस्ट्रार, फर्म्स सोसायटी एवं चिट्स 145 रीडगंज अयोध्या मण्डल अयोध्या

शिक्षा प्रसार समिति
ढेंगहा, जनपद अमेठी उ0प्र0
साधारण सभा की सूची
वर्ष 2025–2026

कार्यालय डिप्टी रजिस्ट्रार, फर्म्स सोसायटी एवं चिट्स 145 रीडगंज अयोध्या मण्डल अयोध्या के निर्देशानुसार अध्यक्ष शिक्षा प्रसार समिति ठेगहा जनपद अमेठी द्वारा साधारण सभा के सदस्यों के नाम पिता का नाम पता, सदस्यों के क्रमांक सहित जन सामान्य हेतु प्रकाशित किया गया है।

क्र.सं.	नाम	पता	
1	श्री राघवेन्द्र प्रताप सिंह पुत्र श्री अवध बिहारी सिंह	सहजीपुर, ढेंगहा, अमेठी	कृषि
2	श्री अरविन्द कुमार शुक्ल पुत्र श्री यमुना प्रसाद शुक्ल	शुकुलपुर, ढेंगहा, अमेठी	कृषि
3	श्री राम सुन्दर तिवारी पुत्र श्री माता फेर तिवारी	ढेंगहा, अमेठी	कृषि
4	श्री अम्बिका प्रसाद तिवारी पुत्र श्री कमला प्रसाद तिवारी	ढेंगहा, अमेठी	कृषि
5	श्री दयाशंकर तिवारी पुत्र श्री राम लखन तिवारी	ढेंगहा, अमेठी	कृषि
6	श्री शिव कुमार मिश्र पुत्र श्री गोकुल प्रसाद मिश्र	ढेंगहा, अमेठी	कृषि
7	श्रीमती प्रभावती तिवारी पत्नी श्री परमेश्वरदीन तिवारी	पूरे खुशियाल, कसारा, अमेठी	कृषि
8	श्री महेन्द्र प्रताप सिंह पुत्र श्री नारायण सिंह	सहजीपुर, ढेंगहा, अमेठी.	कृषि
9	श्री श्रीनारायण सिंह पुत्र श्री माताबदल सिंह	सहंजीपुर, ढेंगहा, अमेठी	कृषि
10	श्री राजेन्द्र प्रसाद मिश्र पुत्र श्री राजदेव मिश्र	पूरे ब्रहमचारी, विशेषरगंज, अमेठी	कृषि
11	श्री राम पियारे उपाध्याय पुत्र श्री सूर्यपाल	कनू, विशेषरगंज, अमेठी	कृषि
12	श्री त्रियुगी नारायण तिवारी पुत्र श्री शोभनाथ तिवारी	सहजीपुर, ढेंगहा, अमेठी	कृषि
13	श्री जगदीश नारायण गुप्त पुत्र श्री रामदास गुप्ता	ढेंगहा, अमेठी	कृषि
14	श्रीमती शान्ती पत्नी श्री जगदीश नारायण	ढेंगहा, अमेठी	गृहणी
15	श्री देवीदीन यादव पुत्र श्री राम धनी	ढेंगहा, अमेठी	कृषि
16	श्री कालीदीन यादवपुत्र श्री रामधनी	ढेंगहा, अमेठी	कृषि
17	श्री राम सजीवन शुक्ल पुत्र श्री राम कृपाल	सांडा, हर्षपुर, बाबागंज, अमेठी	कृषि
18	श्री राम सिद्ध मिश्र पुत्र श्री बाबू राम मिश्र	तिवारीपुर, करनाईपुर, अमेठी	कृषि
19	श्रीमती निर्मला देवी पत्नी श्री राम सिद्ध मिश्र	तिवारीपुर, करनाईपुर, अमेठी	गृहणी
20	श्री अभयराज मिश्र पुत्र श्री सूर्यबलि मिश्र	पतापुर, कसारा, अमेठी	कृषि
21	श्रीमती राम पियारी पत्नी श्री अभयराज मिश्र	पतापुर, कसारा, अमेठी	गृहणी
22	श्री लक्ष्मी नारायण मिश्र पुत्र श्री भगवानदीन	शुकुलपुर, अमेठी	कृषि
23	श्री घनश्याम त्रिपाठी पुत्र श्री हरिनारायण त्रिपाठी	शुकुलपुर, अमेठी	कृषि
24	श्री रमाकान्त पाण्डेय पुत्र श्री कालिका प्रसाद	पूरे गुरूबक्श, रायबरेली	कृषि
25	श्री अमरनाथ मिश्र पुत्र श्री राम स्वरूप मिश्र	मण्डौली, करौंदी, अमेठी	कृषि
26	श्री रसिक बिहारी तिवारी पुत्र श्री बिन्देश्वरी प्रसाद तिवारी	सहजीपुर, ढेंगहा, अमेठी	कृषि
27	श्री शिव बाबू तिवारी पुत्र श्री विश्वनाथ तिवारी	ताला, अमेठी	कृषि
28	श्री जगदम्बा प्रसाद तिवारी पुत्र श्री हरिनारायण तिवारी	गौरीगंज, अमेठी	कृषि
29	श्रीमती सरला देवी पत्नी श्री जगदम्बा प्रसाद तिवारी	गौरीगंज, अमेठी	कृषि
30	श्री सतीश कुमार पाण्डेय पुत्र श्री श्याम सुन्दर पाण्डेय	गौरीगंज, अमेठी	कृषि
31	श्री विनोद कुमार शुक्ल पुत्र श्री यमुना प्रसाद शुक्ल	शुकुलपुर, अमेठी	कृषि
32	श्री विद्या वारिद तिवारी पुत्र श्री हृदयनारायण तिवारी	शुकुलपुर, अमेठी	कृषि
33	श्री राजाराम द्विवेदी पुत्र श्री परमेश्वरदीन द्विवेदी	तारापुर, अमेठी	कृषि
34	श्री जय प्रकाश द्विवेदी पुत्र श्री राजाराम द्विवेदी	तारापुर, अमेठी	कृषि
35	श्री विद्या अलंकार तिवारी पुत्र श्री हृदय नारायण तिवारी	शुकुलपुर, अमेठी	कृषि
36	श्री विजय कुमार मिश्र पुत्र श्री गोकुल प्रसाद मिश्र	ढंगहा, अमेठी	कृषि
37	श्रीमती कुसुम देवी पत्नी श्री विजय कुमार मिश्र	ढेंगहा, अमेठी	गृहणी
38	श्री प्रमोद कुमार पाठक पुत्र श्री गोकुल प्रसाद पाठक	धरईमाफी, अमेठी,	कृषि
39	श्री वृन्दावन शुक्ल पुत्र श्री दुर्गा प्रसाद शुक्ल	हथकिला, अमेठी	कृषि
40	श्री देव नरायन तिवारी पुत्र श्री रामनाथ तिवारी	तिवारीपुर, करौंदी, अमेठी	कृषि
41	श्रीमती कुसुम शुक्ला पत्नी श्री अरविन्द कुमार शुक्ल	शुकुलपुर, अमेठी	गृहणी
42	श्री आनन्द कुमार शुक्ल पुत्र श्री यमुना प्रसाद शुक्ल	शुकुलपुर, अमेठी	कृषि
43	श्रीमती नीलम शुक्ल पत्नी श्री प्रमोद कुमार शुक्ल	शुकुलपुर, अमेठी	गृहणी
44	श्रीमती सुधा शुक्ल पत्नी श्री आनन्द कुमार शुक्ल	शुकुलपुर, अमेठी	गृहणी
45	श्रीमती पूनम शुक्ल पत्नी श्री विनोद कुमार शुक्ल	शुकुलपुर, अमेठी	गृहणी
46	श्रीमती दुर्गावती पत्नी श्री जय प्रकाश	तारापुर, अमेठी	गृहणी
47	श्रीमती प्रभावती पत्नी श्री राम प्रकाश	तारापुर, अमेठी	गृहणी
48	श्री चन्द्रशेखर पुत्र श्री राजाराम	तारापुर, अमेठी	कृषि
49	श्री ओम प्रकाश पुत्र श्री परमेश्वरदीन	तारापुर, अमेठी	कृषि
50	श्री वेद प्रकाश पुत्र श्री राजाराम	तारापुर, अमेठी	कृषि
51	श्री अनूप पुत्र श्री अरविन्द कुमार	शुकुलपुर, अमेठी	कृषि
52	श्री अनुराग पुत्र श्री जय प्रकाश	तारापुरे, अमेठी	कृषि
53	श्री यज्ञ प्रकाश पुत्र श्री राम प्रकाश	तारापुर, अमेठी	कृषि
54	श्रीमती प्रिया पत्नी श्री अनुराग	तारापुर, अमेठी	गृहणी
55	श्रीमती कीर्ति पत्नी श्री यज्ञ प्रकाश	तारापुर, अमेठी	गृहणी

आक्रोश

टीईटी परीक्षा के खिलाफ शिक्षक लामबंद, 11 सितंबर को करेंगे प्रदर्शन

अदालत के फैसले ने शिक्षकों को दिया झटका : राघवेंद्र

संवाददाता, रायबरेली

बैठक को संबोधित करते शिक्षक संघ के जिलाध्यक्ष राघवेंद्र यादव व मौजूद अन्य।

अमृत विचार। सुप्रीम कोर्ट की तरफ से बेसिक शिक्षा विभाग में कार्यरत शिक्षकों को टीईटी की परीक्षा पास करने का अनिवार्य आदेश दिए जाने के बाद इसका अनवरत विरोध जारी है। शिक्षकों की तरफ से केंद्र सरकार ने कानून में संशोधन करने की मांग को लेकर लगातार अभियान सोशल मीडिया के माध्यम से चलाया जा रहा है। अब शिक्षकों की तरफ से 11 सितंबर को प्रदर्शन करके डीएम के माध्यम से प्रधानमंत्री और शिक्षामंत्री को ज्ञापन भेजकर कानून में संशोधन की मांग की जाएगी। जूनियर हाईस्कूल शिक्षक संघ की तरफ से 11 सितंबर को किए जाने वाले विरोध प्रदर्शन को लेकर एक बैठक चक अहमदपुर में आयोजित की गई।

जिलाध्यक्ष राघवेंद्र यादव ने कहा कि क्या किसी नौकरी की तैयारी करने वाला कोई अभ्यर्थी नौकरी पाने के दस, बीस, तीस बरस बाद उस परीक्षा को उतने ही सफलतापूर्ण ढंग से पास कर पाता है जितना कि नौकरी पाने के लिए अदालत के इस फैसले ने कुछ शिक्षकों को झटका दे दिया है। इनमें अधिकतर पचास से पचपन वर्ष की आयु वाले वे शिक्षक हैं जो तमाम शारीरिक व्याधियों के बाद भी अपने काम को पूरी लगन और निष्ठा के साथ करने के लिए संघर्षरत हैं।

जिला संरक्षक समर बहादुर सिंह ने कहा कि बेसिक शिक्षा विभाग में सेवा के कई दशक बीतने के बाद अब शिक्षकों को अध्यापक पात्रता परीक्षा (टीईटी) परीक्षा पास करने का आदेश सुप्रीम कोर्ट ने दिया है। इस आदेश के बाद हम शिक्षकों की तरफ से प्रधानमंत्री और शिक्षामंत्री को पत्र भेजकर नियमों में संशोधन की मांग की जा रही है। जिला महामंत्री सियाराम सोनकर ने कहा कि शिक्षा का अधिकार अधिनियम एवं एनसीटीई अधिनियम लागू होने के पूर्व नियुक्त शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा से छूट प्रदान करने हेतु अधिनियम में संशोधन हेतु एक मांग पत्र देश के प्रधानमंत्री और शिक्षा मंत्री को सम्बोधित ज्ञापन 11 सितंबर को जिलाधिकारी के माध्यम से दिया जाएगा।

इस अवसर पर शांति अकेला, पन्नालाल, हरिकेश यादव, साधना शर्मा, सुनीता सिंह, राकेश पटेल, सुरेन्द्र वर्मा, सुनील यादव, शिवकुमार सिंह, लालबहादुर यादव, मेराज अहमद, रविप्रकाश श्रीवास्तव, चन्द्र प्रकाश, धर्मेंद वर्मा, सुनील मिश्र, शिवेंद्र सिंह, शिवप्रताप मौर्य सहित दर्जनों शिक्षक व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

डीएम ने सुनीं जन समस्याएं, दिए निर्देश

हरदोई, अमृत विचार। कलेक्ट्रेट कक्ष में जन सुनवाई के दौरान जिलाधिकारी अनुनय झा ने मंगलवार को आमजन की समस्याओं को सुना। जन सुनवाई में कुल 121 शिकायतें प्राप्त हुईं जिनके त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए। पात्रों का वृद्धावस्था पेंशन, निराश्रित महिला पेंशन व दिव्यांग पेंशन हेतु मौके पर ही पंजीकरण कराया गया। 70 वर्ष से अधिक आयु के बुजुर्गों का मौके पर ही आयुष्मान कार्ड बनाया गया। तीन बच्चों को बाल सेवा योजना से जोड़ा गया, चार महिलाओं को निराश्रित महिला पेंशन से जोड़ा गया, दो लोगों का दिव्यांग कार्ड बनाने के निर्देश दिये। इस दौरान अतिरिक्त मजिस्टेट अरूणिमा श्रीवास्तव भी मौजूद रहीं।

बुद्ध व अंबेडकर की मूर्तियों का रंग-रोगन कराया

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम पेढ़वा के मजरा सरसी में स्थापित महात्मा बुद्ध और डाक्टर भीमराव अंबेडकर की मूर्ति के आसपास शरारती तत्वों द्वारा आग लगाए जाने की सूचना पर पुलिस ने धुएं से गंदी हुई मूर्तियों का पेंट करवाकर पुन: साफ करवा दिया है। सहायक पुलिस अधीक्षक आलोक राज नारायण ने बताया कि पुलिस को कोतवाली क्षेत्र के ग्राम सरसी में स्थापित भगवान बुद्ध और डाक्टर अंबेडकर की मूर्तियों को शरारती तत्वों द्वारा आग लगाकर क्षति ग्रस्त कर दिया गया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से मूर्तियों को पेंट करवा कर पुन: स्थापित करवा दिया गया है। गांव में शांति व्यवस्था कायम है।

कमरे में फंदे से लटका मिला युवक का शव

फतेहपुर चौरासी उन्नाव, अमृत विचार। थानाक्षेत्र के बदले पुरवा गांव निवाद सोनू (19) पुत्र रामनाथ का शव मंगलवार को संदिग्ध परिस्थिति में उसके कमरे में फंदे से लटका मिला। वह बीती 6 सितम्बर को ननिहाल से लौटा था। सोनू घर में अकेला था। उसके माता-पिता सीतापुर सत्संग में शामिल होने गए थे। मंगलवार को दुर्गंध आने पर पड़ोसियों ने घर में झांककर देखा तब उन्हें घटना की जानकारी हुई।

सांडी क्षेत्र में बाढ़ के पानी से घिरा प्राथमिक विद्यालय। ● अमृत विचार

बंद किया गया बिलग्राम का उच्च प्राथमिक विद्यालय गनीपुर। ● अमृत विचार

विकास खंड सांडी के प्राथमिक विद्यालय बरगदापुरवा में भरा पानी। ● अमृत विचार

40 प्राथमिक विद्यालय बंद, सैकड़ों गांवों की विद्युत आपूर्ति ठप

बाढ़ का कहर : गर्रा और गंगा नदी का जलस्तर खतरे के निशान पर पहुंचा, बाढ़ से घिरे सैकड़ों गांव व फसलें जलमग्न, लोगों में दहशत

संवाददाता, हरपालपुर, सांडी, हरदोई

अमृत विचार। क्षेत्र की गंगा, रामगंगा व गर्रा नदियों के जलस्तर में लगातार वृद्धि जारी है। मंगलवार को नदियों का जलस्तर चेतावनी बिंदु को पार कर गया। रामगंगा नदी खतरे के निशान से लगभग 1 मीटर नीचे है जबकि गर्रा नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर अधिकतम लेबिल पर पहुंच गया है। गंगा नदी का जलस्तर भी खतरे के निशान के करीब है। मंगलवार को बांधों से गंगा नदी में 2,33,303 क्यूसेक व गर्रा नदी में 6,494 क्यूसेक पानी छोड़े जाने की खबर है। यह पानी जनपद में अगले दो दिनों के बाद पहुंचने की संभावना है।

सवायजपुर तहसील क्षेत्र के अरवल व पाली इलाके में बाढ़ की त्रासदी से लोग परेशान हैं। कटियारी इलाके के दो दर्जन से अधिक गांवों में बाढ़ का पानी पहुंचने से ग्रामीणों की परेशानियां बढ़ गई। कई गांवों को जाने वाली प्रमुख सड़को पर पानी भरने से आवागमन ठप हो गया है। क्षेत्र के कई बेसिक स्कूलों में बाढ़ का पानी भर जाने से शिक्षण व्यवस्था ठप हो गई है। मंगलवार की सुबह गंगा नदी में हरिद्वार से 82,123 क्यूसेक व नरौरा बांध से 1,51,180 क्यूसेक तथा गर्रा नदी में ड्यूनी डेम से 6,494 क्यूसेक पानी छोड़े की खबर ने नदियों के तटवर्ती गांवों के निवासियों की नींद उड़ा दी है। बाढ़ के चलते हरपालपुर विकास खण्ड के 33 व सांडी विकास खण्ड के 40 बेसिक स्कूलों को तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया। विद्युत उपकेंद्र पलिया के खद्दीपुर फीडर के 56 व सांडी उपकेंद्र के 15 गांवों की विद्युत आपूर्ति बंद कर दी गई है। जिसके चलते लोग अंधेरे में रहने को मजबूर हो गए। सांडी व हरपालपुर विकास क्षेत्र में बाढ़ से प्रभावित लगभग एक सैकड़ा से अधिक गांवों व मजरो की आबादी को दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। बंद किये गए स्कूलों में कार्यरत शिक्षकों को अन्य विद्यालयों में बाढ़ खत्म होने तक सम्बद्ध कर दिया गया है।

सांडी विद्युत उपकेंद्र के जेई मुकेश गुप्ता ने बताया कि 15 गांवों कि बिजली आपूर्ति रोकी गई है। सांडी के खण्ड शिक्षा अधिकारी डा. सुनील कुमार ने बताया कि करनपुर, अलियापुर, रौरा, भागहार, श्रीमऊ दस्यौली सहित 40 प्राथमिक विद्यालय जलमग्न है, वहीं क्षेत्रीय विधायक प्रभाष कुमार ने भौरजपुर, तालेपुरवा सहित कई गांव ट्रैक्टर से बाढ़ का निरीक्षण किया और तहसील प्रशासन को बाढ़ग्रस्त इलाकों मे खाने पीने व्यवस्था करने का निर्देश दिए हैं।

बाढ़ में डूबे भदार-श्री मऊ मार्ग से होकर जाते ग्रामीण। ● अमृत विचार

बाढ़ का निरीक्षण करते क्षेत्रीय विधायक प्रभाष कुमार। ● अमृत विचार

बिलग्राम में बाढ़ के चलते 7 स्कूल 20 अगस्त से बंद हैं

बिलग्राम, हरदोई, अमृत विचार। विकासखंड में नदियों के बढ़े जल स्तर ने स्कूली शिक्षा को प्रभावित किया है। जलभराव के कारण कुल 17 स्कूल बंद करने पड़े हैं। इनमें से 10 स्कूल हाल ही में और 7 स्कूल 20 अगस्त से बंद हैं। खंड शिक्षा अधिकारी गिरिजेश कटियार ने स्थिति से निपटने के लिए प्रभावित स्कूलों के शिक्षकों को वैकल्पिक स्कूलों में तैनात किया है। छिबरामऊ, सढ़ियापुर, भौगैतापुर, हसनापुर और परसोला न्यायपंचायतों के स्कूल इससे प्रभावित हैं। कुछ प्रमुख स्थानांतरण इस प्रकार हैं- संविलियन पैंदापुर के शिक्षक अब प्राथमिक विद्यालय दीवालीपुरवा में पढ़ाएंगे। संविलियन जरसेनामऊ के शिक्षक प्रावि जलालपुर में और उ.प्रा.वि. अतर्छा बुजुर्ग के शिक्षक प्रावि अतर्छा बुजुर्ग में शिक्षण कार्य करेंगे। 20 अगस्त से बंद सात स्कूलों में से प्रा.वि. पुन्नापुरवा के शिक्षकों को प्रावि बाण में और प्रावि चिरंजूपुरवा के शिक्षकों को संवि जरसेनामऊ में भेजा गया है। खंड शिक्षा अधिकारी ने स्पष्ट किया है कि जलभराव की स्थिति सामान्य होने तक यह व्यवस्था जारी रहेगी। यह कदम बच्चों की शिक्षा को बिना रुकावट के जारी रखने के लिए उठाया गया है।

बाढ़ के पानी में डूबी फसलें। ● अमृत विचार

स्वास्थ्य विभाग ने बाढ़ ग्रस्त गांवों में कैंप लगाकर दवाएं वितरित की

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। सीएचसी के अंतर्गत आने वाले बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र के गावों में स्वास्थ्य विभाग द्वारा कैंप कर ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हे दवाओं का वितरण किया जा रहा है। सीएचसी अधीक्षक डा. प्रवीण दीक्षित ने बताया बाढ़ ग्रस्त क्षेत्र के ग्राम परेली, गुजीदेई, सिंगुलापुर, वासित नगर, सुहागपुर, उमरिया कैथानी, इटाना, कालागाड़ा बिरौरी, गनुआपुर, परियल, गोपालपुर, बैजूपुर, शंकर पुर, बूटामऊ, सकरौली, असलापुर और फदना पुर में बाढ़ के प्रकोप को देखते हुए लगातार स्वास्थ्य शिविर लगाया जा रहे हैं। हर शिविर में स्वास्थ्य कर्मियों द्वारा मरीजों और ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उनको निशुल्क दवाओं का वितरण किया जा रहा है।

फसलें बर्बाद, पशुओं का हरा चारा भी लील गई बाढ़

हरपालपुर। क्षेत्र की गंगा, रामगंगा व गर्रा नदियों के जलस्तर बढ़ने से बाढ़ के मंजर से लोग परेशान है।नदियों के तटवर्ती इलाकों में पशुओं के लिए खड़े हरे चारे को भी बाढ़ निगल गयी। एक तरफ जानवरो को हरे चारे के संकट है वही दूसरी तरफ बाढ़ ग्रस्त इलाके के वह गांव जहां सुरक्षा के मद्देनजर विद्युत आपूर्ति बंद कर दी गयी। वहां लोगों को नदियों की बाढ़ के बीच अंधेरे में जीवन जीने को मजबूर होना पड़ रहा है। लोग घरों से बाहर नहीं निकल पा रहे हैं, उनको नाव व ट्रैक्टर आदि से निकलकर रोजमर्रा के सामान लेना पड़ता है।

जनपद में नदियों की वर्तमान स्थित

जनपद की गंगा, रामगंगा व गर्रा नदियों की ताजा स्थिति पर यदि नजर डाली जाए तो मंगलवार को सांडी में गर्रा नदी का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर अधिकतम लेविल पर पहुंच गया था जबकि रामगंगा नदी का जलस्तर खतरे से निशान से लगभग 1 मीटर नीचे था।वहीं गंगा नदी का जलस्तर खतरे के निशान से लगभग 16 सेंटीमीटर नीचे था।मंगलवार को राजघाट में गंगा नदी का जलस्तर 126.34 मीटर दर्ज किया गया जबकि यहां चेतावनी विंदु 125.31 मीटर पर है। जबकि रामगंगा नदी का जलस्तर 136.90 मीटर दर्ज किया गया जबकि रामगंगा नदी का जलस्तर चेतावनी बिंदु 136.60 मीटर पर स्थित है।सांडी गर्रा नदी का जलस्तर 130.69 दर्ज किया गया।जबकि चेतावनी बिंदु 129.69 मीटर है।

बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण होना जरूरी

● जनपदीय ज्ञान-विज्ञान मेले का किया गया आयोजन

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। जन शिक्षा समिति अवध प्रदेश के तत्वावधान में जनपदीय ज्ञान-विज्ञान मेला का आयोजन सरस्वती शिशु विद्या मन्दिर बघौली में किया गया। मेला शिक्षा और विज्ञान के क्षेत्र में बच्चों की प्रतिभा को निखारने और ग्रामीण अंचलों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

मेले का शुभारम्भ एमएलसी इं. अवनीश कुमार व भाजपा ज़िलाध्यक्ष अजीत सिंह बब्बन ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। इस मौके पर इं. अवनीश कुमार ने कहा कि बच्चों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित होना बहुत जरूरी है, क्योंकि हर चीज में विज्ञान छिपा हुआ है। इस बीच बच्चों ने विभिन्न प्रकार की प्रयोगशाला तैयार की, जिन्हे अतिथियों ने काफी सराहा। मेले में प्रथम स्थान पर रही पिहानी की टीम, दूसरी प्रतियोगिता में टड़ियावां की टीम को सम्मानित किया गया। अभिभावकों व लोगों ने प्रयोगशाला की काफी तारीफ की और विद्यालय परिवार का आभार जताया, वहीं एमएलसी अवनीश कुमार इंजीनियर ने प्रयोगशाला कक्ष बनवाने का भरोसा दिलाते हुए कहा कि बहुत जल्द प्रयोगशाला कक्ष बनेगा। कार्यक्रम के प्रधानाचार्य कमलेश कुमार व्यवस्थापक अमित गुप्ता कोषाध्यक्ष रामजी गुप्ता, राजेश रस्तोगी, मंडल अध्यक्ष सालिगराम वर्मा व सुरेश कुमार गुप्ता आदि सैकड़ो लोग मौजूद रहे।

टीम को सम्मानित करते इं. अवनीश कुमार। ● अमृत विचार

चोरी के जेवर व नकदी के साथ दो गिरफ्तार

हरदोई, अमृत विचार। घर से रुपये व आभूषण चुराने वाले दो चोरों को पुलिस ने माल सहित दबोच लिया। आरोपियों को जेल भेज दिया गया। थाना कासिमपुर के ग्राम बेहसार निवासी सतीश चंद्र पुत्र कमलेश ने अज्ञात चोरों के खिलाफ घर के बक्से में रखी नकदी व आभ्षूषण चुराने का मुकदमा दर्ज कराया था। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए इसी गांव रविशंकर तथा सूरज कुमार भारती निवासी कटरा गौसगंज को गिरफ्तार कर लिया। इनके पास से एक चेन, दो अंगूठी तथा 11900 रुपये तथा एक मोटर साइकिल बरामद हुई।

हरदोई स्टेशन पर नए फुटओवर ब्रिज का काम तेज, रखे गए गर्डर

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। अमृत भारत स्टेशन योजना के तहत हरदोई रेलवे स्टेशन पर नया फुटओवर ब्रिज बनाया जा रहा है। मंगलवार को निर्माण कार्य के दौरान साढ़े छह टन वजनी गर्डर हैवी क्रेन की मदद से लांच किए गए। इनकी लंबाई करीब 14 मीटर रही। नया फुटओवर ब्रिज यात्रियों को पुराने पुल की तुलना में अधिक राहत देगा। यह पुल चौड़ा होगा और सीढ़ियों की ऊंचाई भी कम रखी गई है। रेलवे अधिकारियों के अनुसार, इससे बच्चों, बुजुर्गों और सामान लेकर चलने वाले यात्रियों को आसानी होगी। पुल तैयार हो जाने के बाद प्लेटफार्मों पर भीड़ का दबाव भी कम होगा।

गर्डर लगाने के दौरान रेलवे ने सुबह 10 बजकर 25 मिनट से दोपहर 1 बजकर 25 मिनट तक तीन घंटे का पावर ब्लॉक लिया। इस दौरान किसी भी एक्सप्रेस ट्रेन के संचालन पर असर नहीं पड़ा। डाउन ट्रैक से ट्रेनों की आवाजाही सामान्य रूप से जारी रही। अधिकारियों ने बताया कि लगातार तीन दिनों तक ब्लॉक लेकर गर्डर लगाने का काम पूरा किया जाएगा। पहले दिन प्लेटफार्म एक और दो के बीच गर्डर फिट हुए, जबकि आगे प्लेटफार्म तीन से पांच तक का काम होगा। गर्डर लांचिंग की पूरी प्रक्रिया मुरादाबाद मंडल से एक्सईएन गतिशक्ति यूनिट ऋषभ सिंह और लखनऊ से एएक्सईएन ब्रिज रामलखन सचान की देखरेख में संपन्न हुई। इस दौरान हरदोई स्टेशन अधीक्षक नरसी लाल मीणा, एडीईएन पंकज मिश्रा, आईओडब्ल्यू समेत कई रेलकर्मी मौके पर मौजूद रहे।

फुटओवर ब्रिज पर काम करते कर्मचारी। ● अमृत विचार

मृतकों के परिजनों से आज मिलेगा समाजवादी पार्टी का प्रतिनिधिमंडल

शाहाबाद, हरदोई, अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम अहमदनगर निवासी रवि राजपूत की पुलिस हिरासत में मौत के बाद बुधवार को सपा का प्रतिनिधि मंडल परिजनों से मिलकर हाल-चाल लेगा।

जिलाध्यक्ष शराफत अली, पूर्व सांसद ऊषा वर्मा, पूर्व विधायक आसिफ खां बब्बू, अल्पसंख्यक प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष शकील नदवी, पिछड़ा वर्ग के प्रदेश अध्यक्ष डाक्टर राजपाल कश्यप, प्रदेश उपाध्यक्ष सीएल वर्मा, पूर्व मंत्री अवधेश वर्मा, पूर्व विधायक रोशन लाल वर्मा, पूर्व विधायक अनिल वर्मा, पूर्व विधायक बाबू खां शामिल रहेंगे। यह प्रतिनिधि मंडल थाना शहर कोतवाली क्षेत्र अंतर्गत गुरगुज्जा निवासी मृतक अनुज यादव के परिजनों से भी मुलाकात करेंगी, उसकी भी हत्या का आरोप परिजनों ने लगाया था।

उज्जैन के कमिश्नर बने हरदोई के आशीष

संवाददाता, मल्लावां, हरदोई, अमृत विचार। हरदोई के रहने वाले आईएस आशीष सिंह को मध्य प्रदेश के उज्जैन का कमिश्नर बनाए जाने पर परिजनों सहित मित्रों में ख़ुशी का माहौल बना हुआ है। तेरवा दहिंगवां गौसगंज निवासी सेवानिवृत शिक्षक सुंदर लाल के होनहार पुत्र आशीष सिंह जो वर्ष 2012 के आईएस बने थे। उन्होंने भोपाल और उज्जैन में भी जिलाधिकारी के रूप में कार्य किया था। वर्तमान में उनकी पोस्टिंग इंदौर में थी जहां जिलाधिकारी के रूप में अपनी सेवाएं दे रहे थे। उनके सराहनीय कार्यों को देखते हुए उन्हें महाकाल की नगरी उज्जैन का कमिश्नर पद पर प्रमोट किया गया। जैसे ही उज्जैन के कमिश्नर के रूप प्रमोट किये जाने पर घर में खुशी का माहौल है।

उज्जैन के नवनियुक्त कमिश्नर उज्जैन आशीष सिंह।

दिव्यांग ने की आत्महत्या, पुलिस को बताये बिना कर दिया अंतिम संस्कार

हरदोई, अमृत विचार। दिव्यांग ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस को इसकी भनक तक नहीं लगी और शव का अंतिम संस्कार भी कर दिया गया। मामला टड़ियावां थाने के भरावं गांव का है, 23 वर्षीय विमलेश पुत्र रामविलास दिव्यांग था, उसकी शादी नहीं हुई थी। तकरीबन 5 साल पहले पिता की मौत होने के बाद से विमलेश मां संगीता के साथ रहता था। मंगलवार की शाम उसने गांव के बाहर बाग़ में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। परिजनों ने पुलिस को खबर दिए बिना अंतिम संस्कार कर दिया।

पहल प्रबुद्धजनों की टीम ने भविष्य के विकास को लेकर जिला प्रशासन को दिए रचनात्मक सुझाव

निर्यात नीति सही ढंग से लागू करने की जरूरत

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। समर्थ विकसित उत्तर प्रदेश 2047" अभियान के तहत शासन के निर्देशों के क्रम में मंगलवार को स्वामी विवेकानन्द सभागार कलेक्टेट में जनपद भ्रमण पर आई प्रदेश स्तर समिति के के. रविन्द्र नायक, राकेश कुमार सूद, नरेश चन्द्र शुक्ला, डा. राघवेन्द्र प्रताप सिंह तथा अरविन्द कुमार जैन की उपस्थिति में किया गया। इन कार्यक्रमों में कृषकों, छात्रों, शिक्षकों तथा बुद्धिजीवियों ने सक्रिय रूप से प्रतिभाग कर प्रदेश के भविष्य के विकास को लेकर अपने रचनात्मक सुझाव प्रस्तुत किए। कार्यशाला में सर्व प्रथम बेसिक एवं माध्यमिक शिक्षा विभाग के शिक्षकों के साथ विकास यात्रा पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यशाला मे स्वयंसेवी संगठन एवं प्रतिनिधियों से वार्ता कर उनके सुझाव लिये गये। इस कार्यशाला में कृषकों ने विजन 2047 के अंतर्गत अपने बहुमूल्य सुझाव दिए। कृषकों ने प्रदेश में निर्यात नीति को सही ढंग से लागू करने तथा जैविक उत्पादों की बिक्री को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों एवं गणमान्य नागरिकों ने हिस्सा लिया। उन्होंने संबंधित विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी सुझावों को संकलित कर शासन स्तर पर प्रेषित किया जाए, ताकि उन्हें नीति-निर्माण प्रक्रिया में समाहित किया जा सके। कार्यक्रमों की श्रृंखला मे प्रबुद्ध जनों की टीम ने जीडीसी पहुंच कर बच्चों एवं डाक्टरों से संवाद किया। डीएम अनुनय झा ने समिति को आश्वस्त किया कि कार्यशाला के दौरान जो भी सुझाव दिया गये हैं, उनका टीम भावना से जनपदीय अधिकारी व्यक्तिगत रूचि लेकर पालन करेंगे।

कार्यशाला में प्रतिभाग करती प्रबुद्धजनों की टीम। ● अमृत विचार

प्रशिक्षु एएसओ ने गांवों का भ्रमण कर लोगों से ली योजनाओं की जानकारी

संवाददाता, अतरौली, हरदोई

अमृत विचार। विकास खण्ड की ग्राम पंचायत आलमपुर, महम्दापुर, अतरौली, बहेरिया में प्रशिक्षु सहायक अनुभाग अधिकारी (एएसओ) ने मंगलवार को 40 सदस्यों की दो टीमें बनाकर भ्रमण कर विकास कार्य देखे। साथ में ही ग्रामीणों से बातकर सरकारी योजनाओं के बारे में जानकारी ली। प्रशिक्षु अधिकारियों ने प्राथमिक विद्यालय आलमपुर, प्राथमिक व उच्च प्राथमिक विद्यालय झझौली, मिनी सचिवालय आलमपुर, महम्दापुर, मुदायिक शौचालय, गो आश्रय स्थल अतरौली व बहेरिया और अमृत सरोवर बहेरिया की स्थिति देखी। गांवों में भ्रमण कर ग्रामीणों से खड़ंजा, नाली, पेयजल, स्वच्छता पर किये गये कार्यों की जानकारी ली। बीईओ कृष्णकुमार त्रिपाठी ने शिक्षा विभाग की योजनाओं के बारे में जानकारी दी। थाना प्रभारी निरीक्षक मार्कण्डेय सिंह से भी सुरक्षा व्यवस्था के बारे में पूछा। प्रशिक्षु अफसरों ने जगह-जगह की तस्वीरे मोबाइल में खीची। ग्राम पंचायत महम्दापुर व आलमपुर में बने मिनी सचिवालय को देखकर प्रशिक्षु अफसरों ने कहा कि यह बहुत अच्छा बना है। यहां पर सचिव अमर सिंह, अजय अवस्थी, एपीओ दीपक गुप्ता, राममोहन गोस्वामी, अनुराग आदि रहे।

उच्चतर प्राथमिक विद्यालय झंझउली में जानकारी लेते प्रशिक्षु एएसओ। ● अमृत विचार

चारा काट रहे किसान को सांप ने डसा, मौत

हरदोई, अमृत विचार। किसान अपने जानवरों के लिए खेत पर चारा काट रहा था, उसी बीच उसे सांप ने काट लिया, इसका पता होते ही वहां उसके घर वाले पहुंचे और किसान को मेडिकल कालेज पहुंचाया, लेकिन उससे पहले ही उसकी मौत हो गई। हरियावां थाने के कटिघरा गांव निवासी 40 वर्षीय रामपाल खेती-बाड़ी करता था। परिवार में पत्नी के अलावा एक बेटा धर्मवीर और बेटी प्रीति है। भाई हीरालाल ने बताया कि रामपाल मंगलवार की सुबह रोज़ की तरह जानवरों के लिए चारा काटने गया हुआ था, वह खेत में बैठा चारा काट रहा था, उसी बीच उसे सांप ने काट लिया। रामपाल को आनन-फ़ानन में मेडिकल कालेज पहुंचाया गया, लेकिन उसके पहुंचने से पहले ही उसकी मौत हो गई।

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार, 10 सितंबर 2025

हरदोई-उन्नाव

न्यूज ब्रीफ

दहेज हत्या का आरोपी पति गिरफ्तार

पाटन उन्नाव, अमृत विचार। दहेज के लिए पत्नी की हत्या करने के आरोपी पति को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। एसओ बिहार राहुल सिंह गौर ने बताया कि 28 अगस्त को गांव उचवा पनहन निवासी अनारकली पत्नी लल्लन लोधी ने थाना बिहार में तहरीर दी थी। आरोप है कि दहेज की मांग पूरी न होने पर महिला की बेटी रेनू (26) की ससुरालीजनों ने हत्या कर दी गई। मामले में मृतका के पति सोनू निवासी गांव परसंड थाना बिहार, ससुर अंगनू, सास गोमती, ननद खुशी व रेनू को नामजद किया गया था। इसमें मुख्य अभियुक्त सोनू कुमार घटना के बाद से फरार था।

वाहन की टक्कर से युवक गंभीर, रेफर

औरास उन्नाव, अमृत विचार। लखनऊ जिले के काकोरी थानांतर्गत बादल खेड़ा गांव निवासी सुमित (35) पुत्र दिनेश सोमवार को कस्बा औरास के मोहल्ला श्याम नगर में अपनी बहन के घर आया था। जहां से वह देरशाम बाइक से अपने घर जा रहा था। तभी कस्बा औरास के किनारे टोल प्लाजा के पास सर्विस रोड कार्नर के पास अज्ञात वाहन उसे टक्कर मारकर भाग गया। हादसे में वह घायल हो गया। सूचना पर पहुंची एंबुलेंस ने उसे नजदीकी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र औरास पहुंचाया। जहां चिकित्सक ने उसे गंभीर देख लखनऊ के ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया। हालांकि, रिश्तेदार उसे निजी अस्पताल ले गए।

जहरीले कीड़े ने बच्ची को काटा, हुई रेफर

औरास उन्नाव, अमृत विचार। कस्बा औरास के मोहल्ला श्याम नगर निवासी अरविन्द की 9 वर्षीय बेटी अंजली मंगलवार को स्कूल से लौटने के बाद घर के बाहर खेल रही थी। तभी वहां छिपकर बैठे जहरीले कीड़े ने उसे काट लिया। बच्ची की चीख सुन परिजन दौड़कर वहां पहुंचे और उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र औरास पहुंचाया। जहां चिकित्सक ने उसका प्राथमिक उपचार किया। जहां हालत में सुधार न होने पर चिकित्सक ने उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जहां उसकी हालत चिंताजनक बनी हुई है।

प्रधानों व सचिवों की हुई बैठक

औरास उन्नाव, अमृत विचार। औरास ब्लॉक सभागार में मंगलवार को टीबी मुक्त पंचायत अभियान के तहत प्रधानों व सचिवों की बैठक आयोजित हुई। इसमें टीबी उन्मूलन मुख्य विषय रहा। जिसमें लोगों को टीबी के संक्रमण से बचने के उपाय व सावधानियां बताई गईं। इसमें जिला कार्यक्रम अधिकारी बीपी मिश्रा, एनटीईपी से एसटीएस दीपू कुमार व डब्ल्यूएचपी से कम्युनिटी कोऑर्डिनेटर अशेष श्रीवास्तव मौजूद रहे।

प्रसव के बाद महिला की मौत

मृतका के परिजनों ने पति पर लगाया लापरवाही बरतने का आरोप

संवाददाता, हरदोई, सांडी

अमृत विचार। सीएचसी साण्डी में प्रसव होने के कुछ ही देर बाद प्रसूता की ऐसी तबियत बिगड़ी कि उसकी मौत हो गई। उधर मायके वालों का आरोप है कि पति ने इलाज में लापरवाही बरती, जिसके चलते मौत हुई। पुलिस ने शव को अपने कब्ज़े में लेते हुए उसका पोस्टमार्टम कराया है, उसका कहना है कि रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

साण्डी थाने के चचरापुर निवासी आकाश की शादी करीब तीन साल पहले बिलग्राम कोतवाली के डाभा के राजकुमार की 22 वर्षीय पुत्री मंजू के साथ हुई थी। सोमवार की रात मंजू को प्रसव पीड़ा होने पर आशा बहू रिंकी देवी उसे एम्बुलेंस-102 से सीएचसी साण्डी ले कर पहुंची, जहां मंजू को भर्ती कर लिया गया। मंगलवार की सुबह मंजू के प्रसव हुआ, लेकिन प्रसव के कुछ ही देर बाद उसकी तबियत बिगड़ी, घर वाले कुछ समझ पाते, उसी बीच उसकी मौत हो गई। मंजू के पिता राजकुमार ने दामाद आकाश पर इलाज में लापरवाही का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी, तहरीर आते ही पुलिस ने शव को अपने में लेते हुए उसका पोस्टमार्टम कराया है, उसका कहना है कि रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी, फिलहाल जांच की जा रही है।

मंजू देवी की फाइल फोटो।

नवजात रखने को मची रही खींचतान

प्रसूता मंजू की मौत के बाद उसके नवजात बच्चे को लेकर काफी देर तक खींचतान होती रही। दरअसल बच्चे को लेने के लिए सीएचसी के डाक्टरों ने पति आकाश को आवाज़ दी, लेकिन उससे पहले वहां मायके वाले पहुंच गए, दोनों नवजात को अपने साथ रखना चाह रहे थे। उसी को लेकर काफी देर तक खींचतान हुई, फिर उसके बाद वहां पहुंची पुलिस ने मामले का हल निकाला।

शादी के बाद 11 महीने तक लापता था पति

बताया गया है कि शादी के दो महीने बाद मंजू का पति आकाश मज़दूरी करने के लिए दिल्ली गया हुआ था, लेकिन वहीं से कहीं गायब हो गया था। पत्नी मंजू की तहरीर पर पुलिस ने उसे 11 महीने बाद जम्मू से ढूंढ निकाला था, उसके बाद से आकाश गांव में ही रह रहा था।

अधेड़ ने नदी में लगाई छलांग, 4 किमी तक बहकर जिंदा निकला

संवाददाता, पाली, हरदोई।

अमृत विचार। गृह कलेश से परेशान होकर अधेड़ उफनाती गर्रा नदी में कूद गया, गोता खाते हुए वह करीब 4 किलोमीटर दूर पाली क्षेत्र में नदी के किनारे पर आ गया, यहां ग्रामीणों ने उसे बाहर निकाल लिया और उसकी जान बच गई।

पचदेवरा थाना क्षेत्र के सहुआपुर नेवादा गांव निवासी मेहंदी हसन का मंगलवार को किसी बात पर परिवार में विवाद हो गया। गृह कलह से क्षुब्द होकर मेंहदी हसन ने पिपरिया पुल से उफनाती हुई गर्रा नदी में छलांग लगा दी, देखते ही देखते मेहंदी हसन डूबने लगा और गोते खाते हुए करीब 4 किलोमीटर दूर पाली थाना क्षेत्र में गनुआपुर गांव के पास नदी के किनारे लग गया। ग्रामीणों की नजर जब मेहंदी हसन पर पड़ी तो उन्होंने उसे बाहर निकाला और पुलिस को सूचना दी। वहीं परिजनों ने मेहंदी हसन के नदी में कूदने के बाद पचदेवरा थाना पुलिस को भी सूचना दी थी। दोनों थानों की पुलिस गनुआपुर गांव पहुंची, पाली थानाध्यक्ष सोमपाल गंगवार, हेड कांस्टेबल अंबुज तिवारी ने मेहंदी हसन के परिजनों को सूचना दी। पुलिस ने पूछताछ करके मेहंदी हसन को उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया तथा कहा कि सभी पचदेवरा थाने जाएं। मेहंदी हसन ने पुलिस एवं ग्रामीणों के समझाने पर वादा किया कि वह अब दोबारा कभी ऐसा कदम नहीं उठाएगा। फिलहाल मौत से लड़कर जिंदा बचे मेहंदी हसन के इस मामले की क्षेत्र में जमकर चर्चा हो रही है।

नदी से बचकर निकले युवक से पूछताछ करती पुलिस।

60 हजार रुपये की टप्पेबाजी में गिरफ्तार

हरदोई, अमृत विचार। पुलिस ने गाली गलौज कर रुपये छीनने वाले आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया। थाना सांडी पर बिलग्राम गांव के रामपुर मझियारा निवासी रमेश कुमार ने तहरीर दी थी कि कंजड़पुरवा नवाबगंज निवासी अर्जुन ने उसकी जेब में रखे 60 हजार रुपये निकाल लिए तथा अन्य एक साथी के साथ बाइक पर भाग गया। घटना के समय वह ई-रिक्शे पर सवार होकर अपने गांव रामपुर जा रहा था। पुलिस ने मुकदमा लिखने के बाद आरोपी को गिरफ्तार कर लिया, उसके पास से 10 हजार रुपये बरामद हुए। आरोपी ने बताया कि घटना में प्रयुक्त् मोटर साइकिल उसने कुछ दिन पूर्व खरीदी थी। जिसके उधार रुपये उसने छीने गए रुपये अदा कर दिए। शेष धनराशि उसके दूसरे साथी के पास है।

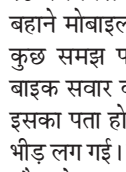

शोहदे को भीड़ ने पकड़ कर पीटा

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। राह चल रहे शोहदे ने कोचिंग पढ़कर घर जा रही छात्रा को पकड़ कर खींच लिया, उसके शोर करने पर भीड़ दौड़ी और शोहदे को पकड़ कर पिटाई करने के बाद वहां पहुंची पुलिस को सौंप दिया। शोहदे के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

मंगलवार को एक छात्रा कोचिंग पढ़ कर सण्डीला कोतवाली के गदौरा पंजाबी खेड़ा रोड से घर जा रही थी, उसी बीच राह चल रहे शोहदे ने उसे बुरी नीयत से खींच लिया। छात्रा के शोर करने पर दौड़ी भीड़ ने शोहदे को पकड़ कर उसकी पिटाई करने लगी। शोहदे की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर बड़ी तेज़ी से वायरल हो रहा है, इसका पता होते ही पुलिस पहुंची और सारी बात सुन कर आरोपी शिवमोहन पुत्र मुरली निवासी मुन्नूखेड़ा सण्डीला को गिरफ्तार कर लिया। छात्रा की तरफ से दी गई तहरीर पर शिवमोहन के खिलाफ पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

सुपरवाइजर पर छेड़छाड़ करने का आरोप

संवाददाता, बेनीगंज, हरदोई, अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बढ़ैयनपुरवा स्थित सांगवान पोल्ट्री फार्म में कार्यरत महिला कर्मचारी ने पोल्ट्री फार्म के सुपरवाइजर पर छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए कोतवाली में प्राथमिकी दर्ज कराई है। महिला ने तहरीर में बताया कि वह अपनी बहन की लड़की के साथ पोल्ट्री फार्म में काम करती है, बीती रात बहन की लड़की के साथ पोल्ट्री फार्म की दो मंजिला इमारत पर सो रही थी, उसी बीच रात करीब 10 बजे बहन की बेटी पेशाब के लिए नींचे गई, इसी बीच पोल्ट्री फार्म के सुपरवाइजर रोहन शर्मा निवासी कस्बा व थाना हीरानगर जिला कठुआ ने बहन की लड़की को जबरदस्ती खींचकर अपने कमरे में ले गया और छेड़छाड़ की। विरोध करने पर जान से मारने की धमकी देकर छोड़ दिया। वहीं मामले में कोतवाली प्रभारी निरीक्षक ओमप्रकाश सरोज ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज की गई है, जांच कर न्यायोचित कार्यवाही की जाएगी।

व्हाट्सएप हैककर भेजे अश्लील फोटो-वीडियो

पिहानी, हरदोई, अमृत विचार। कोतवाली क्षेत्र के पिपरी गांव निवासी अभिषेक सिंह का व्हाट्सएप अकाउंट हैक कर लोगों को अश्लील वीडियो और फोटो भेजने का मामला सामने आया है। पीड़ित को इसकी जानकारी तब हुई जब कुछ लोगों ने इस बारे में बताया। अभिषेक का नंबर कई न्यूज़ ग्रुप में भी जुड़ा हुआ है। ग्रुप संचालकों ने तुरंत अश्लील पोस्ट को डिलीट कर अभिषेक को ग्रुप से हटा दिया है। शिकायतकर्ता ने कहा कि इस कृत्य से उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंच रहा है। उन्होंने पुलिस से साइबर क्राइम विभाग के माध्यम से कार्रवाई करने की मांग की है। मीडिया ग्रुप संचालकों ने प्रशासन से साइबर क्राइम पर कार्रवाई की मांग की है।

बुजुर्ग को बाइक से लिफ्ट देने का झांसा देकर लूट ले गए मोबाइल

संवाददाता, हरदोई,

अमृत विचार। लाखों या हजारों की लूट कई बार सुनी होगी, लेकिन 10 रुपये की भी लूट हो सकती है, ऐसा शायद ही कभी सुना हो, लेकिन हरदोई शहर में ऐसा मामला सामने आया है, पैदल जा रहे बुजुर्ग को बाइक पर लिफ्ट देने के बहाने बैठा कर कुछ दूर जाकर 10 रुपये और मोबाइल फोन लेकर बदमाश लापता हो गया।

मामला शहर के रद्धेपुरवा रोड का बताया गया है। कोतवाली शहर के काशीपुर निवासी सीताराम का बेटा रामाधीन पेशे से शिक्षक है और शहर के मंगली पुरवा में रहता है। सीताराम अपने बेटे के घर गया था, मंगलवार की सुबह वहीं से पैदल कर के लिए निकला। सीताराम ने बताया कि वह कैनाल रोड सीडीओ बंगले के पास पहुंचा, तभी एक बाइक सवार उसके पास रुका और लिफ्ट देने की पेशकश की, राहगीर के पूछने पर उसने खुद को एक ईंट-भट्ठे के ट्रैक्टर का ड्राइवर बताया, सीताराम उसकी बाइक पर बैठ गया, कुछ दूर पहुंच कर बाइक सवार ने पान मसाला खाया और सीताराम से पूछा कितने रुपये है? उसने बोला 10 रुपये है, बाइक सवार ने पेट्रोल के लिए उससे 10 रुपये लिए फिर बात करने के बहाने मोबाइल ले लिया, सीताराम कुछ समझ पाता, उससे पहले ही बाइक सवार वहां से भाग निकला। इसका पता होने पर वहां लोगों की भीड़ लग गई। इस तरह से 10 रुपये और मोबाइल लूटे जाने के बारे में सुन कर हर कोई है हैरान है। पुलिस का कहना है कि उसके पास ऐसी कोई तहरीर नहीं आई है, आने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

घटना की जानकारी देता पीड़ित सीताराम।

अनियंत्रित होकर खंती में गिरी बाइक, युवक की मौत

मल्लावां, हरदोई, अमृत विचार। माहिमपुर मोड़ पर अनियंत्रित होकर बाइक खंती में गिरने से कन्नौज के एक युवक की दर्दनाक मौत हो गई। घटना से परिजनों में कोहराम मच गया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

कन्नौज के ठठिया के ग्राम नेरा निवासी 27 वर्षीय वीरु अपने मामा के घर बीकापुर गांव गया था जो रात्रि वापस लौट रहा था, तभी माहिमपुर मोड़ पर बाइक अनियंत्रित होकर खाई में जा गिरी, जिसमें बाढ़ का पानी भरा था। पुलिस ने शव को बाहर निकलवाकर बाइक के नंबर से पहचान कर परिजनों को सूचना दी। प्रभारी कोतवाल हरे कृष्ण शर्मा ने बताया कि शव का पोस्टमार्टम कराया जा रहा है।

बता दें कि माहिमपुर मोड़ पर अक्सर दुर्घटनाए होती रहती है। पिछले वर्ष आठ अक्टूबर को पूर्व विधायक सतीश वर्मा के यहां टेक्टर की मरम्मत कर लौट रहे दो टेक्टर मिस्त्री की कार खंती में जा गिरी थी, जिससे दोनों की मौत हो गई थी।

सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से दुखी शिक्षक

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक शिक्षक भवन में मंगलवार को संगठन के प्रदेश कोषाध्यक्ष शिव शंकर पांडेय की अध्यक्षता में संपन्न हुई। जिसमें प्रदेश कोषाध्यक्ष शिव शंकर पांडेय ने सदन को सम्बोधित करते हुए कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा गुप-चुप तरीके से सेवारत शिक्षकों की सेवारत शर्तों में किए गए संशोधन और सुप्रीम कोर्ट द्वारा उसे बाध्यकारी किए जाने से आहत शिक्षकों की यह आपात बैठक बुलाई गई है। केन्द्र सरकार द्वारा सेवा शर्तों में संशोधन किए जाने और सुप्रीम कोर्ट द्वारा इसे बाध्यकारी किए जाने से शिक्षक समाज हतप्रभ है। शिक्षक के समक्ष आज आजीविका का संकट खड़ा हो गया है। सुप्रीम कोर्ट के निर्णय से दुखी शिक्षक आगामी 16 सितम्बर को प्रधानमंत्री को संबोधित ज्ञापन जिलाधिकारी, हरदोई को सौंपेंगे।

जिलाध्यक्ष अक्षत पांडेय ने कहा कि केन्द्र सरकार द्वारा गुप-चुप तरीके से किए गए संशोधन से देश भर में 10 लाख से अधिक सरकारी शिक्षकों के समक्ष बेरोजगारी का संकट खडा हो गया है। बैठक में जिला मंत्री विपिन सिंह, कोषाध्यक्ष गजेंद्र प्रताप सिंह, उपाध्यक्ष ललित शुक्ला, नीरज अवस्थी, नीता गुप्ता, अनंत राम पांडेय, राजकुमार मिश्रा, हिमांशु श्रीवास्तव, विवेक मिश्रा सहित कई शिक्षक मौजूद रहे।

शिक्षकों को संबोधित करते प्रदेश कोषाध्यक्ष शिव शंकर पांडेय।

- 16 सितम्बर को प्रधानमंत्री को भेजेंगे ज्ञापन : अक्षत पांडेय

बंद कराई गई पैथोलाजी का खोल दिया ताला

औरास उन्नाव, अमृत विचार। औरास कस्बा में इन्डियन डायग्नोस्टिक सेंटर संचालित है। जिसकी शिकायत लोगों ने की थी। सीएचसी प्रभारी डॉ. अनूप तिवारी ने डायग्नोस्टिक सेंटर की जांच करवाई थी। अवैध होने पर प्रभारी द्वारा सेंटर को बंद करावा दिया गया था। एक सप्ताह बाद संचालक ने स्वास्थ्य विभाग से मिलकर दोबारा सेंटर का ताला खोल दिया और सेंटर का संचालन शुरू कर दिया। इसे लेकर सीएचसी प्रभारी ने बताया कि यदि पैथोलॉजी खोली गई है तो सख्त करवाई की जाएगी।

अधेड़ का शव माइनर में उतराता मिला, जांच शुरू

संवाददाता सफीपुर उन्नाव

अमृत विचार। सफीपुर कोतवाली क्षेत्र के मीरनगर गांव निवासी किसान का शव मंगलवार सुबह गांव से आगे माइनर में उतराता मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव बाहर निकलवाया। परिजनों ने अत्यधिक नशे में उसके पानी मे चले जाने का अंदेशा जताया है।

कोतवाली क्षेत्र के मीरनगर गांव निवासी रामदयाल (55) पुत्र छोटा सोमवार शाम सब्जी लेने पड़ोसी गांव भैसहरा जाने की बात कह साइकिल से निकला था। देररात तक उसके घर न पहुंचने पर परिजनों ने उसकी तलाश की लेकिन पता नहीं चला। मंगलवार सुबह घर से 500 मीटर आगे पड़ने वाले माइनर में राम दयाल का शव उतराता देखा गया और उसकी साइकिल भी वहीं पड़ी थी। बेटे अनूप ने बताया कि देरशाम पिता भैसहरा गांव में अत्यधिक नशे में देखे गए थे। उसने अनियंत्रित होकर साइकिल सहित माइनर में चले जाने की आशंका जताई है। उसकी मौत से पत्नी रानी, पुत्र अनूप, अनुज, अजय व पुत्री अंजू, अंशू का रो-रोकर बुरा हाल रहा। कोतवाली प्रभारी सुब्रत नारायण त्रिपाठी ने बताया कि परिजनों का कोई आरोप नहीं है। पीएम रिपोर्ट आने पर मौत का सही कारण स्पष्ट होगा।

दबंगों ने सभासद के घर पर बोला हमला

संवाददाता, पाटन उन्नाव

अमृत विचार। बिहार थानांतर्गत नगर पंचायत भगवंतनगर वार्ड-10 के सभासद व ऑल इंडिया ज्वैलर्स एंड गोल्ड स्मिथ फेडरेशन भगवंतनगर के अध्यक्ष अमित कुमार ने अपने घर पर दबंगों द्वारा हमला किए जाने का आरोप लगाया है।

सभासद का कहना है कि मंगलवार को गांव निवासी दंबगों ने अपने घर की महिलाओं के साथ उनके घर पर धारदार हथियारों के साथ हमला कर दिया। इस दौरान डर कर उनका भाई रिंकू व परिवार दरवाजा बंद कर घर में छुप गए थे। आरोप है कि दबंगों ने लाइसेंसी रिवाल्वर के दम पर छोटे भाई व घर की महिलाओं को गालियां देते हुए जान से मारने की धमकी दी। आरोप है कि उन लोगों ने गालियां देते हुए उनके घर पर लगे लोहे के जाल व दीवार तोड़ दी और पूरे परिवार को जान से मारने की धमकी दी। बताया कि इसका वीडियो भी उसके पास है। बताया कि इससे पहले भी उसने 2 सितंबर को एसडीएम व एसओ थाना बिहार को प्रार्थनापत्र देकर परिवार की सुरक्षा की गुहार लगाई थी। इस पर राजस्व विभाग व पुलिस ने मौका मुआयना तो किया लेकिन कोई कार्रवाई नहीं की। इ से दबंगों के हौसले बुलंद हो गए और हमला किया गया। पीड़ित ने एसपी से आरोपियों के विरुद्ध रिपोर्ट दर्ज कर उसके परिवार की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

दबंगों द्वारा ढहाई गई मकान की दीवार व लोहे का जाल। ● अमृत विचार

- ढहा दी दीवार व लोहे का जाल लहराए लाइसेंसी असलहे

चुनावी रंजिश में हमला करने की आशंका

पीड़ित ने बताया कि उसके घर पर लाइसेंसी असलहों के साथ हमला करने के आरोपी पूर्व नपं सदस्य व दो बार नपं अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ चुके प्रत्याशी के परिवार के हैं। बताया कि इस बार चुनाव में वह और उसका परिवार वर्तमान नपं अध्यक्ष के साथ था। हो सकता है कि आरोपी अब सहन व कुंआ के विवाद की आड़ लेकर राजनैतिक प्रतिस्पर्धा में अपनी हार का बदला लेने के प्रयास में हैं।

कोर्ट मैरिज करने वाली युवती की मौत, हत्या का लगा आरोप

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। साल 2017 में कोर्ट मैरिज करने वाली युवती की संदिग्ध हालत में मौत हो गई। इसका पता होने पर बहन की ससुराल पहुंचे भाई ने अपने बहनोई पर हत्या करने का आरोप लगाया है, लेकिन आरोपी बहनोई का कहना है कि पत्नी ने पहले ही पहले ही अपनी बहन को को तबियत खराब होने के बारे में बताया था। पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है, पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अरवल थाने के चांदा महमदपुर निवासी अवनीश दुबे की साल 2017 में कन्नौज जिले के मोई मजरा चौली मुहैया थाना छिबरामऊ की मानवी (29) के कोर्ट मैरिज हुई थी, मानवी के कोई बच्चें नहीं थे। सोमवार को उसकी तबियत खराब हुई, पति अवनीश का कहना है कि मानवी ने अपनी बहन मानसी मिश्रा को फोन पर बताया भी था, उसके कुछ ही देर बाद उसकी मौत हो गई। बहन की मौत की खबर सुन कर चांदा महमदपुर पहुंचे मानवी के भाई गोपाल मिश्रा ने बहनोई और उसके घर वालों पर बहन की हत्या करने का आरोप लगाया। तहरीर देने पर पुलिस ने शव कब्जे में लेते हुए उसका पोस्टमार्टम कराया है। तीन भाइयों के अलावा 6 बहनों में दो बड़ी और तीन उससे छोटी है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही आगे कुछ कहा जा सकता है।

समस्या भाकियू ने तहसीलदार को सौंपा किसानों की समस्याओं का ज्ञापन, कहा

किसानों को न खाद न पात्रों को योजनाओं का लाभ

संवाददाता, पाटन उन्नाव,

अमृत विचार। बीघापुर तहसील परिसर में भारतीय किसान यूनियन (अराजनैतिक) पटेल गुट के जिलाध्यक्ष किरण सिंह पटेल के नेतृत्व में तहसील परिसर में पंचायत कर किसानों की समस्याओं को लेकर तहसीलदार गणेश सिंह को ज्ञापन सौंपा गया। वहीं यूनियन की मासिक बैठक विकासखंड बीघापुर परिसर में आयोजित की गई।

बैठक की अध्यक्षता तहसील अध्यक्ष राजेश सिंह और नेतृत्व व संचालन जिला उपाध्यक्ष मुन्ना सिंह ने किया। बैठक में बड़ी संख्या में यूनियन पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे। इस दौरान पांच सूत्रीय मांगों को लेकर खंड विकास अधिकारी बीघापुर पंकज गौतम को ज्ञापन सौंपा गया। यूनियन की ओर से पहली मांग थी कि गांव सगवर निवासी शुभा तिवारी को वर्ष-2017 में तत्कालीन खंड विकास अधिकारी द्वारा प्रधानमंत्री आवास योजना के लिए पात्र घोषित किया गया था। लेकिन आज तक उन्हें आवास नहीं मिल सका है। दूसरी मांग थी कि रबी की फसल आलू, लाही व अन्य की बुआई का समय आ चुका है। इसके बावजूद साधन सहकारी समितियों पर खाद उपलब्ध नहीं है। कई समितियों पर वितरण पूरी तरह बंद है। जहां वितरण हो भी रहा है वहां प्रक्रिया इतनी जटिल है कि किसानों को घंटों परेशान होना पड़ता है। आधार कार्ड व इंतखाब आदि की बाध्यता से किसान प्रताड़ित हो रहे हैं। तीसरी मांग में कहा कि आवारा जानवरों व बंदरों के आतंक से फसलें बर्बाद हो रही हैं। शासन-प्रशासन को इस समस्या से तत्काल निजात दिलानी चाहिए। चौथी मांग गंगा एक्सप्रेस-वे के अंडरपास को लेकर उठाई गई। किसानों का कहना है कि किसी भी अंडरपास से जल निकासी नहीं हो रही है। जिससे बारिश में मार्ग पर जलभराव होने से आवागमन बाधित होता है। इसका शीघ्र निस्तारण हो। पांचवीं मांग में चक रोड व संपर्क मार्ग पर फैली झाड़ियों को साफ कराने की मांग की गई। किसानों ने चेतावनी दी कि पूर्व में भी कई बार ज्ञापन दिया गया लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। यदि इस बार भी प्रशासन ने ठोस कदम नहीं उठाए तो यूनियन आंदोलन के लिए बाध्य होगी। बैठक में मीडिया प्रभारी अजय बाजपेयी, तहसील उपाध्यक्ष फतेह बहादुर, संजय रावत, प्रेमनाथ, राकेश त्रिवेदी, राजेंद्र बड़े सिंह, अजय कौशल, अंकित, अर्पित त्रिवेदी, मंगली, उमाशंकर, कमलेश, सुखपाल आदि शामिल रहे।

युवक को जहर खुरानी गिरोह ने बनाया शिकार

बांगरमऊ उन्नाव, अमृत विचार। बेहटा मुजावर थानाक्षेत्र के गांव खंभौली निवासी इसरार का 42 वर्षीय बेटा मुश्ताक दिल्ली में प्राइवेट नौकरी करता है। वह अपने गांव खंभौली के ऐतिहासिक मेले में शामिल होने बीती सोमवार शाम रोडवेज बस में बैठा था। रास्ते में अज्ञात ज़हर खुरानी गिरोह ने उसे नशीला पदार्थ खिला दिया। जिससे वह बेहोश हो गया। उसके बेहोश होते ही गिरोह के सदस्य ने उसका बैग चुराकर उसकी जगह अपना बैग रख दिया। रोडवेज बस चालक व परिचालक ने बेहोश युवक का टिकट देख उसे नगर के नानामऊ मार्ग तिराहा पर उतार दिया और भाग गए। लोगों ने उसे पहचान कर इसकी सूचना परिजनों को दी।

भूसे में दबा मिला वृद्धा का शव

संवाददाता गंजमुरादाबाद उन्नाव

अमृत विचार। मवेशियों के लिए झोपड़ी में भूसा लेने गई वृद्धा की भूसे का ढेर धसकने से दबकर मौत हो गई। तलाश करने पहुंचे परिजन शव देख बेहाल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा है।

बेहटा मुजावर थानाक्षेत्र के शादीपुर गांव के मजरा बेलंद खेड़ा निवासी सीताराम की पत्नी रज्जो (59) बीती सोमवार देरशाम जानवरों के लिए घर से 200 मीटर आगे बनी फूस की झोपड़ी (गोड़े) में भूसा लेने गई थी। लेकिन वह काफी देर तक नहीं लौटी। इस पर परिजनों ने झोपड़ी व अन्य संभावित स्थानों पर रात भर उसकी तलाश की लेकिन पता नहीं चला। मंगलवार सुबह एक परिजन फिर से झोपड़ी में पहुंचे और भूसा हटाना शुरू किया तो वृद्धा की साड़ी दिखने पर ढेर को हटाया गया। इस पर उसका शव वहां दबा मिला। यह देख परिजनों में चीखपुकार मच गई। पुलिस ने गांव पहुंच कर जांच के बाद शव मोर्चरी भेजा। रज्जो बहू के साथ गांव में रहती थी। पति सीताराम बेटे के साथ हरियाणा में मजदूरी करता है। घटना की सूचना पर वे लोग शाम को गांव पहुंचे। मां की मौत से बेटे मुकेश व दिनेश बेहाल हैं। एसओ मुन्ना कुमार ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है। पीएम रिपोर्ट के आने पर मौत का सही कारण पता सामने आएगा।

मारपीट कर घायल करने की दी तहरीर

पाटन उन्नाव, अमृत विचार। बिहार थानाक्षेत्र के अकवारा पहाड़पुर गांव में बच्चों के विवाद में दो पक्षों में मारपीट हो गई। पीड़िता रूबी देवी पत्नी प्रेमशंकर यादव ने एसओ को दिए प्रार्थनापत्र में आरोप लगाया कि विपक्षियों ने उसके घर आकर गाली-गलौज की और उसके बच्चों से मारपीट की। पीड़िता का कहना है कि विपक्षियों ने उसके बच्चों कृष्ण व गौरी को घर में घुसकर पीटा जिससे उन्हें गंभीर चोटें आ गईं। वह बचाने गई तो उसे भी पीटकर घायल कर दिया। । एसओ राहुल सिंह ने बताया कि प्रार्थनापत्र मिला है। जांच कर आरोपियों के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

न्यूज ब्रीफ

युवती का फंदे से लटका मिला शव

उन्नाव। मौरावां थानाक्षेत्र के जेरा गांव निवासी मीनाक्षी उर्फ प्रीशू (20) पुत्री स्व. सुखदेव के माता-पिता की मौत हो चुकी है। बहनों की शादी के बाद से वह चचेरे भाई परवेश के साथ घर में रहती थी। मंगलवार को उसका शव घर में चुनरी के फंदे से लटका मिला। जानकारी पर उसकी विवाहित बहने पहुंचीं और शव देख बेहाल हो गईं। पुरवा कोतवाली के पाठकपुर गांव निवासी बहनोई रवि शंकर की सूचना पर पुलिस पहुंची और जांच के बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा। एसओ कुंवर बहादुर सिंह ने बताया कि शव पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया है।

जागरूकता कार्यक्रम में उद्योग संबंधी लें जानकारी

उन्नाव। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी संजीव सिंह ने बताया कि उप्र खादी एवं ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा 11 सितम्बर को प्रात: 11 बजे से सदर तहसील व ब्लाक सिकंदरपुर सरोसी में एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम आयोजित होना है। कार्यक्रम में संबंधित ब्लाक क्षेत्र के शिक्षित बेरोजगार महिलायें व पुरुष पहुंचकर जानकारी ले सकते है। जागरूकता शिविर में उद्योग लगाने व उद्योग सबंधी जानकारी दी जायेगी। इच्छुक अभ्यर्थी विकासखंड कार्यालय सिकन्दरपुर सरोसी में प्रतिभाग कर सकते हैं। जिससे उप्र खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड द्वारा चलाई जाने वाली सभी योजनाओं की सम्पूर्ण जानकारी मिल सके।

कथा सुन भावविभोर हुये श्रोता

शुक्लागंज। श्री राधा कृष्ण दुर्गा मंदिर पोनी रोड में पितृपक्ष के तीसरे दिन श्रीमद्भागवत कथा का आयोजन भव्य रूप से किया गया। कथा का वाचन सम्पूर्णानन्द व्यास महाराज ने किया। उन्होंने अपने प्रवचन में धुरव, ऋषभनन्द भरत, अजामिल और भक्त प्रहलाद की जीवन कथाओं का विस्तार से वर्णन किया। इस अवसर पर मंदिर समिति के संस्थापक कमल दोसर व मीना दोसर सहित प्रबंधक प्रसून दोसर, संगीता दोसर, पवन, शिल्पी, लक्ष्मी गुप्ता, शंशाक, प्रिया, निशा दुबे सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु मौजूद रहे।

विवेकानंद यूथ अवार्ड के लिये खुले आवेदन

उन्नाव। युवा कल्याण एवं प्रान्तीय रक्षक दल विभाग द्वारा विवेकानंद यूथ एवार्ड से युवाओं को पुरस्कृत किया जाना है। सामाजिक कार्यों में रुचि रखने वाले जिले के श्रेष्ठतम जिनकी आयु 15 से 35 वर्ष है और वे बीत 3 वर्षों (1 अप्रैल 22 से 31 मार्च 25 तक) राष्ट्रीय एवं सामाजिक सेवा क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य व अन्य सराहनीय कार्य करने के साक्ष्य फोटोग्राफ्स, पेपर कटिंग, प्रमाणपत्र आदि को संकलित कर बुकलेट में अपना आवेदन जिला युवा कल्याण एवं प्राविद कार्यालय कमरा नं-64 प्रथम तल विकास भवन में जमा कर सकते हैं। जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी अनिल तिवारी ने कहा कि चयनित युवाओं को राज्य स्तर पर 1 बार ही विवेकानंद यूथ एवार्ड (व्यक्तिगत श्रेणी) दिया जायेगा।

महिला ने मायके में की आत्महत्या

उन्नाव। सदर कोतवाली क्षेत्र के हिन्दूखेड़ा गांव निवासी अंजू गौतम (20) पुत्री स्व. मुन्नीलाल की इंस्टाग्राम के माध्यम से हमीरपुर जिला निवासी ईंट भट्ठा में काम करने वाले दीपक से दोस्ती हो गई। इसके बाद दोनों में नजदीकी बढ़ी और उन्होंने घर वालों की मर्जी के विरुद्ध प्रेम विवाह कर लिया। इसके बाद से अंजू दीपक के साथ हमीरपुर चली गई। बीते शनिवार को वह पति के साथ मायके आई थी। परिजनों का आरोप है कि दीपक व अंजू में कहासुनी हुई थी। सोमवार को अंजू मायके में अकेली थी। तभी उसने दुपट्टे के फंदे से लटककर जान दे दी। पुलिस के मुताबिक तहरीर मिलती है तो जांच के आगे की कार्रवाई की जाएगी।

अंजू (फाइल फोटो)।

आनंद नगर में पुरानी ईंट लगाने पर भड़के लोग

शुक्लागंज। अमृत योजना के तहत आनंद नगर में बिछाई गई भूमिगत पाइपलाइन के बाद टूटी सड़कों का निर्माण कार्य अब विवादों में घिर गया है। मंगलवार को कार्यदायी संस्था का ठेकेदार खोदी गई गली में पुरानी इंटरलॉकिंग ईंटें लगाने पहुंचा तो क्षेत्रीय लोगों ने आपत्ति जताई। वार्ड 26 के सभासद प्रत्यय गुप्ता ने मौके पर पहुंचकर ठेकेदार से सवाल किए और पुरानी ईंट लगाने का विरोध किया। संस्था के सुपरवाइजर प्रेम शुक्ला मौके पर पहुंचे। उन्होंने बताया कि गलती से पुरानी ईंट लगाई जा रही थी। अब ठेकेदार को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं कि खोदी गई गलियों में नई ईंट ही लगाई जाए। बुधवार से नई ईंटों के साथ काम शुरू कर दिया जाएगा।

नकाबपोशों ने दिनदहाड़े महिलाओं को बंधक बना लूटे लाखों रुपये

गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र की ब्रह्म नगर डॉक्टार कॉलोनी में हुई वारदात

10 लाख नकद, 20 लाख के जेवर व लाइसेंसी रिवॉल्वर ले गए लुटेरे

संवाददाता, शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के बालूघाट चौकी अंतर्गत ब्रह्म नगर डॉक्टार कॉलोनी मंगलवार को सनसनीखेज वारदात हुई। दोपहर साढ़े 12 बजे तीन नकाबपोश बदमाशों ने घर में घुसकर मकान मालिक की पत्नी व किरायेदार महिला को बंधक बनाकर जमकर लूटपाट की। बदमाशों ने महिलाओं से मारपीट कर उन्हें रस्सियों से बांध दिया और मुंह पर टेप चिपकाकर डराया-धमकाया। लुटेरे घर में रखे लाखों रुपये, जेवर व एक लाइसेंसी रिवॉल्वर लेकर फरार हो गए। घटना की जानकारी पर इलाके में दहशत फैल गई। सूचना पर पुलिस के आलाधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू की।

ब्रह्म नगर डॉक्टार कॉलोनी बमबम चौराहा निवासी राकेश शुक्ला कानपुर में वारदाना कारोबारी हैं। घटना के समय वह कानपुर के टाटमिल स्थित दुकान पर थे। बेटी खुशी अकरमपुर स्थित स्कूल गई थी। दूसरा किरायेदार जितेंद्र भी अपने काम से बाहर गया हुआ था। घर पर उनकी पत्नी सीता शुक्ला और किरायेदार रतना चौरसिया मौजूद थीं। दोपहर करीब साढ़े बारह बजे तीन नकाबपोश बदमाश घर के दरवाजे पर पहुंचे और पानी मांगने के बहाने दरवाजा खुलवाया। जैसे ही किरायेदार रतना ने दरवाजा खोला, बदमाश अंदर घुस आए और उसका मुंह दबाकर किचन में ले गए। उन्होंने उसके हाथ-पैर दुपट्टे से बांध दिए और मुंह पर टेप चिपका दिया। इसके बाद लुटेरे ऊपर मंजिल पर पहुंचे, जहां सीता शुक्ला मौजूद थीं। विरोध करने पर बदमाशों ने उन्हें बेरहमी से पीटा। हाथ पर दांतों से काट लिया, उनके दो दांत टूट गए और होंठ फट गए। बदमाशों ने उनका गला दबाने की भी कोशिश की और फिर रस्सी से बांधकर मुंह पर टेप चिपका दिया। इसके बाद उन्हें स्टोर रूम में फेंक दिया गया। लुटेरे बक्सों और आलमारी में रखे करीब दस लाख की नकदी, बीस लाख के जेवर और लाइसेंसी रिवॉल्वर उठा ले गए। जाते-जाते बदमाशों ने सीता का मुंह खोलते हुए कहा-चाची, अब आराम से सो जाओ। कुछ देर बाद सीता ने बड़ी मशक्कत से बंधन खोला और शोर मचाया। आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर कोतवाल अजय सिंह फोर्स के साथ पहुंचे और घटना की जानकारी आलाधिकारियों को दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की। घटना की सूचना फैलते ही पूरे दहशत का माहौल बन गया। मोहल्ले वासियों का कहना है कि दिनदहाड़े हुई वारदात ने सुरक्षा पर सवाल खड़े कर दिए हैं।

घटनास्थल पर जाते एसपी दीपक भूकर, एएसपी अखिलेश सिंह। अमृत विचार

सीसीटीवी फुटेज खंगालती गंगाघाट पुलिस। अमृत विचार

सीता शुक्ला।

रतना। अमृत विचार

आसपास के सीसीटीवी में मिले सुराग

पुलिस ने आसपास के घरों और दुकानों पर लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले। एक फुटेज में तीन संदिग्धों को बाइक से जाते हुए देखा गया है। पुलिस इन संदिग्धों की पहचान करने की कोशिश कर रही है।

लुटेरों ने सीसीटीवी की डीवीआर गायब की

घर में लगे सीसीटीवी कैमरों में पूरी वारदात कैद हो गई थी। लेकिन लुटेरे जाते-जाते कैमरे का डीवीआर भी उठा ले गए, ताकि पुलिस को कोई पुख्ता सबूत न मिल सके। पुलिस आसपास के कैमरों से फुटेज के आधार पर जांच आगे बढ़ा रही है।

एसपी ने लिया घटना स्थल का जायजा

वारदात की सूचना पर एएसपी अखिलेश सिंह, सीओ सिटी दीपक यादव व दही थाना प्रभारी अवनीश सिंह मौके पर पहुंचे। शाम को एसपी दीपक भूकर ने भी घटनास्थल का निरीक्षण किया और पीड़ित महिलाओं से पूछताछ की। अधिकारियों ने घटनाक्रम की बारीकी से जानकारी लेकर पुलिस टीमों को सक्रिय किया।

लुटेरों की तलाश में बनीं पांच टीमें

घटना की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने पांच टीमों का गठन किया है। टीमों को सीसीटीवी फुटेज खंगालने, संदिग्धों से पूछताछ करने और अपराधियों के ठिकानों पर दबिश देने का जिम्मा सौंपा गया है। पुलिस का दावा है कि जल्द ही लुटेरों को पकड़ लिया जाएगा।

घर पर अकेले होने की जानकारी पहले से थी

पुलिस जांच में यह बात सामने आई है कि बदमाशों को पहले से मालूम था कि उस समय घर पर केवल महिलाएं मौजूद थीं। घटना के कुछ घंटे पहले मकान मालिक के एक पुराने परिचित ने फोन कर किरायेदार से घर में मौजूद लोगों की जानकारी ली थी। पुलिस इस एंगल पर भी गंभीरता से जांच कर रही है।

पुलिसिंग पर सवाल

दिनदहाड़े हुई इस बड़ी लूट ने न केवल पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था की पोल खोल दी है बल्कि इलाके में भय का माहौल भी पैदा कर दिया है। मोहल्ले के लोग अब अपने घरों की सुरक्षा को लेकर सतर्क हो गए हैं। पुलिस ने दावा किया है कि जल्द ही घटना का खुलासा कर बदमाशों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

प्रसव पूर्व भ्रूण जांच करने वाले केंद्रों पर होगी कार्रवाई

उन्नाव, अमृत विचार। डीएम गौरांग राठी की अध्यक्षता में पन्नालाल सभागार में जिला पीसीपीएनडीटी सलाहकार समिति की बैठक हुई। जिसमें डीएम ने सील किए गए अल्ट्रासाउंड सेंटर सहित प्रसव पूर्व भ्रूण जांच करने वाले केंद्रों पर कार्रवाई के निर्देश दिए।

डीएम ने बीघापुर डायग्नोस्टिक सेंटर के चिकित्सक की डिग्री सत्यापन में फर्जी पाए जाने पर नाराजगी जताते हुए कहा कि केंद्र संचालक डॉक्टर को नोटिस भेजें। संतोषजनक जवाब न मिले तो संचालक व डॉक्टर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराएं। अल्ट्रासाउंड केंद्र के संचालन में डिग्री संबंधी कोई भी लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। किसी भी केंद्र पर प्रसव पूर्व भ्रूण लिंग परीक्षण न हो इसके लिए नोडल अधिकारी गंभीरता से निरीक्षण कर दोषी केंद्र संचालकों पर मुकदमा दर्ज कराएं। सत्यापन टीमों को निर्देश दिए कि सील जांच केंद्रों का संचालन न हो पाए।

खंती में पड़े मिले एक दर्जन मवेशियों के शव

नवाबगंज, अमृत विचार। सड़क किनारे खंती में भरे बारिश के पानी में एक दर्जन मवेशियों (भैंस) के शव पड़े देख लोगों में हड़कंप मच गया। पुलिस ने जांच कर पशु चिकित्सकों की टीम बुलाकर पोस्टमार्टम कराया। इसके बाद जेसीबी से गड्ढा खुदवाकर शवों को दफन किया गया।

अजगैन के मोहान मार्ग पर धाराखेड़ा गांव स्थित पेट्रोल पंप के पास सड़क किनारे खंती में भरे बारिश के पानी में एक दर्जन मवेशियों को मृत पड़े देख ग्रामीणों में हड़कंप मच गया और वहां भीड़ एकत्र हो गई। जानकारी पर हसनगंज सीओ अरविंद चौरसिया ने जांच कर इसकी सूचना पशु चिकित्साधिकारी डॉ. सईद अहमद को दी। इस पर वह टीम के साथ पहुंचे और जांच की। पशु चिकित्सकों की टीम ने मवेशियों का पोस्टमार्टम किया।

घटनास्थल पर सीओ व पशु चिकित्सक। अमृत विचार

132 केवी लाइन ट्रिप होने से पांच घंटे गुल रही बिजली

शुक्लागंज, अमृत विचार। मंगलवार दोपहर अचानक 132 केवी लाइन ट्रिप होने से पूरे नगर व ग्रामीण क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति ठप हो गई। दोपहर करीब 12:20 बजे कुंदन रोड स्थित पावर हाउस में भारी ट्रांसफार्मर से करंट सप्लाई की समस्या आने पर मगरवारा गोकुल वावा, शुक्लागंज पावर हाउस, गंगाघाट टाउन व त्रिभुवनखेड़ा सबस्टेशन की सप्लाई बाधित हो गई। बिजली गुल होने से एक लाख से अधिक उपभोक्ता उमस भरी गर्मी और पेयजल संकट से जूझते रहे।

दोपहर में अचानक सप्लाई बंद होने पर विभागीय कर्मियों ने पहले 33केवी लाइन ब्रेक होने की आशंका में पेट्रोलिंग शुरू की लेकिन कहीं भी लाइन ब्रेक की पुष्टि नहीं हो सकी। बाद में टीम ने कुंदन रोड पावर हाउस पहुंचकर मेजर चेक किया। जांच में सामने आया कि 132 केवी लाइन ट्रिप होने से आपूर्ति बाधित हुई थी।

नगर पालिका लिपिक ने सुसाइड नोट लिख कर दी जान

- ईओ, जेई, चेयरमैन प्रतिनिधि सहित पालिका कर्मियों पर भाई ने लगाए आरोप

उन्नाव, अमृत विचार। नगर पालिका में मृतक आश्रित कोटे से नौकरी पाए कनिष्ठ लिपिक ने कमरे में फंदे से लटक कर जान दे दी। उसका शव लटका देख परिजनों में कोहराम मच गया। भाई ने ईओ, चेयरमैन प्रतिनिधि, जेई सहित सेवानिवृत बड़े बाबू व लिपिक भाई का वेतन रोककर प्रताड़ित करने का आरोप लगाया। मामले में सोशल मीडिया पर सुसाइड नोट भी वायरल हुआ जो मुख्यमंत्री को संबोधित है। जिसमें दिवंगत लिपिक ने अपनी मौत के दोषियों को फांसी दिए जाने की मांग की है। पुलिस ने डॉक्टरों के पैनल से वीडियो ग्राफी के बीच शव का पोस्टमार्टम कराया। सूत्र बताते है कि इसमें हैंगिंग से मौत होने की पुष्टि हुई है।

माखी के पवई गांव के मूल निवासी सतीश प्रजापति (28) पुत्र स्व. राजाराम दही थानाक्षेत्र के पीतांबर नगर वार्ड-2 में मकान बनावाकर रहता था। सेवाकाल में हुई पिता की मौत के बाद वह अनुकंपा कोटे से नगर पालिका में कनिष्ठ लिपिक पद पर तैनात था। घर पर मां उर्मिला, पत्नी रिंकी, छोटा भाई आलोक व डेढ़ साल का बेटा तेजस है। पुलिस ने बताया कि सभी बिंदुओं पर जांच की जा रही है। वहीं, सीओ दीपक यादव ने बताया कि बारीकी से जांच कराई जा रही है।

मार्जिनल बांध निर्माण को लेकर अभियान तेज

शुक्लागंज, गोंडा, अमृत विचार। गंगा किनारे बसी आबादी को बाढ़ से बचाने के लिए प्रस्तावित मार्जिनल बांध के निर्माण को लेकर पूर्व विधायक राम कुमार एडवोकेट का अभियान लगातार जारी है। मंगलवार को पत्रकार वार्ता में उन्होंने कहा कि अधिकारियों की गलत रिपोर्ट के कारण परियोजना वर्षों से ठप है।

पत्रकारों से वार्ता में पूर्व सांसद रामकुमार एडवोकेट ने कहा कि वर्ष 2017 में तत्कालीन मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने शुक्लागंज पुराने पुल से जाजमऊ पुल तक 4.450 किमी लंबे मार्जिनल बाँध के निर्माण को स्वीकृति दी थी। इस परियोजना की लागत 134.60 करोड़ रुपये थी और केन्द्रीय जल आयोग ने भी इसे अपनी 132वीं बैठक में मंजूरी प्रदान कर दी थी। वित्तीय वर्ष 2018-19 तक निर्माण पूरा करने का आदेश भी दिया गया था, लेकिन कार्यदायी संस्था शारदा नहर खण्ड उन्नाव ने आज तक कार्य आरम्भ नहीं किया। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार और सिंचाई विभाग ने जानबूझकर परियोजना को लटकाए रखा। उनकी मांग पर अब पुनः जांच टीम मौके का निरीक्षण करेगी।

16 सितंबर को धरना देंगे शिक्षक

उन्नाव, अमृत विचार। प्राथमिक शिक्षक संघ की बैठक में सर्वोच्च न्यायालय द्वारा जारी सभी शिक्षकों को टेट अनिवार्य करने के मुद्दे पर विशेष परिचर्चा हुई। जिसमें सरकार व विभाग के विरुद्ध शिक्षकों में आक्रोश दिखा। साथ ही आगामी 16 सितम्बर को होने वाले धरना व ज्ञापन हेतु रणनीति बनाई गई।

रामापुर स्थित सुंदर लाल महाविद्यालय में उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ पुरवा इकाई की बैठक हुई। इसमें बीते दिनों सर्वोच्च न्यायालय द्वारा टेट को अनिवार्य करने के आदेश पर विस्तार से परिचर्चा हुई और सभी शिक्षकों व शिक्षिकाओं ने अपने विचार रखे। बैठक में बताया गया कि वर्ष 2000 के पहले नियुक्त बहुत शिक्षकों की योग्यता केवल इंटर है, कुछ का स्नातक 45% से कम है, बीएड डिग्रीधारक टेट नहीं हैं, मृतक आश्रितों को नियुक्ति के समय प्रशिक्षण मुक्त रखा गया था, बीपीएड-डीपीएड टेट के लिए अयोग्य बताया गया है। उर्दू शिक्षक टेट के लिए अयोग्य माना गया, उक्त आदेश आरटीई ऐक्ट के खिलाफ है, केंद्र सरकार ने गोपनीय संशोधन वर्ष-2017 में करके टेट अनिवार्य करते हुए अध्यादेश को छिपाने समेत विभिन्न बिंदुओं के संदर्भ में शिक्षकों ने विरोध दर्ज कराया। साथ ही सर्वोच्च न्यायालय में विशेष अपील दाखिल करने पर रणनीति बनाई गई। संघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद्र शर्मा के आह्वान पर 16 सितंबर को जिला मुख्यालय पर धरना व ज्ञापन देने की योजना बनाई। बैठक की अध्यक्षता कर रहे जिलामंत्री व ब्लाक अध्यक्ष पुरवा गजेन्द्र वर्मा ने शिक्षकों की समस्याओं को बिंदुवार रखा। तहसील प्रभारी शिवम चौरसिया, मंत्री संजय द्विवेदी, कोषाध्यक्ष श्रवण पटेल आदि ने अपनी बात कही। संचालन वरिष्ठ उपाध्यक्ष विवेक पटेल ने किया। बैठक में बड़ी संख्या में शिक्षक-शिक्षिकाएं शामिल हुए।

बैठक को संबोधित करते जिला मंत्री गजेंद्र वर्मा। अमृत विचार

छेड़छाड़ के दोषी को 4 साल की सजा

उन्नाव। किशोरी से छेड़छाड़ के दोषी युवक को कोर्ट ने 4 साल की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर कोर्ट ने 17 हजार का जुर्माना भी लगाया है। सफीपुर कोतवाली क्षेत्र एक गांव निवासी व्यक्ति ने 6 जुलाई-2019 को पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 5 जुलाई-2019 को वह मजदूरी करने व पत्नी दवा लेने गए थी। घर पर उसकी 13 वर्षीय बेटी अकेली थी। तभी मीरनगर गांव निवासी राम उसके घर घुस आया और बेटी से छेड़छाड़ करने लगा। बेटी की चीख सुन ग्रामीण दौड़े तो युवक भाग गया था। पुलिस ने रामकिशोर को जेल भेजा था। आईओ ने मामले में 31 जुलाई-2019 को चार्जशीट पेश की थी। मंगलवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई के बाद न्यायाधीश विवेकानंद विश्वकर्मा ने शासकीय अधिवक्ता चंद्रिका प्रसाद बाजपेई की दलील पर रामकिशोर को 4 साल की सजा सुनाई।

टैबलेट पाकर खिले चेहरे

विधायक पंकज गुप्ता, प्रबंधक, निर्देशक व प्राचार्या के साथ टैबलेट लिए छात्र-छात्राएं।

उन्नाव, अमृत विचार। चौधरी खजान सिंह महाविद्यालय लोक नगर में सरकार द्वारा संचालित विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अन्तर्गत नि:शुल्क टैबलेट वितरण हुआ। टैबलेट पाकर छात्रों के चेहरे खिल उठे। टैबलेट वितरण चौधरी खजान सिंह महाविद्यालय लोक नगर के सभागार में संपन्न हुआ। सदर विधायक पंकज गुप्ता ने कहा कि विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के अंतर्गत सरकार द्वारा छात्रों को नि:शुल्क टैबलेट की व्यवस्था की गई है। छात्रों को तकनीकी शक्तियों का प्रयोग ज्ञान को विकसित करने के लिए और लक्ष्य प्राप्ति के लिये करना चाहिये। महाविद्यालय के निदेशक रविराज ने कहा कि यह टैबलेट गत शैक्षिक सत्र के स्नातक फाइनल वर्ष के करीब 130 छात्रों को आज दिए जा रहे हैं। जैसे ही अन्य छात्रों के लिए टैबलेट मिलेंगे वैसे ही उन्हें बांटे जाएंगे। कार्यक्रम में प्रबंधक डॉ. मुकेश यादव, प्राचार्या डॉ. सुधा सिंह व महाविद्यालय के प्रवक्तागण रहे। संचालन लेफ्टिनेंट अतुल शुक्ल ने किया।

जिलाधिकारी ने दिये निर्देश

उन्नाव। डीएम गौरांग राठी ने समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश-2047 अभियान के संबंध में गूगल मीट के माध्यम से जुड़कर अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा प्रदेश को समर्थ उत्तर प्रदेश-विकसित उत्तर प्रदेश-2047 तक विकसित राज्य बनाने का संकल्प लिया गया है। यह विजन 3 डक्यूमेंट थीम अर्थ शक्ति, सृजन शक्ति, जीवन शक्ति व 12 सेक्टर, शिक्षा तथा सुरक्षा एवं सुशासन पर ध्यान केन्द्रित करते हुए तैयार होगा। इसे लेकर जिले के नामित 5 प्रबुद्धजनों द्वारा 12 व 13 सितम्बर (2 दिवसीय प्रवास) कर समर्थ अभियान की जन जागरूकता के लिये विभिन्न लक्षित समूहों के साथ बीते 8 वर्षों में प्रदेश की विकास यात्रा के संबंध में बताते हुए राज्य के विकास के लिये रोड मैप पर चर्चा होगी और उनसे फीडबैक लिया जायेगा।

परेशानी | **खतरे के निशान से 21 सेमी ऊपर गंगा का जलस्तर, 30 मोहल्लों और गांवों में घुसा पानी, प्रशासन ने लगाईं 70 नावें**

गंगा का रौद्र रूप देखकर चारों ओर मचा कोहराम, पानी से घिरा शुक्लागंज

संवाददाता, शुक्लागंज (उन्नाव)

अमृत विचार। गंगा नदी का जलस्तर लगातार बढ़ रहा है और इसका रौद्र रूप अब नगर व ग्रामीण इलाकों को पूरी तरह अपनी चपेट में ले चुका है। सोमवार को 24 घंटे के भीतर जलस्तर में 9 सेंटीमीटर की बढ़ोत्तरी दर्ज की गई। स्थिति यह है कि गंगा का पानी खतरे के निशान से 21 सेंटीमीटर ऊपर बह रहा है। नगर और ग्रामीण क्षेत्र के 30 से अधिक मोहल्लों और गांवों में बाढ़ का पानी घुस चुका है।

केन्द्रीय जल आयोग के अनुसार, सोमवार शाम छह बजे जलस्तर 113.120 मीटर था, जो मंगलवार सुबह छह बजे 113.170 मीटर दर्ज किया गया। सुबह आठ बजे यह 113.180 मीटर और दोपहर तक स्थिर रहा। शाम छह बजे जलस्तर 113.210 मीटर पहुंच गया। लगातार बढ़ रहे जलस्तर ने नगर और गांवों की स्थिति को भयावह बना दिया है। नगर के चंपापुरवा, मनसुख खेड़ा, तेजीपुरवा, इंद्रा नगर, रविदास नगर, श्रीनगर, अवस्थी फार्म हाउस, गायत्री नगर, भातू फार्म और ठाकुर खेड़ा में सैकड़ों मकान जलमग्न हो चुके हैं। वहीं ग्रामीण क्षेत्र के सरैयां, लक्ष्मी खेड़ा, रजवा खेड़ा, पीपरखेड़ा डेरा, निहालखेड़ा, पोनी, अखलॉक नगर, रतीराम पुरवा, गड़रियन पीपरखेड़ा, गजिया खेड़ा, त्रिभुवनखेड़ा सहित दर्जनों गांवों में लोग घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर जाने को मजबूर हैं। लेखपाल अशोक सैनी ने बताया कि प्रभावित क्षेत्रों में आवाजाही के लिए प्रशासन की ओर से 70 नावें लगाई गई हैं।

पोनी गांव में मुख्य मार्ग पर भरा बाढ़ का पानी, जान जोखिम में डालकर निकलते लोग।

जिलाधिकारी व एसपी ने दिये हर संभव मदद के निर्देश

फतेहपुर चौरासी। फतेहपुर चौरासी क्षेत्र में बीते कई दिनों में गंगा का जलस्तर तेजी से बढ़ा है। क्षेत्र में गंगा के निकटवर्ती दर्जनों गांव जहां बाढ़ के पानी के जद में हैं वहीं गंगा के बढ़ रहे जलस्तर से क्षेत्र के प्रमुख मार्ग कालीमिट्टी-शिवराजपुर मार्ग के अस्तित्व पर भी खतरा मंडराने लगा है। बाढ़ ने गांव हिन्दूपुर के पास स्थित लघु सेतु के पास मार्ग को कई जगह क्षतिग्रस्त करना शुरू कर दिया था। जिसे बचाने के लिए पीडब्ल्यूडी द्वारा कार्य कराया जा रहा था। तेजी से हो रहे कटान से क्षेत्र का कानपुर से संपर्क स्थापित कराने वाले प्रमुख काली मिट्टी-शिवराजपुर मार्ग के अस्तित्व पर खतरा मंडराने लगा है। जानकारी पर मंगलवार को जिलाधिकारी गौरांग राठी ने बाढ़ से कट रहे क्षेत्र के प्रमुख मार्ग का स्थलीय निरीक्षण किया। इसमें उन्होंने संबंधित विभागों से मार्ग को बचाने के लिए हर सम्भव प्रयास करने के लिए कहा। कहा कि जिले के आठ ब्लॉकों की 130 ग्राम पंचायतें बाढ़ से प्रभावित हैं।

बाढ़ की चपेट में आकर कटी रोड को देखते डीएम, एसपी व अन्य अधिकारी।

अमृत विचार

बुधवार, 10 सितंबर 2025

सूरज की तरह चमकने के लिए, सूरज की तरह जलना पड़ता है।
–एपीजे अब्दुल कलाम, पूर्व राष्ट्रपति

प्रत्याशित पदत्याग

प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली इस्तीफा देकर अज्ञात स्थान पर चले गए। यदि वे ऐसा न करते तो पार्टी टूट जाती और देश और संकटाकीर्ण हो जाता। संभव है कि नेपाल में चल रहा हिंसा का तांडव अब रुक जाए। इस दौरान प्रदर्शनकारियों ने पूर्व प्रधानमंत्री और कई मंत्रियों के घर फूंक दिए और जान माल का भारी नुकसान हुआ। यह सब रुकने के बावजूद नेपाल को राजनीतिक अस्थिरता से तत्काल निजात नहीं मिलने वाली। इसके लिए एक राजनीतिक नेतृत्व का मजबूत विकल्प आवश्यक है। देखना होगा कि इसमें काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह की क्या भूमिका रहती है? फिलहाल इस पूरे प्रकरण से यह स्पष्ट है कि जेन-ज़ी या नेपाली युवाओं के आक्रोश और आंदोलन की जड़ में सिर्फ प्रधानमंत्री ओली का हालिया फैसला ही नहीं था। युवाओं के भीतर असंतोष का लावा पहले से ही कई मुद्दों को लेकर खदबदा रहा था। सोशल मीडिया के 26 प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगाने के दबाव ने अचानक इसे ज्वालामुखी की तरह फटने पर मजबूर कर दिया। प्रधानमंत्री ओली पर अधिनायकवाद, विवादास्पद बयानबाजी और भ्रष्टाचारियों को संरक्षण देने का आरोप था। इसके साथ ही युवा अवसरों की कमी और नेताओं की विलासिता भरी जीवनशैली के खिलाफ भी नारेबाजी कर रहे थे। साफ है कि यह मामला केवल सोशल मीडिया बैन तक सीमित नहीं था। फिलीपींस और इंडोनेशिया में भी टिक-टॉक पर नेताओं के बच्चों की ऐश्वर्यपूर्ण जिंदगी और आम जनता के संघर्ष को दर्शाने वाले वीडियो वायरल होने के बाद ऐसे ही जेन-ज़ी आंदोलनों ने जोर पकड़ा था। संभव है, यह आंदोलन और प्लेटफॉर्म्स पर बैन की पृष्ठभूमि यही हो। सरकार की ओर से सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लगाने का औपचारिक कारण नियमों का अनुपालन और राजस्व घाटा बताया गया, लेकिन युवाओं का मानना था कि यह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कुचलने और सरकारी भ्रष्टाचार छुपाने की साजिश है। नेपाल के संविधान की धारा 17(1)(क) नागरिकों को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता देती है, धारा 19 संचार का अधिकार और धारा 27 सूचना का अधिकार गारंटी करती है। सरकार का यह रवैया इन मौलिक अधिकारों का हनन माना जा रहा था।

असल में सरकार को पूरे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लगाने के बजाय उन्हें नियंत्रित और रेग्युलेट करने की कोशिश करनी चाहिए थी। साथ ही, जनता और विशेष रूप से युवाओं को विश्वास में लेना जरूरी था। सोशल मीडिया नेपाल में मनोरंजन, जानकारी, सामाजिक संपर्क और डिजिटल अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। यह निर्णय विकासशील देश नेपाल की डिजिटल प्रगति और नवाचार को रोकता था और छोटे व्यवसायियों, कंटेंट क्रिएटर्स और हजारों डिजिटल मार्केटर्स की रोजी-रोटी को संकट में डालने वाला था। नेपाल इससे पहले टिक-टॉक बैन से 22 लाख से ज्यादा उपभोक्ताओं, छोटे व्यवसायों को बड़े नुकसान में धकेल चुका है। सुदूर इलाकों में, पारंपरिक मीडिया के अभाव के चलते सोशल मीडिया सूचना, धार्मिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम देखने, डिजिटल शिक्षा, साक्षरता का प्रमुख स्रोत है। जाहिर है ओली का फैसला देश के लिए उचित नहीं था और यही उनके प्रस्थान का कारण बना।

श्रीलंका-बांग्लादेश जैसे हालात नेपाल में भी संभव

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

नेपाल के जेन-ज़ी के आंदोलन की वजह से केपी शर्मा ओली ने इस्तीफा दे दिया है। उनके नेतृत्व की मौजूदा सरकार पर संकट पहले से ही था। साल भर के भीतर होने वाले आम चुनाव में भी उनकी स्थिति कमजोर हो गई थी। यहां अहेम सवाल यह है कि आखिर वो कौन सी विदेशी ताकतें हैं, जो नेपाल को अस्थिर करने के लिए ऐसे षणयंत्र रच रहे हैं और उन्हें इसका फायदा क्या मिल सकता है? भारत और चीन के लिए नेपाल का महत्व सामरिक दृष्टि से काफी मायने रखता है। नेपाल में जो भी सरकार होती है, वे अपने तरीके से भारत और चीन को साध ही लेती हैं। भारत और चीन भी अपने-अपने तरीके से नेपाल को अपने पाले में खींचते रहते हैं, लेकिन ऐसा कभी नहीं हुआ कि भारत और चीन, नेपाल को अस्थिर करने का प्रयास केवल इसलिए कर रहे हों कि नेपाल उनकी जी हुजूरी करने को मजबूर हो।

एमसीसी परियोजना के नाम पर अमेरिका ने नेपाल में पांव पसारना शुरू किया है। इस परियोजना का विरोध ओली की पार्टी एमाले कर रही थी, वह भी इसलिए कि उसके बिजली संयंत्र की लाइन भारत से होकर नेपाल पहुंच रही थी। इस तरह ओली का यह विरोध नेपाल से कम भारत से ज्यादा हुआ। अमेरिका की इस परियोजना को लेकर ओली सरकार अब खामोश है। गौर करने वाली बात यह भी है कि नेपाली युवाओं और छात्रों के इस आंदोलन में आंदोलनकारियों के हाथ में ओली के लिए अमेरिकी दलाल लिखी हुई तख्तियां भी थीं।

सवाल उठता है कि आखिर एकाएक लाखों की संख्या में युवा और छात्र ओली सरकार के खिलाफ उग्र कैसे हो उठे? नेपाल जब राजशाही के हवाले था, तब की बातें छोड़ दें, इधर जबसे गणराज्य समर्थकों का शासन आया तब से नेपाल में क्या परिवर्तन हुआ, यह गौर करने की बात है। इस दौरान नेपाली जनता को लोकतांत्रिक प्रणाली से वोट देने की अनुभूति के अलावा कुछ भी हासिल नहीं हुआ। नेपाल में 'हामी नेपाल' नामक सामाजिक संगठन बहुत ही गोपनीय ढंग से सोशल मीडिया पर सक्रिय था, जो युवाओं में काफी लोकप्रिय भी है। इसके कर्ता-धर्ता सुदन गुरूंग, सरकार के भ्रष्टाचार की ओर युवाओं का ध्यान आकर्षित कराते थे। सबसे बड़ी बात यह थी कि वे युवाओं के नेतृत्व की बात करते थे और सदियों से सत्ता पर काबिज बुजुर्ग नेताओं को निष्प्रयोज्य बताते थे।

सोशल मीडिया पर हामी नेपाल की लोकप्रियता इतनी थी कि वह लाखों युवाओं और छात्रों का पसंदीदा प्लेटफॉर्म बन गया। ओली सरकार इससे घबराई हुई थी। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बैन की यह भी एक वजह हो सकती है। सोशल मीडिया पर बैन से करोड़ों युवाओं के गुस्से को भांपते हुए सुदन गुरूंग ने डिस्कार्ड और वीपीएन डिजिटल टूल्स के माध्यम से युवाओं से विरोध-प्रदर्शन की अपील की।

यह दुनिया का ऐसा आंदोलन साबित हुआ है, जिसने बिना किसी नेतृत्व के सरकार को हिला कर रख दिया। युवाओं के आंदोलन की धार को देखते हुए राजनीतिक विश्लेषक इसे श्रीलंका और बंग्लादेश के बाद नेपाल में भी तख्तापलट की संभावना की दृष्टि से देखते हैं। इस पूरे आंदोलन में 22 साल से 30 साल तक के युवा ही सक्रिय थे, जिनके चेहरों पर बुजुर्ग ओली सरकार से निराशा का भाव साफ झलक रहा था। काफी संभावना है कि युवाओं के इस आंदोलन के समर्थन में विभिन्न पार्टियों के युवा सांसद भी आगे आएं।

नेपाल में मंहगाई चरम पर है। शिक्षा गरीब लोगों से दूर होती जा रही है और बेरोजगार युवा दर-दर भटकने को मजबूर हैं। वे दूसरे देशों में पलायन को मजबूर हैं, जहां उन्हें हिकारत की दृष्टि से देखा जाता है। पढ़े-लिखे नेपाली युवकों को भी लेबर के काम में लगा दिया जाता है। नेपाल में रोजगार है नहीं। युवाओं में केवल ओली की सरकार के प्रति नहीं, इसके पहले की सरकारों के प्रति भी भारी गुस्सा है, क्योंकि वे भी केवल वादा और लोकलुभावन घोषणाएं कर सत्ता हासिल करती रही हैं।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के यूजर युवा ही हैं। नेपाल में इनकी संख्या एक करोड़ के आसपास है। रजिस्ट्रेशन के नाम पर ओली सरकार ने संक्षिप्त नोटिस के बाद कुछ दिन पहले करीब 28 सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म बैन कर दिए। इस बैन पर सरकार के अपने फायदे हो सकते हैं, लेकिन उन लाखों युवाओं को क्या फायदा है, जिनकी दिनचर्या सोशल मीडिया पर ही गुजरती हो। ओली सरकार यह समझने में चूक गई, लिहाजा उसे ऐसे विरोध का सामना करना पड़ा, जो शायद नेपाल के इतिहास में पहले कभी न देखा गया हो। राजशाही के खिलाफ जन युद्ध को छोड़कर।

काठमांडू से शुरू युवाओं का यह आंदोलन कुछ ही घंटे में नेपाल के मैदानी इलाकों तक पहुंच गया। ओली सरकार के पास इस पर नियंत्रण के लिए पुलिस और सेना के इस्तेमाल के अलावा कोई और चारा नहीं था। काठमांडू में संसद परिसर में उग्र आंदोलनकारियों का प्रवेश कर जाना बड़ी घटना है। इसे रोकने के लिए पुलिस और सेना के जवानों को गोली चलाने को मजबूर होना पड़ा। यहां की गोली-बारी की घटना ने आग में घी का काम किया, जो पूरे नेपाल में फैल गया। पुलिस और सेना की गोली-बारी में सरकारी आंकड़ों में 19 लोगों की मौत और तीन सौ आंदोलनकारियों का घायल होना बताया गया है, लेकिन हकीकत में यह संख्या कुछ और है। इसके पहले किसी आंदोलन में इतनी बड़ी संख्या में न तो लोग मारे गए थे और न ही घायल हुए थे। दमनकारी रवैया अपना कर ओली सरकार ने संकट को टालने की कोशिश की, लेकिन अंततः उन्हें पद से इस्तीफा देना पड़ा। इस बीच संसद भवन पर आंदोलनकारियों का कब्जा है।

जेन ज़ी कहे जाने वाले युवा नेपाल में आंदोलनरत हैं। यहां कई लोगों की मौत की भी खबर है। आखिर वो कौन सी ताकतें हैं, जो नेपाल को अस्थिर करने के लिए ऐसे षणयंत्र रच रहे हैं?

आमने

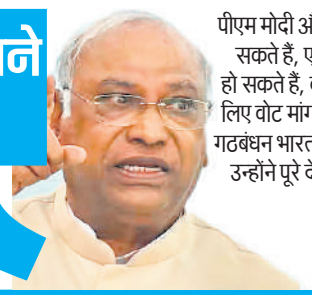

पीएम मोदी और डोनाल्ड ट्रंप दोस्त हो सकते हैं, एक-दूसरे के लिए अच्छे हो सकते हैं, क्योंकि वे एक-दूसरे के लिए वोट मांगते हैं। मोदी और ट्रंप का गठबंधन भारत की कीमत पर हुआ है। उन्होंने पूरे देश के माहौल को खराब करके रख दिया है।

–मल्लिकार्जुन खड़गे
कांग्रेस अध्यक्ष

सामने

कांग्रेस और मल्लिकार्जुन खड़गे अपनी पार्टी की चिंता करें, क्योंकि देश की जनता प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उनके मंत्रियों, सांसदों और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं पर भरोसा करती है, जो हर नागरिक की भलाई के लिए काम कर रहे हैं।

–हर्ष मल्होत्रा
केंद्रीय मंत्री

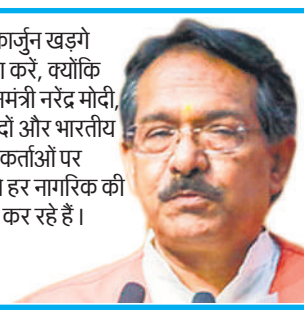

बिहार चुनाव में पीके कर सकते हैं 'बड़ा खेला'

राधा रमण
वरिष्ठ पत्रकार

बिहार में सियासी सरगर्मी चरम पर है। राज्य में विधानसभा चुनाव की घोषणा अगले माह होने की संभावना है। ऐसा इसलिए कि चुनाव आयोग ने अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन इस माह 30 सितंबर को करने की घोषणा की है। वैसे भी बिहार विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर को समाप्त हो रहा है। उसके पहले चुनावी गतिविधियां हर हाल में समाप्त करनी होंगी और नई सरकार का गठन करना संवैधानिक मजबूरी है। इस बार भाजपा बिहार में फिर सरकार बनाने पर आमादा दिखती है। उसके लिए 'अभी नहीं तो कभी नहीं' की स्थिति है। फिलहाल प्रदेश में भाजपा सबसे बड़ी पार्टी है। उसके 80 विधायक हैं। भाजपा के लिए यह संख्या सर्वाधिक है। 243 सदस्यीय विधानसभा में बहुमत के लिए कम से कम 122 विधायक चाहिए। सवाल यह कि बाकी के विधायक कहां से आएंगे? पार्टी के वरिष्ठ नेता और पूर्व प्रवक्ता डॉ. विनोद शर्मा कहते हैं कि बिहार में इस बार एनडीए की लहर है।

इसमें दो राय नहीं कि नीतीश का जादू बिहार की महिलाओं के सिर चढ़कर बोलता रहा है। यह वोट इस बार नीतीश के पक्ष में कितना जाएगा, यह चुनाव परिणाम के बाद पता चलेगा, क्योंकि बिहार के अधिकांश जिले बाढ़ की चपेट में हैं और करीब 17 लाख आबादी सड़कों और राहत केंद्रों में शरण लिए हुए है। इनमें सर्वाधिक संख्या महिलाओं और बच्चों की है। दूसरी तरफ, राज्य में अपराधी पुलिस के रसूख को खुलेआम चुनौती दे रहे हैं। विपक्ष इसे एनडीए का जंगलराज बता रहा है। महिलाएं इस अराजकता से भी पीड़ित हैं। ऐसे में महिला वोटरों में बिखराव हो जाए, तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। राज्य में नीतीश की बिरादरी कुर्मी जाति का वोट करीब 6 प्रतिशत है, यह वोट भी अभी तक नीतीश के पक्ष में पड़ता रहा है। यही वजह है कि नीतीश पिछले लगभग 20 वर्षों से बिहार की सत्ता पर काबिज हैं।

बिहार में महागठबंधन भी इस बार पूरा जोर लगाए हुए है। राज्य में महागठबंधन की वोटर अधिकार यात्रा को अपेक्षाकृत अधिक सफलता मिली। वोटर अधिकार यात्रा 17 अगस्त को शेरशाह सूरी की धरती सासाराम से शुरू होकर एक सितंबर को पटना के गांधी मैदान से निकल कर डाकबंगला चौराहे पर समाप्त हो गई। पुलिस प्रशासन ने इसे आगे बढ़ने की अनुमति नहीं दी। इसमें महागठबंधन के सभी घटक दलों के नेता शामिल रहे। विपक्ष राज्य से पलायन, बेरोजगारी और कानून व्यवस्था का मुद्दा जोर-शोर से उठा रहा है। लोगों को नौकरी और डोमिसाइल नीति बनाने की बात कह रहा है। एसआईआर के खतरे के प्रति आगाह कर रहा है। सरकार बनने पर महिलाओं को ढाई हजार रुपये प्रतिमाह देने और सुशासन का ख्वाब दिखा रहा है।

इस बीच बिहार के माउंटेन मैन दशरथ मांझी के परिजनों के लिए गयाजी के गहलोर गांव में पक्का घर बनवाकर राहुल गांधी ने अपनी जय-जयकार करा ली है। दशरथ के बेटे भागीरथ मांझी इसके लिए नीतीश कुमार से लेकर जीतनराम मांझी और भाजपा के कई बड़े नेताओं का चक्कर लगाकर थक चुके थे। इससे आसपास के गांवों में भी राहुल के लिए हमदर्दी जगी है। देखने वाली बात होगी कि यह सहानुभूति वोट में कितनी तब्दील हो पाती है।

बिहार की सियासत का तीसरा केंद्र बने प्रशांत किशोर (पीके) की पार्टी जनसुराज पर सबकी निगाहें टिकी हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि प्रशांत इस चुनाव में बड़ा खेल करेंगे। वह अपने दम पर सरकार बनाने से लेकर दोनों बड़े गठबंधनों (एनडीए और महागठबंधन) का खेल बिगाड़ने तक का हो सकता है। एनडीए और महागठबंधन से समान दूरी बनाने वाले लोग आजकल पीके की तरफ खिंचे चले आ रहे हैं। कहना न होगा कि ऐसे लोगों की संख्या भी कम नहीं है। इनमें रिटायर्ड आईएएस, आईपीएस और उद्योगपतियों की संख्या काफी है। इसके लिए प्रशांत किशोर बिहार के बाहर रहने वाले प्रवासियों के संपर्क में हैं।

उधर, राज्य में जनसुराज की गतिविधियां लगातार जारी हैं। विधानसभा स्तर तक कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित किए जा रहे हैं। पीके ने पलायन के मुद्दे को ठीक से पकड़ा है। वह कहते हैं कि बिहार की बदहाली में यहां के नेताओं की बड़ी भूमिका है। जब तक झारखंड राज्य नहीं बना था, बिहार की बदहाली कम दिखती थी। अब सरेआम हो चुकी है। वह मतदाताओं से कहते हैं कि इस बार का मतदान अपने बच्चों का भविष्य बनाने के लिए कीजिए। बिहार में रोजी-रोजगार की व्यवस्था के लिए वोट कीजिए।

प्रशांत अपनी सभाओं में नीतीश और लालू दोनों को बिहार की बदहाली के लिए बराबर का जिम्मेदार ठहरा रहे हैं। प्रशांत किशोर जाने-माने चुनावी रणनीतिकार रहे हैं। भाजपा को सत्ता में लाने का श्रेय उन्हें दिया जाता है। 2015 के विधानसभा चुनाव में वह जनता दल (यू) की तरफ से महागठबंधन के रणनीतिकार रहे थे। तब नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाने में उनकी अहम् भूमिका थी। इससे उनकी लोकप्रियता और कमाई दोनों बढ़ी है। इस बार वह जनता दल (यूनाइटेड) और राष्ट्रीय जनता दल दोनों पर बराबर हमलावर हो रहे हैं। आश्चर्य यह कि प्रशांत पर जवाबी हमला जदयू और राजद कम बल्कि भाजपा ज्यादा कर रही है।

बिहार की सियासत का तीसरा केंद्र बने प्रशांत किशोर की पार्टी जनसुराज पर सबकी निगाहें टिकी हैं। कयास लगाए जा रहे हैं कि प्रशांत इस चुनाव में बड़ा खेल करेंगे।

प्रसंगवश

यहां सड़क है स्त्रियों के लिए जीवन व मौत के बीच की दूरी

भारत के गांवों की तस्वीर अक्सर हरे-भरे खेतों, बैलों की गाड़ियों और मिट्टी की खुशबू से सजाई जाती है, लेकिन असली तस्वीर इससे कहीं अलग है। असली संघर्ष उन कच्ची सड़कों से झलकता है, जो गांव वालों की जिंदगी को हर दिन कीचड़ और धूल में उलझाए रखती हैं। सड़क किसी भी गांव की जीवनरेखा होती है, लेकिन कुछ गांवों में यह जीवन रेखा आज भी अधूरी है।

भारत के ग्रामीण इलाकों की सड़कों की हकीकत यह है कि हमारे सड़क नेटवर्क का करीब 71 प्रतिशत हिस्सा होने के बावजूद इसकी गुणवत्ता अन्य सड़क नेटवर्क से बेहतर नहीं है। केंद्रीय सड़क, परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय की वार्षिक रिपोर्ट 2024-25 बताती है कि ग्रामीण सड़कों की हिस्सेदारी बहुत बड़ी है, पर सतह की गुणवत्ता (पक्कीकरण) में सुधार की जरूरत है। गांव को जोड़ने में प्रधानमंत्री ग्रामीण सड़क योजना निर्णायक रही है, लेकिन मार्च 2024 तक सिर्फ PMGSY-I ने 1,56,617 बस्तियों को जोड़ते हुए 6,24,187 किमी सड़कें बनवाई हैं।

नवदीप कौर
एक्टिविस्ट

अब राजस्थान पर नजर डालें तो यहां फैलते रेगिस्तान और लंबी दूरियों के बीच सड़क ही जीवन-रेखा है। नवीनतम आंकड़े बताते हैं कि 2024 तक राजस्थान का कुल सड़क नेटवर्क लगभग 3,17,121 किमी आंका गया, जिससे राज्य के 39,408 गांव सड़कों से जुड़े बताए गए हैं। यानी भौगोलिक विकटताओं के बावजूद बुनियादी संपर्क स्थापित हो चुका है, पर गुणवत्ता/उन्नयन की जरूरत जस की तस है। बात अगर बीकानेर जिला और ख़ासकर लूंकरणसर ब्लॉक की करें, तो यहां की रेतीली भूमि, बिखरी आबादी और धाणियों तक पहुंच एक चुनौती सी लगती है। एक गांव है नकोदेसर। राजस्थान के बीकानेर जिला स्थित लूंकरणसर ब्लॉक से करीब 33 किमी दूर इस गांव की तस्वीर मैप से नजर आ जाती है, लेकिन यहां सड़क ढूंढने पर भी नजर नहीं आती।

इस गांव के बच्चों के लिए स्कूल जाना किसी जंग से कम नहीं है। बारिश होते ही रास्ता दलदल में बदल जाता है। 66 साल की बिरमा देवी कहती हैं, "बरसात के दिनों में अक्सर उनकी सात साल की पोती स्कूल नहीं जा पाती, क्योंकि बारिश से इतना कीचड़ हो जाता है कि बच्चे उसमें फिसल जाते हैं और उनकी स्कूल ड्रेस खराब हो जाती है। इस बार लूणकरणसर में अच्छी बारिश हुई है। ये किसानों के लिए राहत की बात हो सकती है, लेकिन स्कूल जाने वाली मेरी पोती के लिए ये अच्छा नहीं है। वह अगस्त में पांच दिन ही स्कूल जा सकी है। सिर्फ वही नहीं, अधिकतर छोटे बच्चों का स्कूल बारिश में छूट जाता है, क्योंकि रास्ता इतना खराब हो जाता है कि बड़े लोग तक उसमें फिसल जाते हैं, फिर बच्चों को कैसे उस रास्ते से स्कूल भेजें?"

गर्भवती महिलाओं को अस्पताल पहुंचाना तो मानो मौत और जिंदगी की बाजी खेलने जैसा है। 65 साल की राजों देवी बताती हैं, "कुछ हफ्ते पहले मेरी बहू को प्रसव पीड़ा हुई, तो हमने एमबुलेंस को फोन किया। वह आई तो लेकिन बारिश की वजह से रास्ते इतने खराब थे कि गांव में घुसते ही गाड़ी कीचड़ में फंस गई और लाख कोशिश के बावजूद वह निकल नहीं पाई। आखिरकार घर के मर्दों ने मिलकर उसे खाट पर उठाया और सड़क तक ले गए। कीचड़ में फंसते-गिरते तीन घंटे लग गए। तब तक उसका काफी खून बह गया था। बड़ी मुश्किल से मां और बच्चे की जान बची। अगर पक्की सड़क होती तो यह कठिनाई नहीं आती।" यहां स्त्रियों के लिए सड़क सिर्फ़ सुविधा नहीं, बल्कि जीवन और मौत के बीच की दूरी है।

सोशल फोरम

देश की वो बहादुर बेटी

पांच सितंबर 1986 की सुबह कराची एयरपोर्ट पर Pan Am Flight 73 खड़ा था। 379 यात्रियों के साथ यह विमान अमेरिका जाने को तैयार था। यात्रियों को क्या पता था कि अगले कुछ घंटे उनकी जिंदगी और मौत के बीच की जंग बनने वाले हैं। नीरजा भनोट, सिर्फ 23 साल की हेड पर्सर, उस फ्लाइट पर ड्यूटी पर थीं। चेहरे पर मुस्कान और भीतर हिम्मत का दरिया। जैसे ही विमान ने उड़ान से पहले दरवाजे खोले, अचानक चार हथियारबंद आतंकी अंदर घुसे। गोलियों की गूंज और चीखों से पूरा जहाज कांप उठा। उस क्षण नीरजा ने वही किया जो शायद किसी और ने सोचा भी न होता। उन्होंने बिना पल गंवाए कॉकपिट अलार्म दबा दिया। इससे पायलट और बाकी क्रू को भागने का मौका मिल गया और विमान को उड़ान से रोक दिया गया। विमान उड़ जाता तो सभी की मौत तय थी।

ट्रेवल प्वाइंट
फेसबुक

17 घंटे तक आतंकियों ने यात्रियों को बंदूक की नोक पर बंधक बनाए रखा। वे अमेरिकी यात्रियों को ढूंढ रहे थे। नीरजा ने समझ लिया कि अगर उनके हाथ अमेरिकी यात्री लग गए तो कत्लेआम होगा। वह चुपचाप अमेरिकियों के पासपोर्ट छुपाने लगीं। अपनी जान पर खेलकर उन्होंने अनजान लोगों की जिंदगी बचा ली।

समय बीतता गया, हालात और बिगड़ते गए। आतंकियों ने गोलियां चलानी शुरू कीं। लोग भागने लगे। उसी अराजकता में नीरजा ने तीन छोटे बच्चों को उठाकर इमरजेंसी एग्जिट की तरफ धकेला। पर उसी वक्त आतंकियों की गोली उनके सीने में लगी। वह गिर पड़ीं लेकिन आखिरी सांस तक कोशिश करती रहीं कि कोई और बच्चा बच जाए। नीरजा भनोट का शरीर वहीं गिर गया, लेकिन उनकी बहादुरी ने 359 से ज्यादा यात्रियों की जान बचा ली।

नीरजा ने हमें दिखा दिया कि हीरोइन वही नहीं जो परदे पर चमके, असली हीरोइन वो है जो मौत को गले लगाकर भी दूसरों की ज़िंदगी बचा ले।

सामयिकी

एडीआर रिपोर्ट: अपराधी छवि के नेता चुनने की मजबूरी!

एडीआर यानी एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स द्वारा 27 राज्य विधानसभाओं, तीन केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्रीय मंत्रिपरिषद के वर्तमान मंत्रियों का कई पहलुओं पर विश्लेषण किया गया। इस रिपोर्ट में देश के कुल 652 में से 643 मंत्रियों का विश्लेषण किया गया। रिपोर्ट द्वारा यह खुलासा किया गया है कि 643 में से 302 मंत्रियों ने खुद पर आपराधिक मामले बताए हैं। आंकड़ों में सामने आया कि 47 प्रतिशत मंत्री ऐसे हैं, जिन्होंने अपने ऊपर आपराधिक मामले घोषित किए हैं। इसी क्रम में 174 मंत्री ऐसे हैं, जिन्होंने अपने ऊपर गंभीर मामलों को बताया है। यानी 27 प्रतिशत ऐसे मंत्री, जिन्होंने हत्या, अपहरण, अत्याचार जैसे गंभीर अपराध घोषित किए हैं। यह एक चिंता का विषय जरूर है।

शिवालिक अवस्थी
लेखक

हर नेता चुनाव लड़ने से पहले अपना शपथपत्र दायर करता है, जिसमें उसे चुनाव संबंधी हर जानकारी जनता के समक्ष साझा करनी होती है। अहेम सवाल यह है कि इतनी बड़ी संख्या में दागी नेताओं को पार्टियां टिकट क्यों देती हैं? और उससे बड़ा सवाल यह है कि जनता के सामने उन्हें चुनने की मजबूरी क्यों है? एडीआर की रिपोर्ट चिंताजनक है, किंतु यदि जनता समझदारी के साथ मतों का प्रयोग करे, तो यह छोटी सी कोशिश तस्वीर बदल सकती है।

केंद्रीय मंत्रिपरिषद के 72 में से 29 मंत्रियों ने खुद पर आपराधिक मामले बताए हैं। यानी 40 प्रतिशत मंत्रियों पर आपराधिक मामले हैं। हरियाणा, जम्मू और कश्मीर, नागालैंड और उत्तराखंड ऐसे 4 राज्य/केंद्र शासित प्रदेश हैं, जहां किसी भी मंत्री पर आपराधिक मामले नहीं बताए गए हैं। यह काबिले तारीफ है। ऐसे कई राज्य हैं, जहां एडीआर की रिपोर्ट में मंत्रियों द्वारा घोषित आपराधिक मामलों की औसतन संख्या 70 प्रतिशत से ऊपर बताई गई है। ध्यान रहे, हम यहां सिर्फ मंत्रियों द्वारा घोषित आपराधिक मामलों के आंकड़े एडीआर की रिपोर्ट के अनुसार पेश कर रहे हैं। हम यहां विशेषरूप से किसी भी राज्य अथवा केंद्रीय शासित प्रदेश की बात नहीं कर रहे।

आगे इसी रिपोर्ट में वित्तीय पृष्ठभूमि भी दर्शाई गई है, जिसमें बताया गया है कि राज्य/केंद्र शासित प्रदेशों के मंत्री और केंद्रीय मंत्रिपरिषद के प्रत्येक मंत्री की औसतन संपत्ति 37.21 करोड़ रुपये है, जबकि 643 में से 36 यानी 6 प्रतिशत मंत्री अरबपति हैं और 643 मंत्रियों की कुल संपत्ति 23,929 करोड़ रुपये है। देश में कर्नाटक में सबसे ज्यादा आठ मंत्री अरबपति हैं, जबकि केंद्रीय मंत्रिपरिषद के 72 मंत्रियों में छह मंत्री यानी 8 प्रतिशत मंत्री अरबपति हैं। रिपोर्ट में लिंग के आधार पर भी विश्लेषण किया गया है, जिसमें दर्शाया गया है कि कुल 643 मंत्रियों में 63 यानी 10 प्रतिशत महिला मंत्री हैं। वहीं पश्चिम बंगाल में सर्वाधिक आठ महिला मंत्री हैं, जबकि केंद्रीय मंत्रिपरिषद में 72 में से सात यानी 10 प्रतिशत महिला मंत्री हैं।

रिपोर्ट पर थोड़ा और प्रकाश डाला जाए तो मालूम होगा कि इस रिपोर्ट में शिक्षा एवं आयु के आधार पर भी मंत्रियों का विश्लेषण किया गया है। इसमें पाया गया है कि 454 मंत्री यानी लगभग 71 प्रतिशत मंत्रियों ने अपनी शैक्षणिक योग्यता स्नातक या उससे अधिक दर्शाई है। इसी तरह आयु पर आधारित विश्लेषण की बात करें, तो इसमें 51 से 60 वर्ष की आयु समूह के मंत्रियों की संख्या सर्वाधिक 241 पाई गई है। यानी लगभग 38% मंत्री 51 से 60 वर्ष की आयु समूह के पाए गए हैं। एडीआर एक एनजीओ है, जिसने 2020 से 2025 के बीच मंत्रियों द्वारा दायर हलफनामों के आधार पर यह विश्लेषण तैयार किया है। केंद्र सरकार के 130वें संविधान संशोधन विधेयक से बेहतरीन देश निर्माण की उम्मीद तो जगी है, लेकिन यह कितना कारगर सिद्ध होगा यह भविष्य के गर्भ में छिपा है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

अहिच्छत्र: महाभारत काल की वैभव गाथा

अहिच्छत्र, भारतीय संस्कृति और कलात्मकता का अद्भुत उदाहरण है, जो अपने धार्मिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक महत्व के लिए जाना जाता है। यह शहर पुरातात्विक दृष्टि से महत्वपूर्ण होने के साथ ही भारत की प्राचीन संस्कृति, शिक्षा, शासन और कलात्मकता का भी ध्वज वाहक है। अहिच्छत्र का नाम 'अहि' (सर्प) और 'छत्र' (छाया) से मिलकर बना है। किवदंती है कि इस स्थान पर तप कर रहे एक ऋषि को एक सांप ने आकर छाया दी थी। इससे अहिच्छत्र नाम मिला। पुराणों और प्राचीन ग्रंथों में वर्णित अहिच्छत्र, कभी उत्तरी पांचाल की राजधानी था। यह वही पांचाल है, जिसकी राजकुमारी द्रौपदी का विवाह पांडवों से हुआ था। यहां खुदाई में विभिन्न कालों की सभ्यताओं के अवशेष मिले हैं, जिनमें मौर्य, शुंग, कुषाण, गुप्त और मुगल काल प्रमुख हैं। यहां मिले बर्तन, सिक्के, मूर्तियां, हथियार और दीवारों के अवशेष इस बात के प्रमाण हैं कि यह क्षेत्र कभी अत्यंत समृद्ध और उन्नत था।

प्रस्तुति: शिवांग पांडेय

पांचाल संग्रहालय में संरक्षित अहिच्छत्र की धरोहरें

रुहेलखंड विश्वविद्यालय में एक छोटे से हाल में 1985 में पांचाल संग्रहालय की नींव रखी गई थी। इस संग्रहालय में अहिच्छत्र की तमाम धरोहरें संरक्षित हैं। प्राचीन इतिहास एवं संस्कृति विभाग के तहत संचालित डिजिटल पांचाल संग्रहालय का लोकार्पण 15 मई 2023 को राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने किया। इस संग्रहालय में तीन हजार साल पुरानी ऐतिहासिक मूर्तियां, पांडुलिपि, मिट्टी व धातु के बर्तन, कपड़े, शस्त्र, मुद्रा प्रयोगशाला आदि दुर्लभ सामग्री सुरक्षित हैं। खुदाई के दौरान मिला तीन हजार साल पुराना नर कंकाल खास है। इसके अलावा वस्त्र वीथिका, अभयपुर का प्राचीन स्थल, मृण्मूर्ति वीथिका, टेराकोटा गैलरी, फोटो गैलरी तथा साउंड एंड डिजिटल ऑडिटोरियम मौजूद है।

बौद्ध शिक्षा का था महत्वपूर्ण केंद्र

बुद्धकाल में अहिच्छत्र बौद्ध शिक्षा का महत्वपूर्ण केंद्र था। यहां प्राप्त बौद्ध मूर्तियां और विहारों के अवशेष संकेत देते हैं कि यह क्षेत्र बुद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए प्रमुख स्थल रहा होगा। पुरातात्विक महत्व के कारण ही यह क्षेत्र पर्यटकों और शोधकर्ताओं के लिए आकर्षण का केंद्र है। बरेली की पहचान भले ही सुरमा, बांस और झुमकों के लिए होती हो, लेकिन यहां की समृद्ध संस्कृति अहिच्छत्र के ही इतिहास का एक पन्ना है।

जैन अनुयायियों का तीर्थ

जैन अनुश्रुतियों के अनुसार मान्यता है कि 23 वें जैन तीर्थंकर पार्श्वनाथ को अहिच्छत्र में कैवल्य ज्ञान की प्राप्ति हुई। यहां जैन अनुयायियों का भी बड़ा तीर्थ है।

यहीं हुआ था द्रौपदी का जन्म

महाभारतकाल में द्रुपद उत्तर पांचाल (अहिच्छत्र) एवं दक्षिण पांचाल (काम्पिल्य) दोनों के राजा थे। उनकी पुत्री द्रौपदी जो पांचाली कहलाईं, का जन्म अहिच्छत्र में हुआ था और विवाह काम्पिल्य में हुआ। महाभारत के अनुसार गुरु द्रोणाचार्य ने राजा द्रुपद को परास्त किया और आधे अहिच्छत्र के शासक बने। हालांकि उनका राज्य कौरव ही चलाते थे। द्रोणाचार्य तो हस्तिनापुर में ही रहे। कौरव-पांडवों का यहां अधिकार होने के कारण अहिच्छत्र का किला पांडवकालीन किला कहलाया।

उत्तरी व संयुक्त पांचाल की राजधानी

उत्तराखंड के नैनीताल जिले का दक्षिणी भाग, उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद, रामपुर, पीलीभीत, बरेली, बदायूं तथा शाहजहांपुर का पूर्वी भाग तथा गंगा पार के इटावा, मैनपुरी, फर्रुखाबाद एवं एटा का दक्षिण भाग प्राचीन काल में एक राज्य था, जो पांचाल नाम से विख्यात था। इसी की राजधानी अहिच्छत्र थी। प्राचीन ब्राह्मण ग्रंथों, जैन एवं बौद्ध जातकों में अहिच्छत्र एवं पांचाल के तमाम प्रसंगों का उल्लेख है।

वर्षों पुरानी सभ्यता

रुहेलखंड विश्वविद्यालय में इतिहास के प्रोफेसर विजय बहादुर यादव बताते हैं कि भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग द्वारा की गई खुदाई में अहिच्छत्र में लगभग 5 हजार वर्ष पुरानी सभ्यता के प्रमाण मिले हैं। यहां मिली ईंटों की संरचना, दीवारें और मूर्तियां बताती हैं कि कभी यहां सुनियोजित नगर व्यवस्था थी। मिट्टी के बर्तन, तांबे के औजार और शिलालेख सिद्ध करते हैं कि अहिच्छत्र शिक्षा, व्यापार, कला और संस्कृति का बड़ा केंद्र था।

ख्याल, ठुमरी हो या गजल कुलय हैं गायकी में कुशल

कुलय पांडे डीपीएस, आजाद नगर, कानपुर में कक्षा 9 के छात्र हैं, लेकिन अभी से गायकी के उस्ताद हैं। अंतर विद्यालय संगीत प्रतियोगिता में लगातार दो साल प्रथम रहकर उन्होंने इसे साबित किया है। उत्तर प्रदेश संगीत नाटक अकादमी, लखनऊ द्वारा वर्ष 2022-23 में आयोजित राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में ठुमरी गायन में प्रथम स्थान तथा संगीत नाटक अकादमी की संभागीय शास्त्रीय संगीत प्रतियोगिता में ख्याल और ठुमरी दोनों के गायन में पहला स्थान मिला था।

-संत मिश्रा, लेखक

कुलय की माता रंजना पांडे गृहिणी और पिता संजीव पांडे सॉफ्टवेयर इंजीनियर हैं। कुलय के दो भाई हैं, जुड़वा भाई कुशमित भारद्वाज और बड़ा भाई बड़ा द्विज भारद्वाज पांडे है। कुलय की संगीत की प्रारंभिक शिक्षा पहले बाल भवन फिर डॉ. मोनिका सिंह द्वारा हुई। वर्तमान में वह नाथवर्धन इंस्टीट्यूट ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट में डॉ. सुषमा बाजपेई और रामबाबू भट्ट से नियमित संगीत की शिक्षा ले रहे हैं। कुलय की गान यात्रा आठ वर्ष पूर्व तब शुरू हुई थी, जब उन्हें केन्द्रीय विद्यालय में आयोजित अलंकरण समारोह में बाल अतिथि कलाकार के रूप में सम्मानित किया गया था। प्रयाग संगीत समिति, प्रयागराज की प्रतियोगिता में भजन व गजल में प्रथम तथा ख्याल में द्वितीय स्थान प्राप्त किया था। भारतखंडे संगीत विद्यापीठ, लखनऊ से विशारद पूर्ण कर चुके कुलय को लक्ष्मी देवी ललित कला अकादमी द्वारा अयोजित कानपुर के उभरते सितारे प्रतियोगिता में गजल, शास्त्रीय गायन व सिंथेसाइजर में प्रथम स्थान हासिल हुआ था। कथक केंद्र कानपुर की प्रतियोगिताओं में ध्रुपद गायन, ठुमरी, भजन एवं गजल में प्रथम स्थान पाया था। स्वर सर्जना, संगीतांजलि, आरोही की प्रतियोगिताओं में भी कुलय अपने हुनर से शीर्ष पर रहे थे।

शैलनट ने हल्द्वानी में जीवंत किया रंगमंच

रंगमंच से निकले निर्मल पांडे और हेमंत पांडे ने भले ही अपने दम पर पहाड़ को एक अलग पहचान दिलाई हो, लेकिन सुविधाओं व प्रोत्साहन के अभाव में हल्द्वानी का रंगमंच लगभग समाप्ति की ओर था। प्रतिभाएं और हुनर दम तोड़ रही थीं। ऐसे में प्रमुख नाट्य संस्था शैलनट ने उम्मीदों की अलख जगाई है। राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय के सहयोग से हल्द्वानी में आयोजित एक माह की कार्यशाला में प्रतिभाओं को निखारने की कोशिश से उम्मीद है कि रंगमंच का आकर्षण फिर लौटेगा। हल्द्वानी में रंगमंच को कई थियेटर ग्रुपों ने ताकत दी, लोगों ने पसंद भी किया, लेकिन सुविधाओं के अभाव में सब दम तोड़ गए।

हरीश उप्रेती करन
लेखक

वरिष्ठ रंगकर्मी डॉ. डीएन भट्ट के अनुसार, हल्द्वानी में 1979 में भारतेंदु नाट्य अकादमी से पास आउट हरीश पांडे ने थियेटर ग्रुप की स्थापना की। 90 के दशक में रंगकर्मी अरविंद अग्रवाल ने अंबर कला विकास समिति का गठन किया। इसके बाद अस्तित्व, अनिल सनवाल का निहारिका और पर्वतीय कला केंद्र जैसे ग्रुप भी सामने आए। वर्ष 2001 में हल्द्वानी में वरिष्ठ रंगकर्मी व फिल्म कलाकार श्रीश डोभाल व डीएन भट्ट के प्रयासों से शैलनट की स्थापना हुई। इसकी प्रदेश भर में एक दर्जन से अधिक शाखाएं हैं। इस ग्रुप ने वर्ष 2002 में आयोजित चौथे अंतर्राष्ट्रीय भारत रंग महोत्सव में जगह बनाकर अपना झंडा बुलंद किया। इप्शन थियेटर फेस्टिवल काठमांडू में भी नाटकों का मंचन किया, लेकिन इसके बाद सन्नाटा सा खिंच गया। अब करीब 20 वर्ष बाद शैलनट के प्रयास से रंगमंचीय गतिविधियां फिर शुरू हुई हैं, लेकिन सुविधाओं का अभाव राह का रोड़ा है। शहर में एक अदद ऑडिटोरियम की कमी से एक स्कूल में कार्यशाला करनी पड़ रही है।

युगमंच ने दिए दो दर्जन से अधिक कलाकार

1976 में नैनीताल में स्थापित युगमंच ने दो दर्जन से अधिक ऐसे कलाकार दिए हैं, जिनका एनएसडी व एफटीआई पुणे में न केवल चयन हुआ, बल्कि उन्होंने बॉलीवुड में अपनी प्रतिभा का लोहा भी मनवाया। इनमें निर्मल पांडे, ललित तिवारी, गोपल दत्त व सुनीता रजवार आदि प्रमुख हैं।

ऑडिटोरियम बनने से प्रतिभाओं को होगा लाभ

शहर में ऑडिटोरियम बनने से एक स्थान पर सभी कलाकार उपस्थित होंगे। रंगमंच को अलग पहचान मिलेगी। कालाकार आवाज लगा रहे हैं कि कला को मरने न दें, क्योंकि रंगमंच सिर्फ अभिनय नहीं, समाज का आईना है।

पितृपक्ष में अजन्मी बेटियों का महातर्पण

गंगा तट पर कुरीतियों के खिलाफ शुरू हुए अनुष्ठान ने बदला रिवाज

गर्भ में जिनको मार दिया, उनके लिए लड़ेगा कौन,
गूंज रही अब तक कानों में गूंगी चीखें सुनेगा कौन।
हृदय मिला है मानव का तो जागो फिर यह उत्तर दो,
गर्भपात में मृत बच्चों का आखिर तर्पण करेगा कौन।

यही वह पंक्तियां हैं, जिन्होंने हर किसी को झकझोर कर धार्मिक और सामाजिक रूढ़वादिता के खिलाफ आवाज बुलंद करने की ऐसी ताकत दी कि आज महिलाएं घरों से निकल कर अपनी न सिर्फ अपनी अजन्मी बेटियों, बल्कि दिवंगत देहदानियों और बलिदानियों को भी पितृपक्ष पर जल देकर शांति प्रदान कर रही हैं।

युग दधीचि देहदान अभियान प्रमुख मनोज सेंगर और माधवी सेंगर लंबे समय से अजन्मी बेटियों के लिए महिलाओं द्वारा महातर्पण का अनूठा अभियान चला रहे हैं। वर्ष 2011 से महिला सशक्तिकरण के लिए लगातार संचालित इस अद्भुत कार्यक्रम में कानपुर की प्रतिष्ठित महिलाएं पितृ पक्ष में एक निर्धारित दिन गंगा किनारे स्थित सरसैया घाट पर एकत्र होकर विधिवत उन बेटियों के लिए तर्पण और पिंडदान करती हैं, जिन्हें पुत्र मोह के कारण समाज ने धरती पर आने ही नहीं दिया। इस अभियान के बारे में मनोज सेंगर बताते हैं कि वर्ष 2010 के नवंबर माह में जेके कॉलोनी, जाजमऊ में आयोजित विराट गायत्री महायज्ञ में एक हजार लोगों को सामूहिक कन्या भ्रूण हत्या रोकने की शपथ दिलाई गई, इसी दौरान एक महिला रोते हुए आई और बड़े संकोच से बताया कि उसने दो बार गर्भपात कराया है और गर्भ में ही मार दी गई बेटियों के लिए वह कोई पूजा पाठ भी नहीं करा सकी है। क्या शास्त्रों में ऐसा कोई विधान है कि उसकी अजन्मी बच्चियों को मोक्ष मिल सके। इस प्रश्न ने वहां उपस्थित लोगों को बुरी तरह झकझोर दिया। सभी उस महिला को तुरंत कोई जवाब नहीं दे सके। रात भर महिला का सवाल यक्ष प्रश्न बनकर परेशान करता रहा। इसी के बाद आचार्य श्रीराम शर्मा द्वारा लिखित कर्मकांड भास्कर पुस्तक का अध्ययन किया तो गर्भपात में मृत बच्चों के पिंडदान से संबंधित मंत्र मिला। उस समय तक समाज में मान्यता थी कि महिलाएं तर्पण नहीं करती हैं, लेकिन शास्त्रों में प्रमाण मिला कि माता सीता ने अपने ससुर राजा दशरथ का पिंडदान गया में फल्गु नदी के तट पर किया था। इसी के बाद हम लोगों ने तय किया कि महिलाएं ही अपनी अजन्मी बेटियों के लिए तर्पण करेंगी। रूढ़वादिता तोड़ने का यह फैसला आसान नहीं था, लेकिन निर्भीक होकर सार्वजनिक रूप से शहर की प्रमुख महिलाओं से इस कार्य में भाग लेने का आह्वान किया। नियत दिन पर तर्पण की तैयारी की। जब बड़ी संख्या में महिलाएं और बेटियां इस अनूठे आयोजन में भाग लेने पहुंची, तो आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहा।

-मनोज त्रिपाठी, वरिष्ठ पत्रकार

अमर शहीदों को भी जल देने पहुंचते हैं लोग

वर्ष 2011 से हर साल पितृ पक्ष में यह आयोजन किया जा रहा है। इस वर्ष कार्यक्रम 14 सितंबर, रविवार को प्रातः 10 बजे सरसैया घाट पर होगा। धीरे-धीरे तर्पण का दायरा और बढ़ चुका है। अब अजन्मी बेटियों के साथ दिवंगत देहदानियों और अमर बलिदानियों के लिए भी तर्पण किया जाता है। इस आयोजन के साक्षी सांसद, विधायक, व्यापारी, चिकित्सक, अधिवक्ता और समाजसेवी आदि भी बनते हैं।

शास्त्रों में वर्णित हैं महिलाओं को कर्मकांड के अधिकार

यह केवल एक भ्रांति है कि महिलाएं तर्पण और पिंडदान नहीं कर सकती हैं। शास्त्रों में महिलाओं को संपूर्ण कर्मकांड के अधिकार दिए गए हैं। गायत्री परिवार की कर्मकांड भास्कर पुस्तक में गर्भपात में मृत बच्चों को जलदान का मंत्र दिया गया है। कर्मकांड मंजूषा में भी इस बारे में विस्तार से लिखा गया है। गार्गी, घोषा, अपाला, सुलभा, कात्यायनी, मैत्रेई आदि ऋषिकाओं ने समस्त वैदिक कर्मकांड अधिकार पूर्वक किए और कराए हैं।

माता सीता ने किया था राजा दशरथ का तर्पण और पिंडदान

महातर्पण का आयोजन करने वाले मनोज सेंगर और माधवी सेंगर का कहना है कि शास्त्रों में कहीं भी नहीं लिखा कि महिलाएं तर्पण नहीं कर सकती हैं। माता सीता द्वारा अपने ससुर महाराज दशरथ का पिंडदान और तर्पण गया में फल्गु नदी के तट पर किया गया था, जिसे विद्वानों ने उचित ठहराया था। उस समय भारत में महिलाओं की बड़ी प्रतिष्ठा और मान्यता थी, लेकिन बीच में आए अंधकार पूर्ण युग में महिलाओं के तमाम सामाजिक और धार्मिक अधिकार विस्मृत कर दिए गए। गतिविधियां सीमित कर दी गईं, इससे उनका आत्मविश्वास कमजोर हो गया। महिलाओं में आत्मविश्वास जगाकर अधिकारों के प्रति जागृत करके उन्हें सशक्त बनाने से ही सशक्त राष्ट्र का निर्माण होगा।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	81,101.32	24,868 .60
बढ़त	314 .02	95 .45
प्रतिशत में	0 .39	0 .39

सोना- 1,12,750 प्रति 10 ग्राम

चांदी- 1,28,800 प्रति किलो

अमृत विचार

लखनऊ, बुधवार ,10 सितंबर 2025

www.amritvichar.com

बिजनेस ब्रीफ

वाहनों के दाम 30.4 लाख तक घटाएगी जेएलआर

नई दिल्ली। जगुआर लैंड रोवर (जेएलआर) ने मंगलवार को कहा कि वह जीएसटी दर में कटौती का लाभ ग्राहकों को देने के लिए वाहनों की कीमतों में 4 .5 लाख से 30 .4 लाख रुपये तक की कटौती करेगी। कंपनी ने कहा कि ग्राहकों को रेंज रोवर, डिफेंडर और डिस्कवरी ब्रांड के वाहनों में 4 .5 लाख से 30 .4 लाख तक का लाभ मिलेगा। जेएलआर इंडिया के प्रबंध निदेशक राजन अम्बा ने कहा, लक्जरी वाहनों पर जीएसटी को युक्तिसंगत बनाना ग्राहकों और उद्योग दोनों के लिए एक स्वागतयोग्य कदम है। वोल्वो कार इंडिया ने कहा कि वह पेट्रोल, डीजल वाहनों की कीमतों में 6 .9 लाख रुपये तक की कटौती करेगी।

वारी रिन्यूएबल को मिला 1,252 करोड़ का ऑर्डर

नई दिल्ली। वारी रिन्यूएबल टेक्नोलॉजीज को वारी फॉरएवर एनर्जीज प्राइवेट लि. (डब्ल्यूएफईपीएल) से एक सौर परियोजना के लिए 1,252 .43 करोड़ रुपये का ऑर्डर मिला है। कंपनी ने मंगलवार को शेयर बाजार को दी सूचना में कहा कि यह परियोजना वित्त वर्ष 2026-27 में पूरी होगी। वारी रिन्यूएबल और डब्ल्यूएफईपीएल दोनों ही वारी एनर्जीज लि. की अनुषंगी कंपनियां हैं। परियोजना के अंतर्गत दो साल की संचालन और रखरखाव (ओ एंड एम) सेवाएं भी शामिल हैं।

जेएफएसएल-आलियांज ने किया गठजोड़

नई दिल्ली। जियो फाइनेंशियल सर्विसेज लिमिटेड (जेएफएसएल) ने मंगलवार को कहा कि उसने और जर्मनी की आलियांज ने भारत में पुनर्बीमा व्यवसाय के लिए आलियांज जियो रीइंश्योरेंस लिमिटेड (एजेआरएल) नाम से कंपनी का गठन किया है। जेएफएसएल ने शेयर बाजार को बताया कि एजेआरएल में 50% हिस्सेदारी के लिए 10 रुपये अंकित मूल्य वाले 25,000 इक्विटी शेयरों की प्रारंभिक सदस्यता के लिए 2 .50 लाख का निवेश करेगी। एजेआरएल का गठन भारतीय बीमा नियामक और विकास प्राधिकरण से अनापत्ति प्रमाण पत्र मिलने के बाद हुआ है। कॉरपोरेट मामलों के मंत्रालय से आठ सितंबर, 2025 को ईमेल से निगमन प्रमाणपत्र मिला।

आईटी शेयरों में लिवाली से बाजार मजबूत

अमेरिका में नीतिगत दर में कटौती की उम्मीद से सेंसेक्स 314 अंक चढ़ा, निफ्टी भी बढ़त में

- आईटी कंपनी इन्फोसिस के शेयर में 5.03% की तेजी

मुंबई, एजेंसी

सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनियों में लिवाली और अमेरिका में नीतिगत दर में कटौती की उम्मीद से शेयर बाजार में मंगलवार को तेजी रही। बीएसई सेंसेक्स 314 अंक के लाभ में रहा, जबकि एनएसई निफ्टी में 95 अंक की बढ़त रही।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स लगातार दूसरे दिन बढ़त में रहा और 314.02 अंक चढ़कर 81,101.32 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 394.07 अंक तक चढ़ गया था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों पर आधारित सूचकांक निफ्टी 95.45 अंक बढ़कर 24,868.60 अंक पर पहुंच गया। यह लगातार पांचवा कारोबारी सत्र है जब निफ्टी में बढ़त दर्ज की गई। सेंसेक्स में शामिल कंपनियों में से देश की दूसरी बड़ी आईटी सेवा कंपनी इन्फोसिस के शेयर में 5.03 प्रतिशत की तेजी रही। कंपनी ने कहा कि उसका निदेशक मंडल 11 सितंबर को इक्विटी शेयर की पुनर्खरीद के प्रस्ताव पर विचार करेगा। इसके अलावा टेक महिंद्रा, अदाणी पोर्ट्स, एचसीएल टेक, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और बजाज फिनसर्व के शेयरों में भी तेजी बनी रही। दूसरी तरफ, नुकसान में रहने वाले शेयरों में ट्रेंट, इटर्नल, अल्ट्राटेक सीमेंट और एनटीपीसी शामिल हैं।

मिड और स्मॉल कैप भी चढ़े

व्यापक बाजार में छोटी कंपनियों का बीएसई स्मॉलकैप सूचकांक 0 .22 प्रतिशत की बढ़त में रहा जबकि मझोली कंपनियों का मिडकैप 0 .20 प्रतिशत चढ़ा। क्षेत्रवार सूचकांकों में केंद्रित आईटी खंड सर्वाधिक 2 .89 प्रतिशत चढ़ गया जबकि आईटी खंड में 2 .76 प्रतिशत और प्रौद्योगिकी खंड में 2 .18 प्रतिशत की तेजी रही। वहीं तेल एवं गैस, रियल्टी, ऊर्जा खंड में गिरावट रही।

इन्फोसिस की घोषणा के बाद आईटी शेयरों में आए उछाल

लाइवलॉन्ग वेल्थ के संस्थापक एवं शोध विश्लेषक हरिप्रसाद के . ने कहा कि शेयर पुनर्खरीद के बारे में इन्फोसिस के विचार करने की घोषणा से आईटी शेयरों में तेजी का रुख रहा और इसके दम पर बाजार चढ़कर बंद हुआ। ऑनलाइन ट्रेडिंग फर्म एनरिच मनी के मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) पोन्मुडी आर . ने कहा कि आईटी शेयरों में निवेशक धारणा सकारात्मक रहने से यह क्षेत्र सबसे आगे रहा। इन्फोसिस की घोषणा के बाद आईटी शेयरों में आए उछाल को अमेरिका में ब्याज दर की संभावित कटौती से भी समर्थन मिला।

एफआईआई ने 2,170 करोड़ के शेयर बेचे

शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 2,170 .35 करोड़ रुपये के शेयर बेचे, जबकि घरेलू संस्थागत निवेशकों (डीआईआई) ने 3,014 .30 करोड़ रुपये के शेयर खरीदे। वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 0 .80 प्रतिशत बढ़कर 66 .55 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। सेंसेक्स सोमवार को 76 .54 अंक चढ़ा था जबकि निफ्टी में 32 .15 अंक की तेजी रही थी। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और हांगकांग का हैंगसेंग सकारात्मक दायरे में रहे, जबकि जापान का निक्की और चीन का शंघाई कम्पोजिट में गिरावट रही। यूरोपीय बाजारों में दोपहर के कारोबार में मिला-जुला रुख रहा। सोमवार को अमेरिकी बाजार बढ़त के साथ बंद हुए थे। जियोजीत इन्वेस्टमेंट्स लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि जीएसटी दरों में बदलाव की घोषणा के बाद वाहन कंपनियों के शेयरों में आए उछाल के बाद मुनाफावसूली हावी हो गई। वैश्विक अनिश्चितताओं के बीच बाजार धारणा एक दायरे में ही रहने की संभावना है।

दरों में बदलाव के अनुरूप एमआरपी में संशोधन करें कंपनियां : जोशी

- केंद्रीय मंत्री ने कहा- घरेलू उत्पादों की मांग बढ़ेगी व अर्थव्यवस्था मजबूत होगी

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने विनिर्माताओं से जीएसटी दरों में बदलाव के अनुसार बिना बिके भंडार पर अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) को बदलने के लिए कहा है। सरकार ने विभिन्न उत्पादों और सेवाओं पर जीएसटी को कम कर दिया है, जो 22 सितंबर से लागू होगा।

केंद्रीय खाद्य एवं उपभोक्ता मामलों के मंत्री प्रह्लाद जोशी ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि नई जीएसटी दरों के अनुसार विनिर्माता, पैकर और आयातक 31 दिसंबर, 2025 तक (भंडार रहने तक) बिना बिके भंडार पर एमआरपी बदल सकते हैं। उन्होंने कहा कि संशोधित कीमतें केवल जीएसटी में हुए बदलाव को ही दिखाएंगी।

मंत्री ने कहा कि नया एमआरपी स्टिकर, स्टाम्प या ऑनलाइन प्रिंट के साथ दिखाना चाहिए। साथ ही पुराना एमआरपी भी दिखाई देना चाहिए। जोशी ने कहा कि कीमत में कोई भी वृद्धि या कमी केवल कर परिवर्तन के अनुरूप ही हो सकती है। उन्होंने कंपनियों को विज्ञापनों और सार्वजनिक नोटिसों के जरिये उपभोक्ताओं को सूचित करने का भी निर्देश दिया है।

नई दरों का लाभ पहुंचाने को व्यापार सहयोग की जरूरत

नई दिल्ली। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी) के प्रमुख संजय कुमार अग्रवाल ने व्यापार और उद्योग से जीएसटी सुधारों का लाभ ग्राहकों तक पहुंचाने के लिए कर अधिकारियों की सक्रिय पहुंच की जरूरत पर जोर दिया है। नई जीएसटी दरों के तहत 375 वस्तुओं पर कर घटाया गया है और ये दरें 22 सितंबर से प्रभावी होंगी। अधिक जागरूकता न केवल भ्रम को कम करेगी, बल्कि व्यवसायों, विशेष रूप से छोटे व्यापारियों और एमएसएमई को बिना किसी बाधा के सुधारों से पूरा लाभ उठाने में सक्षम बनाएगी। कर अधिकारियों को लिखे लेटर में अग्रवाल ने कहा कि जरूरत की वस्तुओं पर कम कर से घरेलू खर्च घटेगा, किसानों, कारीगरों और निर्माताओं के लिए किफायती कच्चे माल से उत्पादन, रोजगार और निर्यात बढ़ेगा।

तांबे के अन्वेषण और खनन में निवेश जुटाने के लिए नीतिगत सुधार जरूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- सेंटर फॉर सोशल एंड इकोनॉमिक प्रोग्रेस ने जारी की रिपोर्ट

बढ़ती जरूरतों को देखते हुए भारत को तांबे के अन्वेषण और खनन में निवेश आकर्षित करने के लिए तत्काल नीतिगत सुधार करने चाहिए ताकि निवेश पर अनुकूल प्रतिफल सुनिश्चित हो सके। इसे लेकर सेंटर फॉर सोशल एंड इकोनॉमिक प्रोग्रेस (सीएसईपी) ने रिपोर्ट जारी की।

रिपोर्ट अनुसार, तांबा ऊर्जा परिवर्तन की प्रक्रिया के केंद्र में है और यह पावर ग्रिड, इलेक्ट्रिक वाहन, निर्माण एवं उन्नत विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। भारत की तांबे की बढ़ती जरूरत और वैश्विक मांग को देखते हुए देश को अधिक खोज और खनन करना चाहिए क्योंकि बड़े संसाधन और भंडार अब भी अनछुए हैं। निवेश पर अनुकूल प्रतिफल सुनिश्चित करने को तत्काल नीतिगत सुधार जरूरी हैं। देश अपनी तांबे की जरूरत का 50 प्रतिशत से अधिक आयात से पूरी करता है।

तांबे के नीलामी से लेकर वैधानिक मंजूरी एवं खनन शुरू होने तक की समूची खनिज रियायत प्रक्रिया को सरल और तेज बनाया जाना चाहिए ताकि देरी और लंबित मामलों से बचा जा सके। सीएसईपी ने कहा कि मौजूदा खनन नीतिगत ढांचे में देश की भूवैज्ञानिक क्षमता का पूरी तरह दोहन नहीं हो पा रहा है।

पीएसयू के लिए डीलिस्टिंग नियम अधिसूचित

नई दिल्ली, एजेंसी

बाजार नियामक सेबी ने ऐसे सार्वजनिक उपक्रमों की स्वेच्छिक रूप से सूचीबद्धता समाप्त करने (डीलिस्टिंग) के लिए आसान नियम अधिसूचित किए हैं, जिनमें सरकार की 90% या उससे अधिक हिस्सेदारी है। इसका मकसद बाहर निकलने की प्रक्रिया को सुव्यवस्थित करना है।

शेयर बाजार में सूचीबद्ध कंपनी के शेयर वहां से हटाने की प्रक्रिया को 'डीलिस्टिंग' कहते हैं। इन उपायों में डीलिस्टिंग को मंजूरी देने के लिए दो-तिहाई सार्वजनिक शेयरधारकों की सीमा में ढील और न्यूनतम मूल्य की गणना के तरीके में राहत शामिल है। वहीं, ऐसी डीलिस्टिंग निश्चित मूल्य पर हो सकती है, जो न्यूनतम मूल्य से 15% अधिक होनी चाहिए। सेबी ने एक सितंबर की अधिसूचना में कहा कि यह नियम ऐसे उपक्रमों पर लागू है, जहां सरकार की 90% से अधिक हिस्सेदारी है। इनमें बैंक, गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियां (एनबीएफसी) और बीमा कंपनियां नहीं हैं।

स्टार्टअप कंपनियों के लिए ईएसओपी नियमों में संशोधन

सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध होने की इच्छा रखने वाली स्टार्टअप इकाइयों के संस्थापकों को बड़ी राहत देते हुए सेबी ने नियमों में संशोधन किया है। उन्हें आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) दस्तावेज दाखिल करने से एक साल पहले दिए कर्मचारी शेयर विकल्प (ईएसओपी) को बनाए रखने की अनुमति दी गई है। भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने कहा, कोई कर्मचारी, जो प्रवर्तक या सदस्य के रूप में पहचाना जाता है और जिसे मसौदा दस्तावेज दाखिल करने से एक साल पहले किसी भी योजना के तहत विकल्प, एसएआर (स्टॉक एप्रिसिएशन राइट्स) या कोई अन्य लाभ दिया गया था, वह ऐसे विकल्प, एसएआर या किसी अन्य लाभ को बनाए रखने और उसका प्रयोग करने का पात्र होगा।

सेबी ने इनविट नियमों में संशोधन किया, न्यूनतम निवेश सीमा घटाई

सेबी ने निजी तौर पर नियोजित बुनियादी ढांचा निवेश ट्रस्ट (इनविट) के लिए प्राथमिक बाजार में न्यूनतम आवंटन लॉट को घटाकर 25 लाख करने के नियमों को अधिसूचित किया है। इसके साथ यह द्वितीयक बाजार में कारोबार लॉट के आकार के अनुरूप हो गया है। इससे पहले, निजी तौर पर नियोजित इनविट के लिए प्राथमिक बाजार में न्यूनतम आवंटन लॉट परिसंपत्ति मिश्रण के आधार पर एक करोड़ या 25 करोड़ रुपये था। मिश्रित परिसंपत्तियों पर गौर किए बिना द्वितीयक बाजार में कारोबार लॉट का आकार पहले ही घटाकर 25 लाख रुपये कर दिया गया था। यह संशोधन सभी निजी तौर पर नियोजित इनविट के लिए प्राथमिक बाजार में 25 लाख रुपये का एक समान न्यूनतम आवंटन आकार रखता है।

राष्ट्रीय

राष्ट्रपति- राज्यपाल मंत्रिपरिषद की सलाह से बंधे

कर्नाटक ने उच्चतम न्यायालय से कहा- वे केंद्र तथा राज्य की सहायता और सलाह पर कार्य करने के लिए बाध्य

नई दिल्ली, एजेंसी

एलोपैथी पर रामदेव की टिप्पणी का मामला: छत्तीसगढ़ पुलिस ने क्लोजर रिपोर्ट की दाखिल

उच्चतम न्यायालय को मंगलवार को सूचित किया गया कि कोविड के दौरान योग गुरु रामदेव की एलोपैथिक दवाओं के इस्तेमाल के खिलाफ कथित टिप्पणी से संबंधित मामले में छत्तीसगढ़ पुलिस ने क्लोजर रिपोर्ट दाखिल कर दी है। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और सतीश चंद्र शर्मा की पीठ को यह जानकारी दी। मेहता ने कहा कि रामदेव के खिलाफ शिकायतें कुछ स्वार्थी समूहों से प्रायोजित थीं। रामदेव के अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने कहा कि पिछले निर्देशों के अनुसार, छत्तीसगढ़ ने अपना जवाब दाखिल कर दिया है, लेकिन बिहार ने अभी तक जवाब दाखिल नहीं किया है। इसके बाद पीठ ने मामले की सुनवाई दिसंबर तक के लिए स्थगित कर दी। भारतीय चिकित्सा संघ (आईएमए) की पटना और रायपुर शाखाओं ने 2021 में शिकायत दर्ज कराई थी कि रामदेव की टिप्पणियों से कोविड नियंत्रण तंत्र के प्रति पूर्वाग्रह पैदा हो सकता है और लोग उचित उपचार से कतरा सकते हैं। रामदेव ने केंद्र, बिहार, छत्तीसगढ़ और आईएमए को पक्षकार बनाया था।

कर्नाटक सरकार ने मंगलवार को उच्चतम न्यायालय में कहा कि संवैधानिक व्यवस्था के तहत राष्ट्रपति और राज्यपाल केवल नाममात्र के प्रमुख हैं और वे केंद्र तथा राज्य दोनों में मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह पर कार्य करने के लिए बाध्य हैं।

कर्नाटक सरकार के अधिवक्ता गोपाल सुब्रमण्यन ने प्रधान न्यायाधीश बीआर गवई की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ के समक्ष कहा कि संविधान का अनुच्छेद 361 राष्ट्रपति और राज्यपाल को किसी भी आपराधिक कार्यवाही से छूट प्रदान करता है क्योंकि उनके पास कार्यपालिका की जिम्मेदारी नहीं है। उच्चतम न्यायालय के विभिन्न फैसलों का हवाला देते हुए सुब्रमण्यन ने न्यायमूर्ति सूर्यकांत, विक्रम नाथ, पीएस नरसिम्हा और एएस चंदुरकर की पीठ को बताया कि विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों पर कार्रवाई करने के लिए राज्यपाल की संतुष्टि, मंत्रिपरिषद की संतुष्टि ही है।

राष्ट्रपति के संदर्भ पर सुनवाई के आठवें दिन अपनी दलीलों में सुब्रमण्यन ने कहा कि संविधान राज्य में निर्वाचित सरकार के साथ समानांतर प्रशासन की व्यवस्था नहीं करता है। गवई ने सुब्रमण्यम से पूछा कि क्या सीआरपीसी की धारा 197 के तहत, जो लोकसेवकों पर मुकदमा चलाने के लिए पूर्व मंजूरी से संबंधित है, सरकार को मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह पर कार्य करना पड़ता है। इस पर वरिष्ठ वकील ने कहा कि न्यायालय के कई निर्णय हैं, जिनमें यह माना गया है कि राज्यपाल मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह से स्वतंत्र होकर कार्य करते हैं और धारा 197 के संबंध में अपने विवेक का इस्तेमाल करते हैं।

इससे पहले तीन सिबंतर को बंगाल सरकार ने उच्चतम न्यायालय से कहा था कि विधेयक के रूप में जनता की आकांक्षाओं को राज्यपालों और राष्ट्रपति की इच्छाओं के अधीन नहीं किया जा सकता, क्योंकि कार्यपालिका को विधायी प्रक्रिया में हस्तक्षेप से रोका गया है। राज्यपाल संप्रभु की इच्छा पर सवाल नहीं उठा सकते हैं और विधानसभा द्वारा पारित विधेयक की विधायी क्षमता की जांच करने को आगे नहीं बढ़ सकते हैं, जो न्यायपालिका के अधिकार में है। न्यायालय राष्ट्रपति द्वारा भेजे 14 प्रश्नों की जांच कर रहा है, जिनमें यह भी है कि क्या संवैधानिक प्राधिकारी विधेयकों पर अनिश्चितकाल तक स्वीकृति रोक सकते हैं और क्या न्यायालय अनिवार्य समय-सीमा लागू कर सकते हैं।

स्वयंसेवक से उपराष्ट्रपति तक सीपी राधाकृष्णन का रहा बेमिसाल सफर

नई दिल्ली, एजेंसी

नई दिल्ली में एनडीए संसदीय दल की बैठक के दौरान सीपी राधाकृष्णन को सम्मानित करते प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी।

किशोरावस्था में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के स्वयंसेवक, जनसंघ से राजनीतिक पारी की शुरुआत, 1990 के दशक में भाजपा के सांसद, समर्थकों के बीच तमिलनाडु के मोदी के नाम से लोकप्रिय और आज देश के दूसरे सर्वोच्च संवैधानिक पद के लिए निर्वाचित हुए चंद्रपुरम पोन्नुसामी राधाकृष्णन का सफर निस्संदेह बेमिसाल है।

उपराष्ट्रपति के तौर पर उनका सफर अब अलग तरह का होगा, जिसमें उनके सामने कई चुनौतियां होंगी। सबसे बड़ी चुनौती राज्यसभा के सभापति के रूप में सत्तापक्ष और विपक्ष के बीच संतुलन बनाने की होगी, क्योंकि कुछ वर्षों में विपक्ष ने आसन की निष्पक्षता को लेकर कई सवाल खड़े किए हैं। राधाकृष्णन (77 वर्ष) देश के 15वें उपराष्ट्रपति निर्वाचित हुए हैं। वे अब तक महाराष्ट्र के राज्यपाल की भूमिका रहे राधाकृष्णन किशोरावस्था में ही आरएसएस और जनसंघ से जुड़ थे। राधाकृष्णन ने 1998 और 1999 में कोयंबटूर लोकसभा सीट से दो बार चुनाव जीता, हालांकि इसके बाद उन्हें इस सीट से तीन बार हार का सामना करना पड़ा। तमिलनाडु में सभी दलों में उन्हें काफी सम्मान हासिल है और यही वजह है कि भाजपा ने उन्हें कई राज्यों का राज्यपाल बनाया।

उन्होंने 31 जुलाई, 2024 को महाराष्ट्र के राज्यपाल के रूप में शपथ ली। इससे पहले, उन्होंने डेढ़ साल तक झारखंड के राज्यपाल के रूप में कार्य किया। झारखंड के राज्यपाल के रूप में, उन्हें तेलंगाना के राज्यपाल और पुडुचेरी के उपराज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार भी सौंपा गया था। कई राज्यों में राज्यपाल होने के बाद भी, वह तमिलनाडु का दौरा करते रहे हैं। अपने हालिया तमिलनाडु दौरे के दौरान उन्होंने कई कार्यक्रमों में भाग लिया और मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन से भी मुलाकात की थी।

ऐश्वर्या ने कोर्ट से किया तस्वीर के अवैध प्रयोग पर रोक का अनुरोध

नई दिल्ली, एजेंसी

- अभिनेत्री ने की हाईकोर्ट से व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा की मांग

अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन ने मंगलवार को दिल्ली हाईकोर्ट से आग्रह किया कि उनके व्यक्तित्व अधिकारों की रक्षा की जाए और ऑनलाइन मंचों को उनके नाम, तस्वीरों और एआई-जनित अश्लील सामग्री का अवैध रूप से उपयोग करने से रोका जाए।

न्यायमूर्ति तेजस करिया ने मौखिक रूप से संकेत दिया कि वह प्रतिवादियों को चेतावनी देते हुए एक अंतरिम आदेश पारित करेंगे। यह मुकदमा उनके व्यक्तित्व के विभिन्न पहलुओं, जिनमें उनका नाम, तस्वीर, व्यक्तित्व और आवाज शामिल है, के दुरुपयोग से संबंधित है और प्रतिवादी उनकी राय की सहमति के बिना उनका उपयोग अपने व्यावसायिक लाभ के लिए कर रहे हैं।

याचिका में कहा गया है, कई अज्ञात पक्ष सहित प्रतिवादीगण वादी के चेहरे की छवि को कृत्रिम मेधा और डीपफेक तकनीक का उपयोग कर किसी अन्य व्यक्ति में लगा रहे हैं और वादी के अरुचिकर वीडियो और चित्र बनाए जा रहे हैं...। राय के वरिष्ठ अधिवक्ता संदीप सेठी ने कहा कि अभिनेत्री अपने प्रचार और व्यक्तिगत अधिकारों का इस्तेमाल करना चाहती हैं। उन्होंने तर्क दिया कि कुछ पूरी तरह से अवास्तविक अंतरंग तस्वीरें इंटरनेट पर प्रसारित की जा रही हैं।

दिल्ली में एसी का कंप्रेसर फटने से पांच लोग घायल

नई दिल्ली। उत्तर पूर्वी दिल्ली के यमुना विहार में स्थित पिज्जा आउटलेट में एयर कंडीशनर कंप्रेसर फटने से तीन कर्मचारियों समेत पांच लोग घायल हो गए। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि घटना सोमवार को पिज्जा हट आउटलेट में हुई जहां कंप्रेसर में विस्फोट के बाद आग लग गई। आउटलेट के तीन कर्मचारियों समेत पांच लोग घायल हुए हैं।

पिज्जा हट की प्रवक्ता रिधि ने कहा कि पिज्जा हट यमुना विहार रेस्टोरेंट में आब नहीं लगी थी। यह बाहर मुख्य भवन परिसर में लगी थी और अधिकारी मूल कारण पता लगा रहे हैं। हमारे किसी भी ग्राहक को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। हमारी स्टोर टीम के सदस्य घायल हुए हैं, जिन्होंने बहादुरी से आग पर काबू पाने में मदद की।

जम्मू-कश्मीर के पुंछ में भारी भूस्खलन

- भूमि धंसाव से 50 आवासीय ढांचे क्षतिग्रस्त हुए, जिनमें अधिकांश रिहायशी मकान

मेंढर/जम्मू, एजेंसी

जम्मू कश्मीर के पुंछ जिले में पहाड़ी की ढलान पर स्थित एक गांव में भूमि धंसाव से 50 आवासीय ढांचे क्षतिग्रस्त हो गए जिनमें अधिकांश रिहायशी मकान थे। जम्मू कश्मीर के मंत्री जावेद अहमद राणा ने अपने मेंढर निर्वाचन क्षेत्र के प्रभावित कलाबन गांव का दौरा किया तथा प्रभावित लोगों को पर्याप्त राहत और पुनर्वास का आश्वासन दिया।

अधिकारियों ने बताया कि भूमि धंसने से तीन स्कूल भवन, एक मस्जिद, एक कब्रिस्तान और गांव को जाने वाली सड़क क्षतिग्रस्त हो गई। यहां अब भी भूमि धंस रही है, जिससे स्थानीय निवासियों में दहशत फैल गई है। जल शक्ति, वन, पारिस्थितिकी एवं पर्यावरण तथा जनजातीय मामलों का प्रभार संभाल रहे राणा ने गांव में दौरा करने के बाद कहा कि यह मेरा पैतृक गांव है जो पिछले कुछ दिनों से भूमि धंसने की समस्या का सामना कर रहा है...हाल ही में पुंछ, राजौरी और कश्मीर के विभिन्न हिस्सों से भूमि धंसने की खबरें आई थीं, जो जाहिर तौर पर भारी बारिश के कारण हुई।

उन्होंने कहा कि 25 से अधिक आवासीय मकान क्षतिग्रस्त हो गए हैं और 20 अन्य मकानों में दरारें आ गई हैं, जिससे वे असुरक्षित हो गए हैं। गांव की आधी आबादी, यानी 700 लोग भूमि धंसने से प्रभावित हैं। मैंने प्रशासन को अस्थायी पुनर्वास और राहत प्रदान करने के निर्देश दिए हैं।

हिमाचल के कुल्लू में भूस्खलन में एक महिला की मौत, चार के मलबे में दबे होने की आशंका

शिमला। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले के निरमंड इलाके में भूस्खलन में एक महिला की मौत हो गई, जबकि उसके परिवार के चार अन्य सदस्यों के मलबे में दबे होने की आशंका है। जिले की घाटू पंचायत के शरमानी गांव में सोमवार रात डेढ़ बजे भारी बारिश से भूस्खलन हुआ, जिसमें दो घर क्षतिग्रस्त हो गए। ग्राम पंचायत प्रधान भोगा राम ने मंगलवार को बताया कि एक शव बरामद कर लिया और चार लोगों के मलबे में फंसे होने की आशंका है। मृतक की पहचान शिव राम की पत्नी बरसीती देवी के रूप में हुई है, जबकि चुन्नी लाल, अंजू, जागृति और पुपेश लापता हैं। गांव में तलाश अभियान जारी है। धर्म दास, उनकी पत्नी कला देवी और शिव राम घायल हो गए। ग्रामीणों ने उन्हें निरमंड के अस्पताल में भर्ती कराया।

प्रज्ञा समेत 6 अन्य को बरी करने पर पीड़ित पहुंचे हाईकोर्ट

मुंबई, एजेंसी

मालेगांव विस्फोट

- बंबई हाईकोर्ट से विशेष अदालत के फैसले को रद्द करने का अनुरोध किया

2008 के मालेगांव बम विस्फोट में मारे गए लोगों के परिजनों ने मामले के सात आरोपियों को बरी करने के विशेष अदालत के फैसले को बंबई हाईकोर्ट में चुनौती दी है। बरी किए गए आरोपियों में भाजपा की पूर्व सांसद प्रज्ञा सिंह ठाकुर और लेफ्टिनेंट कर्नल प्रसाद पुरोहित भी हैं।

अपील में दावा किया गया कि दोषपूर्ण जांच या जांच में कुछ खामियां आरोपियों को बरी करने का आधार नहीं हो सकतीं। यह भी तर्क दिया गया कि साजिश गुप्त रूप से रची जाती है, इसलिए इसका कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं हो सकता। विशेष एनआईए (राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण) अदालत की ओर से 31 जुलाई को सुनाया गया सात आरोपियों को बरी करने संबंधी आदेश गलत है। निसार अहमद सैयद बिलाल और पांच अन्य ने वकील मतीन शेख के माध्यम से सोमवार को अपील दायर कर हाईकोर्ट से विशेष अदालत के फैसले को रद्द करने का अनुरोध किया। यह अपील 15 सितंबर को न्यायमूर्ति एएस गडकरी की खंडपीठ के समक्ष सुनवाई के लिए आने की संभावना है। नासिक जिले के मालेगांव में 29 सितम्बर 2008 को एक मस्जिद के पास बाइक पर बंधे विस्फोटक में विस्फोट हुआ था, जिसमें छह की मौत और 101 लोग घायल हुए थे।

नेपाल में जनाक्रोश

काठमांडू में प्रदर्शनकारियों ने मंगलवार को एक पुलिस थाना और तमाम वाहनों को फूंक दिया।

युवा प्रदर्शनकारी सड़कों पर उतरे तो पुलिस के बैरिकेड भी उन्हें नहीं रोक पाए।

सड़कों पर नारेबाजी और आगजनी के साथ युवाओं ने जमकर अपने गुस्से का इजहार किया।

बेकाबू गुस्सा... ओली के इस्तीफे से भी नहीं संभले हालात

राष्ट्रपति, सेना के वरिष्ठ अधिकारियों और काठमांडू के मेयर ने की बातचीत की अपील

काठमांडू, एजेंसी

नेपाल में ओली सरकार के गिरने के बाद भी उपद्रव थमने के नाम नहीं ले रहे हैं। देश में कई जगहों पर हो रही हिंसा की वारदातों को देखते हुए राष्ट्रपति के अलावा कई वरिष्ठ अधिकारियों, सेना के बड़े अफसरों और काठमांडू मेयर बालेंद्र शाह ने लोगों से हिंसा का रास्ता छोड़ने और शांति बनाए रखने की अपील की है।

प्रशासन और सेना के वरिष्ठ अधिकारियों ने मृतकों के परिवारों के प्रति हार्दिक संवेदना व्यक्त की और घायलों के प्रति सहानुभूति व्यक्त करते हुए एक संयुक्त अपील जारी करके कहा है, प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली का इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया है, इसलिए हम सभी नागरिकों से शांति बनाए रखने और जानमाल को और नुकसान से बचाने का आग्रह करते हैं। कहा गया है कि हम सभी पक्षों से राजनीतिक बातचीत के माध्यम से शीघ्र और शांतिपूर्ण समाधान निकालने का भी आह्वान करते हैं। कांतिपुर समाचार पत्र ने बताया है कि इस पर अपील पर सेना और शासन के बड़े अधिकारियों के दस्तखत हैं। इनमें नेपाल सरकार के मुख्य सचिव एकनारायण आर्यल, सेनाध्यक्ष, नेपाली सेना अशोक राज सिगदेल, गृह सचिव गोकर्णमणि दुवादी और अन्य वरिष्ठ लोग शामिल हैं।

इन अधिकारियों ने इस बात पर जोर दिया कि स्थिति को स्थिर करने और आगे किसी भी प्रकार की हताहत या संपत्ति के नुकसान को रोकने के लिए नागरिकों का सहयोग और सभी पक्षों का संयम अत्यंत महत्वपूर्ण है।

प्रदर्शनकारियों ने नेपाल की संघीय संसद परिसर में भी आग लगा दी, इस इमारत से पूरे दिन धुएं के गुबार उठते रहे।

संयुक्त राष्ट्र ने कहा- अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का सम्मान करें नेपाल के अधिकारी

काठमांडू। ऑस्ट्रेलिया, फिनलैंड, फ्रांस, जापान, दक्षिण कोरिया, ब्रिटेन और अमेरिका ने नेपाल में जेन जेड के विरोध प्रदर्शनों के दौरान हुई हिंसा और जानमाल के नुकसान पर दुख जताया है। एक संयुक्त बयान में इन देशों ने कहा, हम काठमांडू और नेपाल के अन्य हिस्सों में हुई हिंसा से बेहद दुखी हैं जिसमें प्रदर्शनों के दौरान हुई जानमाल की दुखद हानि और घायलों की संख्या भी शामिल है। हम पीड़ितों के परिवारों और सभी प्रभावित लोगों के प्रति अपनी गहरी संवेदना व्यक्त करते हैं और घायलों के शीघ्र और पूर्ण स्वस्थ होने की कामना करते हैं। एक बयान में संयुक्त राष्ट्र महासचिव प्रवक्ता ने कहा कि सुरक्षा बलों को बल प्रयोग के मूल सिद्धांतों का पालन करना चाहिए। संयुक्त राष्ट्र स्पष्ट रूप से इस स्थिति पर गहरी चिंता के साथ नजर रख रहा है। यह जरूरी है कि अधिकारी, सरकार, शांतिपूर्ण सभा और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकारों की रक्षा और सम्मान करें।

भारत से काठमांडू की सभी उड़ानें रद्द, सिलिगुड़ी से बस सेवा भी बंद

नई दिल्ली। भारतीय विमान सेवा कंपनियों ने काठमांडू के लिए सभी उड़ानें रद्द कर दी हैं। एयर इंडिया के प्रवक्ता ने बताया कि एयरलाइंस ने दिल्ली और काठमांडू के बीच मंगलवार की सभी चार उड़ानें रद्द कर दी हैं। स्थिति पर नजर रखा जा रही है और आगे अपडेट साझा किए जाएंगे। इंडिगो ने एक्स पर बताया कि उसने काठमांडू में हवाई अड्डे को बंद किए जाने के मद्देनजर सभी आने-जाने उड़ानें निलंबित कर दी हैं। काठमांडू और पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी के बीच बस सेवा भी स्थगित कर दी गई है। उत्तर बंगाल राज्य परिवहन निगम ने पुष्टि की है कि काठमांडू-काकरविट्टा-सिलीगुड़ी बस सेवा, जो सप्ताह में दो बार मंगलवार और गुरुवार को चलती है उसे तकनीकी कारणों से स्थगित कर दिया गया है।

भारतीय दूतावास ने आपातकालीन फोन नंबर जारी किए

काठमांडू। भारत ने नेपाल में अपने नागरिकों के लिए आपातकालीन फोन नंबर जारी कर आपातस्थिति में उन पर संपर्क करने को कहा है। नेपाल में भारतीय दूतावास ने 'एक्स' पर अपने +977 – 980 860 2881 और +977 – 981 032 6134 नंबर साझा किए हैं। साथ ही सलाह दी है कि नेपाल में मौजूद भारतीय नागरिक अपने निवास पर ही रहें, सड़कों पर निकलने से बचें।

सड़कों पर उतरे नेपाली युवाओं ने पुलिस के सामने सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की।

सोशल मीडिया पर पाबंदी... क्योंकि असहमति की आवाजों पर नकेल कसना चाहती हैं सरकारें

काठमांडू। नेपाल में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाया जाना दुनिया भर में और यहां तक कि लोकतांत्रिक देशों में भी इसपर अंकुश लगाने के लिए किए जा रहे प्रयासों का हिस्सा है। नेपाल सरकार ने पिछले हफ्ते यह कहकर 'फेसबुक', 'एक्स' और 'यूट्यूब' समेत कई सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रतिबंध लगा दिया था कि ये कंपनियां पंजीकरण कराने की अनिवार्यता का पालन करने में विफल रही हैं।

कॉर्नेल विश्वविद्यालय में सूचना विज्ञान के सहायक प्रोफेसर आदित्य वशिष्ठ ने कहा कि नेपाल में जो कुछ हो रहा है, वह जनता के विमर्श को नियंत्रित करने और जमीनी स्तर पर उभर रहे विचारों को नियंत्रित करने के इस व्यापक पैटर्न को दर्शाता है। उन्होंने कहा कि पड़ोसी देशों पाकिस्तान और बांग्लादेश में ऐसा कई बार हो चुका है। वशिष्ठ ने कहा, यह कोई नई बात नहीं है, असल में यह सोशल मीडिया पर चल रहे विमर्श को नियंत्रित करने की एक बखूबी स्थापित रणनीति के तहत किया गया है।

वाशिंगटन स्थित गैर-लाभकारी संस्था 'फ्रीडम हाउस' में प्रौद्योगिकी और लोकतंत्र के सीनियर रिसर्च एनालिस्ट कियान वेस्टिंसन ने कहा, नेपाल में लागू किए गए इन उपायों ने करोड़ों लोगों को उन प्लेटफॉर्म से दूर कर दिया है जिनका इस्तेमाल वे अपनी अभिव्यक्ति के लिए, रोजमर्रा के कामकाज के लिए, अपने परिवारों से बात करने के लिए, स्कूल जाने के लिए और स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त करने के लिए करते हैं।

चीन इंटरनेट स्वतंत्रता के लिए सबसे बड़ा दुश्मन

फ्रीडम हाउस के मुताबिक चीन इंटरनेट स्वतंत्रता के लिए दुनिया के सबसे खराब माहौल की सूची में सबसे ऊपर है, पिछले साल म्यांमार इस मामले में शीर्ष स्थान पर था। जनवरी में पाकिस्तान की संसद के निचले सदन ने एक विधेयक पारित किया जो सरकार को सोशल मीडिया पर व्यापक नियंत्रण प्रदान करता है, जिसमें गलत सूचना फैलाने पर यूजर को जेल भेजना भी शामिल है। इंटरनेट के जरिए अभिव्यक्ति की आजादी को आधुनिक लोकतंत्र का आधार बताते हुए, फ्रीडम हाउस ने कहा कि 21वीं सदी का लोकतंत्र एक भरोसेमंद ऑनलाइन वातावरण के बिना काम नहीं कर सकता, जहां लोग जानकारी प्राप्त कर सकें और अपनी बात खुलकर कह सकें। हालांकि, सरकारें तेजी से बाधाएं खड़ी कर रही हैं।

तीन दशकों से आंदोलन

नेपाल में तीन दशकों में अनेक आंदोलन हुए हैं। 1990 में राजशाही के खिलाफ जनआंदोलन में सैकड़ों मौतें हुई। 1996 से 2006 तक माओवादी विद्रोह में कम्युनिस्ट विद्रोहियों और सरकार के बीच गृहयुद्ध की स्थिति बनी जिसमें 17 हजार लोग मारे गए। 2006 में दूसरा जनआंदोलन हुआ जिसने राजशाही को कमजोर कर गणतंत्र का मार्ग साफ किया। 2007 से 2008 के बीच मधेसी आंदोलन में तराई में जातीय नेपाली अधिकारों की मांग के चलते हुई हिंसा में अनेक लोग मारे गए। 2015 में मधेसी-टारू प्रदर्शन, वर्ष 2019 से 2020 तक नागरिकता कानून और भ्रष्टाचार विरोधी प्रदर्शन में काठमांडू और तराई में हिंसा तथा पुलिस कार्रवाई में कई लोग घायल हुए।

राजशाही के अंत के बाद नहीं संभल पाया नेपाल, 10 से ज्यादा बार बदल चुकी हैं सरकारें

नई दिल्ली। भारत के लिए रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हिमालयी देश नेपाल में राजशाही समाप्त होने के बाद से पिछले सत्रह वर्षों में राजनीतिक अस्थिरता और अशांति का दौर रहा है और इस अल्पावधि में देश में दस से भी अधिक बार सरकारें बदली हैं।

दो बड़े देशों चीन और भारत से घिरे नेपाल की राजनीति और विदेश नीति इन दोनों देशों के साथ उसके संबंधों से प्रभावित रही है और अलग-अलग सरकारों को दोनों देशों के बीच संतुलन

- **पिछले 17 वर्षों से पड़ोसी देश में राजनीतिक अस्थिरता और अनिश्चतता का दौर**

साधने की चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। नेपाल में बाहरी ताकतों की दखलंदाजी के कारण भी अस्थिरता का माहौल बनता रहा है। करीब तीन करोड़ की आबादी वाले नेपाल में एक दशक तक चले गृह युद्ध के बाद 239 वर्ष पुरानी राजशाही का अंत होने के साथ वर्ष 2008 में गणतंत्र की स्थापना हुई थी। पिछले सत्रह वर्षों में देश ने कई विरोध प्रदर्शनों के कारण बार-बार अस्थिरता और अनिश्चितता का सामना किया और औसतन हर एक-दो साल में सरकार बदलती रही। इस दौरान देश में 13 बार प्रधानमंत्री के स्तर पर सत्ता परिवर्तन हुआ। निवर्तमान प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली चार बार, पुष्प कमल दहल प्रचंड तीन बार और शेर बहादुर देउबा दो बार प्रधानमंत्री रहे। देश में राजनीतिक अस्थिरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि किसी भी प्रधानमंत्री ने अपना कार्यकाल पूरा नहीं किया।

मौजूदा घटनाक्रम इसी कड़ी का हिस्सा है। देश में लंबे समय से व्याप्त भ्रष्टाचार को लेकर सरकार के खिलाफ लोगों का गुस्सा पहले से ही सुलग रहा था और सरकार के सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने के आदेश के बाद विशेष रूप से युवाओं जिन्हें 'जेनरेशन जेड' कहा जा रहा है का गुस्सा सड़कों पर फूट पड़ा। युवा आबादी के सड़कों पर उग्र विरोध ने विद्रोह का रूप ले लिया। दो दिन के उग्र प्रदर्शनों के बाद प्रधानमंत्री ओली को इस्तीफा देना पड़ा। इससे पहले उनके कुछ मंत्रियों ने भी इस्तीफा दे दिया था।

ब्रिक्स देशों को एक-दूसरे से नफरत, व्यापार में अमेरिका से करते हैं पिशाचों जैसा बर्ताव

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन, एजेंसी

व्हाइट हाउस के व्यापार सलाहकार पीटर नवारो ने कहा कि 'ब्रिक्स' गठबंधन लंबे समय तक नहीं टिकेगा, क्योंकि इसके सदस्य देश एक-दूसरे से नफरत करते हैं। उन्होंने इन देशों के व्यापार करने के तौर-तरीकों की तुलना अमेरिका का शोषण करने वाले पिशाचों से की है।

ब्रिक्स में मूल रूप से ब्राजील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका शामिल थे, लेकिन इसका 2024 में विस्तार करके इसमें मिस्र, इथियोपिया, ईरान और संयुक्त अरब अमीरात को शामिल किया गया तथा 2025 में इंडोनेशिया भी इसमें शामिल हो गया। नवारो ने सोमवार को 'रियल अमेरिकाज वॉयस' कार्यक्रम को दिए एक साक्षात्कार में कहा, मुझे समझ नहीं आता कि ब्रिक्स

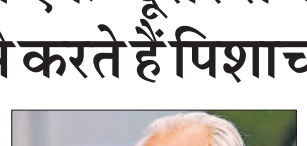
- **ट्रंप के व्यापार सलाहकार नवारो की फिर छलकी बौखलाहट**

गठबंधन कैसे एकजुट रह सकता है, क्योंकि ऐतिहासिक रूप से ये सभी एक-दूसरे से नफरत करते रहे हैं और एक-दूसरे को मारते रहे हैं। ब्रिक्स देशों पर तीखा निशाना साधते हुए उन्होंने कहा, असल बात यह है कि इस समूह का कोई भी देश तब तक जीवित नहीं रह सकता जब तक वे अमेरिका को अपना माल नहीं बेचते। और जब वे अमेरिका को निर्यात करते हैं, तो वे अपनी अनुचित व्यापार नीतियों से पिशाचों (वैम्पायर) की तरह हमारी नसों का खून चूसते हैं।

रूस से तेल आयात और ऊंचे शुल्कों को लेकर भारत के खिलाफ आए दिन राग अलापने वाले नवारो ने कहा कि भारत दशकों से चीन के साथ युद्ध लड़ रहा है। उन्होंने तंज कसते हुए कहा, और मुझे अभी याद आया, पाकिस्तान को परमाणु बम चीन ने ही दिया था। अब आपके पास हिंद महासागर में चीनी झंडे लिए हवाई जहाज़ घूम रहे हैं। मोदी, देखिए आप इसे कैसे संभालते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि रूस का चीन के साथ पूरी तरह गठजोड़ है। नवारो ने दावा किया कि बीजिंग की नजर रूसी बंदरगाह व्लादिवोस्तोक पर है और वह पहले से ही बड़े पैमाने पर अवैध आव्रजन के ज़रिए साइबेरिया जो रूसी अर्ध-साम्राज्य का सबसे बड़ा भूभाग है, उस पर उपनिवेश स्थापित कर रहा है।

रूस का यूक्रेन के गांव पर ग्लाइड बम से हमला, पेंशन की लाइन में लगे 21 बुजुर्गों की मौत

कीव। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की और क्षेत्रीय अधिकारियों ने बताया कि मंगलवार को पूर्वी यूक्रेन के एक गांव में पेंशन प्राप्त करने के लिए लाइनों में लगे बुजुर्गों पर रूसी ग्लाइड बम से किए गए हमले में कम से कम 21 लोगों की मौत हो गई और दो दर्जन लोग घायल हो गए।

जेलेंस्की ने 'टेलीग्राम' पर एक पोस्ट में कहा कि दोनेत्स्क क्षेत्र के यारोवा गांव में बम गिरा। उन्होंने हमले के बारे में कहा, निःसंदेह यह क्रूरता है। जेलेंस्की ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से आग्रह किया कि वह रूस पर अतिरिक्त आर्थिक प्रतिबंध लगाकर उसे आक्रमण के लिए दंडित करें। उन्होंने पोस्ट में कहा, दुनिया को चुप नहीं रहना चाहिए। दुनिया को निष्क्रिय नहीं रहना चाहिए। अमेरिका को जवाब देना चाहिए। यूरोप को जवाब देना चाहिए। जी-20 को प्रतिक्रिया देनी चाहिए। रूस को मौत का तांडव मचाने से रोकने के लिए कड़ी कार्रवाई की जरूरत है। दोनेत्स्क के गवर्नर वादिम फिलाश्किन ने बताया कि पेंशन पाने के लिए इंतजार कर रहे बुजुर्गों की कतार पर हुए इस हमले में 21 लोगों की मौत हो गई और 21 अन्य लोग घायल हो गए।

इजराइल ने बड़े पैमाने पर हमले से पहले गाजा शहर खाली करने को कहा

यरूशलम। इजराइली सेना ने मंगलवार को गाजा शहर में एक बड़े हमले से पहले शहर खाली करने का आदेश दिया और भी दी कि जो लोग बचे हैं उन्हें गंभीर खतरा है।

इजराइली सेना के प्रवक्ता अविचाय अद्राई ने एक्स पर लिखा, सेना इस क्षेत्र में पूरी ताकत से कार्रवाई करेगी। लगभग 10 लाख लोगों से दक्षिण में अल-मवासी की ओर जाने का आग्रह किया गया है जिसे मानवीय क्षेत्र घोषित किया गया है। अद्राई ने कहा, शहर में रहना बेहद खतरनाक है। इजराइल ने यह आदेश हमास द्वारा ट्रंप की ओर से पेश नए युद्धविराम प्रस्ताव के बाद बातचीत शुरू करने को तैयार होने की घोषणा के एक दिन बाद दिया है।

दोहा में धमाका, कतर ने बताया इजराइल की कायराना हरकत

यरुशलम। इजराइल ने मंगलवार को कतर में हमास नेतृत्व को निशाना बनाकर हमला किया। इसके साथ हमास के खिलाफ इजराइल का अभियान और व्यापक हो गया। धमाके के बाद कतर की राजधानी दोहा के क्षितिज पर काला धुआं छा गया। यह तुरंत स्पष्ट नहीं हो पाया कि हमले में कोई हताहत हुआ है या नहीं। सात अक्टूबर, 2023 को इजराइल पर हमास के हमले के बाद से यह दूसरी बार है जब कतर पर सीधा हमला हुआ है। कतर ने इसे इजराइल की कायराना हरकत बताया है।

मानहानि: ट्रंप ने वाल स्ट्रीट जर्नल पर किया 20 अरब डॉलर का केस

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने वॉल स्ट्रीट जर्नल के खिलाफ 20 अरब डॉलर का मानहानि का मुकदमा दायर किया है जिसमें उन्होंने आरोप लगाया है कि अखबार ने यह झूठा दावा किया कि उन्होंने 2003 में जेफ्री एपस्टीन के 50वें जन्मदिन के लिए एक अश्लील नोट लिखा था।

मियामी की संघीय अदालत में सोमवार को यह मुकदमा दायर किया गया जो मीडिया के खिलाफ ट्रंप के सबसे आक्रामक

- **एपस्टीन के बर्थ डे के लिए अश्लील नोट लिखने का लगा था आरोप**

कानूनी हमलों में से एक है। इस मुकदमे में उनके वकीलों ने जर्नल और उसकी मूल कंपनी डाउ जोन्स पर पत्रकारिता की नैतिकता में घोर विफलता का आरोप लगाया और कहा कि कोई भी प्रामाणिक पत्र मौजूद नहीं है। सीएनएन की रिपोर्ट के अनुसार, इस विवाद के केंद्र में गिस्लेन मैक्सवेल द्वारा एपस्टीन के लिए संकलित एक जन्मदिन पुस्तक है, जिसे हाउस ओवरसाइट कमेटी के डेमोक्रेट्स ने पिछले सप्ताह जारी किया था। एक प्रविष्टि में एक नग्न महिला की रूपरेखा से बना एक नोट था जिस पर कमर के नीचे डोनाल्ड के हस्ताक्षर थे। जर्नल ने इस नोट को ट्रंप का बताया था।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 10 सितंबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आश्विन, पक्ष-कृष्ण पक्ष, तृतीया 15.37 तक तत्पश्चात चतुर्थी।

आज का पंचांग

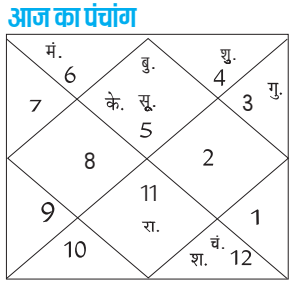

दिशाशूल- उत्तर, ऋतु- शरद।
चन्द्रबल- वृषभ, मिथुन, कन्या, तुला, मकर, मीन।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-रेवती 16.03 तक तत्पश्चात अश्विनी।

मेष — आज दिन की शुरुआत थोड़ी कमजोर हो सकती है। काम की उलझनों में आप फंस सकते हैं। अपरिचित लोगों से अधिक मेलजोल न रखें। अधूरे कार्यों को पूरा करने के लिए दिन बहुत ही अच्छा है। परिजनों के व्यवहार से मन प्रसन्न रहेगा।

वृष — आज काम की उलझनों के कारण आप फंस सकते हैं। शरीर में थकावट और कमजोरी हो सकती है। शाम से पहले आवश्यक कार्यों को पूर्ण कर लेना हितकर होगा। आपकी कार्यकुशलता में वृद्धि होगी। सरकारी कार्यों में रुकावट आ सकती है।

मिथुन — आज समय की अनुकूलता का लाभ उठाएं। उच्च अधिकारी आपका प्रोत्साहन बढ़ाएंगे। पिता के प्रति आदर का भाव बढ़ेगा। दिखावे के लिए धन खर्च कर सकते हैं। जरूरतमंद लोगों की सहायता करेंगे। अव्यावहारिक लक्ष्य प्राप्त करने का प्रयास करेंगे।

कर्क — आज कारोबार में इच्छित परिणाम प्राप्त होंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति मजबूत होगी। नई नौकरी आरंभ करने के लिए समय उत्तम है। प्रतियोगी परीक्षाओं में आपका प्रदर्शन उत्कृष्ट रहने वाला है। लोगों के बीच आपके संपर्क का दायरा बढ़ेगा।

सिंह — आज मन में नए-नए विचार उत्पन्न होंगे। अपनी सोच का दायरा विस्तृत रखें। आपके सद्गुणों की प्रशंसा होगी। बड़े-बुजुर्गों के लिए उपहार खरीद सकते हैं। जल्दबाजी एवं क्रोध के कारण काम खराब हो सकते हैं।

कन्या — आज अधीनस्थ कर्मचारियों पर अधिक विश्वास न करें। छोटी-छोटी बातों पर क्रोध करने से बचें। जीवनसाथी को पर्याप्त समय देंगे। आप कहीं घूमने के लिए जा सकते हैं। अनावश्यक खर्चों की चिंता मन में रहेगी। नकारात्मक बातों को अधिक तूल न दें।

तुला — आज आपको शुभ समाचार मिल सकते हैं। परिजनों की अपेक्षाओं पर आप खरे उतरेंगे। आप राजनीतिक संपर्कों का लाभ उठाएंगे। कार्यक्षेत्र का वातावरण अनुशासित रहने वाला है। आपको ओवरटाइम करना पड़ सकता है।

वृश्चिक — आज अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखें। जिम्मेदारियों के बोझ तले दब सकते हैं। मांगलिक कार्य की योजना बनाएंगे। आपकी मन :स्थिति विचलित हो सकती है। स्वार्थी व्यवहार के कारण प्रेमीजन आपसे खिन्न हो सकते हैं।

धनु — आज जॉब में आपके अधिकार बढ़ेंगे। शत्रुओं के ऊपर आप भारी पड़ेंगे। महिलाओं का स्वास्थ्य बहुत अच्छा रहेगा। लोग आपके प्रति सहानुभूति रखेंगे। अपनी रुचि के अनुसार काम करने का प्रयास करें। आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

मकर — आज आपको लोन और कर्ज लेने से बचना चाहिए। प्रेमीजन के साथ संबंध मधुर रहेंगे। व्यापार में नए अवसर मिल सकते हैं। जोड़ों में दर्द की शिकायत हो सकती है। अनैतिक कार्यों से आपको दूरी बनाकर रखनी चाहिए।

कुंभ — आज विदेश यात्रा में आ रही रुकावट दूर होगी। मानसिक रूप से अशांति का अनुभव कर सकते हैं। दूसरों से अधिक अपेक्षा न रखें। अपनी दिनचर्या में परिवर्तन कर सकते हैं। रियल एस्टेट से जुड़े लोगों की आय बढ़ सकती है।

मीन — आज मेहनत में कमी हो सकती है। घर के कार्यों में मन नहीं लगेगा। वैवाहिक जीवन सामान्य रहेगा। पुराने मामलों का निपटारा हो सकता है। किसी सामाजिक कार्यक्रम में सम्मिलित हो सकते हैं। आय के साधनों में वृद्धि होगी।

सुडोकू-95

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

	8				2			6
		7				4		1
	6				5		9	
6			4					5
9								7
	3			7	9			
8			6				7	
		3				2		
4			9				8	

सुडोकू - 94 का हल

1	6	5	9	4	2	7	3	8
4	3	7	8	6	5	1	2	9
9	2	8	1	3	7	5	4	6
6	5	2	4	8	9	3	7	1
8	7	1	5	2	3	9	6	4
3	9	4	6	7	1	8	5	2
5	8	6	7	1	4	2	9	3
7	4	3	2	9	8	6	1	5
2	1	9	3	5	6	4	8	7

खुद पर भरोसा रखें और उस दिशा में काम करते रहें जिस दिशा में आप जाना चाहते हैं, क्योंकि जो आपको मारता नहीं है, वह आपको अंतत: मजबूत बनाता है। इसलिए सकारात्मक रहना जरूरी है, खुद को प्रेरित करना बहुत कारगर होता है।
-ऋषभ पंत

स्टेडियम

लखनऊ, बुधवार, 10 सितंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

टोनाली के गोल से इटली की जीत

डेब्रेसेन (हंगरी) : सैंड्रो टोनाली के इंजरी टाइम में किए गए गोल की मदद से इटली ने यूरोपीय फुटबॉल विश्व कप क्वालीफाइंग में सोमवार को इजराइल के खिलाफ नौ गोल वाले रोमांचक मुकाबले में 5-4 से जीत हासिल की। इस तरह से इटली ने अगले साल उत्तरी अमेरिका में होने वाले विश्व कप के लिए क्वालीफाई करने अपनी उम्मीदों को जीवंत रखा। जून में नॉर्वे से 3-0 की हार के बाद इटली का क्वालीफिकेशन अभियान मुश्किल में पड़ गया था। उसकी मुश्किल तब और बढ़ गई थी जब तटस्थ स्थल हंगरी में खेले गए मैच में इजराइल ने दो गोल की बढ़त हासिल कर ली थी।

ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की तिकड़ी में अभी है दम

सिडनी : ऑस्ट्रेलियाई तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड ने उन अटकलों को खारिज कर दिया है कि आगामी एशेज शृंखला में उनकी, पैट कमिंस और मिचेल स्टार्क की खतरनाक तेज गेंदबाजी तिकड़ी आखरी बार एक साथ खेलते हुए दिखेगी। उन्होंने कहा कि तीनों तेज गेंदबाजों में अभी काफी क्रिकेट बची हुई है और वह कम से कम दो साल और खेल सकते हैं। इन तीनों तेज गेंदबाजों की उम्र 35 वर्ष के आसपास है।

सात्विक-चिराग की जोड़ी आगे बढ़ी

हांगकांग : सात्विक साईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारत की शीर्ष पुरुष जोड़ी ने मंगलवार को यहां हांगकांग ओपन सुपर 500 बैडमिंटन में अपने अभियान का आगाज जीत के साथ किया जबकि किरण जॉर्ज ने क्वालीफाइंग मुकाबला जीतकर पुरुष एकल के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई। पेरिस विश्व चैंपियनशिप में हाल ही में अपना दूसरा कांस्य पदक जीतने वाली सात्विक और चिराग की जोड़ी पहले दौर के अपने मुकाबले में चीनी ताइपे के चियू शियांग चिए और वांग ची-लिन को 21-13, 18-21, 21-10 से हराया।

श्रीलंका ने लियानागे को शामिल किया

कोलंबो : श्रीलंका ने एशिया कप के लिए मंगलवार को जेनिथ लियानागे को अपनी टीम में शामिल किया जिससे यह मध्यक्रम का बल्लेबाज तीन साल बाद टी-20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट में वापसी करेगा। श्रीलंका के पास अब चरित असलंका के नेतृत्व में 17 सदस्यीय टीम है और वे 13 सितंबर को अबु धाबी में बांग्लादेश के खिलाफ इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में अभियान की शुरुआत करेंगे।

पाकिस्तान के गेंदबाज उस्मान ने संन्यास लिया

कराची : पाकिस्तान के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज उस्मान शिनवारी ने महज 31 साल की उम्र में मंगलवार को अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी। शिनवारी ने 2013 से 2019 के बीच पाकिस्तान के लिए सभी प्रारूपों में कुल 34 मैच खेले। उन्होंने एक टेस्ट, 17 वनडे और 16 टी20 अंतर्राष्ट्रीय मुकाबलों में हिस्सा लिया। पाकिस्तान के लिए अपना पिछला मैच छह साल पहले खेलने वाले शिनवारी हालांकि 'लीग क्रिकेट' खेलना जारी रखेंगे।

दुबई में एशिया कप ट्रॉफी के अनावरण के दौरान ओमान के कप्तान जतिंदर सिंह, हांगकांग के कप्तान यासिम मुर्तजा, पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली आगा, अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान, भारत के कप्तान सूर्यकुमार यादव, श्रीलंका के कप्तान चरित असलंका, बांग्लादेश के कप्तान लिटन दास और यूएई के कप्तान मुहम्मद वसीम। एजेंसी

मैदान पर आक्रामकता नहीं छोड़ेंगे सूर्यकुमार और सलमान

दुबई, एजेंसी

भारत-पाक मुकाबला

भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव ने मंगलवार को कहा कि उनकी टीम पाकिस्तान के खिलाफ रविवार को होने वाले एशिया कप के मुकाबले में आक्रामकता पर अंकुश नहीं लगाएगी, क्योंकि यह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट का अहम पहलू है।

वहीं, पाकिस्तान के कप्तान सलमान अली ने कहा कि वह किसी को निर्देश नहीं देंगे, लेकिन इससे पीछे भी नहीं हटेंगे। पाकिस्तान से पहले भारत को बुधवार को यूएई से खेलना है। सूर्यकुमार ने टूर्नामेंट की पूर्व संध्या पर कप्तानों की प्रेसवार्ता में कहा मैदान पर आक्रामकता हमेशा रहती है।

आक्रामकता के बिना हम यह खेल नहीं खेल सकते। मैं आक्रामकता के साथ मैदान पर उतरने को लेकर उत्साहित हूं। उनसे पूछा गया था कि पाकिस्तान के खिलाफ मैच में क्या खिलाड़ी आक्रामकता कम करेंगे। इस साल की शुरुआत में पहलगाम में आतंकी हमले में 26 पर्यटकों की मौत के बाद भारत और पाकिस्तान में सीमा पर तनाव और भारतीय सेना के आपरेशन सिंदूर के बाद दोनों टीमों के बीच यह पहला मुकाबला है। पाकिस्तानी कप्तान सलमान ने कहा अगर कोई आक्रामक होना चाहता है तो वह ऐसा कर सकता है। किसी खिलाड़ी को कुछ कहने की जरूरत नहीं है क्योंकि सभी अलग हैं। उन्होंने कहा तेज गेंदबाज हमेशा आक्रामक होते हैं। प्रस्तोता ने मीडिया से सिर्फ गैर राजनीतिक सवाल पूछने का अनुरोध किया। सूर्यकुमार और सलमान साथ में भी नहीं बैठे थे। उन दोनों के बीच में अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान बैठे थे।

भारतीय ऑलराउंडर निभाएंगे बड़ी भूमिका

एशिया कप टी-20 क्रिकेट में मेजबान संयुक्त अरब अमीरात से आज भिड़ेगी टीम

दुबई, एजेंसी

खिताब का प्रबल दावेदार भारत एशिया कप टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट में बुधवार को यहां जब मेजबान संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगा तो ऑलराउंडर के जरिए टीम में पर्याप्त संतुलन स्थापित करने की कोशिश करेगा। भारत हालांकि अभी तक यह तय नहीं कर पाया है कि इस मुकाबले में तीसरे स्पिनर या विशेषज्ञ तेज गेंदबाज के साथ उतरना है या नहीं।

मुख्य कोच गौतम गंभीर के कार्यभार संभालने के बाद से भारत ने सभी प्रारूपों में ऑलराउंडर को प्राथमिकता दी है। ऐसा विशेष कर बल्लेबाजी को मजबूत करने के लिए किया गया है ताकि आठवें नंबर तक उसके पास अच्छे बल्लेबाज रहें। अमीरात के खिलाफ मैच 14 सितंबर को पाकिस्तान के खिलाफ होने वाले महत्वपूर्ण मैच से पहले अभ्यास मैच की तरह होगा। कमजोर मानी जाने वाली यह टीम भारतीय टीम प्रबंधन को इस बात का अंदाजा देगी कि टूर्नामेंट में आगे बढ़ने के लिए किस संयोजन के साथ मैदान में उतरना बेहतर होगा। यूएई के खिलाड़ियों के लिए यह सबसे बड़ा मैच होगा। जसप्रीत बुमराह का सामना करना या शुभमन गिल को गेंदबाजी करना किसी एसोसिएट देश के क्रिकेटर के जीवन में आम बात नहीं है और एशिया कप उन्हें खेल के वास्तविक माहौल से अवगत कराएगा। भारतीय टीम में संजू सैमसन बनाम जितेश शर्मा की पहेली फिलहाल सुलझ गई है। जितेश की फिनिशर की भूमिका को सैमसन की विस्फोटक बल्लेबाजी पर प्राथमिकता मिलना तय है।

मीडिया को संबोधित करते पाकिस्तानी कप्तान सलमान अली आगा, अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान, भारतीय कप्तान सूर्यकुमार यादव और श्रीलंका के कप्तान चरित असलंका। एजेंसी

दुबई में रहना और सभी मैच अबुधाबी में खेलना आदर्श नहीं: राशिद

- **दुबई :** अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने मंगलवार को स्पष्ट रूप से कहा कि दुबई में रहना और हर मैच के दिन लगभग दो घंटे की यात्रा करके अबुधाबी जाना उनकी टीम के लिए आदर्श कार्यक्रम नहीं है। इससे भी बड़ी विडंबना यह थी कि राशिद उसी दिन सुबह यहां एक प्रेस कांफ्रेंस में शामिल हुए जिस दिन उनकी टीम को शाम को अबुधाबी में हांगकांग से भिड़ना है। राशिद ने एशिया कप की अनिवार्य प्रेस कांफ्रेंस के दौरान कहा मुझे नहीं लगता कि यह आदर्श है - इसी बात पर हम पहले भी (दूसरे कप्तानों के साथ) चर्चा कर रहे थे। टी20 अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के इतिहास में सबसे अधिक विकेट लेने वाले इस गेंदबाज ने कहा अबुधाबी में खेलना और तीनों मैचों के लिए दुबई में रहना... यह अलग बात है। लेकिन पेशेवर क्रिकेटर होने के नाते हमें इन चीजों को स्वीकार करना होगा।
- श्रीलंकाई कप्तान चरित असलंका ने भी कार्यक्रम के बारे में बात की जिससे जिम्बाब्वे के खिलाफ कड़ी शृंखला के बाद उनकी टीम को आराम करने और उबरने का बहुत कम समय मिला है। असलंका से जब काफी कम समय में इतने सारे मैच खेलने के बारे में पूछा गया तो उन्होंने कहा अभी मुझे बहुत नींद आ रही है। मुझे लगता है कि मुझे कल इसका जवाब देना चाहिए। उन्होंने कहा नहीं मेरा मतलब है कि छह और सात सितंबर को जिम्बाब्वे में लगातार दो मैच और फिर सीधे यहां (दुबई) आना काफी मुश्किल है। मुझे लगता है कि हमें कुछ दिन की छुट्टी की जरूरत है। मुझे उम्मीद है कि कोच हमें छुट्टी देंगे। असलंका ने कहा अपनी फिटनेस का ध्यान रखना जरूरी है और हम सभी जानते हैं कि यहां बहुत गर्मी है।

समय : रात 8:00 बजे से

यूएई के पास कौशल दिखाने का मौका

- **दुबई :** यूएई के लिए यह टूर्नामेंट अपना कौशल दिखाने का एक शानदार अवसर है। मुहम्मद वसीम, राहुल चोपड़ा और सिमरनजीत सिंह जैसे खिलाड़ी अनुभवी कोच लालचंद राजपूत के मार्गदर्शन में अपनी छाप छोड़ने के लिए उत्सुक हैं।

टीम

- **भारत :** सूर्यकुमार यादव (कप्तान), शुभमन गिल, अभिषेक शर्मा, तिलक वर्मा, हार्दिक पंड्या, जितेश शर्मा (विकेटकीपर), शिवम दुबे, अक्षर पटेल, जसप्रीत बुमराह, अर्शदीप सिंह, वरुण चक्रवर्ती, कुलदीप यादव, हर्षित राणा, संजू सैमसन, रिंकू सिंह।
- **संयुक्त अरब अमीरात :** मुहम्मद वसीम (कप्तान), अलीशान शराफू, अर्यांश शर्मा, आसिफ खान, ध्रुव पराशर, एथन डिसूजा, हैदर अली, हर्षित कौशिक, जुनैद सिद्दीकी, मतीउल्लाह खान, मुहम्मद फारूक, मुहम्मद जवादुल्लाह, मुहम्मद जोहैब, राहुल चोपड़ा, रोहिद खान, सिमरनजीत सिंह, सगीर खान।

बांग्लादेश के ओपनर सेदिकुल्लाह अटल शॉट लगाते हुए। एजेंसी

अफगानिस्तान ने हांगकांग को दिया 189 रनों का लक्ष्य

- **सेदिकुल्लाह और उमरजई ने खेली अर्धशतकीय पारी**

अबु धाबी, एजेंसी

सलामी बल्लेबाज सेदिकुल्लाह अटल और अजमतुल्लाह उमरजई के अर्धशतक और दोनों के बीच अर्धशतकीय साझेदारी से अफगानिस्तान ने एशिया कप टी20 क्रिकेट टूर्नामेंट के ग्रुप बी मैच में मंगलवार को हांगकांग के खिलाफ छह विकेट पर 188 रन बनाए।

अपने करियर की सर्वश्रेष्ठ पारी के दौरान सेदिकुल्लाह ने 52 गेंद में चार चौकों और तीन छक्कों की मदद से नाबाद 73 रन की पारी खेली। अजमतुल्लाह ने अंतिम ओवरों में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी करते हुए अफगानिस्तान की ओर से सबसे तेज 20 गेंद में अर्धशतक जड़ा और 21 गेंद में पांच छक्कों और दो चौकों से 53 रन बनाए। सेदिकुल्लाह ने मोहम्मद नबी (33) के साथ भी तीसरे विकेट के लिए 51 रन जोड़े। हांगकांग की ओर से किंचित शाह सबसे सफल गेंदबाज रहे जिन्होंने 24 रन देकर दो विकेट चटकाए। आयुष शुक्ला ने भी 54 रन देकर दो विकेट हासिल किए। अफगानिस्तान के कप्तान राशिद खान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया जिसके बाद सेदिकुल्लाह चार रन के स्कोर पर भाग्यशाली रहे जब आयुष शुक्ला की गेंद पर हांगकांग के कप्तान यासिम मुर्तजा ने स्लिप में उनका कैच टपका दिया।

बैजबॉल को लेकर गलतफहमी

- **इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम ने कहा ये नहीं है कोई खेल शैली**

लंदन, एजेंसी

इंग्लैंड के मुख्य कोच ब्रेंडन मैकुलम का मानना है कि क्रिकेट का बैजबॉल ब्रांड कोई कड़ी खेल शैली नहीं है, बल्कि यह खिलाड़ियों को स्वछंद होकर खेलने की छूट देने से जुड़ा है तथा इसको लेकर गलत धारणाएं खिलाड़ियों के लिए अपमानजनक है।

मैकुलम ने 2022 में इंग्लैंड की टेस्ट टीम की कमान संभा ली और आक्रामक अंदाज में क्रिकेट खेलने को प्राथमिकता दी। क्रिकेट जगत ने इस शैली को बैजबॉल नाम दिया लेकिन मैकुलम को यह शब्द पसंद नहीं है। बीबीसी स्पोर्ट की रिपोर्ट के अनुसार मैकुलम ने फॉर द लव ऑफ क्रिकेट पॉडकास्ट में कहा हमारे अंदर कभी भी अपने बारे में ऐसी मानसिकता नहीं रही है। चीजों को लेकर हमारा रवैया सख्त नहीं है। हम जिस तरह की क्रिकेट खेलते हैं उसको लेकर कुछ गलत धारणा है। यह सभी खिलाड़ियों और टीम के अन्य सदस्यों के लिए अपमानजनक है। हम कड़ी मेहनत करते हैं और सफल होना चाहते हैं पर हमें इस तरह से वर्गीकृत करना सही नहीं है। न्यूजीलैंड के पूर्व कप्तान ने कहा कि उनका जोर हमेशा खिलाड़ियों की मानसिकता पर रहा है, न कि किसी विशेष तरीके से खेलने पर। मैकुलम ने कहा हमारे लिए यह एक ऐसा माहौल तैयार करने से जुड़ा है हम अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट के दबाव को झेलने और अपनी भूमिका को अच्छी तरह से समझने पर जोर देते हैं।

जैसमीन विश्व मुक्केबाजी के क्वार्टर फाइनल में

लिवरपूल (इंग्लैंड) : राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता जैसमीन लंबोरिया ने विश्व मुक्केबाजी चैंपियनशिप में पहले पदक की ओर कदम बढ़ाते हुए क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया जबकि भारत के दो अन्य मुक्केबाज हारकर बाहर हो गए।

जैसमीन ने महिलाओं के 57 किलो वर्ग के अंतिम 16 में ब्राजील की दो बार की ओलंपियन जूसीलेन सेरकीरा रोमेउ को 5.0 से हराया। दोनों में जुलाई में अस्ताना टूर्नामेंट में भी स्वर्ण पदक के लिए मुकाबला हुआ था जिसमे जैसमीन जीती थीं।

टी-20 विश्व कप सात फरवरी से!

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और श्रीलंका की संयुक्त मेजबानी में आयोजित होने वाले टी-20 विश्व कप 2026 को सात फरवरी से आठ मार्च के बीच खेला जा सकता है। इस विश्व कप का आयोजन भारत के कम से कम पांच और श्रीलंका के दो शहरों में होने की संभावना है।

इस विश्व कप का फाइनल अहमदाबाद या कोलंबो में होगा। यह पाकिस्तान के फाइनल में पहुंचने पर निर्भर करेगा। आईसीसी और बीसीसीआई के साथ हुए समझौते के तहत पाकिस्तान अपने सभी मैच श्रीलंका में खेलेगा।

15 टीमों ने जगह पक्की की

- अभी तक कुल 15 टीमों ने इस टूर्नामेंट के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है, जिनमें गत चैंपियन भारत, श्रीलंका और इटली के अलावा अफगानिस्तान, ऑस्ट्रेलिया, बांग्लादेश, इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका, अमेरिका, वेस्टइंडीज, न्यूजीलैंड, पाकिस्तान, आयरलैंड, कनाडा और नीदरलैंड शामिल हैं।

'ईएसपीएनक्रिकइंफो' की रिपोर्ट के अनुसार आईसीसी ने टूर्नामेंट के लिए समय निर्धारित कर दिया है और इसकी जानकारी सदस्य बोर्डों को दे दी है। इसका पूरा कार्यक्रम हालांकि अभी तय नहीं हुआ है। इस विश्व कप में 20 टीमें हिस्सा लेंगी और इसका प्रारूप वैसा ही रहेगा, जैसा कि वेस्टइंडीज और अमेरिका में 2024 में हुए टी20 विश्व कप का था। इसमें टीमों को पांच-पांच के चार ग्रुप में बाँटा जाएगा, जिसके बाद सुपर आठ चरण और सेमीफाइनल होंगे। इटली ने पहली बार विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया है।

- **अगले साल होने वाला ये टूर्नामेंट चलेगा आठ मार्च तक**
- **भारत में पांच और श्रीलंका में दो शहरों में आयोजन की संभावना**

भारतीय महिला रिकर्व टीम कांस्य पदक प्लेआफ में, पुरुष टीम हारी

ग्वांग्जू (दक्षिण कोरिया), एजेंसी

दीपिका कुमारी, गाथा खडके और अंकिता भकत की भारतीय महिला रिकर्व टीम विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप में मंगलवार को कांस्य पदक के प्लेआफ मुकाबले में पहुंच गई, लेकिन पुरुष टीम पहले दौर से बाहर हो गई। कंपाउंड तीरंदाज भी दो पदकों से आगे नहीं बढ़ सके। तीसरी वरीयता प्राप्त भारतीय महिला टीम सेमीफाइनल में जापान से 2-6 से हार गई। अब कांस्य पदक के लिए भारत का सामना दक्षिण कोरिया से होगा।

भारतीय महिला टीम की नजरें 2015 के बाद विश्व चैंपियनशिप में पहले पदक पर है। भारत ने अभी तक दो पदक जीते हैं और दोनों कंपाउंड वर्ग में मिले है। पुरुष टीम ने पहली बार स्वर्ण पदक जीता और

दीपिका कुमारी। एजेंसी

ऋषभ यादव तथा ज्योति सुरेखा वेन्नम ने मिश्रित टीम में रजत पदक हासिल किया। रिकर्व में महिला टीम की अगुवाई कर रही चार बार की ओलंपियन दीपिका क्वालीफिकेशन में 677 अंक के साथ छठे स्थान पर रही। वहीं 14वीं वरीयता प्राप्त गाथा ने 666 और 30वीं वरीयता प्राप्त अंकिता ने 656 अंक बनाए। टीम क्वालीफिकेशन में भारत तीसरे स्थान पर रहकर सीधे दूसरे दौर में पहुंचा। तीनों ने शानदार शुरूआत करते हुए दसवीं वरीयता प्राप्त स्लोवेनिया को 5 . 1 से हराया । क्वार्टर फाइनल में उन्होंने तुर्की को मात दी लेकिन सेमीफाइनल में जापान से हार गई । फाइनल में जापान का सामना चीनी ताइपै से होगा जिसने मेजबान दक्षिण कोरिया को शूटआफ में हराया। पुरुष रिकर्व टीम का प्रदर्शन निराशाजनक रहा जिसे पहले दौर में 24वीं वरीयता प्राप्त डेनमार्क ने हराया। नौवीं वरीयता प्राप्त भारतीय टीम में नीरज चौहान (670 अंक, 36वीं वरीयता), ओलंपियन धीरज बोम्मदेवरा (669, 39वीं) और राहुल (657, 62वीं) थे। शूटआफ तक चले मैच में भारतीय टीम 26 . 28 से हार गई।

पंत भारत लौटे, मुंबई में विशेषज्ञ से मिले

मुंबई : ऋषभ पंत भारत वापस आ गए हैं और जल्द ही पुनर्वास के लिए बेंगलुरु स्थित सेंटर ऑफ एक्सीलेंस (सीओई) जाएंगे। 23 जुलाई को मैनचेस्टर में इंग्लैंड के खिलाफ चौथे टेस्ट के दौरान अपने दाहिने पैर में फ्रैक्चर के बाद इस विकेटकीपर-बल्लेबाज ने पिछले कुछ दिनों से विशेषज्ञों से सलाह ली है।

हालांकि आकलन के विवरण का अभी भी इंतजार है, लेकिन ऐसा प्रतीत होता है कि सभी प्रारूपों के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक, पंत (27), अक्टूबर में वेस्टइंडीज के खिलाफ भारत की अगली घरेलू सीरीज में वापसी का लक्ष्य बना रहे हैं। अगर ऐसा नहीं होता है, तो अक्टूबर-नवंबर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीमित ओवरों की सीरीज एक वास्तविक संभावना लगती है। पता चला है कि पंत पिछले कुछ दिन मुंबई में चिकित्सा विशेषज्ञों से परामर्श के लिए बिता रहे थे।

यादें हुई ताजा | 12 वर्ष के शुभमन को गेंदबाजी करने वाले सिमरनजीत सिंह अब उनके खिलाफ खेलेंगे

शुभमन जब बच्चा था तब गेंदबाजी की

दुबई, एजेंसी

मैं शुभमन को तब से जानता हूं, जब वह बच्चा था, लेकिन पता नहीं उसे मैं याद हूं या नहीं, यह कहना है संयुक्त अरब अमीरात के बाएं हाथ के स्पिनर सिमरनजीत सिंह का। अपने क्रिकेट कैरियर के सबसे बड़े पल भारत के खिलाफ एशिया कप मुकाबले से पहले लुधियाना के 35 वर्ष के इस खिलाड़ी को याद है जब बारह वर्ष का प्रतिभाशाली शुभमन मोहाली में पंजाब क्रिकेट संघ मैदान पर अभ्यास के लिए आता था।

उन्होंने कहा यह 2011-12 की बात होगी जब शुभमन 11 या 12 साल का रहा होगा। हम मोहाली में पीसीए अकादमी पर सुबह छह से 11 बजे तक अभ्यास करते थे। शुभमन अपने पिता के साथ सुबह 11 बजे आता था। सिमरनजीत ने

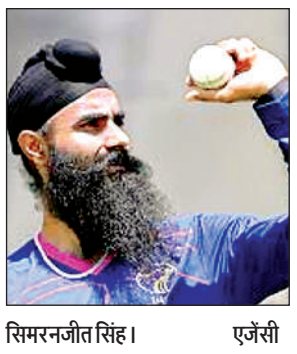

सिमरनजीत सिंह। एजेंसी

कहा मैं अपने नेट सत्र के बाद काफी अतिरिक्त गेंदबाजी करता था। पता नहीं अब वह मुझे पहचानेगा या नहीं, लेकिन उन दिनों मैंने उसे काफी गेंदबाजी की है। यूएई के कोच लालचंद राजपूत के अनुसार सिमरनजीत काफी प्रतिभाशाली गेंदबाज हैं।

उन्होंने कहा टी20 क्रिकेट में बायें हाथ के हर स्पिनर में गेंद को लगातार फ्लाइट देने की हिम्मत नहीं होती। सिमरन को पता है कि फ्लाइट से विकेट कैसे लिये जाते हैं। पंजाब के इस गेंदबाज ने अब तक 12 टी20 मैचों में 15 विकेट लिये हैं। सिमरनजीत ने कहा मैने पंजाब में काफी जिला क्रिकेट खेली है । फिर 2017 में रणजी संभावितों में चुना गया । मैने किंग्स इलेवन पंजाब के नेट्स पर भी काफी गेंदबाजी की है। इसके बावजूद सफलता नहीं मिलने से उन्हें समझ में आ गया कि भारत के लिए खेलने का सपना पूरा नहीं होने वाला। फिर कोरोना ने उनकी जिंदगी बदल दी। उन्होंने कहा मुझे दुबई में अभ्यास का प्रस्ताव मिला और अप्रैल 2021 में 20 दिन के लिए मुझे यहां आना था। फिर कोरोना की दूसरी लहर के बाद भारत में फिर लॉकडाउन लग गया और मैं महीनों यहीं रह गया।

यूएई के स्पिनर हैं सिमरनजीत सिंह

- सिमरनजीत ने कहा 2021 के बाद से मैं दुबई में हूं और जूनियर खिलाड़ियों को कोचिंग देकर अच्छा पैसा मिल रहा है। मैं क्लब क्रिकेट भी खेलता हूं। यूएई टीम में आने के बाद अमीरात क्रिकेट बोर्ड से केंद्रीय करार मिल गया। यह बेहतरीन देश है और मुझे अगर कोई दिक्कत होती तो मैं इसके लिए नहीं खेलता। मेरे मजहब का सम्मान किया जाता है। किसी ने मेरी दाढी के बारे में नहीं पूछा और यह भी नहीं पूछा कि मैं कृपाण क्यों रखता हूं। यह पूछने पर कि उनका परिवार कल भारत के खिलाफ मैच में किसका समर्थन करेगा, उन्होंने कहा यह कठिन फैसला है।